THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 337 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) चैत्र कृ.1, 2082 बुधवार, 4 मार्च-2026

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर * पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

'किश्तवाड़ में सतर्क और सक्रिय रहें'

नई दिल्ली, 3 मार्च (एजेंसियां)। व्हाइट नाइट कोर के जनरल ऑफिसर कमांडिंग (जीओसी) लेफ्टिनेंट जनरल पी.के. मिश्रा ने किश्तवाड़ जिले में सुरक्षा की स्थिति और आतंकवाद विरोधी अभियानों की समीक्षा की। जीओसी मिश्रा ने सभी रैंकों को सतर्क, सक्रिय और मिशन पर केंद्रित रहने का निर्देश दिया। जीओसी मिश्रा के साथ काउंटर-इंसर्जेंसी फोर्स (डेल्टा) के जनरल ऑफिसर कमांडिंग मेजर जनरल अजय सिंह डबास भी थे। व्हाइट नाइट कोर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा, जीओसी ने डेल्टा फोर्स की अटूट निष्ठा, सटीक परिचालन क्षमता और कर्तव्य के प्रति दृढ़ प्रतिबद्धता की सराहना की।

हमारी दिशा और संकल्प स्पष्ट : मोदी

नई दिल्ली, 3 मार्च (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि इतनी बड़ी तादाद में बजट पर चर्चा, ये भी अपने आप में एक बहुत सफल प्रयोग है। आप सब समय निकालकर इस वेबिनार में जुड़े, मैं आप सभी का अभिनंदन और स्वागत करता हूं। इस वेबिनार की थीम देश के आर्थिक विकास को निरंतर मजबूती देने से जुड़ी हुई है।

हर किसी ने दिए उत्तम सुझाव :

बजट के बाद 'स्टेनिंग एंड स्ट्रेंथनिंग इकोनॉमिक ग्रोथ' विषय पर आयोजित एक वेबिनार को संबोधित करते हुए कहा कि पिछले सप्ताह बजट वेबिनार सीरीज के पहले वेबिनार का आयोजन हुआ और मुझे ऐसा बताया गया कि वो बहुत सफल रहा। उन्होंने आगे कहा कि बजट प्रावधानों के कार्यान्वयन को लेकर हर किसी ने काफी उत्तम सुझाव दिए। मैं सबकी सक्रिय भागीदारी का स्वागत करता हूं। पीएम मोदी ने आगे कहा कि आज इस सीरीज के दूसरे वेबिनार का आयोजन हो रहा है। मुझे बताया गया है कि आज हजारों की संख्या में ढेर सारे विषयों पर अनगिनत लोग अपने सुझाव देने वाले हैं और विषय के जो विशेषज्ञ हैं, वो भी हमसे जुड़ने वाले हैं। आज जब भारत अपनी मजबूत अर्थव्यवस्था से पूरे विश्व की उम्मीद बना हुआ है, आज जब वैश्विक आपूर्ति चेन रीशेप हो रही है। >14

आशा की किरण बनकर उभरा भारत

अमेरिकी उपविदेश सचिव क्रिस्टोफर लैंडो भारत पहुंचे : रायसीना डायलॉग में होंगे शामिल

नई दिल्ली, 3 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिका के उपविदेश सचिव क्रिस्टोफर लैंडो आज से चार दिनों की भारत यात्रा पर रहेंगे। वह तीन से छह मार्च तक नई दिल्ली में रुकेंगे। लैंडो भारत के सबसे बड़े भू-राजनीतिक मंच 'रायसीना डायलॉग 2026' में अमेरिका का प्रतिनिधित्व करेंगे। इस कार्यक्रम में वह राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की 'अमेरिका फर्स्ट' नीति की प्राथमिकताओं को आगे बढ़ाएंगे। अमेरिकी विदेश विभाग ने जानकारी दी है कि उपविदेश सचिव क्रिस्टोफर लैंडो नई दिल्ली में अमेरिकी दल का नेतृत्व करेंगे। वह राष्ट्रपति ट्रंप की नीतियों को मजबूती से रखेंगे।

पीएम ने ओमान के सुल्तान, कुवैत के प्रिंस से फोन पर की बात

नई दिल्ली, 3 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिका और इस्राइल की ईरान पर संयुक्त सैन्य कार्रवाई के बाद पश्चिम एशिया क्षेत्र के हालात तेजी से बदल रहे हैं। ऐसे में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार की दोपहर खाड़ी क्षेत्र के प्रमुख नेताओं से फोन पर बातचीत की। उन्होंने ओमान के सुल्तान हैथम बिन तारिक और कुवैत के क्राउन प्रिंस शेख सबा अल-खालिद अल-अहम अल-मुबारक अल-सबाह से भी बात की। प्रधानमंत्री ने दोनों नेताओं से अलग-अलग फोन पर बातचीत की और उनके देशों में हो रहे हमलों पर चिंता जताई। प्रधानमंत्री ने उन देशों में रह रहे भारतीय समुदाय की सुरक्षा पर भी चर्चा की। >14

भारतीय दूतावास ने स्टूडेंट्स को तेहरान से निकाला

नई दिल्ली, 3 मार्च (एजेंसियां)। ईरान में बढ़ती सुरक्षा चिंताओं के बीच, तेहरान में भारतीय दूतावास ने मंगलवार को कहा कि उसने अधिकतर भारतीय छात्रों को राजधानी से शहर के बाहर सुरक्षित जगहों पर भेज दिया है। एंबेसी ने बताया की स्टूडेंट्स के ट्रांसपोर्ट, खाने और रहने का इंतजाम कर दिया है। भारतीय दूतावास ने 3 मार्च को एक एडवाइजरी जारी की। इसमें दूतावास ने कहा कि यह कदम तेहरान में 'अधिक जोखिम की आशंका' के कारण उठाया गया है। दूतावास ने आगे कहा कि मिशन के रिलोकेशन के ऑफर को मना करने के बाद शहर में बहुत कम भारतीय स्टूडेंट्स बचे हैं।

दूतावास ने ईरान में अभी भी मौजूद भारतीय नागरिकों के लिए अपनी पहले की गाइडलाइंस को दोहराया। इसमें कहा गया है किवे जहां हैं वहीं रहें, जितना हो सके घर के अंदर रहें और खिड़कियों से दूर रहें। इसने नागरिकों को हर समय सावधानी बरतने और उन जगहों से बचने की भी सलाह दी जहां विरोध या प्रदर्शन हो सकते हैं। ईरान में भारतीयों से कहा गया है कि वे तेहरान में भारतीय दूतावास के साथ रेगुलर संपर्क में रहें और आगे के अपडेट पर करीब से नजर रखें। ईरान में जारी संघर्ष के बीच वहां फंसे भारतीय छात्रों के माता-पिता एवं परिजन अपने बच्चों की सुरक्षा के बारे में नई जानकारी प्राप्त करने के लिए बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। साथ ही, हर नया दिन उनके लिए अधिक चिंता और भय लेकर आ रहा है। पश्चिम एशिया में जैसे-जैसे स्थिति बिगड़ती जा रही है वहां फंसे छात्रों के माता-पिता भारत सरकार से अपने बच्चों को जल्द से जल्द स्वदेश वापस लाने की अपील कर रहे हैं। ऑल इंडिया मेडिकल स्टूडेंट्स एसोसिएशन (एआईएमएसए) के राष्ट्रीय प्रतिनिधि मोहम्मद मोमिन खान ने कहा कि एहतियाती व्यवस्थाओं के तहत तेहरान से ट्रांसफर किए गए भारतीय छात्र सुरक्षित रूप से कोम पहुंच गए हैं।

असली और वैध मतदाताओं के नाम जानबूझकर हटाए गए : ममता बनर्जी

कोलकाता, 3 मार्च (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में भवानीपुर की मतदाता सूची को लेकर राजनीतिक माहौल गरमा गया है। भवानीपुर वही सीट है जहां से मुख्यमंत्री ममता बनर्जी विधायक हैं। अब खबर है कि यहां मतदाता सूची से और भी नाम हट सकते हैं। एक तरफ विपक्ष इसे मुख्यमंत्री के लिए खतरे का संकेत बता रहा है, तो दूसरी तरफ ममता बनर्जी पूरी तरह आश्वस्त नजर आ रही हैं। पश्चिम बंगाल में भवानीपुर की मतदाता सूची को लेकर राजनीतिक माहौल गरमा गया है। सूत्रों के मुताबिक, जिन वोटरों के दस्तावेजों में 'लॉजिकल डिस्क्रेपेंसी' यानी तार्किक गड़बड़ी पाई गई है, उन्हें न्यायिक जांच के लिए भेजा गया है। इस प्रक्रिया के खत्म होने के बाद और नाम हटाए जाने की संभावना जताई जा रही है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी, पश्चिम बंगाल के दफ्तर से मिले आंकड़ों के अनुसार, ऐसे 14,154 मामलों को न्यायिक जांच के लिए भेजा गया है। इससे पहले जारी अंतिम मतदाता सूची में 47,111 नाम पहले ही भवानीपुर से हटाए जा चुके हैं। अब अगर न्यायिक जांच के बाद और नाम हटते हैं, तो यह संख्या और बढ़ जाएगी।

इस मुद्दे पर विपक्ष ने मुख्यमंत्री को घेरना शुरू कर दिया है।

भारत ने ईरान जंग पर जताई चिंता

> संयम बरतने और बातचीत के जरिये मसला सुलझाने की अपील की

नई दिल्ली, 3 मार्च (एजेंसियां)। भारत ने ईरान और खाड़ी क्षेत्र में संघर्ष को लेकर चिंता जाहिर की है। साथ ही सभी पक्षों से संयम बरतने, तनाव से बचने और आम लोगों की सुरक्षा को प्राथमिकता देने का आग्रह किया है।

भारत ने कहा है कि दुर्भाग्य से रमजान के पवित्र महीने में इस क्षेत्र में स्थिति काफी और लगातार बिगड़ती जा रही है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने मंगलवार को जारी बयान में कहा कि भारत बातचीत और कूटनीति की अपनी बात जोर देकर दोहरा रहा है। हम झगड़े को जल्द खत्म करने के पक्ष में हैं। पहले ही, दुख की बात है कि कई जानें जा चुकी हैं और हम इस बारे में अपना दुख जाहिर कर रहे हैं। रणधीर जायसवाल ने कहा, लगभग एक करोड़ भारतीय नागरिक खाड़ी क्षेत्र में रहते और काम करते हैं। उनकी सुरक्षा और भलाई सबसे जरूरी है। पिछले कुछ दिनों में ऐसे हमलों की वजह से पहले ही कुछ भारतीय नागरिकों की जान जा चुकी है या वे लापता हैं... बदकिस्मती से, रमजान के पवित्र महीने में, इस इलाके में हालात काफी और लगातार बिगड़ते जा रहे हैं। भारत मर्चेंट शिपिंग पर हमलों का भी कड़ा विरोध करता है। पिछले कुछ दिनों में ऐसे हमलों की वजह से पहले ही कुछ भारतीय नागरिकों की जान जा चुकी है या वे लापता हैं... बदकिस्मती से, रमजान के पवित्र महीने में, इस इलाके में हालात काफी और लगातार बिगड़ते जा रहे हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि हमारी ट्रेड और एनर्जी सप्लाई चेन भी इसी इलाके से होकर गुजरती हैं। किसी भी बड़ी रुकावट का भारतीय इकॉनमी पर गंभीर असर पड़ता है। उन्होंने कहा कि भारत मर्चेंट शिपिंग पर हमलों का भी कड़ा विरोध करता है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि हाल के दिनों में, हमने न सिर्फ लड़ाई को बढ़ते देखा है, बल्कि यह दूसरे देशों में भी फैल गई है।

'क्या करते हैं किसी राष्ट्राध्यक्ष की हत्या का समर्थन?'

नई दिल्ली, 3 मार्च (एजेंसियां)। ईरान और अमेरिका-इस्राइल के बीच बढ़ते तनाव और संभावित बड़े खतरे के बीच कांग्रेस नेता राहुल गांधी का बड़ा बयान आया है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने भारत की विदेश नीति और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की चुप्पी पर सवाल उठाए हैं। राहुल गांधी ने हालिया घटनाओं को 'अस्थिर क्षेत्र को व्यापक संघर्ष की ओर धकेलने वाला' बताया है और भारत से 'नैतिक स्पष्टता' की मांग की है।

जंग के बीच राहुल गांधी का बड़ा बयान :

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने एक्स पोस्ट में लिखा- अमेरिका, इस्राइल और ईरान के बीच बढ़ते तनाव से यह नाजुक क्षेत्र व्यापक संघर्ष की ओर बढ़ रहा है। करोड़ों लोग, जिनमें लगभग एक करोड़ भारतीय भी शामिल हैं, अनिश्चितता का सामना कर रहे हैं। सुरक्षा संबंधी चिंताएं वास्तविक हैं, लेकिन संप्रभुता का उल्लंघन करने वाले हमले संकट को और भी गंभीर बना देंगे। राहुल गांधी ने आगे कहा कि ईरान पर एकतरफा हमले, साथ ही ईरान द्वारा अन्य मध्य पूर्वी देशों पर किए गए हमले, दोनों की निंदा की जानी चाहिए। हिंसा से हिंसा ही उत्पन्न होती है- संवाद और संयम ही शांति का एकमात्र मार्ग है।

सोनिया बोलीं-खामेनेई की हत्या पर भारत की चुप्पी से हैरानी

यह न्यूट्रल रहना नहीं, जिम्मेदारी से पीछे हटना है, यह पीएम की ईरान पर हमले की अनदेखी

नई दिल्ली, 3 मार्च (एजेंसियां)। कांग्रेस की राज्यसभा सांसद सोनिया गांधी ने ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की हत्या पर भारत सरकार की चुप्पी को लेकर सवाल उठाए हैं।

उन्होंने कहा- दिल्ली की चुप्पी हैरान करने वाली है, यह तटस्थता (न्यूट्रल) नहीं, बल्कि जिम्मेदारी से पीछे हटना है। मंगलवार को एक आर्टिकल में उन्होंने लिखा- 1 मार्च को ईरान ने पुष्टि की कि उसके सुप्रीम लीडर अयातुल्ला खामेनेई की एक दिन पहले अमेरिका और इजराइल के टारगेटेड अटैक में हत्या कर दी गई। जब दो देशों की डिप्लोमैट लेवल की बातचीत चल रही हो, तब एक मौजूदा राष्ट्राध्यक्ष की हत्या अंतर्राष्ट्रीय संबंधों में गंभीर दरार को दिखाती है।

सोनिया ने लिखा कि भारत सरकार ने न तो हत्या की निंदा की और न ही ईरान की संप्रभुता के उल्लंघन पर कोई स्पष्ट प्रतिक्रिया दी। मोदी ने अमेरिका-इजराइल के हमले को अनदेखा किया, केवल यूएई पर ईरान की जवाबी कार्रवाई की निंदा की। बाद में पीएम ने 'गहरी चिंता' और 'बातचीत व कूटनीति' की बात कही। जबकि हमला उस समय हुआ, जब दो देशों के बीच कूटनीतिक प्रक्रिया जारी थी।

बिना युद्ध घोषणा के हत्या :

यह हत्या बिना किसी औपचारिक युद्ध की घोषणा और उस समय की गई, जब बातचीत की प्रक्रिया चल रही थी। संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अनुच्छेद 2(4) के मुताबिक, किसी भी देश की सीमाओं या उसकी राजनीतिक आजादी के खिलाफ बल प्रयोग या धमकी देना गलत है। किसी मौजूदा राष्ट्राध्यक्ष की टारगेट किलिंग इन नियमों के खिलाफ है। अगर दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र भी इस पर आवाज नहीं उठाता तो अंतर्राष्ट्रीय नियम कमजोर पड़ सकते हैं।

हत्या से सिर्फ 48 घंटे पहले प्रधानमंत्री इजराइल यात्रा से लौटे थे। वहां उन्होंने बेंजामिन नेतन्याहू सरकार के समर्थन की बात दोहराई। यह उस समय हुआ, जब गाजा संघर्ष में बड़ी संख्या में आम नागरिक, जिनमें महिलाएं और बच्चे शामिल हैं, मारे जाने पर दुनियाभर में नाराजगी है।

'बिना सोचे-समझे' अपील दायर करने से बढ़ीं चुनौतियां : विधि अधिकारियों ने दी सलाह

नई दिल्ली, 3 मार्च (एजेंसियां)। अदालती आदेशों के खिलाफ केंद्रीय मंत्रालयों और विभागों द्वारा 'बिना सोचे-समझे' अपील दायर करने की प्रवृत्ति को सरकारी मुकदमों को कम करने में बड़ी चुनौती बताया गया है। सरकारी मुकदमों के बेहतर और प्रभावी प्रबंधन पर हाल ही में हुए एक सम्मेलन में दो दर्जन से अधिक केंद्रीय सचिवों और वरिष्ठ विधि अधिकारियों ने कई सुझाव दिए।

उन्होंने कहा कि सेवा और अन्य मामलों में अपील दायर करने के लिए स्पष्ट नियम तय किए जाएं। साथ ही, हर विभाग में एक जिम्मेदार अधिकारी नियुक्त किया जाए जो मुकदमों का समन्वय कर सके। अदालत के फैसलों को समय पर लागू करने के लिए एक मजबूत व्यवस्था बनाने की भी सिफारिश की गई, ताकि अवमानना के मामले कम हों।

डीएलएफ के प्रीमियम फ्लैट्स में न बिजली-न पानी

सुप्रीम कोर्ट ने दिए सीबीआई जांच के आदेश

नई दिल्ली, 3 मार्च (एजेंसियां)। रियल एस्टेट की दिग्गज कंपनियों में से एक डीएलएफ की कानूनी मुसीबतें बढ़ गई हैं। सुप्रीम कोर्ट ने डीएलएफ के गुरुग्राम स्थित रिहायशी प्रोजेक्ट 'द प्राइमस डीएलएफ गार्डन सिटी' से जुड़े अनियमितताओं के मामले में सीबीआई जांच के आदेश जारी किए हैं।

अदालत ने मामले में सख्त टिप्पणी करते हुए कहा है कि, सामने आए तथ्य हिमखंड का केवल एक छोटा सा हिस्सा हो सकते हैं। यह निर्देश जस्टिस हसानुद्दीन अमानुल्लाह और जस्टिस आर. महादेवन की पीठ ने उन अपीलों की सुनवाई के दौरान दिए हैं, जिनमें स्वर्णप्रीत कौर समेत कई होमबायर्स ने डीएलएफ होम डेवलपर्स लिमिटेड के खिलाफ दायर किया था। ये अपीलें राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग (एनसीडीआरसी) के आदेश से संबंधित हैं। सुप्रीम कोर्ट ने याचिका पर सुनवाई के दौरान कहा, पूरे मामले में सीबीआई निदेशक एक विशेष टीम का गठन करें और सभी संबंधित व्यक्ति सीबीआई जांच की सहायता करें।

भारत 6 एडवांस्ड लाइट हेलिकॉप्टर शिटल मिसाइल खरीदेगा

5,083 करोड़ की डील पर मुहर

नई दिल्ली, 3 मार्च (एजेंसियां)। रक्षा मंत्रालय ने मंगलवार को 5,083 करोड़ रुपये के रक्षा सौदे पर हस्ताक्षर किए हैं। इसमें 6 एडवांस्ड लाइट हेलिकॉप्टर और शिटल मिसाइल (वीएल-शिटल मिसाइस) की खरीदारी शामिल है। रक्षा मंत्रालय यह डील इंडियन कोस्ट गार्ड और इंडियन नेवी के लिए की है। एडवांस्ड लाइट हेलिकॉप्टर भारतीय तट रक्षक दलों के लिए और शिटल मिसाइल भारतीय नौ सेना के युद्धपोतों के लिए खरीदे जा रहे हैं।

रक्षा मंत्रालाय ने जो 6 एडवांस्ड लाइट हेलिकॉप्टर (एएलएच) एमके-III खरीदने का करार किया है, वह समुद्री सुरक्षा के लिए बेहतर माने जाते हैं। साथ ही शिटल मिसाइल भी युद्धपोतों के लिए बहुत ही भरोसेमंद माने जाते हैं।

एडवांस्ड लाइट हेलिकॉप्टर एमके-III का सौदा :

रक्षा मंत्रालय के अनुसार 6 एडवांस्ड लाइट हेलिकॉप्टरों की डील 2,901 करोड़ रुपये में हुई है। यह खरीदारी सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल), बेंगलुरू से हो रही है। यह पूरी तरह से स्वदेशी हेलिकॉप्टर है। रक्षा मंत्रालय ने 2,182 करोड़ रुपये का सौदा रूसी फेडरेशन के जेएससी रोसोबोरोनेक्सपोर्ट के साथ भी किया है। यह डील सरफेस-टू-एयर-वर्टिकल-लॉन्च शिटल मिसाइल और इससे जुड़े मिसाइल होल्डिंग फ्रेम के लिए की गई है।

नेवी के लिए शिटल मिसाइलों की आवश्यकता :

रक्षा मंत्रालय के अनुसार शिटल मिसाइल फ्रंटलाइन वॉरशिप के काम आएंगी और बड़े हवाई खतरों से निपटने में योगदान देंगी। शिटल मिसाइल से भारतीय नौ सेना के रक्षा ढांचे में मजबूती आएगी, तत्काल प्रतिक्रिया देने, सभी मौसम में दुश्मन से निपटने और समुद्री सुरक्षा को नई ताकत मिलेगी।

Resonance®
Junior Colleges with IIT-JEE & NEET
Hyderabad

50 Days Rank-Focused Crash Course

Daily Classes + Problem Solving Drills with Top-Faculty

Final Preparation before EAPCET & JEE Main & other Engineering Entrance Exams

Come determined. Leave assured of success in securing a top merit seat.

Batch Starts: 15th March

Registrations Closes: 10th March

Seats Are Limited. Reserve Early. Call: 9063479330

Exclusive A/C hostel facility
Madhapur

दिल्ली एयरपोर्ट पर 80 उड़ानें रद्द

दुबई से आई महिला यात्री ने कहा-वहां सरकार मदद करे

नई दिल्ली, 3 मार्च (एजेंसियां)। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण दिल्ली के आईजीआई एयरपोर्ट से कई पश्चिमी अंतरराष्ट्रीय उड़ानें विलंबित हुईं। दिल्ली इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (डायल) ने मंगलवार को यह जानकारी दी। हवाई अड्डे के अधिकारियों ने यात्रियों से ताजा उड़ान अपडेट जांचने और वैकल्पिक मार्गों पर विचार करने का आग्रह किया है।

यात्रियों के लिए ट्रैवल एडवाइजरी जारी

डायल ने ट्रैवल एडवाइजरी जारी करते हुए कहा कि कि मध्य पूर्व की राजनीतिक स्थिति के कारण कई पश्चिमी अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में देरी या समय-सारणी में बदलाव हो रहा है। यात्रियों को हवाई अड्डे पर जाने से पहले अपनी संबंधित एयरलाइंस से ताजा उड़ान अपडेट जांचने की सलाह दी गई। यदि आवश्यक हो, तो एयरलाइन द्वारा सुझाए गए वैकल्पिक मार्गों या कनेक्शनों पर विचार करें।

दिल्ली एयरपोर्ट पर 80 अंतरराष्ट्रीय उड़ानें रद्द

पीटीआई के मुताबिक, मध्य पूर्व में बढ़ते संघर्ष और एयरस्पेस बंद होने से दिल्ली के आईजीआई एयरपोर्ट पर मंगलवार सुबह 80 अंतरराष्ट्रीय उड़ानें रद्द हो गईं, जिसमें 36 डिपार्चर और 44 अराइवल शामिल हैं। डायल ने पश्चिमी उड़ानों में

देरी और शेड्यूल बदलाव की जानकारी देते हुए यात्रियों से एयरलाइंस से अपडेट चेक करने की सलाह दी। पिछले तीन दिनों में भारतीय एयरलाइंस ने 1,117 विदेशी उड़ानें रद्द की हैं। दिल्ली एयरपोर्ट पर रोजाना 1,300 से ज्यादा उड़ानों के बीच यह संकट यात्रियों के लिए चुनौती बना हुआ है।

दुबई से दिल्ली पहुंचे यात्रियों ने बताए कैसे हैं हालात

दुबई से दिल्ली एयरपोर्ट पहुंचे एक यात्री ने बताया कि हालात काफी सामान्य हैं। ज़्यादा टेंशन नहीं है, लेकिन फ्लाइट कैंसल होने और दूसरी चीजों की वजह से लोगों को पैसे की दिक्कत आ रही है। वहां लोगों का रहना बहुत महंगा है। एयर इंडिया ने हमें पूरी तरह गाइड किया। वहां की सरकार जितनी हो सके उतनी मदद कर रही है। वहीं दूसर तरफ नोएडा की रहने वाली एक महिला यात्री ने बताया कि मैं नोएडा से हूं। हम वहां टूरिस्ट के तौर पर गए थे। हमारी वापसी 28 फरवरी को तय थी, और तभी यह सब हुआ। हमारी फ्लाइट कैंसल हो गई थी। आगे कहा कि जो भारतीय दुबई में हैं, अगर वहां की सरकार उनके रहने का खर्च उठा ले, तो अच्छा होगा। हमें दुबई में खर्च उठाना पड़ा। हमारी बस यही अपील है कि दूसरे टूरिस्ट को भी जल्द से जल्द वापस लाया जाए। हम भारत और एयर इंडिया के बहुत शुक्रगुजार हैं।

हवाई हमलों के कारण कई एयरस्पेस बंद

कई पश्चिम एशियाई देशों में हवाई क्षेत्र 28 फरवरी को अमेरिकी और इजरायली हवाई हमलों के कारण बंद हैं। इन हमलों में ईरानी सैन्य कमांड सेंटर, वायु रक्षा प्रणाली और मिसाइल स्थलों को निशाना बनाया गया था। इस बीच, दुबई से मुंबई के लिए अमीरात की एक उड़ान मंगलवार को सुरक्षित उतरी। अबू धाबी से बेंगलुरु के लिए पहली उड़ान भी सोमवार रात को केम्पेगौड़ा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंची। दुबई हवाई अड्डों पर 2 मार्च की शाम से आंशिक रूप से संचालन फिर से शुरू हुआ।

एक फंसे यात्री ने की एतिहाद एयरवेज की प्रशंसा

दुबई में फंसे एक यात्री अजय ने बताया कि उनकी अमेरिका की उड़ान रद्द हो गई थी। उन्हें 7-8 घंटे बाद बताया गया कि युद्ध छिड़ गया है। एयरलाइन ने फंसे हुए यात्रियों के लिए आवास की व्यवस्था की। अमीरात की बसों ने सभी यात्रियों को होटलों तक पहुंचाया। अबू धाबी में फंसे एक अन्य यात्री ने एतिहाद एयरवेज की व्यवस्थाओं की प्रशंसा की। उन्होंने बताया कि एयरलाइन ने उन सभी यात्रियों के लिए होटल बुक किए थे, जिनकी उड़ानें रद्द हो गई थीं।

भारत मध्य पूर्व में हवाई क्षेत्र की स्थिति पर बारीकी से नजर रख रहा है। नागरिक उड्डयन मंत्रालय के अनुसार, भारतीय वाहकों ने अपने शेड्यूल में बदलाव किए हैं। प्रतिबंधित हवाई क्षेत्र से बचने के लिए वैकल्पिक मार्गों से लंबी दूरी की उड़ानें फिर से शुरू की जा रही हैं। फंसे हुए यात्रियों की आवाजाही को सुविधाजनक बनाने के लिए विशेष व्यवस्थाएं की जा रही हैं। अमेरिका और इजरायल के हमलों के जवाब में ईरान ने भी मिसाइल और ड्रोन से जवाबी हमला किया है।

खबरें जरा हटके

मौत के बाद की दुनिया देख आई लड़की, 17 मिनट 'स्वर्ग' में घूमी, लौटकर बताया क्या-क्या देखा?

सोशल मीडिया पर एक चौंकाने वाली कहानी वायरल हो रही है, जहां एक लड़की ने मौत के बाद की दुनिया देखकर लौटने का दावा किया. ब्रिटेन की ग्लौस्टर की रहने वाली विक्टोरिया थॉमस (अब 41 साल) ने 35 साल की उम्र में जिम में बूटकैंप क्लास के दौरान अचानक चक्कर आने और थकान महसूस की. उन्होंने कहा, "मैंने अपनी ट्रेनर से कहा था कि मुझे अच्छा नहीं लग रहा और अचानक मैं फर्श पर गिर पड़ी." उस पल उनका दिल रुक गया था. उन्हें कार्डियक अरेस्ट आया था. पैरामेडिक्स ने 17 मिनट तक सीपीआर किया, लेकिन कोई पल्स नहीं आई. वे क्लिनिकली डेड थी. लेकिन इसके बाद चमत्कार हुआ और उनकी धड़कन लौट आई. अब उन्होंने इन 17 मिनट्स का एक्सपीरियंस शेयर किया है.

विक्टोरिया थॉमस का दिल 17 मिनट के बाद अचानक धड़कने लगा था. विक्टोरिया ने द मिरर और लौडीबील को इंटरव्यू में बताया कि उन 17 मिनटों में क्या हुआ था? "सब कुछ काला हो गया, कुछ भी नहीं था. फिर अचानक मुझे अहसास हुआ कि मैं जिम की छत के पास तैर रही हूं. मैं नीचे अपना शरीर देख रही थी- फर्श पर पड़ी हुई, चारों तरफ लोग और पीली मशीनें. मैं खुद को देख रही थी, लेकिन कोई डर नहीं था, कोई रोशनी नहीं दिखी, कोई सुकून नहीं महसूस हुआ. बस मैं ऊपर से सब देख रही थी."

यह एक क्लासिक आउट-ऑफ-बॉडी एक्सपीरियंस था. लेकिन विक्टोरिया ने कहा कि यह शांतिपूर्ण नहीं था, बल्कि डरावना और अजीब था- जैसे वे अलग दुनिया में हो. डॉक्टर्स ने बाद में जांच की तो पता चला कि विक्टोरिया को डैनन डिजीज थी- एक बहुत दुर्लभ जेनेटिक डिसऑर्डर जो दिल, मांसपेशियों और लिवर को प्रभावित करता है. दुनिया में इससे पीड़ित लोग 1 मिलियन में कम हैं. इस बीमारी की वजह से उनका दिल बार-बार फेल हो रहा था. कई बार हार्ट फेलियर के बाद उन्होंने हार्ट ट्रांसप्लांट करवाया था. अब वे हेल्दी हैं, एक स्वस्थ बेटे की मां हैं और फिटनेस में वापसी कर रही हैं.

यात्रियों के चप्पल-पैजामा पहनने से 'नाराज' हुआ एयरपोर्ट

सोशल मीडिया पर किया बैन का ऐलान, फिर बताई सच्चाई!

एक जमाना था जब लोग ट्रेन से यात्रा करते थे, तो खूब तैयार होकर चलते थे. वहीं प्लेन से यात्रा करने वाले तो सूट-बूट पहन लेते थे. मगर अब जमाना बदल गया है. ट्रेन हो या प्लेन, लोग यात्रा के समय आराम की चाहत रखते हैं. इस वजह से बहुत लोग तो चप्पल और पैजामा पहनकर भी ट्रैवल करने निकल जाते हैं. मगर एक अमेरिकी एयरपोर्ट ने इस बात पर नाराजगी जताई. उसने सोशल मीडिया पर लोगों के चप्पल (क्रॉक्स) और पैजामे पहनने पर रोक लगा दी है. मगर फिर उसने इस फैसले की सच्चाई को भी उजागर किया.

यूएसए टुडे वेबसाइट की रिपोर्ट के अनुसार अमेरिका के फ्लोरिडा में मौजूद टैंपा इंटरनेशनल एयरपोर्ट ने 26 फरवरी को अपने आधिकारिक X अकाउंट पर एक पोस्ट शेयर किया. इसमें उन्होंने कहा कि वो अब क्रॉक्स और पैजामों पर रोक लगा रहे हैं. पोस्ट में लिखा है- हमें बहुत देख लिया और हमने बहुत सह लिया. अब वक्त आ गया है कि टैंपा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर पैजामों को बैन कर दिया जाए. पहले क्रॉक्स बैन कर के लोगों को क्रॉक्स-फ्री एयरपोर्ट का अनुभव उठाने का सुख दिया गया, अब बारी है उससे बड़ी समस्या की, वो है पैजामे. उन्होंने लिखा कि इस नियम से बहुत लोगों को तकलीफ होगी. उन्होंने लोगों से टैंपा इंटरनेशनल एयरपोर्ट को क्रॉक्स और पैजामा फ्री बनाने की मदद मांगी. ये पोस्ट तेजी से वायरल हो गया, इसे 82 लाख व्यूज मिले और हजारों लोगों ने इसपर कमेंट कर अपनी प्रतिक्रिया दी.

बीवी को मिली पति के मौत की खबर, बच्चों सहित दे दी जान

अगले ही दिन पुलिस के सामने आ खड़ा हुआ हस्बैंड!

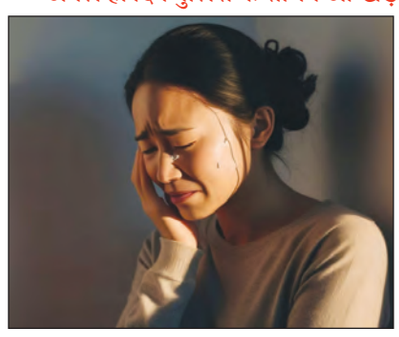

दुनिया में कभी-कभी ऐसी घटनाएं घट जाती हैं, जो सालों साल तक चर्चा का विषय बनी रहती हैं. चीन में कुछ सालों पहले ऐसी ही एक घटना घटी थी, जिसके बारे में आज भी लोग बात करते हैं और जानकर हैरान हो जाते है. ये घटना एक परिवार से जुड़ी थी. एक शख्स की अचानक मौत हो गई और उसके ऊपर भारी कर्ज था. उसकी बीवी ने बच्चों सहित अपनी जान दे दी. पर फिर जो हुआ, उसके बारे में जानकर हर कोई चौंक गया. चीन के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर इस खबर से जुड़े हैशटैग को 3 करोड़ तक व्यूज मिले थे.

मिरर वेबसाइट की रिपोर्ट के अनुसार ये घटना सितंबर 2018 की है. डाई नाम की एक 34 वर्षीय महिला दो बच्चों की मां थी और साउथईस्ट चाइना के हुनान प्रांत में रहती थी. उसे अचानक पता चला कि उसके पति, मिस्टर ही, की अचानक मौत हो गई. पुलिस ने बताया कि उनके पति के नाम पर एक कार मिली है जिसे उन्होंने किराये पर लिया था. वो कार एक नदी के अंदर मिली. हालांकि, कार में कोई लाश नहीं थी. पुलिस को लगा कि उन्होंने खुद की जान ले ली.

बीवी ने दे दी अपनी जान!

इसके पीछे कारण समझा गया कि ही के ऊपर करीब 13 लाख रुपये का कर्ज था. उन्होंने कई ऑनलाइन देनदारों से लोन लिया था क्योंकि वो अपनी 3 साल की बेटी का इलाज करवाना चाहते थे, जिसे मिर्गी की बीमारी थी. पुलिस को लगा कि इतना बड़ा कर्ज होने की वजह से ही उन्होंने खुद की जान ले ली. उनकी कथित मौत के बाद उनकी बीवी डाई बच्चों का ख्याल रखने के लिए अकेली पड़ गईं. उनके ऊपर पूरा कर्ज गया. उन्हें बताया गया कि उनके पति ने चुपके से एक लाइफ इंश्योरेंस पॉलिसी भी खरीदी है जिसकी कीमत 1 करोड़ रुपये है. वो रुपये सिर्फ उन्हें ही मिल सकते हैं.

हाई कोर्ट का सरकार को सुझाव

5 लोगों को 15 मिनट की सांकेतिक पूजा करने दें

मदुरै, 3 मार्च (एजेंसियां)। तमिलनाडु के तिरुप्परनकुंद्रम पहाड़ी पर कार्तिगई दीपम जलाने को लेकर विवाद जारी है। इस मामले में मद्रास हाई कोर्ट की मदुरै बेंच ने अवमानना याचिका पर सुनवाई की। हाई कोर्ट ने कहा कि पांच लोगों को पहाड़ी पर खंभे के पास 15 मिनट की सांकेतिक पूजा करने की अनुमति दी जा सकती है। इन पांच लोगों के नाम अदालत द्वारा तय किए जाएंगे।

हाईकोर्ट में एक अवमानना याचिका पर सुनवाई चल रही थी। यह याचिका दीपथून पर कार्तिगई दीपम जलाने के पुराने निर्देश का पालन नहीं करने पर दायर की गई थी। जस्टिस जी आर स्वामीनाथन की बेंच ने कहा कि अगर सरकार पुराने आदेशों का सम्मान करना चाहती है तो बिना दीप जलाए केवल सांकेतिक पूजा की अनुमति दी जा सकती है। कोर्ट ने साफ किया कि यह सिर्फ एक सुझाव है, कोई निर्देश नहीं। इस दौरान दीपक जलाने की बात नहीं कही गई है, सिर्फ सांकेतिक प्रार्थना की अनुमति देने का सुझाव है।

मंत्री की टिप्पणी पर कोर्ट नाराज

जस्टिस जीआर स्वामीनाथन की पीठ ने राज्य के खनिज और खदान मंत्री एस रघुपति के बयान पर भी टिप्पणी की। मंत्री ने कहा था कि सरकार दीपथून पर कार्तिगई दीपम जलाने की अनुमति नहीं देगी। अदालत ने कहा कि मंत्री ने इस मुद्दे को शरारती राजनीतिक रंग देने की कोशिश की है। अदालत ने मंत्री को याद दिलाया कि मामला अभी विचाराधीन है। इससे पहले मदुरै के कलेक्टर केजे प्रवीण कुमार ने एक हलफनामा दायर किया था। इसमें उन्होंने बताया कि उन्होंने 1 दिसंबर, 2025 को निषेधाज्ञा लागू की थी।

राजोरी में 'पीआईए' लिखा हुआ संदिग्ध गुब्बारा बरामद

सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट, जांच शुरू

राजोरी, 3 मार्च (एजेंसियां)। राजोरी जिले के सरहोती गांव में मंगलवार को पुलिस ने हवाई जहाज के आकार का गुब्बारा बरामद किया। स्थानीय लोगों ने यह गुब्बारा देखा और तुरंत अधिकारियों को सूचना दी। पुलिस सूत्रों के अनुसार, लाल और सफेद रंग का यह गुब्बारा पर उर्दू में 'पीआईए' लिखा हुआ था। पुलिस पोस्ट टेर्यात की टीम मौके पर पहुंची, गुब्बारे को सुरक्षित किया और उसे जब्त कर लिया।

यह घटना 23 फरवरी की उस घटना के बाद हुई है, जब अखनूर सेक्टर के गुनारा गांव से दो गुब्बारे बरामद किए गए थे। उन गुब्बारों में पाकिस्तानी पांच हजार का नोट और अमेरिकी डॉलर जुड़ा हुआ पाया गया था। पुलिस इस मामले की जांच कर रही है और गुब्बारे के स्रोत और उद्देश्य का पता लगाने का प्रयास कर रही है।

यूट्यूब पर बजा पीएम मोदी का डंका

छुआ 30 मिलियन सब्सक्राइबर का आंकड़ा

> ट्रंप से सात गुना ज्यादा फालोअर्स

नई दिल्ली, 3 मार्च (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को एक और उपलब्धि हासिल की। उन्होंने यूट्यूब पर 30 मिलियन सब्सक्राइबर का आंकड़ा पार कर लिया है। ऐसा करने वाले वे विश्व के पहले नेता बन गए हैं। विश्व नेताओं में, प्रधानमंत्री मोदी के यूट्यूब पर सबसे अधिक सब्सक्राइबर हैं। रैंकिंग के अनुसार, वे इस श्रेणी में अन्य सभी से काफी आगे हैं।

ट्रंप से सात गुना अधिक पीएम मोदी के सब्सक्राइबर

दूसरे स्थान पर ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति जायर बोल्सोनारो हैं, जिनके सब्सक्राइबर प्रधानमंत्री मोदी के सब्सक्राइबर का लगभग एक-चौथाई ही हैं। वहीं, प्रधानमंत्री मोदी के पास अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तुलना में सात गुना से अधिक सब्सक्राइबर हैं। भारत में, प्रधानमंत्री मोदी का दबदबा और लोकप्रियता स्पष्ट है। सब्सक्राइबर के मामले में, प्रधानमंत्री मोदी के पास राहुल गांधी से लगभग तीन गुना और आम आदमी पार्टी और कांग्रेस से चार गुना से भी अधिक सब्सक्राइबर हैं।

इंस्टाग्राम पर 100 मिलियन फालोअर्स

यह उपलब्धि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इंस्टाग्राम पर 100 मिलियन फोलोअर्स का आंकड़ा पार करने के बाद हासिल की गई है। उन्होंने हाल ही में इस प्लेटफॉर्म पर यह उपलब्धि हासिल की है। ऐसा करने वाले वे पहले विश्व नेता और राजनेता बन गए हैं। प्रधानमंत्री मोदी 2014 में इंस्टाग्राम से जुड़े थे। इंस्टाग्राम पर उनके फॉलोअर्स की संख्या अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से दोगुनी से भी अधिक है। अगले पांच प्रमुख विश्व नेताओं के फॉलोअर्स की कुल संख्या प्रधानमंत्री मोदी के फॉलोअर्स की संख्या से कम है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप 43.2 मिलियन फॉलोअर्स के साथ दूसरे स्थान पर हैं।

ईरान-इजरायल युद्ध पर कांग्रेस का ट्रंप पर तंज

'इतनी लड़ाइयां करवा दीं, नोबेल शांति पुरस्कार तो बनता है'

नई दिल्ली, 3 मार्च (एजेंसियां)। इजरायल-अमेरिका द्वारा संयुक्त रूप से ईरान पर किए गए हमले के बाद मिडिल ईस्ट में संकट के हालात हैं। तेहरान पर की गई एयरस्ट्राइक में ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत हो गई है। जिसका भारत, पाकिस्तान, ईरान समेत कई देशों में जबरदस्त विरोध हो रहा है। विदेश नीति जैसे संवेदनशील मुद्दे पर भारत में पक्ष और विपक्ष की भी राय अलग-अलग है।

खामेनेई की मौत पर जहां, सरकार ने चुप्पी साधते हुए संयम बरतने और कूटनीतिक समाधान की जरूरत पर जोर दिया है। वहीं विपक्ष ने खुलकर इजरायल के पीएम बेंजामिन नेतन्याहू और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का विरोध किया है। अब कांग्रेस के राज्यसभा सांसद व बीसीसीआई के उपाध्यक्ष ने ट्रंप की चुटकी ली है।

'एक शांति पुरस्कार तो बनता ही है'

राजीव शुक्ला ने मंगलवार को सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इतनी लड़ाइयां करवी दीं, उनके लिए एक नोबेल शांति पुरस्कार तो बनता ही है।' दरअसल शुक्ला का यह तंज ईरान-इजरायल युद्ध, रूस-यूक्रेन और हाल में ही अमेरिकी सेना द्वारा वेनेजुएला पर किए गए हमले को लेकर था।

खामेनेई की हत्या पर कांग्रेस ने क्या कहा?

वहीं कांग्रेस ने ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की लक्षित हत्या की ''स्पष्ट रूप से'' निंदा करते हुए रविवार को कहा कि किसी भी बाहरी शक्ति को सत्ता परिवर्तन कराने का अधिकार नहीं है। कांग्रेस ने कहा कि ऐसी कार्रवाइयां साम्राज्यवाद के समान हैं और वे नियम-आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था के अनुरूप नहीं हैं। कांग्रेस ने कहा, युद्ध की औपचारिक रूप से घोषणा किए बिना एक सैन्य हमले में ईरान के सर्वोच्च नेता अली हुसैनी खामेनेई की लक्षित हत्या किए जाने की स्पष्ट रूप से निंदा करती है। कांग्रेस ने बयान जारी कर कहा, कांग्रेस इस गहरे शोक की घड़ी में सर्वोच्च नेता के परिवार, ईरान के लोगों और दुनिया भर के शिया समुदाय के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करती है।

ईरान में 555 लोगों की मौत

ईरानी रेड क्रिसेंट सोसाइटी के अनुसार, अमेरिका-इजराइल अभियान में ईरान में अब तक कम से कम 555 लोग मारे जा चुके हैं और देश भर के 130 से अधिक शहर हमलों की चपेट में आ चुके हैं। इजराइल के अधिकारियों के अनुसार, इजराइल में ग्यारह लोग मारे गए हैं।

गैस कटर से एक्सिस बैंक का एटीएम काटा

पैसे रखने वाला बक्सा ले उड़े; सफेद कार में आए थे लुटेरे

पटियाला, 3 मार्च (एजेंसियां)। राजपुरा के राजपुरा-कालका रोड पर मंगलवार तड़के लुटेरों ने एक्सिस बैंक के एटीएम को निशाना बनाया। शातिर लुटेरों ने गैस कटर का इस्तेमाल कर मशीन को काटा और उसमें मौजूद नकदी लेकर फरार हो गए। सूत्रों के अनुसार लुटेरे लाखों की नगदी लेकर फरार हुए हैं हालांकि अभी बैंक ने इस बारे में जानकारी नहीं दी है। यह पूरी वारदात पास ही लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई है। घटना तड़के 4 से 5 बजे के बीच की बताई जा रही है। चश्मदीदों और सीसीटीवी फुटेज के अनुसार, एक सफेद रंग की कार एटीएम के बाहर आकर रुकी। कार से निकले लुटेरे अत्याधुनिक गैस कटर से लैस थे।

उन्होंने पहले एटीएम केबिन में प्रवेश किया और फिर मशीन के उस हिस्से को काट दिया जहां कैश रखा होता है। घटना की सूचना मिलते ही सिटी थाना प्रभारी गुरसेवक सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। जांच के लिए विशेष फॉरेंसिक टीम को भी बुलाया गया है, जिन्होंने मौके से उंगलियों के निशान और अन्य महत्वपूर्ण साक्ष्य जुटाए हैं। हमने मामला दर्ज कर लिया है और सीसीटीवी फुटेज को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। पुलिस की अलग-अलग टीमें गठित की गई हैं जो संदिग्ध रास्तों पर लगे कैमरों को खंगाल रही हैं। जल्द ही आरोपी सलाखों के पीछे होंगे।

> डीएमके संग 32 सीटों की मांग पर फंसा पेंच >

कांग्रेस की समयसीमा हो रही खत्म; अधर में गठबंधन का भविष्य

चेन्नई, 3 मार्च (एजेंसियां)। तमिलनाडु में चुनावी तैयारियों के बीच कांग्रेस और डीएमके के गठबंधन के बीच सीट शेयरिंग को लेकर पेंच फंसा हुआ है। इस बीच सत्तारूढ़ दल डीएमके और कांग्रेस पार्टी के बीच सीट बंटवारे की समय सीमा भी मंगलवार यानी आज समाप्त हो रही है, लेकिन अब तक किसी तरह की सहमति नहीं बन पाई है। ऐसे हालात में डीएमके और कांग्रेस गठबंधन के भविष्य को लेकर अटकलें भी तेज हो गई हैं।

सीटों के बंटवारे में अनिश्चितता

पार्टी सूत्रों के अनुसार डीएमके नेतृत्व ने कांग्रेस से एक निश्चित समय-सीमा के भीतर अपनी अंतिम स्थिति स्पष्ट करने को कहा था। डीएमके आगामी चुनावों के लिए सीट-बंटवारे की व्यवस्था को जल्द से जल्द अंतिम रूप देकर प्रचार अभियानों की तैयारी में जुटना चाहती है। हालांकि समय बीतने के साथ यह अनिश्चितता बनी हुई है कि क्या दोनों सहयोगी दल अपने मतभेदों को दूर कर पाएंगे। पिछले 2021 के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस को डीएमके के नेतृत्व वाले गठबंधन के तहत 25 सीटें आवंटित की गई थीं। वर्तमान रिपोर्टों से संकेत मिलता है कि

डीएमके आगामी चुनावों के लिए भी इसी फॉर्मूले को बनाए रखने पर विचार कर रही है, यानी कांग्रेस को फिर से 25 विधानसभा सीटें देने की पेशकश। इसके अतिरिक्त, गठबंधन की व्यापक समझ के तहत डीएमके ने कांग्रेस को एक राज्यसभा सीट देने पर भी सहमति जताई है। हालांकि, कांग्रेस पार्टी इस बार कम से कम 35 विधानसभा सीटों की मांग कर रही है। पार्टी का तर्क है कि उनकी संगठनात्मक उपस्थिति और चुनावी प्रदर्शन को देखते हुए उन्हें अधिक सीटों का हकदार माना जाना चाहिए।

गतिरोध और नई पार्टियों का प्रभाव

कांग्रेस द्वारा अधिक सीटों पर जोर देने के कारण पिछले कुछ दिनों से बातचीत में गतिरोध की स्थिति बनी हुई है। डीएमके के सूत्रों का कहना है कि कांग्रेस का कोटा बढ़ाना मुश्किल होगा, खासकर तब जब गठबंधन में नई पार्टियां भी शामिल हुई हैं। कई सहयोगी दलों द्वारा प्रतिनिधित्व की मांग के बीच, डीएमके विभिन्न दावों को संतुलित करने का प्रयास कर रही है, साथ ही यह भी सुनिश्चित कर रही है कि सीटों का आवंटन रणनीतिक रूप से व्यवहार्य रहे। इस मामले में यह भी संकेत मिल रहे हैं कि यदि कांग्रेस की 35 सीटों की मांग पूरी नहीं होती है, तो वह गठबंधन में अपनी स्थिति का पुनर्मूल्यांकन कर सकती है, हालांकि इस संबंध में कोई औपचारिक घोषणा नहीं की गई है। समय सीमा समाप्त होने के साथ ही अब सभी की निगाहें दोनों पार्टियों के नेतृत्व पर टिकी हैं कि क्या कोई समझौता हो पाता है या यह गतिरोध गहराता है, जो तमिलनाडु में आगामी महत्वपूर्ण विधानसभा चुनावों से पहले राजनीतिक समीकरणों को नया आकार दे सकता है।

सुविचार: सच्चाई सफलता की कुंजी है पर तुम सुबह उठकर कुंजियो के हकदार तो बनो!

तेलंगाना में पहली बार 18,139 मेगावाट की रिकॉर्ड विद्युत की मांग पूरी

किसी बाधा के सुचारु रूप से की गई आपूर्ति

हैदराबाद, 3 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। उप मुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क मल्लू ने बताया कि तेलंगाना ने राज्य के इतिहास में पहली बार 18,139 मेगावाट की रिकॉर्ड विद्युत् अधिकतम मांग (पीक डिमांड) को सफलतापूर्वक पूरा कर नया कीर्तिमान स्थापित किया है। मंगलवार सुबह 11:01 बजे दर्ज की गई इस उच्चतम मांग को बिना किसी बाधा के सुचारु रूप से प्रबंधित किया गया। डिप्टी सीएम ने इस उपलब्धि पर राज्य की विद्युत् संस्थाओं के वरिष्ठ अधिकारियों और कर्मचारियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह मील का पत्थर तेलंगाना की आर्थिक प्रगति, कार्यकुशलता और बेहतर समन्वय का प्रमाण है।

भौगोलिक रूप से छोटा राज्य होने के बावजूद तेलंगाना ने बड़े राज्यों के बराबर या उनसे अधिक विद्युत् मांग का सफल प्रबंधन कर अपनी क्षमता सिद्ध की है। डिप्टी सीएम के अनुसार, 18,139 मेगावाट की अधिकतम मांग के साथ तेलंगाना ने लगभग 19,900 मेगावाट दर्ज करने वाले मध्यप्रदेश तथा 19,600—20,600 मेगावाट के बीच मांग दर्ज करने वाले राजस्थान जैसे बड़े राज्यों के समकक्ष प्रदर्शन किया है।

साथ ही, तेलंगाना ने पंजाब, हरियाणा , झारखंड और छत्तीगढ़ जैसे औद्योगिक राज्यों से अधिक अधिकतम मांग दर्ज की है। उन्होंने कहा कि आईटी, फार्मा, विनिर्माण और सिंचाई विस्तार जैसे क्षेत्रों में तेज विकास के कारण राज्य में विद्युत् खपत घनत्व बढ़ा है। डिप्टी सीएम ने बताया कि पिछले वर्षों में विद्युत् मांग में निरंतर 2023—24: 15,623 मेगावाट (8 मार्च 2024), 2024—25: 17,162 मेगावाट (20 मार्च 2025), 2025—26 (पूर्व उच्चतम): 17,162 मेगावाट, 2026 (वर्तमान): 18,139 मेगावाट (3 मार्च 2026) नया रिकॉर्ड वृद्धि दर्ज की गई है।

उन्होंने कहा कि राज्य आगामी ग्रीष्मकालीन उच्च मांग के लिए भी पूरी तरह तैयार है। मजबूत ग्रिड व्यवस्था, अग्रिम योजना और प्रभावी समन्वय राज्य की ताकत है। डिप्टी सीएम ने कहा कि नियंत्रण कक्ष से लेकर फील्ड स्टाफ तक सभी के समर्पित प्रयासों से यह उपलब्धि संभव हो सकी है। तेलंगाना का विद्युत् क्षेत्र विकास को गति देने में अग्रणी भूमिका निभा रहा है और अन्य राज्यों के लिए मिसाल बन रहा है।

तेलंगाना उच्च न्यायालय को बम धमकी वाला ईमेल

तलाशी में कुछ नहीं मिला

हैदराबाद, 3 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना उच्च न्यायालय को मंगलवार को बम धमकी वाला ईमेल मिलने से परिसर में अफरा-तफरी मच गई। सूचना के बाद पुलिस ने अदालत परिसर में व्यापक तलाशी अभियान चलाया, हालांकि बाद में यह धमकी झूठी साबित हुई। चारमीनार के पास स्थित न्यायालय को भेजे गए ईमेल में परिसर के अंदर विस्फोटक उपकरण होने की चेतावनी दी गई थी। एहतियात के तौर पर न्यायाधीशों, कर्मचारियों, वकीलों और मुवक्किलों को तुरंत भवन से बाहर निकाला गया। बम निरोधक दस्ता और खोजी कुत्तों की टीम ने पूरे परिसर की गहन जांच की। पुलिस अधिकारियों के अनुसार तलाशी के दौरान कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। घटना के बाद आसपास के क्षेत्र में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। पुलिस ने ईमेल भेजने वाले शरारती तत्वों की पहचान के लिए जांच शुरू कर दी है।

राज्य की वास्तविक वित्तीय स्थिति सामने रखने का आग्रह

हैदराबाद, 3 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी ने तेलंगाना सरकार से 16 मार्च से शुरू होने वाले बजट सत्र से पहले राज्य की वित्तीय स्थिति पर एक विस्तृत श्वेत पेपर जारी करने की मांग की है। रेड्डी ने मंगलवार को मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी को लिखे पत्र में राज्य सरकार के वित्तीय दावों पर सवाल उठाते हुए मुख्यमंत्री के विभिन्न वक्तव्यों को 'विरोधाभासी' बताया। उन्होंने जनता के बीच पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए राज्य की वास्तविक वित्तीय स्थिति सामने रखने का आग्रह किया।

किशन रेड्डी ने कहा, 2023 विधानसभा चुनावों में कांग्रेस पार्टी ने तेलंगाना के लोगों से छह बड़े वादे और 420 घोषणाएं की थीं। इन वादों के आधार पर जनता ने आपके नेतृत्व में सरकार बनाने की जिम्मेदारी सौंपी। लेकिन सत्ता में आने के बाद आपने कहा कि राज्य का खजाना 'मिट्टी के बर्तन की तरह खाली' है। इसके विपरीत, हाल ही में आपने एक सार्वजनिक बैठक में कहा कि यदि जरूरत पड़ी तो कांग्रेस पार्टी और सोनिया गांधी-राहुल गांधी परिवार को 1,000 करोड़ रुपये दिए जा सकते हैं, जिससे ऐसा लगता है कि जबकि राज्य खजाना शून्य बताया जा रहा है, कांग्रेस नेताओं की जेबें भरी हुई हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि 2014 के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र ने तेलंगाना को लगभग 12 लाख करोड़ रुपये कर वितरण, अवसंरचना परियोजनाओं, कल्याणकारी योजनाओं और पूंजी निवेश के माध्यम से सहायता दी है।

उन्होंने विशेष पूंजी निवेश सहायता योजना के तहत राज्य को पिछले छह वर्षों में 10,000 करोड़ रुपये से अधिक के ब्याज मुक्त ऋण मिलने का हवाला भी दिया। उन्होंने चेतावनी दी कि तेलंगाना गठन के समय 2014 में वित्तीय अधिशेष था, लेकिन पिछले दशक में वित्तीय समेकन नहीं हुआ है। प्रति व्यक्ति कर्ज में लगातार वृद्धि और सामान्य खर्चों जैसे कर्मचारियों के वेतन, ऋतु भरोसा योजना और अन्य कल्याणकारी योजनाओं के लिए उधार लेने की बढ़ती निर्भरता राज्य की वित्तीय स्थिति पर गंभीर दबाव डाल रही है। किशन रेड्डी ने कहा कि वाइट पेपर राज्य की वास्तविक वित्तीय स्थिति स्पष्ट करने और बजट सत्र से पहले जनचर्चा को जानकारीपूर्ण बनाने में सहायक होगा।

केजीबीवी बंकर बेड खरीद में अनियमितता का आरोप

जांच की मांग

हैदराबाद, 3 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस एमएलसी दासोजू श्रवण ने शिक्षा विभाग में बड़े पैमाने पर अनियमितताओं का आरोप लगाते हुए कहा कि कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों (केजीबीवी) के लिए बंकर बेड की खरीद में 100 करोड़ रुपये से अधिक की सार्वजनिक धनराशि का दुरूपयोग हुआ है। मंगलवार को तेलंगाना भवन में आयोजित प्रेस वार्ता में उन्होंने बताया कि लगभग 45,360 बंकर बेड 35,830 रुपये प्रति यूनिट की दर से खरीदे गए, जिससे कुल लागत करीब 160 करोड़ रुपये तक पहुंच गई। उनका दावा है कि पहले इसी प्रकार के बेड स्थानीय एमएसएमई इकाइयों से 12,000 से 15,000 रुपये में उपलब्ध थे, जिससे राज्य पर अतिरिक्त वित्तीय बोझ पड़ा।

उन्होंने मूल्य निर्धारण पर सवाल उठाते हुए कहा कि नई निविदा में प्रति बेड स्टील की मात्रा घटाई गई, फिर भी कीमत बढ़ गई। उनका आरोप है कि पात्रता शर्तों में बदलाव कर कुछ विशेष कंपनियों को लाभ पहुंचाया गया। उन्होंने इस मामले में सीबीआई और सीवीसी जांच की मांग की। श्रवण ने उस्मानिया विश्वविद्यालय में आयोजित विधि पाठ्यक्रमों की परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं का मुद्दा भी उठाया।

उन्होंने कहा कि पांच वर्षीय और तीन वर्षीय ऑनर्स विधि पाठ्यक्रम की परीक्षाएं अलग-अलग तिथियों पर हुईं, लेकिन प्रश्न पत्र समान थे। इसे प्रशासनिक लापरवाही बताते हुए उन्होंने जांच की मांग की।

शव से छेड़छाड़ मामले में अधीक्षक सहित चार निलंबित

महबूबनगर, 3 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना वैद्य विधान परिषद के आयुक्त अजय कुमार ने जाडचेरला स्थित सरकारी जनरल अस्पताल के पोस्टमार्टम विंग में आवारा कुत्तों द्वारा एक शव को कतरने की घटना के बाद अस्पताल की अधीक्षक डॉ. चंद्रकला सहित चार कर्मचारियों को निलंबित कर दिया है। निलंबित किए गए अन्य कर्मचारियों में ड्यूटी आरएमओ डॉ. हरिनाथ, ड्यूटी मेडिकल ऑफिसर मुनीशा और शवगृह सहायक कर्मचारी रवि प्रकाश शामिल हैं। घटना के बाद मृतक के परिजनों ने अस्पताल में आक्रोश व्यक्त करते हुए सरकार से कड़ी कार्रवाई की मांग की थी। आयुक्त अजय कुमार ने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ अस्पताल का दौरा कर जांच की। निलंबन आदेश जारी करते हुए उन्होंने आश्वासन दिया कि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।

इस बीच, पूर्व स्वास्थ्य मंत्री सी. लक्ष्मा रेड्डी ने अस्पताल का दौरा कर घटना की निंदा की और इसे कांग्रेस सरकार की लापरवाही करार दिया। उन्होंने कहा कि नया मुर्दाघर भवन जून 2024 में बनकर तैयार हो चुका था, लेकिन उसका उपयोग शुरू नहीं किया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ अधिकारियों को निलंबित कर सरकार जिम्मेदारी से बचने का प्रयास कर रही है। उन्होंने सवाल उठाया कि शवगृह को स्थानांतरित क्यों नहीं किया गया और संबंधित विंग से फ्रीजर तथा स्ट्रेचर क्यों गायब हैं। पूर्व मंत्री ने यह भी कहा कि सरकारी अस्पतालों के रखरखाव की उपेक्षा की जा रही है और मरीजों को दवाइयां प्राप्त करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने दावा किया कि बीआरएस सरकार ने नए अस्पताल भवनों का निर्माण कराया था, लेकिन वर्तमान सरकार गुणवत्तापूर्ण उपचार उपलब्ध कराने में विफल रही है।

अवैध खनन के आरोप

उच्च स्तरीय जांच की मांग

हैदराबाद, 3 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस विधायक दल के उपनेता टी. हरीश राव ने राजस्व मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी से जुड़ी एक कंपनी पर बड़े पैमाने पर अवैध खनन के गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने दिनदहाड़े हो रहे कथित अवैध खनन पर अधिकारियों की चुप्पी की आलोचना करते हुए इस गतिविधि को तत्काल बंद करने और उच्च स्तरीय जांच की मांग की।

हरीश राव ने आरोप लगाया कि मंत्री के परिवार से संबंधित राघव कंस्ट्रक्शंस कंपनी आउटर रिंग रोड के पास राजेंद्रनगर मंडल के मानसा हिल्स क्षेत्र में बिना वैधानिक मंजूरी के पत्थर की खदान चला रही है। उनके अनुसार भारी मशीनों से दिन-रात पत्थर तोड़े जा रहे हैं, जिससे सरकारी राजस्व को नुकसान और पर्यावरण को क्षति पहुंच रही है।

उन्होंने कहा कि खदान के पास तेलंगाना प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से स्थापना और संचालन की सहमति, पर्यावरण मंजूरी, खान एवं भूविज्ञान विभाग से खनन पट्टा, भूमि रूपांतरण और हैदराबाद महानगर विकास प्राधिकरण की स्वीकृति, विस्फोटक लाइसेंस, भूजल अनुमति तथा राजस्व विभाग की मंजूरी जैसी आवश्यक अनुमतियां नहीं हैं। उन्होंने इसे आपराधिक कृत्य बताते हुए सवाल किया कि संबंधित विभाग महीनों तक कार्रवाई करने में विफल क्यों रहे। साथ ही उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री के दामाद के सहयोगियों से जुड़ी एक खदान के लिए 17 एकड़ सरकारी भूमि का आवंटन खुले टेंडर के बजाय नामांकन के जरिए किया गया, जिससे राज्य को करोड़ों रुपये का नुकसान हुआ। हरीश राव ने वित्त एवं ऊर्जा मंत्री मल्लु भट्टी विक्रमार्क, पर्यावरण मंत्री कोंडा सुरेखा और खान मंत्री जी विवेक वेंकटस्वामी की चुप्पी पर भी सवाल उठाए। उन्होंने अवैध खदान को बंद कर प्राकृतिक संसाधनों का मूल्य जुर्माने सहित वसूलने की मांग की। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि कार्रवाई नहीं हुई तो वह स्वयं स्थल का दौरा करेंगे।

चंद्र ग्रहण के कारण मंदिर रहे बंद

करीमनगर, 3 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। चंद्र ग्रहण के मद्देनजर जिले के प्रमुख मंदिरों को अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया। प्रशासन के निर्देश पर श्रीश्री राजा राजेश्वर स्वामी मंदिर समेत पूर्ववर्ती करीमनगर जिले के अन्य मंदिरों में दर्शन रोक दिए गए। वेमुलावाड़ा स्थित भीमेश्वरालयम और इससे जुड़े अन्य मंदिरों में सुबह 6 बजे प्रातःकालीन पूजा के बाद कपाट बंद कर दिए गए। अधिकारियों के अनुसार संप्रोक्षण (शुद्धिकरण) की प्रक्रिया पूरी होने के बाद शाम 7:30 बजे मंदिरों को दोबारा खोला जाएगा। मंदिर परिसर की साफ-सफाई और नैवेद्य अर्पित करने के बाद ही श्रद्धालुओं को मुख्य देवता के दर्शन की अनुमति दी जाएगी। इसी तरह, एहतियात के तौर पर प्रसिद्ध कोंडागट्टू अंजनेय स्वामी मंदिर सहित अन्य मंदिरों को भी ग्रहण अवधि के दौरान बंद रखा गया।

होली पर ऑनलाइन ठगी से सतर्क रहने की अपील

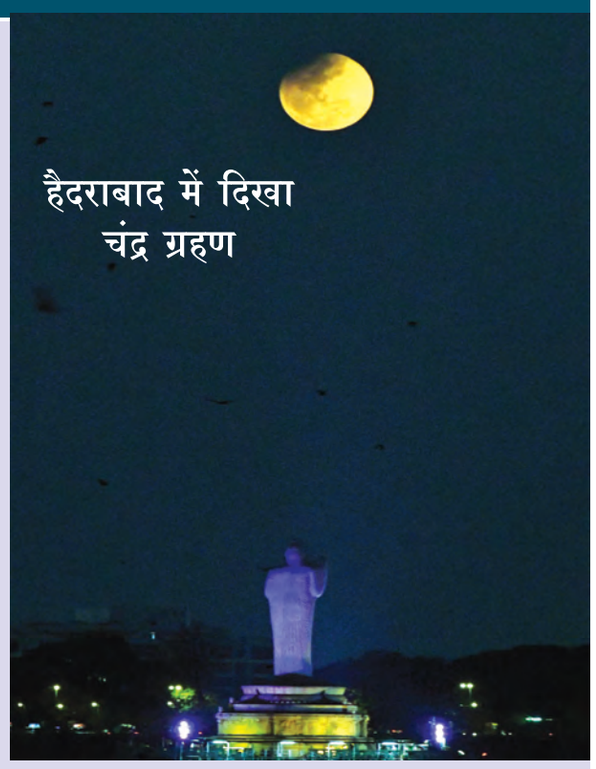

हैदराबाद, 3 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। होली के त्योहार को देखते हुए तेलंगाना साइबर सुरक्षा ब्यूरो (टीजीसीएसबी) ने आम जनता को ऑनलाइन घोटालों और डिजिटल भुगतान धोखाधड़ी में संभावित वृद्धि को लेकर आगाह किया है। टीजीसीएसबी की निदेशक शिखा गोयल ने कहा कि साइबर अपराधी होली से जुड़ी ऑनलाइन खरीदारी, पार्टी बुकिंग, यात्रा आरक्षण और सोशल मीडिया गतिविधियों में बढ़ोतरी का फायदा उठा रहे हैं। उन्होंने बताया कि ठग व्हाट्सएप, एसएमएस, ईमेल और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिए रंगों, उपहारों, इवेंट पास और फूड डिलीवरी पर फर्जी छूट के ऑफर भेज रहे हैं। अधिकारियों के अनुसार कई बार लोगों को ऐसी फर्जी वेबसाइटों पर भेजा जाता है जो असली ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म जैसी दिखती हैं। कुछ मामलों में दुर्भावनापूर्ण मोबाइल एप डाउनलोड करवाकर ओटीपी, बैंकिंग जानकारी और अन्य व्यक्तिगत डेटा तक पहुंच बनाई जाती है। बाद में हैक किए गए खातों का इस्तेमाल उनके संपर्कों को ठगने के लिए किया जाता है। ब्यूरो ने नागरिकों को अज्ञात लिंक पर क्लिक न करने, अविश्वसनीय स्रोतों से एप्लिकेशन डाउनलोड न करने और केवल भरोसेमंद प्लेटफॉर्म से ही खरीदारी करने की सलाह दी है। साथ ही दो-कारक प्रमाणीकरण सक्रिय रखने और भुगतान से पहले यूपीआई आईडी की जांच करने को कहा गया है। धोखाधड़ी की आशंका होने पर तुरंत बैंक या भुगतान सेवा प्रदाता को सूचित करने और साक्ष्य सुरक्षित रखने की अपील की गई है। साइबर ठगी से संबंधित शिकायतें राष्ट्रीय हेल्पलाइन 1930 या आधिकारिक साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल पर दर्ज कराई जा सकती हैं।

केंद्र की 'सलाह' पर ओवैसी की आपत्ति

दोहरे मापदंड का आरोप

हैदराबाद, 3 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। असदुद्दीन ओवैसी ने ईरान पर इजरायल-अमेरिका के हमलों के बाद ईरान समर्थक कट्टरपंथी उपदेशकों पर नजर रखने को लेकर केंद्र सरकार द्वारा राज्यों को जारी कथित 'सलाह' की कड़ी आलोचना की है। हैदराबाद के सांसद ने आरोप लगाया कि यह कदम मोदी सरकार के दोहरे मापदंडों को दर्शाता है। उन्होंने सवाल किया कि मुस्लिम विरोधी नफरत भरे भाषणों के खिलाफ कोई ऐसी सलाह क्यों जारी नहीं की गई। ओवैसी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर केंद्रीय गृह मंत्रालय की ओर से 28 फरवरी को राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को भेजे गए पत्र पर प्रतिक्रिया दी। मंत्रालय ने राज्यों से ईरान समर्थक भड़काऊ भाषणों और चरमपंथी संगठनों से जुड़े सोशल मीडिया खातों पर नजर रखने को कहा है, ताकि कानून-व्यवस्था की स्थिति प्रभावित न हो।

ओवैसी ने आरोप लगाया कि कुछ व्यक्तियों द्वारा मुसलमानों के खिलाफ दिए गए कथित भड़काऊ बयानों पर केंद्र ने कभी इस तरह की सलाह जारी नहीं की। उन्होंने कहा कि ऐसे मामलों में केंद्र सरकार कानून-व्यवस्था को राज्य का विषय बताती है। इस बीच, अमेरिका-इजराइल हमलों में ईरानी सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत की खबरों के बाद कई राज्यों में विरोध प्रदर्शन हुए। हैदराबाद में भी प्रदर्शन आयोजित किए गए, जिनमें ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के जनप्रतिनिधियों ने भाग लिया। पार्टी ने इस घटना की निंदा करते हुए इसे अवैध और अनैतिक बताया है।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, Jayashree, W/o, No. 14672547M, NK, Suresh Nagappa Bailwad, R/o, Dist : Belgaum, Karnataka, changed my name from Jayashree to Jayashree Bailwad, vide Affidavit No. BU 311074 dt 03.03.2026, before, Spl Judicial Magistrate, Hyderabad.

I, Ram Surat Yadav, Father of No. 14688815P, Hav, Jitendra Kumar Yadav, R/o, Dist: Kushinagar, Uttar Pradesh, changed my name from Ram Surat Yadav to Ramsurat Yadav vide Affidavit No. 284828 dt. 02.03.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I , Jalaja Kumari S, Mother of No.14663381P, Hav, Rajesh J R, R/o, Dist: Thiruvananthapuram, Kerala, changed my name from Jalaja Kumari S to A S Jalaja , vide Affidavit No. 284832 dt. 02.03.2026 before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

भारत सरकार
कारपोरेट कार्य मंत्रालय
त्वरित कॉर्पोरेट समापन प्रसंस्करण केंद्र (सी-पेस),
आई.आई.सी.ए. बिल्डिंग, 7वी मंज़िल,
प्लाट P-6,7,8, से.-5, आई.एम.टी. मानेसर, गुडगाँव,
हरियाणा - 122050.
Email: roc.cpace@mca.gov.in

सत्यमेव जयते

Government of India
Ministry of Corporate Affairs
Centre for Processing Accelerated Corporate Exit (C-PACE)
IICA Building, 7th Floor,
Plot P-6,7,8, Sector-5, IMT Manesar,
Gurgaon, Haryana - 122050.
Email: roc.cpace@mca.gov.in

प्रारूप संख्या एसटीके-6

सार्वजनिक सूचना

(कम्पनी अधिनियम की धारा 248 की उपधारा (2) और उपधारा (4) और कम्पनी (कम्पनी रजिस्टर से कम्पनियों का नाम हटाना) नियम, 2016 के नियम 7 के अनुसरण में)

सार्वजनिक नोटिस :ROC/C-PACE/STK-2/248(2)/2025-26/2060 **दिनांक**: -24/02/2026

संदर्भ:

1.कम्पनी अधीनियम, 2013 की धारा 248 (2) के तहत निम्नलिखित *(27)* कम्पनियों का नाम राज्य **तेलंगाना** से हटाने के मामले में:

S No	Work Item	CIN	Hindi Name
1	AC1609038	U62013TS2025PTC198574	प्लैकियन टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड
2	AC2312679	U51900TG2011PTC073955	एचआरए एक्सपोर्टर्स एंड ट्रेडर्स प्राइवेट लिमिटेड
3	AC2311749	U72900TG2022PTC162750	फ्लायटेकार्ट आईटी सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड
4	AC2336631	U72900TG2020FTC144832	स्मार्टइंट टेक्नोलॉजीज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड
5	AC1718880	U27109TG1997PTC028345	लेम्पे फाउंड्री टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड
6	AC1774595	U31900TG2011PTC076794	गंडिकोटा थर्मो कंट्रोल्स प्राइवेट लिमिटेड
7	AC2201809	U90009TS2023PTC170767	इनर ईयर मीडिया प्राइवेट लिमिटेड
8	AC2126175	U72200TG2005PTC046987	मायरियड स्टार आईटी सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड
9	AC2129034	U85109TS2024PTC189256	स्काई एडुटेक प्राइवेट लिमिटेड
10	AC2130296	U15490TG2022PTC168402	दिगोधर फूड्स प्राइवेट लिमिटेड
11	AC2194368	U80904TG2012PTC083149	एटूई करियर लैडर एजुकेशन प्राइवेट लिमिटेड
12	AC2187360	U21001TS2025PTC193831	वीएमआर ड्रग्स प्राइवेट लिमिटेड
13	AC0361940	U52399TG2022PTC161157	ईज़ीलैंस आईवियर प्राइवेट लिमिटेड
14	AC2156388	U01100TG2022PTC169054	अर्जेवा इंडिया प्राइवेट लिमिटेड
15	AC2188716	U72500TG2019PTC131165	हाई अलाइव आईटी एसोसिएट्स प्राइवेट लिमिटेड
16	AC2186574	U24203TS2024PTC191044	ग्रीन चार्ज मेटल एंड अलॉयज प्राइवेट लिमिटेड
17	AC2202711	U63033TG2022PTC164397	डेस्टिनेशंस लॉजिस्टिक्स प्राइवेट लिमिटेड
18	AC2245143	U36000TS2025PTC194455	मैत्री एक्वाटेक आर एंड डी प्राइवेट लिमिटेड
19	AC2253356	U13996TS2025PTC193064	क्लियोप्लस इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड
20	AC2257479	U72900TG2013PTC089515	मोबवियस मोबिलिटी सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड
21	AC2255425	U43299TS2024PTC184776	रामदीप इंफ्राप्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड
22	AC2284343	U53200TS2025PTC197757	हैंडो डिलीवरी प्राइवेट लिमिटेड
23	AC2279192	U82990TS2023PTC176157	ट्राइसैंटिलियन बिजनेस सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड
24	AC2275750	U45309TG2018PTC127666	आशम एवेन्यूज प्राइवेट लिमिटेड
25	AC2298956	U63030TG2016PTC109607	जेपी टूर्स एंड ट्रैवल्स प्राइवेट लिमिटेड
26	AC2293607	U72200TG1999PTC032343	टेम्पल टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड
27	AC2297579	U13990TS2025PTC207756	आरएमएस सिनर्जी प्राइवेट लिमिटेड

2. इसके द्वारा यह सूचित किया जाता है कि कम्पनी अधिनियम, 2013 की धारा 248 (2) के तहत कम्पनी रजिस्ट्रार को उपर्युक्त कम्पनियों के नाम कम्पनी रजिस्टर से इस आधार पर नाम हटाने का आवेदन प्राप्त हुआ है कि कम्पनी के निगमन के एक वर्ष के भीतर कारोबार आरंभ करने में विफल रहे हैं या इस आधार पर कि कम्पनी पूर्ववर्ती 2 वित्तीय वर्षों से कारोबार नहीं कर पाई है और इस अवधि के भीतर कम्पनी अधिनियम 2013 की धारा 455 के तहत निष्क्रिय कम्पनी की स्थिति प्राप्त करने का आदेश का आवेदन नहीं किया है या कम्पनी ने निष्क्रिय कम्पनी की स्थिति प्राप्त कर ली है, पर वे कम्पनी के रूप में पंजीकरण नहीं रखना चाहते और अतः कम्पनी रजिस्ट्रार से अपना/अपने नाम हटाने का अनुरोध किया है ।

3. तदनुसार, कम्पनी रजिस्ट्रार उपर्युक्त कम्पनियो के नामों को कम्पनियों के रजिस्टर से हटाने का प्रस्ताव करता है

4. यदि किसी व्यक्ति/संस्था को कम्पनी की कम्पनी रजिस्ट्रार से कम्पनियों का नाम हटाने के प्रस्ताव से आपत्ति है तो वह व्यक्ति/संस्था इस सूचना के प्रकाशन की तारीख से 30 (तीस) दिनों के भीतर उपर्युक्त कार्यालय के पते पर अपनी आपत्ति भेज सकते हैं ।

इरकन तिर्की
उप-पंजीयक
त्वरित कॉर्पोरेट समापन प्रसंस्करण केंद्र

CBC 07123/11/0755/2526

जदयू कोटे के मंत्री बोले-निशांत कुमार राजनीति में आ रहे, भाजपा बोली- स्वागत को तैयार

पटना, 3 मार्च (एजेंसियां)। जब विधानसभा चुनाव आया तो वह रास्ता। जब चुनाव निकल गया तो विधान परिषद् के रास्ते जाने की बात आई। अब राज्यसभा चुनाव की बारी आई तो मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार की राजनीतिक एंट्री का रास्ता पक्का बताया जा रहा है। पहले की तरह ही जनता दल यूनाइटेड के मंत्रियों ने ही यह जानकारी दी है। यह भी कहा जा रहा है कि इस बार नीतीश कुमार ने सहमति दी है। उन्हें नीतीश कुमार के बाद जदयू अध्यक्ष बनाने की भी बात कही जा रही है। अब तक नीतीश ने इसपर खुद आकर कुछ नहीं कहा है, क्योंकि वह परिवारवाद पर लगातार हमलावर रहे हैं।

इधर, जदयू के दिग्गज नेता दावा कर रहे हैं कि निशांत कुमार जल्द ही पार्टी में पूरी तरह से एक्टिव हो जाएंगे। सोशल मीडिया पर यह भी चर्चा है कि निशांत कुमार को राज्यसभा भेजे जाने की तैयारी चल रही है? इस सवाल पर जनता दल यूनाइटेड के किसी भी नेता ने तो कुछ नहीं कहा लेकिन निशांत की जदयू एंट्री पर जरूर बड़ा बयान दे दिया है। सीएम नीतीश के करीबी और बिहार सरकार में मंत्री श्रवण कुमार ने कह दिया है कि जल्द ही वह सक्रिय राजनीति में आ रहे हैं।

राजनीति प्रवेश करने की पूरी संभावना बन गई

ग्रामीण विकास विभाग के मंत्री श्रवण कुमार ने स्पष्ट कहा है कि निशांत कुमार के सक्रिय राजनीति प्रवेश करने की पूरी संभावना बन गई है। उनके बारे में बिहार के नौजवान और जदयू नेता चाहते हैं कि निशांत सक्रिय राजनीति में आए। अब जल्द ही सबकी चाहत पूरी होने वाली है। उनके उनके जदयू में आगमन की जल्द ही घोषणा होगी और पार्टी के अंदर काम करेंगे।

मंत्री दिलीप जायसवाल ने क्या कहा वह जानिए

इधर, निशांत कुमार के राजनीति में प्रवेश की खबरों पर बिहार सरकार के मंत्री दिलीप जायसवाल ने कहा कि मैं नई पीढ़ी का राजनीति में स्वागत करता हूं। हाल ही में हुए विधानसभा चुनाव में नेतृत्व करने के लिए मैं मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का धन्यवाद करता हूं। यह बेहद खुशी की बात है कि निशांत जी अब मुख्यमंत्री और उनके परिवार के समर्थन के साथ राजनीति में प्रवेश करेंगे और हम उनका दिल से स्वागत करते हैं। वह निश्चित रूप से एक शिक्षित युवा नेता हैं, जिन्होंने बीटेक की डिग्री प्राप्त की है और जमीन से जुड़े हुए व्यक्ति हैं। हर घटना अपने समय पर होती है और शायद अब सही समय आ गया है। उनके राजनीति में आने का गर्मजोशी से स्वागत किया जाना चाहिए।

मंत्री अशोक चौधरी बोले- होली का बड़ा तोहफा है

मंत्री अशोक चौधरी ने कहा कि जनता दल यूनाइटेड और सीएम नीतीश कुमार की विचारधारा पर चलने वालों के लिए होली का एक बड़ा तोहफा है। जब वह सक्रिय राजनीति में आएंगे तो बिहार के लिए काफी अच्छा रहेगा। वह काफी पढ़े लिखे हैं। इंजीनियर हैं। एक तरह से वह सीएम नीतीश कुमार की फोटो कॉपी है। होली के अवसर पर यह बड़ी खबर है। वह पार्टी के कार्यकर्ताओं की मांग पर आ रहे हैं। चुनाव के पहले से ही लोगों की मांग थी। अब वह सक्रिय राजनीति में आ रहे हैं, यह खुशी की बात है।

ब्रेकर पर बाइक से उछलकर गिरी महिला, पीछे से आ रहे ट्रक ने कुचल दी

कासगंज, 3 मार्च (एजेंसियां)। कासगंज के पटियाली में दर्दनाक हादसे में महिला की मौत हो गई। वह अपने पिता के साथ बाइक से जा रही थी। ब्रेकर पर वो बाइक से उझलकर गिर गई। इस दौरान पीछे से आ रहे ट्रक ने उसे कुचल दिया। महिला की मौत की खबर मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया।

दवा दिलाने जा रहे थे कायमगंज

कस्बा पटियाली के मोहल्ला काजी अस्थाई निवासी बबलू कुरैशी अपनी विवाहिता पुत्री 25 वर्षीय रूही को दवा दिलाने के लिए बाइक से कायमगंज जा रहे थे। कायमगंज रेलवे फाटक के पास पहुंचते ही, सड़क पर बने एक ब्रेकर से उनकी बाइक अचानक उछल गई। इस झटके से पीछे बैठी रूही अपना संतुलन खो बैठी और सड़क पर गिर पड़ी। दुर्भाग्यवश, ठीक उसी समय पीछे से आ रहे एक तेज रफ्तार ट्रक के पहियों ने उसे कुचल दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

प्रदेश में बेपटरी हो सकती है बिजली व्यवस्था

राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद ने सीएम योगी को लिखा पत्र

लखनऊ, 3 मार्च (एजेंसियां)। राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने कहा कि वर्टिकल व्यवस्था के चलते गर्मी में बिजली आपूर्ति व्यवस्था बेपटरी हो सकती है। जिन शहरों में वर्टिकल व्यवस्था लागू की गई है वहां के हालात मार्च के पहले ही सप्ताह में खराब हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री को पत्र भेजकर उपभोक्ताओं के हितों का ध्यान रखने की मांग की है।

उन्होंने कहा, वर्टिकल व्यवस्था से उपभोक्ता परेशान हैं। विद्युत दुर्घटनाओं की संख्या बढ़ी है। 1912 हेल्पलाइन केवल औपचारिकता बनकर रह गई है। उपभोक्ताओं की शिकायतों का समयबद्ध एवं प्रभावी समाधान नहीं हो पा रहा है। इस बार पीक डिमांड गर्मी में 32000 मेगावाट से लेकर 33000 मेगावाट के बीच में रहने वाली है। कहा, प्रदेश में करीब 3.72 करोड़ विद्युत उपभोक्ता हैं। कुल स्वीकृत भार लगभग 8 करोड़ किलोवाट से अधिक है, जबकि 132 केवी सब-स्टेशनों की उपलब्ध क्षमता लगभग 6 करोड़ किलोवाट है। ऐसे में दो करोड़ किलोवाट के अंतर को नियंत्रित रखना बड़ी चुनौती है। उन्होंने कहा कि अभी भी वक्त है। पॉवर कॉर्पोरेशन बिजली कंपनियों में प्रयोगात्मक बदलाव बंद कर व्यावहारिक एवं उपभोक्ता केंद्रित व्यवस्था पर ध्यान दे।

सरकार की छवि खराब करने की साजिश

उन्होंने कहा, यदि भविष्य में विद्युत व्यवस्था विफल होती है तो उसकी संपूर्ण जिम्मेदारी कुछ चुनिंदा उच्च अधिकारियों की होगी, जो उपभोक्ताओं को मुसीबत में डालकर सरकार की छवि खराब करना चाहते हैं। परिषद ने राज्य सरकार से आग्रह किया है कि ग्रीष्मकाल प्रारंभ होने से पूर्व विद्युत व्यवस्था की वास्तविक स्थिति का गंभीरता से आकलन कर आवश्यक सुधारात्मक कदम उठाए जाएं। अगर उपभोक्ताओं को दिक्कत हो तो संबंधित अधिकारियों पर कड़ी कार्रवाई हो।

'सिर्फ पेशे के नाम से बुला देना ही एससी/एसटी एक्ट के तहत अपराध नहीं माना जा सकता'

प्रयागराज, 3 मार्च (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि सिर्फ पेशे (काम) के नाम से बुला देना ही एससी/एसटी एक्ट के तहत अपराध नहीं माना जा सकता है। यह प्रमाणित करना होगा कि आरोपी की नीयत जाति के आधार पर अपमानित करने या नीचा दिखाने की थी।

इस टिप्पणी के साथ न्यायमूर्ति अनिल कुमार-दशम की एकल पीठ ने गौतमबुद्ध नगर के विशेष न्यायाधीश (एससी/एसटी एक्ट) के समन आदेश को चुनौती देने वाली युवक की आपराधिक अपील आंशिक रूप से स्वीकार कर ली। जेवर थाने में युवक के खिलाफ मारपीट, आपराधिक धमकी और एससी/एसटी एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। मामला विशेष न्यायाधीश के पास जाने पर आरोपी के खिलाफ समन आदेश जारी किया गया था। पीड़िता का आरोप था कि वह उसके घर कपड़े धाने का काम करती थी। बकाया मजदूरी मांगी तो आरोपी ने रास्ते में रोककर परेशान किया और गाली दी। साथ ही जातिसूचक शब्द कहे। इस पर याची के अधिवक्ता ने दलील दी कि दोनों पक्षों के बीच मजदूरी का संबंध था। शिकायत में सिर्फ यह कहा गया था कि जातिसूचक शब्द बोले गए। यह आरोप मनगढ़ंत और बनावटी हैं। रोड पर विवाद की बात भी गलत है, घर पर ही रुपये को लेकर बातचीत हुई थी। याची के अधिवक्ता ने दलील दी कि ट्रायल कोर्ट ने पुलिस की अंतिम रिपोर्ट स्वीकार या खारिज किए बिना नाराजगी याचिका (प्रोटेस्ट प्रार्थना पत्र) शिकायत में बदल दी, जो गलत है। कोर्ट ने कहा कि अदालत प्रोटेस्ट प्रार्थना पत्र को शिकायत में बदल देती है तो इसका अर्थ है कि उसने पुलिस की अंतिम रिपोर्ट स्वीकार नहीं की। कोर्ट ने एससी/एसटी एक्ट के तहत जारी समन आदेश और उससे जुड़ी कार्यवाही रद्द कर दी। कहा कि अन्य आपराधिक मुकदमों के तहत चल रही कार्यवाही कानून के अनुसार जारी रहेगी।

बाइक सवार दो दोस्तों की हादसे में मौत

अलीगढ़, 3 मार्च (एजेंसियां)। अलीगढ़ के थाना मडराक इलाके के आगरा रोड स्थित शाहपुर गांव के पास सोमवार देर रात बाइक सवार तीन दोस्तों को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। हादसे में दो दोस्तों की मौत हो गई, जबकि तीसरे को गंभीर हालत में जेएन मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। तीनों शहर के थाना सासनीगेट क्षेत्र के पला होली चौक के रहने वाले हैं और हाथरस के कस्बा सासनी में अपने रिश्तेदार के यहां जा रहे थे। एक ही मोहल्ले में दो युवकों की मौत के बाद होली की खुशियां मातम में बदल गई हैं। ना सासनीगेट इलाके के होली पला चौक निवासी छोटे (22) पुत्र हरि सिंह, भूपेंद्र (23) पुत्र कालीचरन और नरेश(25) पुत्र महेंद्र सिंह आपस में दोस्त हैं। सोमवार रात करीब 11:30 बजे तीनों भूपेंद्र की रिश्तेदारी में सासनी, हाथरस जाने के लिए बाइक से निकले थे।

कट्टरपंथी जीशान को खोड़ा और लोनी से मिला था लाखों का चंदा

विवादित तकरीरों की वीडियो; एनकाउंटर में ढेर

गाजियाबाद, 3 मार्च (एजेंसियां)। मजहबी कट्टरपंथी का विरोध करने वाले यूट्यूबर सलीम वास्तिक पर जानलेवा हमला अचानक नहीं हुआ। मुठभेड़ में ढेर हुए जीशान को इसके लिए कट्टरपंथी संगठनों ने चंदा दिया था।

क्राइम ब्रांच की जांच में उजागर हुआ है कि लोनी और खोड़ा क्षेत्र से भी कट्टरपंथी जीशान को चंदा दिया गया है। इतना ही नहीं इंस्टाग्राम और टेलीग्राम जैसे सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर सलीम वास्तिक को पूर्व में भी चेतावनी दी गई थी।

क्राइम ब्रांच की टीम ने सोशल मीडिया से कट्टरपंथी जीशान की विवादित तकरीरों की 15 वीडियो कब्जे में ली हैं। सलीम की हालत में अभी सुधार नहीं हुआ है। इसके बाद उनको निजी अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया है। एडीसीपी अपराध पीयूष कुमार सिंह ने बताया कि मुठभेड़ में ढेर एक लाख का ईनामी जीशान सोशल मीडिया पर सक्रिय रहता था। दिसंबर 1992 में धार्मिक स्थल के विध्वंस का बदला लेने के लिए साजिश रच रहा था। वह सोशल मीडिया पर युवाओं को बरगलाता था। उसने इंस्टाग्राम पर एक दर्जन से अधिक वीडियो अपलोड की हैं, जिनमें वह युवाओं को देशद्रोह करने के लिए बरगलाता नजर आ रहा है। देश के अलग-अलग राज्यों में हुई घटनाओं को धार्मिक उन्माद से जोड़कर युवाओं को बदला लेने के लिए उकसाता था। वीडियो में धार्मिक तकरीरों के जरिए हथियार उठाने की अपील करता नजर आ रहा है। जीशान और उसका भाई फुरकान कट्टरपंथी संगठन मुस्लिम आर्मी मेहदी मॉडरेटर से भी जुड़ा था। इसका प्रचार-प्रसार वह टेलीग्राम चैनल के जरिये करता था। हर करतूत में उसका भाई फुरकान भी शामिल था।

एलआईयू की कार्यशैली पर फिर उठे सवाल

अस्पताल में जिंदगी और मौत से जूझ रहे सलीम वास्तिक पर हुए हमले की योजना नई नहीं है। सोशल मीडिया और कट्टरपंथी संगठनों की जारी वीडियो ने एलआईयू विभाग की कार्यशैली पर एक बार फिर से सवाल उठे हैं। सोशल मीडिया पर खुलेआम कट्टरपंथी जीशान खोड़ा में रहकर वीडियो अपलोड करता रहा और धमकी देता रहा। इसके बावजूद भी एलआईयू की टीम ने उच्चाधिकारियों को अवगत नहीं कराया।

मुठभेड़ में ढेर हुआ जीशान पाकिस्तान के एक यूट्यूबर के संपर्क में था। घटना के बाद इस यूट्यूबर की वीडियो भी जमकर वायरल हो रही है। इसके बावजूद भी एलआईयू की टीम ने इस मामले को गंभीरता से नहीं लिया।

ईयरिंग ने खोला राज : अर्चिता अरोड़ा नहीं, तुर्कमेनिस्तान की मुहब्बत की हुई थी मेरठ में हत्या, जला दिया था चेहरा

मेरठ, 3 मार्च (एजेंसियां)। यूपी के मेरठ स्थित मवाना थाना क्षेत्र में 21 फरवरी को मिला महिला का शव तुर्कमेनिस्तान की मुहब्बत का था। आरोपियों ने पहचान और टैटू छिपाने के लिए मुहब्बत का चेहरा और हाथ जला दिए थे। वह अर्चिता अरोड़ा के नाम से आधार कार्ड बनाकर रह रही थी। अब मुहब्बत की मां नाहमदिनेवा गुलनारा ने उसके इयररिंग से पहचान कर ली है।

मेरठ पुलिस ने तीन दिन पहले अर्चिता हत्याकांड का खुलासा किया था। पुलिस का कहना था कि अर्चिता की हत्या उसके परिचित होटल मालिक चंचल कुमार उर्फ बंटी ने अपने तीन साथियों के साथ मिलकर की थी। पुलिस के मुताबिक शराब पीने के दौरान रुपयों के लेनदेन को लेकर चंचल का अर्चिता से विवाद हो गया था। इससे गुस्साए चंचल ने अपने साथियों के साथ मिलकर कंबल से मुंह दबाकर अर्चिता की हत्या कर दी थी।

500 सीसीटीवी फुटेज खंगाले तब हुआ खुलासा

इस मामले के खुलासे के लिए पुलिस ने लगभग 500 सीसीटीवी फुटेज खंगाले तब जाकर हत्यारोपियों तक पहुंच सकी। एसपी देहात अभिजीत कुमार ने बताया कि 21 फरवरी को मवाना खुर्द चौकी के पास भगवती फार्म हाउस के पास एक महिला का शव बरामद हुआ था। पहचान छिपाने के लिए आरोपियों ने महिला के चेहरे पर तेजाब डालकर उसे बुरी तरह जला दिया था। दरोगा राजेश कुमार यादव ने इस मामले में प्राथमिकी दर्ज कराई थी।

पुलिस पिछले कई दिनों से महिला की शिनाख्त और कातिलों की तलाश में जुटी थी। मामले के खुलासे के लिए पुलिस ने घटनास्थल के करीब के फुटेज खंगाले जिसमें एक संदिग्ध कार दिखाई दी। इसी कार के आधार पर पुलिस ने परतापुर स्थित अविका होटल के संचालक प्रभात नगर निवासी चंचल कुमार उर्फ बंटी को हिरासत में लिया। सख्ती से पूछताछ करने पर चंचल ने शव की पहचान दिल्ली निवासी अर्चिता अरोड़ा के रूप में की और अपना जुर्म कबूल कर लिया। इसके साथ ही चंचल ने हत्या में शामिल अपने साथियों के नाम भी उगल दिए। पूछताछ में पता चला कि 21 फरवरी को चंचल अपने साथी बिनौली (बागपत) निवासी गुरमुख उर्फ अरविंद, रेलवे रोड निवासी संदीप उर्फ सिट्टू, टीपीनगर निवासी विवेक उर्फ काका और अर्चिता के साथ होटल में बैठकर शराब पी रहा था।

सिर्फ घर में 47 लाख कैश

कहने को असिस्टेंट इंजीनियर लेकिन निकला काली कमाई का कुबेर, थक गए नोट गिनते-गिनते

बेतिया, 3 मार्च (एजेंसियां)। बिहार के बेतिया जिले में शिक्षा विभाग के असिस्टेंट इंजीनियर रौशन कुमार के बारे में खुलासे पर खुलासे हो रहे हैं। उसके घर से इतने नोट मिले कि गिनने के लिए मशीन ही मंगवानी पड़ी। हाल ये था कि टिप 5 लाख रुपये घूस की थी, लेकिन घर के अंदर इतना माल था कि तो नोटों की गड्डियों से एक डबल बेड बिस्तर तैयार हो सकता था। स्पेशल विजिलेंस यूनिट के डीएसपी सुधीर कुमार ने खुद इस बात का खुलासा किया। सोमवार की देर रात तक इंजीनियर के घर नोटों की गिनती चलती रही।

एसयूवी को मिली थी सिर्फ 5 लाख रुपयों वाली टिप

एसयूवी यानी स्पेशल विजिलेंस यूनिट को सिर्फ 5 लाख रुपयों की घूसखोरी की टिप मिली थी। इसी के आधार पर ट्रैप भी लगाया गया था। एसयूवी टीम डीएसपी सुधीर कुमार के नेतृत्व में जब रौशन कुमार के घर में दाखिल हुई तो यही पैसे लेते उसे रंगे हाथ पकड़ लिया गया। इसके बाद विजिलेंस ने नियम के हिसाब से घर की तलाशी भी शुरू की।

सिर्फ घर में मिले 47 लाख रुपये

बेतिया में जब एसयूवी ने असिस्टेंट इंजीनियर रौशन के घर की तलाशी ली तो कैश देखते ही टीम भी हैरान रह गई। डीएसपी सुधीर कुमार के मुताबिक रौशन कुमार के पास से घूस में लिए गए 5 लाख रुपये तो मिले ही, इसके अलावा घर की तलाशी में भी नोटों की गड्डियों का भंडार मिला। इसको गिनने के लिए कैश काउंटिंग मशीन मंगाई गई। जब मशीन ने गिनना शुरू किया तो गिनती 47 लाख रुपयों पर खत्म हुई।

कहां से आया इतना कैश, इसकी होगी जांच

एक सरकारी असिस्टेंट इंजीनियर की कमाई अगर देखी जाए बहुत से बहुत टीए डीए और बेसिक मिलाकर, सब जोड़-जाड़ कर हाथ में 70 हजार रुपये मिलते हैं। 70 हजार की कमाई में 42 लाख जमा करने में कम से कम 5 से 7 साल लगेंगे, वो भी अगर सैलरी का एक पैसा खर्च न किया जाए तो, जो कि असंभव है। ऐसे में असिस्टेंट इंजीनियर रौशन कुमार के घर मिले इतने पैसों से इतना तो तय है कि वो मेहनत की कमाई नहीं ही होगी। अब सवाल ये है कि इस घूसखोर अफसर के पास इतने पैसे किस सोर्स से आए। अब इसी पर पूरी पड़ताल होगी।

पूर्व प्रधान की पीट-पीटकर हत्या

बहराइच, 3 मार्च (एजेंसियां)। यूपी के बहराइच में सोमवार रात वैवाहिक समारोह में विपक्षियों ने पूर्व प्रधान को पीट-पीटकर मार डाला। बेटे की तहरीर पर पुलिस ने तीन लोगों के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज कर की है। मामले की जांच की जा रही है। पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी है। घटना रिसिया थाना क्षेत्र के कमला जोत गांव की है। गांव निवासी पूर्व प्रधान मगन बिहारी (65) की हत्या हुई है। बताया गया कि वह सोमवार की रात पाटीदार के घर आयोजित वैवाहिक कार्यक्रम में शामिल होने गए थे। द्वार पूजा के दौरान गांव के कुछ युवक आतिशबाजी सईद अहमद के बरामदे में रखकर छुड़ा रहे थे।

तेज रफ्तार ट्रक ने ईको कार में मारी टक्कर, जीजा-साले की मौत

बुलंदशहर, 3 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर में होली से पहले हुए एक सड़क हादसे में साले-बहनोई की मौत हो गई। यह घटना अनूपशहर-बुलंदशहर रोड पर दुगरऊ करनपुर ईंट भट्टे के पास हुई। यहां एक तेज रफ्तार ट्रक ने इको कार को टक्कर मार दी। घटना के बाद ट्रक चालक ट्रक सहित मौके से फरार हो गया। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतकों की पहचान संभल के बबराला थाना क्षेत्र के पाठकपुर गांव निवासी सुरेंद्र (30) और रजपुरा थाना क्षेत्र के सैतुआ गांव निवासी कन्हई लाल (26) के रूप में हुई है। सुरेंद्र और कन्हई लाल रिश्ते में साले-बहनोई थे। वे अपनी इको कार से किसी काम से दिल्ली जा रहे थे।

'कंपनियों की तिजोरियों से बड़ी है मजदूरों की भूख'

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने 30 से अधिक कंपनियों की याचिकाएं खारिज की

प्रयागराज, 3 मार्च (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने श्रमिकों के अधिकारों को लेकर एक अहम और सख्त फैसला सुनाया है। अदालत ने कहा कि औद्योगिक इकाइयां वित्तीय बोझ का रोना रोकर कर्मचारियों को उनके कानूनी अधिकार से वंचित नहीं कर सकतीं।

कोर्ट ने टिप्पणी की कि कंपनियों की तिजोरियों से मजदूरों की भूख बड़ी है और श्रमिकों के हित में बने कानून को सिर्फ इस आधार पर रद्द नहीं किया जा सकता कि इससे कंपनियों पर आर्थिक भार बढ़ेगा। न्यायमूर्ति सरल श्रीवास्तव और न्यायमूर्ति सुधांशु चौहान की खंडपीठ ने 30 से अधिक नामचीन कंपनियों द्वारा दायर याचिकाओं को खारिज करते हुए यह निर्णय सुनाया।

बोनस संशोधन कानून को दी थी चुनौती

मामला बोनस भुगतान (संशोधन) अधिनियम-2015 की संवैधानिक वैधता से जुड़ा था। केंद्र सरकार ने वर्ष 2015 में कानून में संशोधन करते हुए बोनस पात्रता की वेतन सीमा 10000 रुपये से बढ़ाकर 21000 रुपये कर दी थी। इसके साथ ही बोनस की गणना की सीमा 3500 रुपये से बढ़ाकर 7000 रुपये कर दी गई थी। इस संशोधन के बाद अधिक वेतन पाने वाले कर्मचारी भी बोनस के दायरे में आ गए थे। कंपनियों ने इसी संशोधन को चुनौती देते हुए अदालत का दरवाजा खटखटाया था।

कंपनियों ने क्या दी दलील?

याचिकाकर्ता कंपनियों का कहना था कि संशोधन को पूर्व प्रभाव से लागू किया गया है, जबकि संबंधित वित्तीय वर्ष की बैलेंस शीट पहले ही बंद हो चुकी थी। उनका तर्क था कि पिछली तारीख से भुगतान करने पर करोड़ों रुपये का अतिरिक्त वित्तीय बोझ पड़ेगा और इससे उद्योगों की आर्थिक स्थिति प्रभावित होगी। खंडपीठ ने कंपनियों की दलीलों को खारिज करते हुए कहा कि बोनस कोई दान या अनुग्रह नहीं, बल्कि श्रमिकों का वैधानिक अधिकार है। अदालत ने स्पष्ट किया कि केवल इस आधार पर कि कंपनियों पर आर्थिक बोझ बढ़ेगा, कानून को अमान्य नहीं ठहराया जा सकता। कोर्ट ने कहा कि श्रमिकों के हित में बनाए गए कानूनों को लागू करना सरकार और न्यायपालिका की जिम्मेदारी है, और आर्थिक कठिनाइयों का हवाला देकर श्रमिकों के अधिकारों को नहीं छीना जा सकता। इलाहाबाद हाईकोर्टके इस फैसले के बाद प्रदेश की हजारों औद्योगिक इकाइयों में कार्यरत कर्मचारियों के लिए बोनस भुगतान का रास्ता साफ हो गया है।

निर्माणाधीन पुल के गिरने का मामला

तीन इंजीनियर सस्पेंड; गिरी गाज

गोपालगंज, 3 मार्च (एजेंसियां)। बिहार के गोपालगंज जिले में निर्माण कार्यों में लापरवाही और संभावित भ्रष्टाचार के खिलाफ राज्य सरकार ने सख्त रुख अपनाया है। सिधवलिया प्रखंड के सलेमपुर घाट पर घोघरी नदी पर बन रहे निर्माणाधीन पुल के एक हिस्से के ढह जाने की घटना को गंभीरता से लेते हुए ग्रामीण कार्य विभाग ने बड़ी कार्रवाई की है। प्रथम दृष्टया दोषी पाए जाने पर तीन इंजीनियरों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है।

सिधवलिया प्रखंड के सलेमपुर घाट पर घोघरी नदी के ऊपर बन रहे पुल का एक हिस्सा कुछ दिन पूर्व अचानक भरभराकर गिर गया। यह पुल क्षेत्र के ग्रामीणों के लिए आवागमन का एक महत्वपूर्ण साधन बनने वाला था। निर्माण कार्य जारी रहने के दौरान ही संरचना के ढह जाने से गुणवत्ता और तकनीकी मानकों पर गंभीर सवाल खड़े हो गए। गनीमत रही कि हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोगों में आक्रोश फैल गया। ग्रामीणों ने निर्माण एजेंसी और विभागीय अधिकारियों पर घटिया सामग्री के इस्तेमाल और निगरानी में लापरवाही का आरोप लगाया। पुल गिरने की सूचना मिलते ही ग्रामीण कार्य विभाग मुख्यालय ने मामले का संज्ञान लिया और उच्चस्तरीय जांच टीम गठित की। प्रारंभिक जांच रिपोर्ट में निर्माण के दौरान तकनीकी मानकों की अनदेखी और पर्यवेक्षण में गंभीर लापरवाही सामने आई।

> पाकिस्तान की नई साजिश बेनकाब <

घुसपैठ की फिराक में जैश आतंकवादियों के दो गुट, बॉर्डर पर अलर्ट

कठुआ, 3 मार्च (एजेंसियां)। पाकिस्तान जम्मू संभाग में जैश आतंकियों के दो गुटों की घुसपैठ कराने की फिराक में है। सुरक्षा एजेंसियों के इनपुट के बाद भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा (आईबी) पर अलर्ट जारी कर दिया गया है। सुरक्षाबल सीमा पर कड़ी नजर रख रहे हैं। सीमावर्ती क्षेत्रों में गश्त बढ़ा दी गई है।

खुफिया सूत्रों के अनुसार किश्तवाड़ में इस्राइल ग्रुप के खात्मे, कठुआ और उधमपुर में आतंकियों के बड़े पैमाने पर सफाए से पाकिस्तान बौखलाया हुआ है। वह जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद को बढ़ाने के लिए हीरानगर सेक्टर से जैश-ए-मोहम्मद के आतंकियों की घुसपैठ कराने की साजिश रच रहा है और माकूल समय की तलाश में है। सूत्रों का कहना है कि दुश्मन की साजिश को नाकाम करने के लिए बीएसएफ, सेना व अन्य अर्धसैनिक बलों ने बहुस्तरीय सुरक्षा घेरा तैयार कर लिया है। मुंहतोड़ जवाब देने के लिए सीमा से सटे इलाकों में सघन तलाशी अभियान चलाए जा रहे हैं।

हीरानगर और सांबा सेक्टर संवेदनशील:

हीरानगर और सांबा सेक्टर घुसपैठ के लिहाज से हमेशा संवेदनशील रहे हैं। इन क्षेत्रों से पिछले कुछ वर्षों में कई आतंकियों के दल घुसपैठ कर चुके हैं। इसकी तस्दीक सुरक्षा एजेंसियों ने जांच में भी की है। पिछले साल अप्रैल में कठुआ के सनियाल और जखोल के अंबे नाल में आतंकियों के साथ मुठभेड़ हो चुकी हैं। इससे पहले 2024 में सैडा सोहल में दो आतंकियों को ढेर किया गया था। ऐसे में इस बार चौकसी और भी कड़ी की गई है।

कठुआ जिले में नगरी के ऐरवां में रविवार को तीन से चार संदिग्ध देखे गए। सुरक्षाबलों ने घेराबंदी कर तलाशी अभियान शुरू कर दिया है। सूत्रों के अनुसार गांव की एक महिला ने देर रात एक संदिग्ध देखा और पुलिस को सूचना दी। इस बीच गांव के एक और व्यक्ति ने बताया कि गांव के पास खेतों में तीन संदिग्धों को देखा है। इन सूचनाओं के बाद पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां मौके पर पहुंच गईं। ऐरवां सहित आसपास के इलाकों में तलाशी अभियान चलाया गया। सोमवार को भी इलाके को खंगाला गया। लोगों से भी पूछताछ की गई। पुलिस का कहना है कि इलाके में नाकों पर भी चेकिंग बढ़ा दी गई है। वहीं, पठानकोट पुलिस ने बमियाल और नरोट जैमल सिंह क्षेत्र में चौकसी बढ़ा दी है। इंटर स्टेट नाकों पर सख्त पहरा लगाया गया है और कठुआ से सीमांत क्षेत्र में दाखिल होने वाले वाहनों की गहन जांच की जा रही है। सीमावर्ती क्षेत्र होने के कारण पुलिस पहले से ही अलर्ट पर थी लेकिन ताजा इनपुट के बाद निगरानी और तेज कर दी गई है।

जम्मू के सीमावर्ती इलाकों में भी बढ़ाई सतर्कता

जम्मू जिले में भी अंतरराष्ट्रीय सीमा से घुसपैठ की आशंका के चलते सीमावर्ती इलाकों में हाई अलर्ट जारी किया गया है। मढ़ क्षेत्र में बीएसएफ और अन्य बल चप्पे-चप्पे पर नजर रख रहे हैं। सूत्रों के अनुसार हाल के दिनों में नियंत्रण रेखा (एलओसी) से पाकिस्तान से ड्रोन घुसपैठ की कोशिशें की गई हैं। इस बीच घुसपैठ की भी आशंका है। एजेंसियों ने स्थानीय लोगों से अपील की है कि वे किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस या सुरक्षाबलों को दें।

किश्तवाड़ के छात्रू में जैश-ए-मोहम्मद के आतंकी कमांडर सैफुल्लाह और उसके साथियों के खात्मे के बाद सुरक्षाबलों की नजर अब इन आतंकियों तक मदद पहुंचाने वालों पर है। पुलिस ने आधा दर्जन से अधिक संदिग्धों की पहचान की है। इनमें सरकारी तंत्र के लोगों के शामिल होने की भी आशंका है और वे एजेंसियों के रडार पर हैं। सूत्रों के अनुसार पुलिस और सुरक्षाबलों का फोकस अब इन आतंकी मददगारों का नेटवर्क तोड़ने पर है। पुलिस ने आतंकियों के इस गुप्त रसद तंत्र को ध्वस्त करने के लिए चौतरफा कार्रवाई शुरू की है। आतंकियों के इन मददगारों ने वर्षों तक आतंकियों को दुर्गम पहाड़ियों में जीवित रहने व सुरक्षा घेरे से बचने में मदद की।

कर्नाटक फोन टैपिंग : 'चोर को सब चोर ही दिखते हैं'

सिद्धारमैया का विपक्ष पर हमला; डिप्टी सीएम ने भी कही बडी बात

बंगलूरू, 3 मार्च (एजेंसियां)। कर्नाटक की राजनीति में फोन टैपिंग के आरोपों को लेकर घमासान मचा हुआ है। केंद्रीय मंत्री एचडी कुमारस्वामी और विपक्ष के नेता आर अशोक ने आरोप लगाया था कि राज्य सरकार उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार की जासूसी करा रही है। अब मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने इन आरोपों को पूरी तरह गलत बताया है। उन्होंने इसे विपक्ष की बुरी राजनीति और हताशा का नतीजा कहा है। वहीं, उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने भी इसे लेकर विपक्ष पर हमला बोला है।

विपक्ष पर सीएम का पलटवार

मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने मंगलवार को कहा कि ये आरोप 'चोर को सब चोर ही नजर आते हैं' वाली कहावत जैसे हैं। उन्होंने कहा कि जब से कांग्रेस राज्य में सत्ता में आई है, विपक्षी नेता लगातार मेरे और शिवकुमार के बीच दरार पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं। वे चाहे जितनी भी फूट डालने की कोशिश करें, इसका हमारे अच्छे रिश्ते पर कोई असर नहीं पड़ेगा। सिद्धारमैया ने यह भी साफ किया कि वह और शिवकुमार दोनों पार्टी आलाकमान के प्रति पूरी तरह से वफादार हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी आंतरिक लोकतंत्र के साथ काम करती है। यह न तो डर से चलती है और न ही किसी एक परिवार के दबदबे में है।

पुराने अनुभव से लगा रहे आरोप

सिद्धारमैया ने आरोप लगाने वाले नेताओं पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि ये नेता खुद मुख्यमंत्री और गृह मंत्री जैसे बड़े पदों पर रह चुके हैं। उस दौरान खुफिया विभाग उनके अधीन काम करता था। मुख्यमंत्री ने कहा कि लगता है कि उनके ये दावे दफ्तर में उनके अपने पिछले अनुभवों से निकले हैं। उन्होंने भाजपा और जेडीएस पर झूठ फैलाने का आरोप लगाया। मुख्यमंत्री ने यह भी याद दिलाया कि 2018 में जब कुमारस्वामी मुख्यमंत्री थे, तब आदिचुंचनगिरी के पुजारी समेत कई साधुओं के फोन टैप करने के आरोप लगे थे। बाद में हुई जांच से पता चला कि कई फोन की निगरानी की गई थी।

शिवकुमार बोले- हमारा रिश्ता दूध-शहद जैसा

उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के साथ अपने संबंधों पर खुलकर बात की है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने जो भी कहा है, वह अनुभव से कहा है। हम दोनों के बीच का रिश्ता निश्चित रूप से दूध और शहद जैसा है। समय हर बात का जवाब देगा। मुख्यमंत्री पद को लेकर चल रही चर्चा पर शिवकुमार ने कहा कि उन्होंने अब तक इस मुद्दे पर कोई बात नहीं की है। उन्होंने यह भी बताया कि कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष के रूप में छह साल पूरे होने पर वह 10 मार्च को एक डिनर का आयोजन करेंगे।

सरकारी डॉक्टर के घर फायरिंग करने के दो आरोपी गिरफ्तार

हथियार और बाइक बरामद

जालंधर, 3 मार्च (एजेंसियां)। कमिश्नरेट पुलिस जालंधर ने संतोषपुरा इलाके में एक सरकारी पशु चिकित्सक के घर के बाहर फायरिंग करने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। कार्रवाई पुलिस कमिश्नर धनप्रीत कौर के नेतृत्व में की गई। जानकारी के अनुसार 28 फरवरी को रात करीब 1:40 बजे संतोषपुरा में डॉक्टर यशपाल के घर के बाहर खड़ी कार और गेट पर अज्ञात बदमाशों ने गोलियां चलाई थीं। घटना के बाद थाना डिवीजन नंबर 8 में मामला दर्ज कर विशेष टीम गठित कर जांच शुरू की गई।

जांच के दौरान पुलिस ने जगजीत सिंह और लवप्रीत सिंह (दोनों निवासी गांव बडाला जोहल, थाना जंडियाला गुरु, अमृतसर) को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों के कब्जे से 30 और 32 बोर की दो पिस्टल, मैगजीन, जिंदा कारतूस, वारदात में इस्तेमाल की गई स्प्लेंडर मोटरसाइकिल तथा घटना के समय पहने गए कपड़े बरामद किए गए हैं। पुलिस आरोपियों को अदालत में पेश कर रिमांड हासिल करेगी और यह भी पता लगाया जाएगा कि वे किसी अन्य वारदात में शामिल तो नहीं हैं। इस कार्रवाई से साफ संदेश गया है कि कानून व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा।

केरल और तमिलनाडु में परिसीमन को मुद्दा बनाएगी कांग्रेस

जयराम रमेश ने भाजपा की मंशा पर उठाए सवाल

नई दिल्ली, 3 मार्च (एजेंसियां)। केरल और तमिलनाडु में जल्द चुनाव होने वाले हैं। अब राज्य में सियासी हलचल तेज हो रही है। इसी बीच कांग्रेस नेता जयराम रमेश भाजपा को निशाना बनाया। उन्होंने परिसीमन के मुद्दे को चर्चा के लिए सामने रखा है। उन्होंने तर्क दिया कि दक्षिणी राज्यों, जो प्रभावी रूप से अपनी आबादी को नियंत्रित करते हैं।

उनकोकम संसदीय सीटों के साथ दंडित नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने पीटीआई को दिए एक साक्षात्कार में केंद्रीय निधियों के वितरण में भेदभाव का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि प्रतिनिधित्व और वित्तीय न्याय दोनों ही आगामी केरल और तमिलनाडु चुनावों में भाजपा को घेरने के लिए उठाए जाने वाले प्रमुख मुद्दे होंगे।

दक्षिण राज्यों में पहले से सीटों में कमी होगी

जब उनसे पूछा गया कि क्या केरल और तमिलनाडु में परिसीमन चुनाव प्रचार का मुद्दा बनने जा रहा है। तब उन्होंने कहा कि यह एक बहुत बड़ा मुद्दा है। वर्तमान स्थिति के अनुसार, केरल, कर्नाटक, तमिलनाडु, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में सीटों की संख्या में कमी आएगी। यह चिंता का विषय है। अभी यह कोई मुद्दा नहीं है, क्योंकि जनगणना होनी बाकी है। अगले साल अप्रैल तक हमें जनगणना के व्यापक परिणाम पता चल जाएंगे। फिर निश्चित रूप से एक परिसीमन आयोग का गठन किया जाएगा। उन्होंने कहा, ऐसा नहीं होना चाहिए कि राज्यों को विशेषकर दक्षिण भारतीय राज्यों को परिवार नियोजन कार्यक्रमों के मामले में इतना जिम्मेदार और उत्तरदायी होने के लिए दंडित किया जाए।

केरल भारत का पहला राज्य है, जिसने कुल प्रजनन दर को 2.1 तक लाने का लक्ष्य हासिल किया है। उनकी नीति का उद्देश्य कुल प्रजनन दर को घटाकर 2.1 करना था। इस स्तर पर दो पीढ़ियों के बाद जनसंख्या स्थिर होने लगेगी। यह लगभग 40 साल पहले की बात है। केरल ने 1988 में कुल प्रजनन दर (टीएफआर) 2.1 का आंकड़ा छू लिया। ऐसा करने वाला भारत का पहला राज्य बन गया। तमिलनाडु ने इसे 1993 में हासिल किया। फिर अविभाजित आंध्र प्रदेश ने इसे प्राप्त किया, उसके बाद कर्नाटक ने। बाद में, हिमाचल प्रदेश और अन्य कुछ छोटे राज्यों ने भी इसे हासिल किया।

टकरावात्मक संघवाद का अभ्यास करते हैं

केंद्र सरकार की ओर से देश में जनगणना करने के निर्णय के बाद से डीएमके नेता और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन और केरल के मुख्यमंत्री पिनारयी विजयन ने भी अपनी चिंता जताई थी।राज्यों में लोक भवनों और गैर-भाजपा सरकारों के बीच कथित टकराव साथ ही विपक्षी दलों द्वारा शासित राज्यों को निधि वितरण में अनियमितताओं का मुद्दा उठाते हुए। रमेश ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहकारी संघवाद की बात तो करते हैं, लेकिन टकरावात्मक संघवाद का अभ्यास करते हैं, जिससे सत्ता का केंद्रीकरण होता है और राज्यों का महत्व कम होता है।

37 लाख से अधिक वंचितों को मिली 2000 रुपये की विशेष सहायता

चेन्नई, 3 मार्च (एजेंसियां)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने मंगलवार को एक बड़ी घोषणा करते हुए बताया कि राज्य सरकार ने समाज के वंचित वर्गों के 37.79 लाख लोगों के बैंक खातों में 2000 रुपये की विशेष सहायता राशि जमा की है। यह कदम विशेष रूप से बुजुर्गों, विधवाओं, वृद्ध ट्रांसजेंडर व्यक्तियों और दिव्यांगजनों को अतिरिक्त वित्तीय सहायता प्रदान करने की उनकी मांगों पर प्रतिक्रिया के रूप में उठाया गया है।

विभिन्न वर्गों के लिए विशेष सहायता पैकेज

मुख्यमंत्री स्टालिन ने सोशल मीडिया पर जानकारी देते हुए कहा कि यह हो हजार रुपए की राशि मौजूदा मासिक पेंशन के अतिरिक्त है। इसका मुख्य उद्देश्य समाज के हाशिए पर रहने वाले लोगों की वित्तीय कठिनाइयों को कम करना है। यह सहायता राशि फरवरी में 'कलैग्नार मगलीर उरिमाई थोगई' योजना के तहत महिलाओं को दिए गए 2000 रुपये के विशेष ग्रीष्मकालीन पैकेज के बाद आई है। उस पैकेज के बाद, कई कमजोर समूहों ने भी इसी तरह के समर्थन की मांग की थी। मुख्यमंत्री के अनुसार राज्य सरकार ने विभिन्न सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के तहत लाभ प्राप्त करने वाले 29.29 लाख वरिष्ठ नागरिकों और विधवाओं को 3200 रुपए का विशेष सहायता पैकेज हस्तांतरित किया है। इसके अलावा 5.92 लाख दिव्यांगजनों को 3500 रुपए की राशि दी गई है, और रखरखाव सहायता प्राप्त करने वाले 2.58 लाख दिव्यांगजनों के परिवारों के बैंक खातों में मंगलवार को 4000 रुपए जमा किए गए हैं।

दोस्त का कत्ल और लाश के छह टुकड़े

गोल्ड के लिए दोस्तों ने मारा, तीन कट्टों में पैक कर यूपी में फेंके अंग

नई दिल्ली, 3 मार्च (एजेंसियां)। देश की राजधानी दिल्ली के द्वारका में सोने के जेवरात पहनने का शौक एक युवक के लिए जानलेवा बन गया। अनुरूप गुप्ता (48) के दोस्तों ने साजिश रचकर सोने के लिए उसकी जान ले ली। उसकी कार और हमेशा जो वह अपने शरीर पर पहने रहता था, उसके करीब 40 लाख रुपये के जेवरात लूट लिए गए।

आरोपियों ने शव को छह टुकड़ों में काटा और प्लास्टिक के तीन कट्टों में डालकर उसे वृंदावन, मथुरा के पास यमुना में ठिकाने लगाया था। ये बातें द्वारका जिले के एंटी नारकोटिक्स सेल के सामने आरोपियों ने कबूल की। पुलिस ने मुख्य साजिशकर्ता और उसकी गर्लफ्रेंड समेत चार आरोपियों को दबोचा है। पुलिस नीरज नाम के एक फरार आरोपी की तलाश में दबिश दे रही है। पुलिस ने आरोपियों के पास से मृतक की कार, कुछ जेवरात व अन्य सामान बरामद किए हैं।

मुख्य आरोपी की पहचान हांसी, हिसार, हरियाणा निवासी हैप्पी उर्फ सूरज (29) के रूप में हुई है। अन्य आरोपियों में इसकी गर्लफ्रेंड कापावार, देवरिया, यूपी निवासी राखी (21), राय, सोनीपत, हरियाणा निवासी भूपेंद्र (27) और बरहाना, झज्जर, हरियाणा निवासी बलराम (28) के रूप में हुई है। इनसे पूछताछ जारी है।

23 फरवरी को परिवार ने दर्ज कराई थी गुमशुदगी

द्वारका जिला पुलिस उपायुक्त अंकित सिंह ने बताया कि 23 फरवरी को दक्षिणपुरी निवासी पवन गुप्ता ने अपने भाई अनुरूप गुप्ता की गुमशुदगी का मामला द्वारका नॉर्थ थाने में दर्ज कराया था। पीड़ित ने बताया कि अनुरूप राधिका अपार्टमेंट, सेक्टर-14, द्वारका में परिवार से अलग अकेला रहता था। वह छत्तीसगढ़ सदन, द्वारका में अपनी कैंटीन चलाता था। उसे भाई ने बताया कि 18 फरवरी से वह अपनी कार के साथ लापता है। वह 25 से 30 तोले के जेवरात पहनता है। इसके बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर छानबीन शुरू की। लोकल पुलिस के अलावा एंटी नारकोटिक्स सेल को भी शामिल किया गया।

दिल्ली के ब्लाइंड मर्डर की सुलझी गुत्थी

एंटी नारकोटिक्स सेल के इंस्पेक्टर सुभाष चंद व उनकी टीम ने को जांच में पता चला कि 19-20 फरवरी की रात को कार यमुना एक्सप्रेस से गुजरी थी। सीसीटीवी फुटेज से पता चला कि कार वृंदावन की ओर गई और कुछ घंटों में नोएडा की ओर लौट गई। टीम ने अनुरूप के अपार्टमेंट की फुटेज खंगाली तो पता चला कि 18 फरवरी को उसने घर के बाहर से रैपिडो बाइक बुक की थी। रैपिडो चालक की मदद से पुलिस बी-ब्लॉक मटियाला की उस लोकेशन पर पहुंची।

मोबाइल और 600 रुपये की लूट; कोर्ट ने 3 युवकों को सुनाई 10 साल की सजा

चंडीगढ़, 3 मार्च (एजेंसियां)। चंडीगढ़ की जिला अदालत ने 2020 के एक लूटपाट के मामले में बड़ा फैसला सुनाया है। तीन युवकों पर मौली जागरण इलाके में एक राहगीर से 600 रुपये, एक मोबाइल और आधार कार्ड लूटने का आरोप था। कोर्ट ने तीनों को ही दोषी मानते हुए 10 साल की सजा सुनाई है। इसके अलावा अदालत ने दो दोषियों पर 15,000 रुपये और तीसरे पर 10,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया। यह फैसला अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश सोनिका ने सुनाया, जिन्होंने राजिंदर उर्फ धानी (24), शुभम उर्फ बंबो (22) और काशिम उर्फ मच्छी (18) को आईपीसी की धारा 395 (डकैती) और 397 (डकैती या लूटपाट के साथ हत्या या गंभीर चोट पहुंचाने का प्रयास) के तहत दोषी ठहराया।

खाड़ी मार्ग पर युद्ध की आंच-भारत का थम गया निर्यात, शिपिंग कंपनियों ने भारी आपात संघर्ष शुल्क जोड़ा

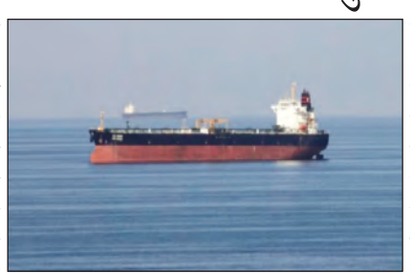

नई दिल्ली, 3 मार्च (एजेंसियां)। ईरान पर हमलों तथा उसके बाद जवाबी कार्रवाई ने प. एशिया के समुद्री मार्गों को जोखिमपूर्ण बना दिया है। बढ़ते सुरक्षा खतरे के बीच शिपिंग कंपनियों ने खाड़ी और आसपास के देशों के लिए माल ढुलाई पर 2,000 से 4,000 डॉलर प्रति कंटेनर तक अतिरिक्त आपात संघर्ष शुल्क लागू कर दिए हैं। इन शुल्कों के प्रभाव से भारत का निर्यात कारोबार व्यावहारिक रूप से ठप पड़ गया है। वाणिज्य मंत्रालय सर्वोच्च प्राथमिकता के आधार पर हालात की समीक्षा कर रहा है। उद्योग व सरकारी सूत्रों के अनुसार 2 मार्च से लागू किए गए इन अतिरिक्त शुल्कों ने निर्यातकों की लागत संरचना को अचानक बदल दिया है। शिपिंग कंपनियों ने स्पष्ट किया है कि पश्चिम एशिया के संवेदनशील समुद्री मार्गों पर परिचालन जोखिम बढ़ने के कारण यह अस्थायी शुल्क जोड़ा गया है।

क्या कहना है निर्यातकों का ?

निर्यातकों का कहना है कि मौजूदा मार्जिन के साथ इतनी ऊंची अतिरिक्त लागत वहन करना संभव नहीं है। भारत से इराक, बहरीन, कुवैत, यमन, कतर, ओमान, यूएई, सऊदी अरब, जॉर्डन, मिस्र के आइन सोखाना पोर्ट, जिबूती, सूडान और इरिट्रिया के लिए होने वाली शिपमेंट पर ये शुल्क लागू होंगे। इन देशों से भारत के आयात पर भी यही प्रावधान प्रभावी रहेगा। समुद्री ही नहीं, बल्कि हवाई मार्ग से भी कृषि एवं संबद्ध उत्पादों की खेप रोकी जा रही है। संकट का दूसरा पहलू बंदरगाहों पर खड़ा माल है। जिन कंटेनरों की लोडिंग इन गंतव्यों के लिए तय थी, उन्हें फिलहाल रोका जा रहा है। ऐसे में पोर्ट ऑपरेटर रोजाना करीब 100 डॉलर प्रति कंटेनर ग्राउंड चार्ज वसूल सकते हैं। इससे निर्यातकों पर दोहरी मार पड़ रही है।

ईरान के साथ व्यापार पर प्रभाव

दिल्ली स्थित थिंक टैंक ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनीशिएटिव के आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2025 में भारत ने ईरान को करीब 124 करोड़ डॉलर का निर्यात किया। इसमें 74.7 करोड़ डॉलर का चावल निर्यात हुआ, जबकि 6.1 करोड़ डॉलर के केले व 5.1 करोड़ डॉलर की चायपत्ती की आपूर्ति की गई। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि समुद्री मार्ग लंबे समय तक बाधित रहे तो कृषि निर्यात पर इसका तात्कालिक व व्यापक प्रभाव पड़ेगा।

लॉरेंस बिश्नोई की लीगल टीम पर हमले का आरोपी रोहित सोलंकी गिरफ्तार

दिल्ली पुलिस ने की कार्रवाई

नई दिल्ली, 3 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली पुलिस ने गोधरा गैंग के मुख्य आरोपी रोहित सोलंकी को गिरफ्तार किया है। उस पर गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई की कानूनी टीम पर हमला करने का गंभीर आरोप है। यह गिरफ्तारी राजधानी में संगठित अपराध के खिलाफ पुलिस की बड़ी कार्रवाई मानी जा रही है। दिल्ली पुलिस ने जानकारी देते हुए बताया कि रोहित गोधरा गैंग के मुख्य आरोपी और अहम सदस्य रोहित सोलंकी को पकड़ लिया गया है। जिसने बीते दिनों गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई की लीगल टीम पर हमला किया था। रोहित सोलंकी को हमले करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। गुजरात की जेल में बंद गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई से संबंधित एक वकील की कार पर राष्ट्रीय राजधानी के कश्मीरी गेट स्थित अंतरराज्यीय बस टर्मिनल (आईएसबीटी) के पास हुई फायरिंग के मामले में दिल्ली पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज की थी। गैंगस्टर नवीन बॉक्सर के नाम से बताए जा रहे एक पोस्ट के जरिये बॉक्सर ने हमले की कथित तौर पर जिम्मेदारी ली थी। उत्तरी जिला पुलिस उपायुक्त राजा बांठिया ने बताया था कि अधिवक्ता दीपक खत्री की शिकायत पर कश्मीरी गेट थाने में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 109(1) (हत्या का प्रयास), 3(5) (आपराधिक षड्यंत्र) और शस्त्र अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार का कहना है कि खत्री को पहले भी हिंसा की धमकियां मिली थीं। मरघट वाले हनुमान मंदिर के पास करीब रात 10 बजकर 10 मिनट पर एक कार पर गोलीबारी हुई और उस समय कार में पांच लोग सवार थे।

पहलगाम हमले में इस्तेमाल किए गए गोप्रो को चीन में किया गया था पहली बार एक्टिव

एनआईए ड्रैगन से मांगेगी जानकारी

नई दिल्ली, 3 मार्च (एजेंसियां)। कश्मीर के पहलगाम की बैसरन घाटी की रेकी करने के लिए कथित तौर पर इस्तेमाल किया गया गोप्रो 12 ब्लैक कैमरा का लिंक चीन के एक डिस्ट्रीब्यूटर के पास मिला है। द प्रिंट की एक रिपोर्ट के अनुसार चीन में ही इसे पहलगाम आतंकी हमले से एक साल पहले एक्टिवेट किया गया था।

लेटर रोगेटरी क्या है?

इस तथ्य के सामने आने के बाद नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (एनआईए) अब एक लेटर रोगेटरी जारी करने वाली है क्योंकि कैमरे के एक्टिवेशन, शुरुआती इस्तेमाल और कमर्शियल ट्रेल से जुड़ी जानकारी चीन के अधिकार क्षेत्र में आती है। बता दें कि लेटर रोगेटरी एक देश की कोर्ट की तरफ से दूसरे देश की न्यायपालिका के लिए एक फॉर्मल, डिप्लोमैटिक रिक्वेस्ट होती है। जम्मू में स्पेशल एनआईए जज ने बताया कि मिनिस्ट्री ऑफ़ होम अफेयर्स (एमएचए) ने इस प्रोसेस को अपनी मंजूरी दे दी है। आतंकी हमले की जांच के दौरान तब ये बातें सामने आईं जब हमले की साजिश और उसे अंजाम देने से जुड़ी अलग-अलग चीजों और इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस की जांच की गई। मामले की जांच करते हुए, एनआईए ने डिवाइस के खरीदार, एंड यूजर और उससे जुड़े टेक्निकल रिकॉर्ड की डिटेल्स हासिल करने के लिए यूएस-बेस्ड निर्माता, गो प्रो बीवी को एक नोटिस जारी किया।

निर्माता का जवाब कोर्ट में पेश किया

एनआईए ने स्पेशल कोर्ट में मैन्युफैक्चरर का जवाब पेश किया, "यह कैमरा एई ग्रुप इंटरनेशनल लिमिटेड को सप्लाई किया गया था, जो पीपल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना में एक डिस्ट्रीब्यूटर है; और कैमरा 30.01.2024 को डोंगगुआन, पीपल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना में एक्टिवेट किया गया था।" हालांकि, सेंट्रल काउंटर-टेररिज्म एजेंसी अब तक कैमरे के एंड-यूजर रिकॉर्ड या चीन से जम्मू-कश्मीर तक इसके ट्रांसपोर्टेशन का पता नहीं लगा पाई है। पूरा चैनल जानने के लिए और कैमरा यूजर्स के रिकॉर्ड का पता लगाने के लिए, उसने जम्मू में स्पेशल एनआईए कोर्ट से चीनी अधिकारियों को एक फॉर्मल, ज्यूडिशियल रिक्वेस्ट भेजने का ऑर्डर मांगा। स्पेशल कोर्ट ने एनआईए को चीनी अधिकारियों को एक लेटर रोगेटरी भेजने की मंजूरी दे दी और जांच अधिकारी को लेटर रोगेटरी की एक सॉफ्ट कॉपी, उसके ट्रांसलेशन के साथ, म्यूचुअल लीगल असिस्टेंस ट्रीटी (एमएलएटी) पोर्टल पर अपलोड करने का निर्देश दिया।

आईपीसीयू को भेजने का निर्देश दिया गया

साथ ही, एनआईए के जांच अधिकारी को फिजिकल लेटर रोगेटरी (एक ओरिजिनल और दो फोटोकॉपी) के तीन सेट, चीनी में ट्रांसलेट की गई कॉपी के साथ, सेंट्रल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (सीबीआई) की इंटरनेशनल पुलिस कोऑपरेशन यूनिट (आईपीसीयू) को भेजने का निर्देश दिया गया, जिसे आगे डिप्लोमैटिक चैनलों के जरिए चीनी अधिकारियों को एलआर भेजने का निर्देश दिया गया है।

इजराइल ने ट्रैफिक कैमरे हैक कर खामेनेई पर हमला किया

सालों तक नजर रखी, ऑफिस पर 30 मिसाइलें गिराई, 40 अफसर भी मारे गए

तेल अवीव/तेहरान, 3 मार्च (एजेंसियां)। ईरान के सर्वोच्च नेता आयतुल्लाह अली खामेनेई की शनिवार को इजराइल के हवाई हमले में मौत हो गई। यह हमला तेहरान की पास्चर स्ट्रीट के पास उनके ऑफिस पर हुआ, जहां वे कई बड़े ईरानी नेताओं के साथ बैठक कर रहे थे। इस हमले में इजराइल ने ऑफिस पर 30 मिसाइलें गिराई थीं, जिसमें खामेनेई के साथ 40 अफसर भी मारे गए थे।

इजराइल ने कई सालों से इस हमले की तैयारी की थी। उनकी खुफिया एजेंसी मोसाद और यूनिट 8200 ने तेहरान के लगभग सभी ट्रैफिक कैमरों को हैक कर लिया था। इन कैमरों की तस्वीरें एनक्रिप्ट करके तेल अवीव और दक्षिण इजराइल के सर्वरों पर भेजी जाती थीं।

अमेरिका की खुफिया एजेंसी सीआईए ने भी इस ऑपरेशन में मदद की। इसमें एक खास कैमरा था, क्योंकि उससे पता चलता था कि सीनियर अधिकारियों के बॉडीगार्ड और ड्राइवर अपनी निजी गाड़ियां कहां पार्क करते हैं।

इन कैमरों से इजराइल को अफसरों के बारे में बहुत जानकारी

मिली, जैसे उनका घर कहां है, वे कब ड्यूटी पर आते हैं, कौन सा रास्ता लेते हैं, और सबसे जरूरी बात वे किस नेता की सुरक्षा करते हैं या किसे ले जाते हैं। इसे इंटेलिजेंस में 'पैटर्न ऑफ लाइफ' कहते हैं।

यह जानकारी इजराइल को खामेनेई की हत्या के लिए बहुत काम आई। यह एकमात्र तरीका नहीं था। इजराइल और सीआईए ने कई तरह की खुफिया जानकारी जुटाई थी। इजराइल ने पास्चर स्ट्रीट के आसपास के मोबाइल फोन टावरों को भी हैक किया, ताकि हमले के समय फोन व्यस्त दिखें और सुरक्षा टीम को कोई चेतावनी न मिले।

इजराइल के एक इंटेलिजेंस अधिकारी ने कहा कि वे तेहरान को उतनी अच्छी तरह जानते हैं जितनी अच्छी तरह यरुशलम को जानते हैं। जब आप किसी जगह को इतनी अच्छी तरह जानते हैं, तो वहां की कोई भी छोटी सी गड़बड़ी भी नजर आ जाती है।

यह सब इजराइल की यूनिट 8200 (सिग्नल इंटेलिजेंस), मोसाद के ह्मयुमन सोर्स और मिलिट्री इंटेलिजेंस के डेटा से हुआ। उन्होंने सोशल नेटवर्क एनालिसिस नाम की मैथमैटिकल विधि से अरबों डेटा पॉइंट्स को छांटा और नए टारगेट ढूंढे।

इजराइल में टारगेटिंग इंटेलिजेंस बहुत जरूरी है, अगर फैसला होता है कि किसी को मारना है, तो इंटेलिजेंस उसे पूरा करने के लिए तैयार हो जाता है।

खामेनेई बोले थे- मेरी मौत से फर्क नहीं पड़ता

खामेनेई की हत्या एक राजनीतिक फैसला था, सिर्फ तकनीक का कमाल नहीं। जब सीआईए और इजराइल को पता चला कि शनिवार सुबह खामेनेई अपने ऑफिस में बैठक कर रहे हैं और कई बड़े नेता साथ हैं, तो मौका बहुत अच्छा लगा। युद्ध शुरू होने के बाद उन्हें ढूंढना मुश्किल हो जाता, क्योंकि वे बंकरों में छिप जाते।

खामेनेई हिज्बुल्लाह के नेता हसन नसरल्लाह की तरह छिपकर नहीं रहते थे। नसरल्लाह सालों से बंकर में रहता था, लेकिन खामेनेई ने कभी-कभी सार्वजनिक रूप से कहा था कि उनकी मौत से फर्क नहीं पड़ता।

आयतुल्ला अली खामेनेई 1989 में रुहोल्लाह खुमैनी के निधन के बाद से ईरान के सर्वोच्च नेता के पद पर काबिज थे। ईरान में 1979 की इस्लामी क्रांति के दौरान, जब शाह मोहम्मद रजा पहलवी को हटाया गया तो खामेनेई ने क्रांति में बड़ी भूमिका निभाई थी।

इस्लामिक क्रांति के बाद खामेनेई को 1981 में राष्ट्रपति बनाया गया। वह 8 साल तक इस पद पर रहे। 1989 में ईरान के सुप्रीम लीडर खुमैनी की मौत के बाद उन्हें उत्तराधिकारी बनाया गया था।

अयातुल्ला अली खामेनेई रेजा शाह पहलवी की नीतियों के खिलाफ थे और इस्लामी शासन की वकालत करते थे। 1963 में शाह के खिलाफ भाषण देने पर उन्हें गिरफ्तार भी किया गया। धीरे-धीरे वे सरकार विरोधी आंदोलन का बड़ा चेहरा बन गए और खोमैनी के भरोसेमंद सहयोगी माने जाने लगे।

1979 में ईरान में इस्लामिक क्रांति हुई और शाह की सरकार गिर गई। खोमैनी देश लौटे और नई इस्लामिक सरकार बनाई। खामेनेई को क्रांतिकारी परिषद में जगह मिली और बाद में उप रक्षामंत्री बनाया गया।

संसदीय चुनाव के लिए नेपाल में हाई अलर्ट

72 घंटे के लिए बंद हुई सीमा

काठमांडू, 3 मार्च (एजेंसियां)। नेपाल में होने वाले संसदीय चुनावों को लेकर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। इसी के तहत नेपाल-भारत सीमा पर सभी प्रमुख चेकपोस्ट सोमवार रात 12 बजे से 72 घंटे के लिए बंद कर दिए गए हैं। यह बंदी गुरुवार रात 12 बजे तक लागू रहेगी। चुनाव गुरुवार को होने हैं, इसलिए सुरक्षा एजेंसियां कोई भी जोखिम नहीं लेना चाहतीं।

दरअसल, नेपाल और भारत के बीच चुनाव के समय सीमा बंद करने की पुरानी परंपरा रही है। ऐसा इसलिए किया जाता है ताकि किसी भी तरह के अवांछित तत्व सीमा पार कर चुनाव प्रक्रिया में बाधा न डाल सकें। इस बार भी यही कदम एहतियात के तौर पर उठाया गया है।

सशस्त्र पुलिस बल (एपीएफ) के प्रवक्ता, डीआईजी बिष्णु प्रसाद भट्ट ने बताया कि सोमवार आधी रात से लोगों और सामान की आवाजाही रोक दी गई है। हालांकि, जरूरी सामान जैसे ईंधन और अन्य आवश्यक वस्तुओं की ढुलाई की अनुमति रहेगी।

अगर कोई विदेशी नागरिक

सीमा पर फंस जाता है, तो उसे नेपाल के भीतर उसके गंतव्य तक पहुंचाने की व्यवस्था भी की जाएगी।

गौरतलब है कि इस बार नेपाल में 275 सदस्यीय प्रतिनिधि सभा के लिए चुनाव हो रहे हैं। यह चुनाव इसलिए हो रहे हैं क्योंकि पिछले साल सितंबर में हुए हिंसक 'जेन जेड आंदोलन' के बाद के.पी. शर्मा ओली की सरकार गिर गई थी।

उसके बाद एक अंतरिम सरकार बनी, जिसकी अगुवाई प्रधानमंत्री सुशीला कार्की कर रही हैं। इस अंतरिम सरकार को छह महीने के भीतर चुनाव कराने की जिम्मेदारी दी गई थी।

सीमा से सटे जिलों में स्थानीय प्रशासन ने विदेशी नंबर प्लेट वाले वाहनों पर भी रोक लगा दी है। नेपाल के सीमावर्ती इलाकों में भारतीय नंबर प्लेट वाले वाहनों का इस्तेमाल आम बात है, लेकिन चुनाव के मद्देनजर इस पर भी सख्ती की गई है।

डीआईजी भट्ट ने यह भी बताया कि भारत की सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) के साथ तालमेल बनाकर काम किया जा रहा है, ताकि किसी भी तरह की घुसपैठ को रोका जा सके। उन्होंने चिंता जताई कि जेन जेड आंदोलन के दौरान लूटे गए हथियार और गोला-बारूद अभी तक बरामद नहीं हुए हैं, इसलिए अतिरिक्त सतर्कता बरती जा रही है।

साल्हेओना गांव में कैलेंडर देखकर नहीं, दिन देखकर मनाई जाती है होली

मंगलवार या शनिवार का है अनोखा कनेक्शन

रायपुर, 3 मार्च (एजेंसियां)। पूरे देश में होली फागुन पूर्णिमा के दिन मनाई जाती है, लेकिन छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में एक ऐसा गांव है, जहां यह परंपरा बिल्कुल अलग है। बरमकेला ब्लॉक के साल्हेओना गांव में होली की तारीख पंचांग तय नहीं करता, बल्कि सप्ताह का दिन तय करता है। यहां सालों से नियम है कि होलिका दहन केवल मंगलवार या शनिवार को ही होगा। साल्हेओना गांव के लोग सदियों से इस परंपरा का पालन कर रहे हैं।

अगर देशभर में होली सोमवार को है, तो इस गांव के लोग अगले दिन यानी मंगलवार का इंतजार करेंगे। वहीं अगर बुधवार को होली पड़ती है, तो ये लोग शनिवार तक रुक जाते हैं। जब तक मंगलवार या शनिवार नहीं आता, गांव में न तो रंग उड़ता है और न ही होलिका जलाई जाती है। ग्रामीणों का मानना है कि इस परंपरा को तोड़ने से गांव पर बड़ी विपदा आ सकती है। बुजुर्गों के अनुसार, दशकों पहले गांव में भीषण आगजनी और बीमारियां फैली थीं, जिसके बाद पूर्वजों ने यह संकल्प लिया था कि संकटों से मुक्ति के लिए केवल हनुमान जी और शनि देव के दिनों (मंगलवार/शनिवार) को ही पर्व मनाया जाएगा।

ट्रम्प बोले- ईरान से 4-5 हफ्ते जंग चल सकती है

अभी पूरी ताकत से हमला नहीं किया हमारे पास दुनिया की सबसे बड़ी सेना

तेल अवीव/तेहरान, 3 मार्च (एजेंसियां)। इजराइल-अमेरिका और ईरान जंग का आज तीसरा दिन है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि ईरान से जंग 4-5 हफ्ते तक चल सकती है, लेकिन अमेरिका के पास इससे ज्यादा समय तक कार्रवाई करने की क्षमता है।

व्हाइट हाउस में दिए बयान में ट्रम्प ने कहा कि अमेरिकी सेना अभी भी ईरान में बड़े स्तर पर सैन्य कार्रवाई कर रही है।

ट्रम्प ने कहा अमेरिका ने अभी पूरी ताकत से हमला शुरू नहीं किया है। ईरान पर अभी सबसे बड़ा हमला बाकी है। अमेरिका के पास दुनिया की सबसे बड़ी सेना है और उसका इस्तेमाल किया जा रहा है।

ईरान ने जंग के तीसरे दिन सोमवार को मिडिल-ईस्ट के 4

देशों में 6 अमेरिकी बेस पर हमला किया। कुवैत में अमेरिका के 3 फाइटर जेट क्रैश हो गए हैं। अमेरिका ने कहा कि कुवैत ने इन फाइटरजेट्स को दुश्मन का विमान समझकर निशाना बनाया। सभी अमेरिकी पायलट सुरक्षित हैं। दूसरी ओर ईरान के टॉप नेशनल सिक्योरिटी अधिकारी अली लारीजानी ने सोमवार को कहा कि ईरान अमेरिका से कोई बातचीत नहीं करेगा। यह बयान उन खबरों के जवाब में आया है, जिनमें कहा गया था कि ईरान ने अमेरिका से फिर से बातचीत शुरू करने की कोशिश की है।

अल-जजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका और इजराइल ने मिलकर अब तक ईरान के 1000 से ज्यादा ठिकानों पर हमले किए हैं। इस दौरान शुरुआती 30 घंटे में 2000 से ज्यादा बम गिराए गए हैं।

इनमें अब तक 555 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 700 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। 28 फरवरी को शुरू हुई इस लड़ाई के पहले दिन हुई बमबारी में ईरानी सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई मारे गए थे।

इसके अलावा अमेरिकी सेंट्रल फोर्सेस के बयान के मुताबिक ईरानी हमलों में अब तक 6 अमेरिकी सैनिक मारे जा चुके हैं।

सैप जवान की सड़क हादसे में मौत

पलामू, 3 मार्च (एजेंसियां)। पलामू के मेदिनीनगर सदर थाना क्षेत्र के पोखराहा में सड़क हादसे में सैप जवान मनोज पांडेय की मौत हो गई। वे सदर प्रखंड के बड़कागांव के निवासी थे। बताया जा रहा है कि होली के अवसर पर वे अपने गांव में आयोजित अखंड कीर्तन में शामिल होने आए थे।

कीर्तन समाप्त होने के बाद देर रात वे बुलेट बाइक से डाल्टनगंज लौट रहे थे। इसी दौरान पांकी-मेदिनीनगर मुख्य मार्ग पर पोखराहा मेडिकल चौक के समीप उनकी बाइक अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई। प्रारंभिक आशंका जताई जा रही है कि सड़क पर बने नए ब्रेकर पर अचानक संतुलन बिगड़ने से वे वाहन समेत गिर पड़े, जिससे उन्हें गंभीर चोटें आईं।

घटना रात में होने के कारण इसकी जानकारी किसी को नहीं

मिल सकी। सुबह जब स्थानीय लोग मॉर्निंग वॉक के लिए निकले तो उन्होंने सड़क किनारे मनोज पांडेय को गिरा हुआ देखा। इसके बाद तत्काल मेदिनीनगर सदर थाना पुलिस को सूचना दी गई।

सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और उन्हें इलाज के लिए मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल पहुंचाया गया। अस्पताल में चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना की खबर मिलते ही परिजन और ग्रामीण अस्पताल पहुंच गए, जहां कोहराम मच गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया।

छत्तीसगढ़-राज्यसभा के लिए बीजेपी से लक्ष्मी वर्मा को टिकट

महिला आयोग की सदस्य हैं, नारायण चंदेल और डॉ. बांधी भी रेस में थे शामिल

सेंगर, 3 मार्च (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी ने छत्तीसगढ़ से लक्ष्मी वर्मा को राज्यसभा उम्मीदवार बनाया है। पार्टी हाईकमान ने 6 राज्यों के लिए कैंडिडेट की लिस्ट जारी की है। जिसमें छत्तीसगढ़ से लक्ष्मी वर्मा का नाम है।

मंथन के बाद 7 नामों के पैनल में से 3 नामों को अंतिम रूप दिया था। इनमें लक्ष्मी वर्मा, नारायण चंदेल और डॉ. कृष्णमूर्ति बांधी का नाम शामिल था। जिसके बाद पार्टी ने राजनीति में 30 साल से सक्रिय रही लक्ष्मी वर्मा को टिकट दिया है।

बता दें कि लंबे समय से चर्चा थी कि, राज्यसभा के लिए संगठन और सामाजिक समीकरण के साथ ही मातृशक्ति को मौका दिया जाएगा। पहले ही बता दिया था कि

किसी महिला उम्मीदवार को मौका मिल सकता है।

'मातृशक्ति' को मिली प्राथमिकता

राजनीतिज्ञ जानकारों के मुताबिक, पार्टी इस बार 'मातृशक्ति' को प्राथमिकता देने के मूड में थी। ऐसे में लक्ष्मी वर्मा का नाम सबसे आगे चल रहा था। संगठन में उनकी सक्रिय भूमिका और महिला वर्ग में पकड़ को देखते हुए केंद्रीय नेतृत्व ने सकारात्मक संकेत दिए।

नारायण चंदेल और डॉ. कृष्णमूर्ति बांधी भी मजबूत दावेदार माने जा रहे थे। दोनों का संगठनात्मक अनुभव और राजनीतिक पृष्ठभूमि मजबूत है, लेकिन महिला प्रतिनिधित्व को प्राथमिकता देने की रणनीति ने समीकरण बदल दिए।

इससे पहले शुरुआती पैनल में लक्ष्मी वर्मा, नारायण चंदेल, सरोज पांडेय, भूपेंद्र सवन्नी, किरण बघेल, डॉ. कृष्णमूर्ति बांधी और निर्मल का नाम शामिल था। विचार-विमर्श के बाद तीन नाम शॉर्टलिस्ट किए गए थे।

छत्तीसगढ़ से राज्यसभा के लिए वर्तमान में 5 सदस्य प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। इनमें 2 सांसदों का कार्यकाल 9 अप्रैल को समाप्त हो रहा है, जबकि 2 सदस्यों का कार्यकाल 2028 और 2030 तक जारी रहेगा।

पासपोर्ट ऑफिस को 12 बम से उड़ाने की धमकी

दफ्तर की आधिकारिक ई-मेल आईडी पर मेल आया, बम-डॉग स्क्वॉड की टीम मौके पर पहुंची

रायपुर, 3 मार्च (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के सिविल लाइन इलाके में स्थित पासपोर्ट कार्यालय को ई-मेल के जरिए 12 बम से उड़ाने की धमकी मिली है। धमकी भरा मेल कार्यालय की आधिकारिक ई-मेल आईडी पर मिली है। मामले की सूचना मिलते ही पुलिस महकमे में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। सिविल लाइन थाने में अज्ञात आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। मेल भेजने वाले शख्स ने खुद को तमिलनाडु का निवासी बताया है।

सूचना के बाद पुलिस, बम स्क्वॉड और डॉग स्क्वॉड की टीम मौके पर पहुंची और कार्यालय परिसर की सघन जांच की। सुरक्षा के मद्देनजर पूरे कार्यालय को तत्काल खाली करा लिया गया।

फ्रांस बढ़ाएगा एटमी हथियारों का जखीरा

यूरोप को देगा परमाणु छतरी, मैक्रों ने पेश किया न्यूक्लियर प्लान

पेरिस, 3 मार्च (एजेंसियां)। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने परमाणु हथियारों पर बड़ा ऐलान किया है। मैक्रों ने कहा कि फ्रांस अपने परमाणु हथियारों का जखीरा बढ़ाएगा। इसके साथ ही उन्होंने यूरोप की सुरक्षा के लिए एक परमाणु प्लान पेश किया, जिसमें फ्रांस अपने साथी देशों में न्यूक्लियर हथियारों वाले एयरक्राफ्ट तैनात कर सकता है। मैक्रों ने यह घोषणा ऐसे समय में की है, जब दुनिया जियोपॉलिटकल उथल-पुथल के दौर से गुजर रही है। उन्होंने इसे फॉरवर्ड न्यूक्लियर डिटरेंस कहा है।

इले लोंग्यू न्यूक्लियर सबमरीन बेस पर मैक्रों ने घोषणा की कि आठ यूरोपियन देश महाद्वीप पर सुरक्षा को मजबूत करने के लिए फ्रांस के परमाणु हथियार का इस्तेमाल करने के उनके प्लान में शामिल होने पर सहमत हो गए हैं। जर्मनी, पोलैंड, स्वीडन और ब्रिटेन

इसमें शामिल हैं। उन्होंने इस प्रयास में जर्मनी को एक अहम पार्टनर बताया।

मैक्रों के भाषण के बाद फ्रांस और जर्मनी ने एक संयुक्त बयान जारी किया, जिसमें कहा गया कि उन्होंने एक न्यूक्लियर स्टीयरिंग ग्रुप बनाया है। इसमें कहा गया है कि यह व्यवस्था नाटो के न्यूक्लियर डिटरेंस को आगे बढ़ाने न कि उसकी जगह लेगी। आजादी का मतलब अकेले हो जाना नहीं हो सकता। दुनिया में अभी इसकी सबसे ज्यादा जरूरत है। हम अभी जियोपॉलिटिकल उथल-पुथल के दौर से गुजर रहे हैं, जिसमें कई रिस्क हैं। मैक्रों ने अपनी योजना के बारे में बताया कि इसके तहत नीदरलैंड्स, बेल्जियम, ग्रीस और डेनमार्क जैसे देश फ्रांस की स्ट्रेटेजिक एयर फोर्स को अपने यहां रख पाएंगे। हालांकि, उन्होंने जोर देकर कहा कि न्यूक्लियर फैसले पर फ्रांस अपना कड़ा नियंत्रण बनाए रखेगा। फ्रांस और जर्मनी ने कहा कि वे इस साल से पहले ठोस कदम उठाने पर सहमत हुए हैं, जिसमें फ्रांस के परमाणु अभ्यास में जर्मनी की पारंपरिक हिस्सेदारी भी शामिल है। मैक्रों ने फ्रांस के परमाणु सिद्धांत को ऐसे समय में अपडेट किया है, जब यूरोप के प्रति अमेरिका की प्रतिबद्धता से नाटो देशों में आशंका बढ़ रही है।

हालांकि, अमेरिका ने कहा है कि नाटो के तहत अमेरिकी डिटरेंट जारी रहेगा, लेकिन इसके बावजूद यूरोप में डर कम करने में कोई खास मदद नहीं मिली है। अमेरिका पांच यूरोपीय देशों में परमाणु बम की तैनाती करता है- इटली, जर्मनी, नीदरलैंड्स, बेल्जियम और तुर्की।

ईरान का 35,000 का ड्रोन बनाम 40 लाख डॉलर की मिसाइल

इजरायल-अमेरिका पर यूं भारी पड़ रहा तेहरान

तेल अवीव, 3 मार्च (एजेंसियां)। इजरायल ईरान युद्ध अब हथियारों की कम और पैसों की लड़ाई ज्यादा बनता जा रहा है। इजरायल और अमेरिका समेत उसके साथी देशों को ईरान के हर एक हमले को रोकने के लिए लाखों डॉलर खर्च करने पड़ रहे हैं। वहीं, ईरान हमले में अपेक्षाकृत सस्ते हथियारों का इस्तेमाल कर रहा है। इसे ईरान की लंबे समय तक चलने वाली लड़ाई की तैयारी के रूप में देखा जा रहा है। वहीं ऐसी खबरें हैं कि इजरायल, अमेरिका और उसके साथी देशों के पास अब इंटरसेप्टर्स की कमी पड़ने लगी है। अमेरिका चाहकर भी इन देशों को हथियारों की सप्लाई नहीं कर पा रहा है। इस पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पूर्ववर्ती

राष्ट्रपति जो बाइडन और यूक्रेन पर नाराजगी भी जताई है।

रिपोर्ट्स के अनुसार, ईरान के पास अब भी हजारों की संख्या में ड्रोन और मिसाइलें हैं। वो युद्ध के बावजूद लगातार इनका प्रोडक्शन भी कर रहे हैं। इसके लिए ईरान ने पहले से ही तैयारी की हुई थी। इसका मतलब है कि ईरान हर दिन हजारों की संख्या में ड्रोन को लॉन्च कर सकता है। यह तरीका एक तरह से दुश्मन के एयर डिफेंस को अंधा करने की रणनीति का हिस्सा है। ऐसे में शुरू के कुछ दिनों में जब इजरायल, अमेरिका और उसके सहयोगी देशों के इंटरसेप्टर्स खत्म हो जाएंगे, उसके बाद असली हथियारों का इस्तेमाल किया जाएगा, जो पलक झपकते लक्ष्य को बर्बाद कर देंगे।

ईरान ने एक और रणनीति बनाई है, जिसमें सस्ते हथियारों का इस्तेमाल करना शामिल है। वह शाहेद टाइप के ड्रोन का इस्तेमाल कर रहा है। इसे बनाने में कथित तौर पर लगभग $35,000 का खर्च आता है। इनके हमलों को बेअसर करने के लिए इस्तेमाल होने वाली इंटरसेप्टर मिसाइलों की कीमत लाखों और कभी-कभी करोड़ों डॉलर हो सकती है।

पाकिस्तान को काबुल में बंद करना पड़ सकता है दूतावास

मुनीर आर्मी के रवैये से गुस्से में तालिबान, कड़े फैसले लेने का इशारा

काबुल, 3 मार्च (एजेंसियां)। अफगानिस्तान की तालिबान सरकार ने पाकिस्तान के साथ राजनयिक संबंध सीमित करने के संकेत दिए हैं। पाकिस्तान के साथ लगातार चल रही लड़ाई और बिगड़ते संबंधों के बीच तालिबान की ओर से कहा गया है कि वह कड़े फैसले ले सकते हैं। तालिबान प्रवक्ता हमदुल्ला फितरत ने मंगलवार को कहा कि पाकिस्तान का दूतावास बंद करना उन विकल्पों में शामिल है, जिस पर उनकी सरकार विचार कर रही है। तालिबान ने पाकिस्तान आर्मी के आक्रामक रवैये की आलोचना करते हुए साफ किया कि उसकी ओर से भी सख्त रुख अपनाया जाएगा।

फितरत ने कहा कि अफगानिस्तान ने जंग को अपना

पहला ऑप्शन नहीं बनाया है। अफगानिस्तान की कोशिश सभी देशों के साथ अच्छे रिश्ते की रही है लेकिन जब हमारी जमीन पर हमला होगा तो उसका जवाब दिया जाएगा। पाकिस्तान के हमले का अफगान सेना जवाब दे रही है और अपने देश की रक्षा कर रही है। काबुल में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए फितरत ने कहा कि काबुल में पाकिस्तान की एम्बेसी बंद करने के बारे में अभी कोई फाइनल कमेंट करना जल्दबाजी होगी। हालांकि यह बात सही है कि इस पर सोचा गया है। पाकिस्तान का दूतावास बंद करना उन विकल्पों में से एक है, जिन पर विचार किया जा रहा है। अफगानिस्तान और पाकिस्तान में मध्यस्थता की पेशकश करने वाले देशों के बारे में सवाल पर फितरत ने कहा कि कई देशों ने इसके लिए संपर्क किया है। रूस, ब्रिटेन और यूरोपियन यूनियन ने बीच-बचाव की पेशकश करने के लिए अफगान अधिकारियों से संपर्क किया है। हालांकि इसमें अभी बहुत तरक्की नहीं हुई है।

फितरत ने बताया है कि पाकिस्तानी आर्मी के हमलों में 110 आम लोगों की जान गई है और 123 घायल हुए हैं। मरने वालों में बड़ी संख्या में औरतें और बच्चे शामिल हैं। पाक आर्मी के पक्तिया, पक्तिका, खोस्त, काबुल, नंगरहार, कुनार और कंधार में हवाई हमलों में सैकड़ों घर तबाह हुए हैं। इससे 8,000 से ज्यादा परिवार बेघर हो गए हैं।

चैत्र मास आज से शुरू

इस महीने में आएंगे चैत्र नवरात्रि, गुड़ी पड़वा, राम नवमी और हनुमान जन्मोत्सव जैसे बड़े व्रत-पर्व

चैत्र मास का कृष्ण पक्ष शुरू हो रहा है और इस माह के शुक्ल पक्ष की शुरुआत के साथ हिन्दी पंचांग का नया साल शुरू होता है। ये महीना 2 अप्रैल तक रहेगा। इसी महीने में चैत्र नवरात्रि, गुड़ी पड़वा, राम नवमी भी मनाई जाती है। अब ठंड खत्म हो जाएगी और गर्मी बढ़ेगी, इस वजह से चैत्र माह में खान-पान और जीवन शैली कुछ ऐसे बदलाव करने चाहिए, जिनसे ऋतु परिवर्तन के समय होने वाली मौसमी बीमारियों से बचा जा सके। चैत्र मास में सुबह जल्दी उठना चाहिए, स्नान के बाद सूर्य पूजा के साथ दिन की शुरुआत करनी चाहिए।

उज्जैन के ज्योतिषाचार्य पं. मनीष शर्मा के मुताबिक, चैत्र मास में शीतला माता की पूजा का व्रत-पर्व शीतला सप्तमी (10 मार्च) और अष्टमी (11 मार्च) को है। इस व्रत में ठंडा खाना खाने की परंपरा है। जो लोग ये व्रत करते हैं, वे एक दिन पहले पकाया हुआ खाना खाते हैं। अभी शीत ऋतु के जाने का और ग्रीष्म ऋतु के आने का समय है। इस दौरान मौसमी बीमारियां होने की संभावनाएं बढ़ जाती हैं। मान्यता है कि शीतला माता का ये व्रत हमें मौसमी बीमारियों से लड़ने की शक्ति देता है। चैत्र की अमावस्या 18 मार्च को रहेगी। इस दिन पितरों के लिए धूप-ध्यान करना चाहिए। पवित्र नदियों में स्नान करना चाहिए। 19 तारीख से नवसंवत 2083 शुरू होगा। इसी दिन से चैत्र मास की नवरात्रि भी शुरू हो जाएगी। इन दिनों में देवी मां के नौ स्वरूपों की पूजा की जाती है। इन दिनों में मंत्र जप और ध्यान भी जरूर करना चाहिए। चैत्र नवरात्रि में भक्त व्रत करते हैं, अन्न का त्याग करते हैं। व्रत करने वाले भक्त फल, फलों के रस, दूध का सेवन करते हैं। ऐसा करने से पाचन तंत्र को आराम मिलता है और शरीर को जरूरी ऊर्जा भी मिलती रहती है। इन दिनों में किए गए व्रत-उपवास से पाचन संबंधी कई बीमारियों की रोकथाम होती है। आयुर्वेद में बीमारियों को ठीक करने की एक विधि है लंघन, व्रत-उपवास लंघन विधि का ही एक अंग है। इस विधि से पेट से जुड़ी कई परेशानियां ठीक की जा सकती हैं।

राम नवमी 27 मार्च को मनाई जाएगी। इस दिन भगवान राम के बाल स्वरूप की पूजा खास तौर पर की जाती है। पूजा में रामायण और श्रीराम से जुड़े प्रसंगों का पाठ करना चाहिए। किसी संत से रामकथा भी सुन सकते हैं। इसके बाद 2 अप्रैल को चैत्र मास की पूर्णिमा है, इस दिन हनुमान जी का जन्मोत्सव मनाया जाता है। हनुमान जी की पूजा में सुंदरकांड और हनुमान चालीसा का पाठ करना चाहिए।

इन तीज-त्योहारों के अलावा चैत्र मास में दो चतुर्थियां 6 और 22 मार्च को रहेंगी, दो एकादशियां 15 और 29 मार्च को रहेंगी। चतुर्थी पर गणेश जी और एकादशी पर भगवान विष्णु की पूजा और व्रत करते हैं।

चैत्र मास की परंपराएं

नीम का सेवनः चैत्र की शुरुआत में नीम की कोमल पत्तियों का सेवन करने की परंपरा है। मान्यता है कि ऐसा करने से रक्त शुद्धि होती है और त्वचा को लाभ मिलते हैं, लेकिन नीम का सेवन किसी वैद्य से परामर्श के बाद ही करना चाहिए।

खान-पान में बदलावः चैत्र मास में भारी, गरिष्ठ और बहुत अधिक मीठे भोजन से परहेज करना चाहिए। इस महीने में हल्का और सुपाच्य भोजन (जैसे मूंग की दाल, दलिया) बेहतर है, इन चीजों से सेहत को लाभ मिलते हैं, पाचन संबंधी कई बीमारियां दूर रहती हैं।

भारत का अनोखा मंदिर, जहां नहीं होता चंद्रग्रहण का असर, लगातार होती है पूजा-आरती और हवन

देशभर में चंद्रग्रहण के दौरान मंदिरों के पट बंद रहने के बावजूद, खंडवा स्थित श्री दादाजी धूनीवाले मंदिर में दर्शन और पूजन अनवरत जारी रहेंगे।.मंदिर परंपरा और 'केशव विनय' पुस्तक के अनुसार, यहां ग्रहण का प्रभाव नहीं माना जाता है. श्रद्धालु ग्रहण काल में भी दादाजी की समाधि के दर्शन और अखंड हवन में भाग ले सकेंगे।

मध्य प्रदेश के खंडवा में स्थित अवधूत संत दादाजी धूनीवाले मंदिर में चंद्रग्रहण और सूर्य ग्रहण का प्रभाव नहीं माना जाता है. यहां श्रद्धालु रोजाना की तरह आते हैं और दादाजी के दर्शन-पूजन करते हैं. सेवादारों द्वारा भी श्री केशवानंद जी महाराज बड़े दादाजी और श्री हरिहरानंद जी महाराज छोटे दादा जी की समाधि की मालिश, स्नान, श्रृंगार तथा आरती-पूजन नियमित विधि से किया जाता है.

'मंदिर में ग्रहण का असर नहीं होगा'

यहां चंद्रग्रहण का प्रभाव नहीं माना जाता है. श्री दादाजी मंदिर ट्रस्ट के अनुसार, मंगलवार को दुनियाभर में होने वाले चंद्रग्रहण के दौरान भी श्री दादाजी मंदिर के द्वार दर्शन के लिए खुले रहेंगे. श्री दादाजी मंदिर, छोटे दादाजी श्री हरिहर भोले भगवान के समय बनाए नियमों से चलता है।

उनके समय लिखी पुस्तक 'केशव विनय' में दादाजी महाराज दत्तात्रय को सभी देवी-देवता का एक रूप माना गया है. ऐसी अवस्था में सूर्य, चंद्र, नव ग्रह सारे परमात्मा से अलग माने जाते हैं. श्री दादाजी मंदिर के ट्रस्टी सुभाष नागोरी ने बताया मंदिर में ग्रहण का असर नहीं होगा दर्शन पूरे समय जारी रहेंगे. दादाजी के समय से ग्रहण के दौरान अखंड हवन और भोग भंडार जारी है।

अंग्रेज अफसर की हेकड़ी निकालने के लिए विद्यासागर ने चली कौन सी ऐसी चाल कि दुनिया देखती रह गई

ईश्वरचंद्र विद्यासागर उन दिनों एक संस्कृत कॉलेज के आचार्य थे। एक बार उन्हें किसी काम से प्रैसीडैंसी कॉलेज के अंग्रेज प्रोफैसर कैर से मिलने जाना पड़ा। कैर भारतीयों से घृणा करता था। जिस समय ईश्वरचंद्र उसके पास पहुंचे, वह मेज पर जूते रख पैर फैलाकर बैठा हुआ था। ईश्वरचंद्र को देखकर भी न तो वह उनके सम्मान में खड़ा हुआ और न ही उनके अभिवादन का जवाब दिया।

ईश्वरचंद्र ने उस समय तो कुछ नहीं कहा लेकिन तय कर लिया कि वक्त आने पर कैर को सबक सिखाएंगे। संयोगवश कुछ ही समय बाद कैर को ईश्वरचंद्र से एक काम पड़ गया। वह उनसे चर्चा करने उनके पास पहुंचा। जैसे ही कैर को उन्होंने अपने पास आते देखा, उन्होंने चप्पलें पहनीं और मेज पर पैर फैलाकर बैठ गए।

कैर एकदम सामने आ खड़ा हुआ, फिर भी ईश्वरचंद्र ने उन्हें बैठने के लिए नहीं कहा। यह देखकर कैर गुस्से से तिलमिला गया और उसने इस गलत व्यवहार की शिकायत लिखित में शिक्षा परिषद के सचिव डॉ. 'मुआट' से कर दी। मुआट, ईश्वरचंद्र विद्यासागर को भली-भांति जानते थे। फिर भी उन्होंने इस सिलसिले में उन्हें पूछताछ के लिए बुलाया और कैर की शिकायत का जिक्र किया। कैर वहीं सामने खड़ा था।

डॉ. मुआट की बात सुनकर ईश्वरचंद्र बोले, ₹हम भारतीय लोग तो अंग्रेजों से ही शिष्टाचार सीखते हैं। जब मैं कैर से मिलने गया तो ये जूते पहनकर आराम से मेज पर पैर फैलाकर बैठे थे और इन्होंने इसी अंदाज में मेरा स्वागत किया था। मुझे लगा कि शायद यूरोपीय शिष्टाचार ऐसा ही होता है।₹ यह सुनकर कैर बहुत शर्मिंदा हो गया।

दक्षिणा काली, श्मशान काली, भद्रकाली और महाकाली मां के 4 स्वरूपों की अद्भुत कथा

हिंदू धर्म में मां काली शक्ति और संहार की देवी मानी जाती हैं. उनका स्वरूप जितना रहस्यमयी है, उतना ही प्रभावी भी है. कहते हैं आदिशक्ति ने उग्र रूप बुराई का नाश करने के लिए धारण किया. शास्त्रों में महादेव को महाकाल कहा गया है और देवी काली उनकी शक्ति हैं. उनके बिना शिव भी निराकार माने जाते हैं।

अक्सर लोग ये सोचते हैं कि मां काली सिर्फ विनाश की देवी हैं, लेकिन ऐसा नहीं है. उनके अलग-अलग रूप हैं, जो भिन्न संदेश देते हैं. वे रक्षक, ममतामयी मां और मोक्षदायिनी भी हैं. ऐसे में आइए जानते हैं मां काली के चार प्रमुख स्वरूपों की पौराणिक कथा।

दक्षिणा काली

दक्षिणा काली मां का स्वरूप है. मां का ये स्वरूप गृहस्थों के लिए सबसे अधिक शुभ और फलदायी माना जाता है. पौराणिक कथा के अनुसार, राक्षसों का वध करने के बाद देवी बहुत ज्यादा क्रोध में थीं. तब शिव जी उनके चरणों में लेट गए. जैसे ही देवी के पैर शिवजी की शरीर पर पड़े, उनका क्रोध शांत हो गया और वे दक्षिण दिशा की ओर मुख करके खड़ी हो गईं।

श्मशान काली

श्मशान काली का स्वरूप बहुत डरावना है. इसका बहुत गहरा अर्थ भी है. बताया गया है कि मां काली का ये रूप श्मशान में वास करता है. श्मशान में इंसान का अहंकार, माया और शरीर सब राख हो जाते हैं. आदिशक्ति माता का ये रूप इस बाद का संदेश देता है कि इस संसार का सबसे बड़ा और अंतिम सत्य मृत्यु है. श्मशान काली की साधना से इंसान के भीतर का डर समाप्त हो जाता है।

भद्रकाली

'भद्र' शब्द का अर्थ है-कल्याण. भद्रकाली भक्तों के लिए मंगलकारी और अधर्मियों के लिए काल मानी जाती हैं. पौराणिक कथा के अनुसार, माता सती के देह त्यागने के बाद शिव के क्रोध से वीरभद्र और भद्रकाली प्रकट हुए थे. उन्होंने न सिर्फ प्रजापति दक्ष के यज्ञ का नष्ट किया, बल्कि संसार को मर्यादा और धर्म का पाठ पढ़ाया. भद्रकाली श्रीकुल परंपरा से जुड़ी हैं और धर्म की रक्षा के लिए हमेशा तैयार रहती हैं।

महाकाली

महाकाली ब्रह्मांड की आदि और अंत की शक्ति हैं. पौराणिक कथा के मुताबिक, जब देवता चंड-मुंड और रक्तबीज जैसे भयानक असुरों पराजित हुए तब देवी दुर्गा के ललाट से अत्यंत क्रोधित महाकाली प्रकट हुईं. उन्होंने ब्रह्मांड को असुरों के आतंक से मुक्त किया. महाकाली समय और मृत्यु की सीमाओं से परे हैं. वो मोक्ष प्रदान करने वाली देवी हैं।

होली की सुबह रंग खेलने से पहले करें ये काम

फाल्गुन मास की पूर्णिमा को होलिका दहन के साथ बुराई पर अच्छाई की जीत का पर्व मनाया जाता है और अगले दिन रंगों की होली खेली जाती है। वर्ष 2026 में होली 4 मार्च को मनाई जाएगी। धार्मिक परंपरा के अनुसार, होली की शुरुआत रंग खेलने से पहले भगवान की पूजा और उन्हें अबीर-गुलाल अर्पित करके करनी चाहिए। मान्यता है कि ऐसा करने से घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है और वर्ष भर सुख-शांति बनी रहती है।

ऐसे करें होली की शुभ शुरुआत

होली के दिन प्रातः स्नान के बाद सबसे पहले अपने इष्ट देव की पूजा करें। उन्हें अबीर-गुलाल अर्पित करें और उसके बाद ही परिवार व मित्रों के साथ रंग खेलें। इसे शुभ और मंगलकारी माना गया है।

गणेश को चढ़ाएं सिंदूर या नारंगी गुलाल

भगवान गणेश को प्रथम पूज्य माना जाता है। होली के दिन उन्हें सिंदूर या नारंगी रंग का गुलाल अर्पित करना शुभ होता है। साथ ही मोदक का भोग लगाने से कार्यों में सफलता और विघ्नों से मुक्ति की कामना की जाती है।

श्रीराधाकृष्ण को लगाएं अबीर-गुलाल

होली का पर्व राधा-कृष्ण की लीलाओं से जुड़ा है। मान्यता है कि ब्रज में पहली होली राधा और श्रीकृष्ण ने ही खेली थी। होली के दिन घर के मंदिर में रंग, अबीर, गुलाल और पिचकारी रखकर पूजा करें। राधा जी को चटख रंग का गुलाल और श्रीकृष्ण को हल्का या मटमैला गुलाल अर्पित करना शुभ माना जाता है।

विष्णु और उनके अवतारों को अर्पित करें पीला गुलाल

भगवान विष्णु और उनके अवतारों जैसे श्रीराम व श्रीकृष्ण की पूजा करने वाले श्रद्धालुओं को पीले रंग का गुलाल चढ़ाना चाहिए। पीला रंग ज्ञान, समृद्धि और शुभता का प्रतीक है। इस दिन पीले फल या मिठाई का भोग लगाना भी फलदायी माना गया है। शिव जी को लगाएं नीला या लाल गुलाल भोलेनाथ को होली पर नीले या लाल रंग का गुलाल अर्पित किया जा सकता है। साथ ही बेलपत्र, भस्म और पुष्प अर्पित करना भी शुभ माना गया है। इससे जीवन की बाधाओं के निवारण की कामना की जाती है।

लक्ष्मी को चढ़ाएं पीला रंग

धन और समृद्धि की देवी मां लक्ष्मी को होली के दिन पीले रंग का गुलाल अर्पित करना शुभ माना गया है। इससे घर में सुख-समृद्धि और आर्थिक उन्नति की कामना की जाती है।

सरस्वती को अर्पित करें पीला गुलाल

विद्या और ज्ञान की देवी मां सरस्वती को सफेद पुष्प और पीले रंग का गुलाल चढ़ाना उत्तम माना जाता है। यह बुद्धि और ज्ञान में वृद्धि का प्रतीक है।

हनुमान को चढ़ाएं सिंदूरी गुलाल

होली के दिन हनुमान जी को सिंदूरी रंग का गुलाल अर्पित करना शुभ होता है। गुड़ से बनी मीठी रोटी का भोग लगाने की परंपरा भी प्रचलित है। इसे साहस, शक्ति और संरक्षण से जोड़ा जाता है।

दुर्गा को अर्पित करें लाल गुलाल

मां दुर्गा को होली पर लाल रंग का गुलाल या लाल चुनरी अर्पित करना विशेष फलदायी माना गया है। इससे शक्ति और संरक्षण का आशीर्वाद प्राप्त होता है। इस दिन जरूरतमंदों को वस्त्र दान करना भी शुभ माना गया है।

होली केवल रंगों का त्योहार नहीं, बल्कि आस्था और सकारात्मक ऊर्जा का पर्व भी है। यदि दिन की शुरुआत भगवान की पूजा और उन्हें गुलाल अर्पित कर की जाए तो यह पूरे वर्ष के लिए मंगलकारी माना जाता है।

सब सुविधाएं होने के बाद भी क्यों नहीं मिलता सुकून ?

एक सेठ के पास खूब धन-सम्पत्ति थी किन्तु उसके मन को शान्ति न थी। एक दिन उसने एक साधु के बारे में सुना जो लोगों को ऐसा उपाय बताता था, जिससे सभी समस्याएं दूर हो जाती थीं।

सेठ उस साधु के पास जाकर बोला, "महाराज मेरे पास सुख के बहुत साधन हैं, लेकिन मन में शान्ति नहीं है।''

साधु ने कहा, "जैसा मैं करूं उसे चुपचाप देखते रहना। इससे तुम्हें शान्ति की तरकीब मिल जाएगी।"

अगले दिन साधु ने सेठ को कड़ी धूप में बिठाए रखा और खुद कुटिया में चले गए। सेठ गर्मी से बेहाल हो गया, मगर चुप रहा। दूसरे दिन साधु ने उसे कुछ भी खाने-पीने को नहीं दिया और स्वयं तरह-तरह के पकवान खाता रहा, सेठ इस दिन भी चुप रहा।

तीसरे दिन सेठ गुस्से में वहां से जाने लगा तो साधु बोला, "क्यों, क्या हुआ ?"

सुनकर सेठ बोला, "महाराज, मैं यहां बड़ी उम्मीद लेकर आया था, किन्तु मुझे यहां निराशा ही मिली।"

साधु ने कहा, "मैंने तो तुम्हें शान्ति का उपाय बता दिया था। पहले दिन जब तुम्हें धूप में बैठने के लिए कहा और मैं स्वयं कुटिया में बैठा तो, तुम्हें बताया कि मेरी छाया तुम्हारे काम नहीं आएगी। यह तुम्हें समझ नहीं आने पर तुम्हें भूखा रखा और खुद भरपेट खाया।

उससे तुम्हें समझाया कि मेरी साधना से तुम्हें सिद्धि नहीं मिलेगी। उसी तरह शान्ति भी तुम्हें अपनी मेहनत और पुरुषार्थ से ही मिलेगी। मैं तुम्हारे मन को शान्त नहीं कर सकता। उसके लिए तुम्हें खुद ही मन की शान्ति प्रदान करने वाले काम करने होंगे।"

यह सुनकर सेठ की आंखें खुल गईं और वह साधु से आशीर्वाद लेकर अपने घर चला गया।

मन को एकाग्र करें, नियंत्रित करें और तब कोई काम करें

शांति के मामले में धर्म और विज्ञान एक जगह पर सहमत हैं और वो ये कि मन पर काम किया जाए। विज्ञान कहता है माइंडसेट अगर ठीक है तो विपरीत परिस्थिति में भी आप शांत रह सकेंगे। यही बात धर्म भी अपने ढंग से कहता है। जब कथा सुना रहे थे गरुड़ जी को काकभुशुंडि तो तुलसी लिखते हैं- प्रभु अवतार कथा पुनि गाई, तब सिसु चरित कहेसि मन लाई। प्रभु के अवतार की कथा का वर्णन किया, उसके बाद मन लगाकर राम जी की बाल लीलाएं कहीं। ये जो मन लगाकर शब्द है, इसका अर्थ यह है कि मन को एकाग्र करें, नियंत्रित करें और तब कोई काम करें। पिछले दिनों दुनिया ने दिल्ली आकर एआई पर चिंतन किया। लेकिन जो एआई के जानकार हैं, जिनके पास थोड़ी भी आध्यात्मिक समझ है, उन्होंने यह बात अवश्य कही कि मन को नियंत्रित करके आत्मा तक जाया जाए तो एआई के नुकसान नहीं होंगे। अभी तो दुनिया के जिम्मेदार लोग एआई को कंधे पर लेकर चल रहे हैं और उन्हें भी समझ नहीं आ रहा कि यह पालकी है या अर्थी?

स्वतंत्र वार्ता

बुधवार, 4 मार्च - 2026

युद्ध से मानवता हार रही है

मध्य-पूर्व में भड़कता ईरान-अमेरिका और इजराइल का टकराव अब सीमित सैन्य कार्रवाई से आगे बढ़कर गंभीर मानवीय संकट का रूप ले चुका है। चार दिनों के भीतर ही लगभग एक हजार से ज्यादा लोगों के मारे जाने और बड़ी संख्या में नागरिकों के घायल होने की खबरें इस संघर्ष की भयावहता को उजागर कर रही हैं। आंकड़ों की सच्चाई चाहे जो हो, लेकिन यह स्पष्ट है कि युद्ध का पहला शिकार हमेशा निर्दोष जनता ही बनती है। दोनों पक्ष अपनी-अपनी जीत का दावा कर सकते हैं, परंतु सच्चाई यह है कि इस आग में मानवता झुलस रही है। हमले और जवाबी हमले अब भी जारी है। अमेरिका और इजराइल ने चुनिंदा ठिकानों को निशाना बनाया तो ईरान ने भी क्षेत्रीय ठिकानों और सैन्य संरचनाओं पर जवाबी कार्रवाई की। यह टकराव केवल दो देशों तक सीमित नहीं है; लेबनान, सीरिया और यमन जैसे क्षेत्र पहले ही अस्थिरता से जूझ रहे हैं। ऐसे में युद्ध का विस्तार पूरे पश्चिम एशिया को अस्थिर कर सकता है। गंभीर चिंता परमाणु प्रतिष्ठानों की सुरक्षा को लेकर है। यदि किसी भी पक्ष द्वारा परमाणु ठिकानों को निशाना बनाया जाता है या वे युद्ध की चपेट में आते हैं, तो उसका परिणाम केवल सैन्य क्षति तक सीमित नहीं रहेगा। पर्यावरणीय तबाही, रेडिएशन का खतरा और लाखों लोगों के जीवन पर स्थायी प्रभाव डालेगा। यह वह कीमत है जिसे दुनिया दोबारा नहीं चुका सकती। जापान के शहर हिरोशिमा और नागासाकी की त्रासदी आज भी मानवता को चेतावनी देती है कि परमाणु शक्ति का प्रयोग या उससे जुड़ी लापरवाही सभ्यता के लिए कितनी विनाशकारी हो सकती है। अमेरिका की रणनीति तेज और आक्रामक दिख रही है। संकेत यह भी मिल रहे हैं कि वह निर्धारित चार सप्ताह की अवधि में अपने उद्देश्य हासिल करना चाहता है। दूसरी ओर, ईरान यह समझता है कि सीधे सैन्य टकराव से अधिक प्रभावी है लंबी रणनीतिक लड़ाई, जहाँ वह क्षेत्रीय नेटवर्क और वैचारिक समर्थन के सहारे जवाब दे। यही कारण है कि यह संघर्ष प्रत्यक्ष युद्ध के साथ-साथ परोक्ष मोर्चों पर भी फैल सकता है। एक और चिंताजनक पहलू आतंकवादी संगठनों की सक्रियता है। युद्ध और अस्थिरता ऐसे तत्वों के लिए अवसर बन जाती है। यदि किसी चरमपंथी संगठन ने इस स्थिति का लाभ उठाया, तो यह संघर्ष और अधिक जटिल तथा खतरनाक हो जाएगा। किसी भी बड़े युद्ध की आड़ में आतंकी गतिविधियों का बढ़ना वैश्विक सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा है। संयुक्त राष्ट्र और अंतरराष्ट्रीय समुदाय की इस समय निर्णायक भूमिका की बजाय केवल बयानबाजी या औपचारिक अपील पर्याप्त करती दिख रही है। ठोस कूटनीतिक प्रयास, मध्यस्थता और संवाद की पहल ही इस संकट को नियंत्रित कर सकती है। जगजाहिर है कि युद्ध में कोई स्थायी विजेता नहीं होता; अंततः हार मानवता की ही होती है। भारत जैसे देशों के लिए भी यह स्थिति चिंता का विषय है। ऊर्जा आपूर्ति, वैश्विक बाजार और क्षेत्रीय स्थिरता सीधे प्रभावित हो सकते हैं। भारत को संतुलित और जिम्मेदार कूटनीति अपनाते हुए शांति की वकालत करनी चाहिए। आज दुनिया यह नहीं चाहेगी कि कहीं भी किसी परमाणु प्रतिष्ठान को क्षति पहुँचे या युद्ध की आग सीमाओं से बाहर फैल जाए। एक हजार मौतें केवल संख्या नहीं, बल्कि हजार परिवारों का उजड़ा भविष्य है। इसलिए आवश्यकता है संयम, समझदारी और कूटनीतिक साहस की, ताकि यह संघर्ष विश्वव्यापी विनाश की दिशा में आगे न बढ़ सके।

पार्टियों के नारे झूठे साबित हुए

पुरुषोत्तम भदौरिया

प्रथम आम चुनाव में एक नारा कांग्रेस ने दिया था अब राजा रानी के पेट से नही पैदा होगा बैलट पेपर से चुना जाएगा और हुआ भी वही। तलवार के बल पर राज्य जीतने वालों की बजाय बैलट पेपर से लोगों ने सत्ता हासिल की। पहला चुनाव जीतने के बाद नेता समाज सेवी की भूमिका में रहा।यही स्थिति दूसरे आम चुनाव तक रही लेकिन तीसरे आम चुनाव 1962 के बाद नेता निरंकुश और सत्ता होगी होने लगे।

वे जनसामान्य की बजाय निज हितों को महत्व देने लगे नेताओं के लिए जनता चुनाव के समय भगवान और बाद में महत्वहीन होने लगी। समस्याओं के विरोध में चलाए गए आंदोलनों ने जनता में भी राजनीतिक चेतना पैदा की व सरकार की जन विरोधी नीतियों के विरुद्ध चले आंदोलनों ने सरकार की बिल वापस लेने को मजबूर होना पड़ा।

असम छात्र गण परिषद बांग्लादेशी घुसपैठियों के विरुद्ध चलाए आंदोलन ने असम से कांग्रेस की सरकार को उखाड़ दिया और असम गण परिषद ने सरकार बना ली। इस आंदोलन से डरी कांग्रेस की मप्र की सरकार ने छात्र संघ चुनाव बंद कर चयन प्रक्रिया शुरू कर दी। छात्र संघ चुनाव बंद होने से महाविद्यालयों से निकलने वाले नेता बंद हो गए। छात्र नेताओं के निकलना बंद होने के नेताओं के घरों से नेता निकलना शुरू हो गए इस कारण संघर्ष की बजाय कुंडल और टेलीफोन की राजनीति तो शुरू हुई और संघर्ष की राजनीति समाप्त हो गई।

सड़क से संसद तक की लड़ाई वाले शब्द बेमानी हो गए छात्र संघ चुनाव बंद होने से जननेता की बजाय चाटुकार और नेताओं के पुत्र नेता बनने लगे नेता पुत्रों के नेता बनने के कारण जनसरोकार के कार्य बंद होने लगे और राजनीति में लाभ के काम ढूंढे जाने लगे। आज स्थिति यह है कि पिता सांसद और विधायक हैं और बेटे उनके नाम पर दलाली कर रहे हैं। पूर्व केंद्रीय मंत्री के बेटों की दलाली के वीडियो जनमानस ने देखे हैं, लेकिन उन वीडियो के आने के बाद न नेता के चेहरे पर कोई सिकन और न बेटों के चेहरों पर कोई शिकन आई।अगर आम आदमी का मामला होता तो राज्य पुलिस से लेकर केंद्रीय एजेंसी जांच कर आरोपी की हड्डियां तक तोड डालती। छात्र संघ चुनाव बंद होने से आम आदमी की राजनीति में भागीदारी घटी है और राजनेताओं की बेटों की बढ़ी है। इसमें भाजपा और कांग्रेस दोनों पार्टी के नेता सक्रिय हैं। इंदौर के भाजपा नेता और प्रदेश सरकार में कबीना मंत्री कैलाश विजयवर्गीय अपने बेटे आकाश को एक बार टिकट दिलाकर विधायक बनवा चुके हैं वह अभी भी प्रयासरत हैं। वहीं ज्योतिरादित्य सिंधिया ने अपने बेटे को मप्र क्रिकेट एसोसिएशन में पदाधिकारी बनवाकर राजनीति में प्रवेश करा दिया है।

आदिवासी नेता भी भाई और पत्नियों के बाद बेटो को राजनीति में भाग्य आजमाने के लिए लाइन में लगे हैं। भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष नंद कुमार सिंह अपने बेटे हर्ष को राजनीति में प्रवेश दिलाने के प्रयास में लगे थे लेकिन असामयिक निधन के कारण वह सफल न हो सके। ग्वालियर चंबल में पूर्व गृह मंत्री अपने बेटे को और विधानसभा अध्यक्ष अपने बेटों को और प्रदेश ऊर्जा मंत्री अपने बेटे को मुरैना निवासी और भिंड सांसद भी अपने बेटे को और भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अपने बेटे को भिंड विधायक अपने बेटे को राजनीति में जल्दी भाग्य आजमाने के लिए उतारने वाले हैं। इस मामले में कांग्रेस भी पीछे नहीं हैं। पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने अपने बेटे राज्यवर्धन सिंह को पहले ही राजनीति में प्रवेश करा दिया था समाजवादी और वर्तमान में भाजपा नेता गजराज सिंह सिकरवार ने अपने बेटे सतीश सिंह सिकरवार को राजनीति में प्रवेश करा दिया था अब उनकी तीसरी पीढ़ी राजनीति में आने को तैयार हैं। स्थिति यह है अब आम आदमी की बजाय राजनीति नेता पुत्रों के पास पहुंच गई है और पुराने नारे गौण हो गए हैं। ऐसे में लगता है कि अब एक और आंदोलन की जरूरत है।

महाराष्ट्र का सौंदला : जाति की छाया से मुक्ति का नया अध्याय

आरके जैन

महाराष्ट्र के अहिल्यानगर ज़िले का छोटा सा सौंदला गांव इन दिनों देशभर की निगाहों में है-ना किसी बड़ी सरकारी योजना की वजह से, ना किसी उद्योगपति की निवेश घोषणा से, और ना ही चुनावी हलकों की हलचल के कारण।

यह गांव सुर्खियों में है अपने अडिग नैतिक साहस और समाज सुधार की अनोखी पहल के चलते। सौंदला ने खुद को 'कास्ट-फ्री' घोषित कर दिया है-यानी अब यहां इंसान की पहचान उसकी जाति से नहीं, बल्कि उसके कर्म और चरित्र से होगी। गांववासियों ने इसे अपनी शक्ति का मंत्र बना लिया हैः आमची जात, मानव"। ऐसे समाज में, जहां जाति सदियों से लोगों की तक़दीर गढ़ती रही है, सौंदला का यह कदम एक ऐतिहासिक मोड़ साबित हो रहा है। यह केवल एक घोषणा नहीं, बल्कि एक सजीव सामाजिक क्रांति की शुरुआत है।

सौंदला की इस ऐतिहासिक घोषणा के पीछे कोई अचानक उमड़ा जोश नहीं है, बल्कि यह सालों की संवाद प्रक्रिया, गहन विचार-मंथन, पंचायत बैठकों और युवा पीढ़ी की बेचैनी का परिणाम है। गांव के शिक्षित युवा, सामाजिक कार्यकर्ता और प्रगतिशील बुजुर्गों ने मिलकर महसूस किया कि जातिगत भेदभाव विकास की सबसे बड़ी बाधा है। शादी-ब्याह, धार्मिक आयोजन, सार्वजनिक समारोह और यहां तक कि रोजमर्रा के व्यवहार में भी अदृश्य दीवारें खड़ी थीं।

इन दीवारों को तोड़ने के लिए पंचायत स्तर पर प्रस्ताव पारित किया गया, ग्रामसभा में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया और सार्वजनिक रूप से घोषणा की गई कि अब गांव में किसी भी प्रकार का जातिगत भेदभाव स्वीकार नहीं किया जाएगा।

यह निर्णय केवल प्रतीकात्मक नहीं है। सौंदला में जाति सूचक उपनामों के उपयोग को हतोत्साहित किया गया, सामूहिक भोज और सार्वजनिक कार्यक्रमों में सभी को समान पंक्ति में बैठकर भोजन करने की परंपरा शुरू की गई, और मंदिरों तथा अन्य सार्वजनिक स्थलों पर समान प्रवेश सुनिश्चित किया गया। पंचायत ने यह भी स्पष्ट किया कि यदि कोई जाति के आधार पर अपमान, बहिष्कार या भेदभाव करेगा, तो उसके खिलाफ सामाजिक और कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

इस प्रकार गांव ने सामाजिक सुधार को केवल भाषणों तक सीमित न रखकर व्यवहार में उतारने का साहस दिखाया है। भारत के संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर ने जिस समानता और सामाजिक न्याय का सपना देखा था, सौंदला की पहल उसी सपने की धरातलीय अभिव्यक्ति प्रतीत होती है। संविधान का अनुच्छेद 14 सभी नागरिकों को समानता का अधिकार देता है और अनुच्छेद 17 अस्पृश्यता को समाप्त घोषित करता है, परंतु कागजों पर लिखे अधिकारों को वास्तविक जीवन में लागू करने की जिम्मेदारी समाज की ही होती है। सौंदला ने यह स्पष्ट कर दिया कि बदलाव केवल कानून से नहीं, बल्कि सामूहिक इच्छाशक्ति और मानसिकता परिवर्तन से आता है। यहां के लोगों ने यह स्वीकार किया कि जब तक मानसिकता नहीं बदलेगी, तब तक किसी भी सरकारी योजना या आरक्षण नीति का पूरा लाभ समाज को नहीं मिल पाएगा।

इस पहल का सबसे सकारात्मक पक्ष यह है कि गांव में सामाजिक सौहार्द और आर्थिक सहयोग की भावना पहले से कहीं अधिक मजबूत हुई है। पहले जहां जातिगत खांचे विकास योजनाओं में भी बाधा बनते थे, अब सामूहिक निर्णय लेने की प्रक्रिया सरल और पारदर्शी हो गई है। किसान एक-दूसरे की मदद के लिए आगे आ रहे हैं, युवा मिलकर खेलकूद और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित कर रहे हैं, और महिलाएं स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में कदम बढ़ा रही हैं। जाति की दीवारें गिरने से संवाद का दायरा बढ़ा है और आपसी विश्वास में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। सौंदला का यह कदम अन्य गांवों और कस्बों के लिए भी प्रेरणा स्रोत बन सकता है। महाराष्ट्र जैसे प्रगतिशील राज्य में, जहां समाज सुधार आंदोलनों की समृद्ध परंपरा रही है-चाहे वह फुले दंपति का शिक्षा आंदोलन हो या डॉ. भीमराव अंबेडकर का सामाजिक न्याय अभियान-सौंदला ने उसी विरासत को नए संदर्भ में आगे बढ़ाया है।

यदि राज्य के अन्य गांव भी ग्रामसभा के माध्यम से ऐसे प्रस्ताव पारित करें और जाति-आधारित भेदभाव के खिलाफ सामूहिक संकल्प लें, तो यह परिवर्तन एक व्यापक सामाजिक लहर का रूप ले सकता है। यदि केंद्र और राज्य सरकारें, एनजीओ और नागरिक समाज सौंदला की इस पहल का समर्थन करें, तो यह कहानी सैकड़ों और लाखों गांवों तक प्रेरणा के रूप में पहुँच सकती है। इसे स्कूल पाठ्यक्रम में शामिल किया जा सकता है, ताकि बच्चे समझ सकें कि कैसे एक छोटा गांव सदियों पुरानी जंजीरों को तोड़ सकता है और समानता व सामाजिक न्याय की दिशा में पहला ठोस कदम उठा सकता है। यह अम्बेडकर जी के सपनों को जीवंत बनाने का साधन बन सकता है। यह पहल उन युवाओं के लिए संदेश है जो जो अब जातिगत बंधनों और पूर्वाग्रहों से थक चुके हैं, उन महिलाओं के लिए जो दोहरे भेदभाव का बोझ उठाती हैं, और उन बच्चों के लिए जो स्वतंत्र और बराबरी के साथ बड़ा होना चाहते हैं। सौंदला ने यह स्पष्ट कर दिया है कि बदलाव बड़े आंदोलन या सरकारी दबाव से नहीं, बल्कि स्थानीय संकल्प, सामूहिक इच्छा और जागरूक समुदाय से आता है। जब लोग खुद यह तय करें कि वे अन्यायपूर्ण परंपराओं को नहीं अपनाएँगे, तभी बदलाव सच्चा, स्थायी और समाज में गहरा असर डालने वाला बनता है। हालांकि, यह भी सच है कि केवल घोषणा कर देना पर्याप्त नहीं है। सबसे बड़ी चुनौती यह है कि इस संकल्प को आने वाली पीढ़ियों तक जीवित रखा जाए।

बच्चों की शिक्षा में समानता, स्कूलों में भेदभाव रहित वातावरण, अंतरजातीय मित्रता और विवाह को सामाजिक स्वीकार्यता-ये सभी पहलू इस आंदोलन की सफलता तय करेंगे। यदि सौंदला इन क्षेत्रों में भी ठोस कदम उठाता है, तो यह मॉडल पूरे देश के लिए उदाहरण बन सकता है। सामाजिक सुधार का अर्थ केवल परंपराओं को नकारना नहीं, बल्कि नई मानवीय परंपराओं का निर्माण करना है।

सौंदला ने यह साबित कर दिया कि परिवर्तन की चिंगारी गांव की चौपाल जैसी छोटी जगह से भी भड़क सकती है। 'कास्ट-फ्री' बनने का यह साहस केवल एक गांव की कहानी नहीं, बल्कि उस भारत का प्रतिबिंब है, जो समानता, बंधुत्व और मानव गरिमा के अटूट मूल्यों पर खड़ा होना चाहता है। अब समय है कि यह अलख हर गांव, हर मोहल्ले और हर दिल तक पहुंचे और समाज को यह सिखाए—जहाँ जाति की दीवारें गिरें, वहीं इंसानियत का सूरज उगे, और हर व्यक्ति अपने कर्म और चरित्र से असली पहचान बनाएं। सौंदला ने बीज बो दिया है, हम इसे वटवृक्ष बनाएं।

त्याग, तप और तर्क के प्रतीक शहीद लाला हरदयाल

योगेश कुमार गोयल

4 मार्च का दिन भारतीय इतिहास के उस पन्ने की याद दिलाता है, जो शौर्य, विद्वत्ता और क्रांति के अद्भुत संगम से रचित है। इसी दिन मां भारती के एक ऐसे सपूत ने इस नश्वर संसार को त्याग दिया था, जिसने अपनी कुशाग्र बुद्धि को विलासिता का साधन बनाने के बजाय स्वतंत्रता की वेदी पर समिधा बना दिया था। लाला हरदयाल, एक ऐसा नाम, जो सुनते ही सैन फ्रांसिस्को के तटों से उठी गदर की लहरें और लाहौर की बौद्धिक चेतना एक साथ जीवंत हो उठती हैं। वे केवल एक क्रांतिकारी नहीं थे बल्कि एक ऐसे मनीषी थे, जिन्होंने कलम और विचार को तलवार से अधिक धारदार बना दिया था।

14 अक्टूबर 1884 को दिल्ली के एक साधारण कायस्थ परिवार में जन्मे हरदयाल माथुर बचपन से ही विलक्षण प्रतिभा के धनी थे। उनकी मेधा का अनुमान इसी बात से लगाया जा सकता है कि सेंट स्टीफेंस कॉलेज से संस्कृत में स्नातक और फिर सरकारी वजीफे पर ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय जाने तक उनकी शैक्षणिक यात्रा स्वर्णाक्षरों में लिखी गई।

लेकिन जिस समय अन्य युवा ब्रिटिश हुकूमत की चाकरी कर ऊंचे पदों के स्वप्न देख रहे थे, उस समय हरदयाल के भीतर स्वाभिमान और राष्ट्रभक्ति की अग्नि प्रज्वलित हो रही थी। उन्होंने अनुभव किया कि फिरंगियों की शिक्षा पद्धति भारतीयों को केवल 'बाबू' बनाने के लिए है, न कि राष्ट्र के निर्माण के लिए। इसी बोध ने उन्हें ऑक्सफोर्ड की छात्रवृत्ति और विलायती सुख-सुविधाओं को लात मारने पर विवश कर दिया।

लाला हरदयाल का व्यक्तित्व विरोधाभासों का एक सुंदर समन्वय था। वे जहां एक ओर संस्कृत के प्रकांड विद्वान थे, वहीं दूसरी ओर पाश्चात्य दर्शन और राजनीति के भी गहरे जानकार थे। उनके जीवन का सबसे महत्वपूर्ण अध्याय अमेरिका में 'गदर पार्टी' की स्थापना के साथ शुरू होता है। जब वे अमेरिका और कनाडा में बसे प्रवासी भारतीयों से मिले तो उन्होंने उनकी आंखों में छिपे उस अपमान को पढ़ा, जो उन्हें गुलाम देश का नागरिक होने के कारण झेलना पड़ता था। हरदयाल ने समझा कि भारत की आजादी की लड़ाई केवल सीमाओं के भीतर रहकर नहीं बल्कि अंतर्राष्ट्रीय मंच पर ब्रिटिश साम्राज्यवाद की जड़ों पर प्रहार करके भी लड़ी जा सकती है। 1913 में उन्होंने 'गदर'

समाचारपत्र का प्रकाशन शुरू किया, जिसके पहले अंक के शीर्षक 'अंग्रेजी राज का दुश्मन' ने ही फिरंगियों की नींद उड़ा दी थी। उनका लेखन कोई साधारण गद्य नहीं था बल्कि वह सोई हुई आत्माओं को झकझोरने वाला संगीत था। वे लिखते थे, 'देश के वीरों, हमें सिपाही चाहिए; सिपाही, जो अपनी जान दे सकें। हमें सेनापति चाहिए, जो रणनीतियां बना सकें।' उनके शब्द सीधे दिल पर चोट करते थे। गदर आंदोलन ने केवल सिखों या पंजाबियों को ही नहीं बल्कि हर उस भारतीय को एक सूत्र में पिरो दिया, जो विदेश में रहकर भी अपनी मिट्टी की खुशबू के लिए तरस रहा था। हरदयाल ने सिखाया कि संगठन की शक्ति क्या होती है। उनके प्रयासों से ही करतार सिंह सराभा और विष्णु गणेश पिंगले जैसे वीर योद्धा तैयार हुए, जिन्होंने हंसते-हंसते फांसी के फंदे को चूम लिया।हरदयाल जी के विचार केवल राजनीतिक स्वतंत्रता तक सीमित नहीं थे। वे एक महान समाज सुधारक और तर्कशास्त्री भी थे। उनकी पुस्तक 'हिंट्स फॉर सेल्फ कल्चर' आज भी उन युवाओं के लिए एक मार्गदर्शिका है, जो अपने व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास करना चाहते हैं। वे मानते थे कि शारीरिक, बौद्धिक और नैतिक उन्नति के बिना कोई भी राष्ट्र महान नहीं बन सकता। उनकी विद्वत्ता का लोहा दुनिया मानती थी, वे एक साथ कई भाषाओं के ज्ञाता थे और उनकी स्मरण शक्ति के किस्से आज भी किंवदंती की तरह सुने जाते हैं।

इस महान क्रांतिकारी का मार्ग कांटों से भरा था। प्रथम विश्व युद्ध के दौरान जब उन्होंने जर्मनी के सहयोग से भारत को स्वतंत्र कराने की योजना बनाई तो ब्रिटिश खुफिया तंत्र उनके पीछे हाथ धोकर पड़ गया। उन्हें एक देश से दूसरे देश शरण लेनी पड़ी। कभी स्विट्जरलैंड, कभी जर्मनी, तो कभी स्वीडन, निर्वासन का यह दुख उन्होंने केवल इसलिए सहा ताकि भारत माता की बेड़ियां काटी जा सकें। लंबी यात्राओं और निरंतर संघर्ष ने उनके शरीर को जर्जर कर दिया था लेकिन उनके विचारों की प्रखरता अंत तक कम नहीं हुई।

4 मार्च 1939 को अमेरिका के फिलाडेल्फिया में रहस्यमयी परिस्थितियों में इस महामानव का निधन हो गया। यद्यपि वे अपनी आंखों से भारत को स्वतंत्र होते नहीं देख सके लेकिन उन्होंने स्वतंत्रता की जो मशाल जलाई थी, उसी की लौ में 1947 का सूर्योदय हुआ।लाला हरदयाल ने सिखाया कि देशभक्ति केवल नारों में नहीं बल्कि त्याग और निरंतर स्वाध्याय में बसती है। वे एक ऐसे 'ऋषि-क्रांतिकारी' थे, जिन्होंने अपनी बुद्धि को राष्ट्र का कवच बनाया। उनके विचार आज भी हमें याद दिलाते हैं कि स्वतंत्रता का मूल्य निरंतर सतर्कता और बौद्धिक श्रेष्ठता है। उनकी स्मृति हमारे हृदय में सदा उस ध्रुव तारे की तरह चमकती रहेगी, जो अंधकार में डूबी मानवता को मार्ग दिखाता है। भारत के इस अनमोल रत्न को शत-शत नमन।

खाड़ी देशों में पढ़ाई और रोजगार के लिए गए भारतीय फंसे

स्नेहा सिंह

अमेरिका, इज़राइल और ईरान के बीच चल रहे युद्ध के कारण खाड़ी देशों और पूरे मध्यपूर्व की स्थिति बिगड़ गई है। हवाई सेवाएं बंद हैं, कई देशों ने अपना एयरस्पेस बंद कर दिया है, लोगों को बंकरों में रहने को मजबूर होना पड़ रहा है, नौकरियां और व्यवसाय ठप हो गए हैं। इन सबके बीच रिपोर्टें आई हैं कि लगभग 1 करोड़ भारतीय विभिन्न खाड़ी देशों में फंसे हुए हैं। उनके सामने मौत का तांडव चल रहा है। वे जिंदगी और मौत के बीच झूल रहे हैं।

फिलहाल दुबई के अत्याधुनिक एयरपोर्ट हों या कुवैत के तेल कुएं, उनकी रिहायशी साइटें हों या फिर इजराइल की कंस्ट्रक्शन साइटें, हर जगह मौजूद भारतीयों के मन में एक ही सवाल है कि क्या वे सुरक्षित अपने देश लौट पाएंगे या नहीं।

उल्लेखनीय है कि पिछले 48 घंटों में खाड़ी देशों में जो घटनाएं हुई हैं, उन्हें देखें तो स्पष्ट होता है कि वहां मौत का तांडव मचा हुआ है। अमेरिका और इजराइल द्वारा ईरान के हजारों ठिकानों पर मिसाइल हमले किए जा रहे हैं। दूसरी ओर ईरान ने भी जवाबी हमले शुरू कर दिए हैं। ईरान के हवाई हमलों के बाद अधिकांश खाड़ी देशों ने अपनी एयरस्पेस बंद कर दी। इसके कारण हजारों फ्लाइट रद्द हो गईं। दुबई, दोहा और तेल अवीव जैसे एयरपोर्ट पर लाखों भारतीय फंसे हुए हैं। भारत के विदेश मंत्रालय ने कतर, यूएई, इजराइल और ईरान स्थित दूतावासों को अत्यंत सतर्क रहने और भारतीयों की सुरक्षा के लिए हर संभव प्रयास करने के निर्देश दिए हैं। अधिकारियों को भी अनावश्यक रूप से दूतावास से बाहर न जाने, वहां रह रहे भारतीयों के संपर्क में बने रहने और फंसे हुए भारतीयों तक हर संभव मदद पहुंचाने के आदेश दिए गए हैं। मध्यपूर्व या खाड़ी देशों में फंसे लोगों की संख्या 1 करोड़ तक पहुंचने का अनुमान है। आधिकारिक तौर पर लगभग 95 लाख लोगों के फंसे होने की रिपोर्ट है। इनमें सबसे अधिक लोग संयुक्त अरब अमीरात यानी यूएई में हैं। यूएई में दुबई और अबू धाबी सहित कुल 43 लाख भारतीय हैं। वर्तमान में दुबई और अबू धाबी की स्थिति अत्यंत गंभीर है। हवाई सेवाएं पूरी तरह बंद हैं, जिससे वहां रहने वाले और घूमने गए भारतीय एयरपोर्ट पर फंसे हुए हैं। वे न तो घर लौट पा रहे हैं और न ही आगे कहीं जा पा रहे हैं। इसके बाद सऊदी अरब का नंबर आता है, जहां 27 लाख भारतीय हैं। यहां बड़ी संख्या में मजदूर, नर्स और उनके परिवार रहते हैं। जैसे-जैसे युद्ध लंबा खिंच रहा है, इन लोगों की स्थिति और खराब होती जा रही है। एक ओर जान का खतरा है, दूसरी ओर रोजगार ठप होने की स्थिति।इजराइल में भी लगभग 20 हजार भारतीय फंसे हुए हैं। इनमें नर्स, मेडिकल क्षेत्र में काम करने वाले और कंस्ट्रक्शन वर्कर शामिल हैं। उन्हें बंकरों के पास रहने और सायरन बजते ही बंकरों में जाने के निर्देश दिए गए हैं। हवाई सेवाएं बंद होने के कारण वे भारत नहीं लौट पा रहे हैं।

कुवैत और कतर में भी करीब 20 लाख भारतीय फंसे हैं। वहां की सरकारों ने सभी लोगों को हाई अलर्ट पर रहने के निर्देश दिए हैं। ईरान द्वारा व्यापक हमले की आशंका जताई जा रही है।

ईरान, जो इस युद्ध का मुख्य केंद्र है, वहां भी 10,000 से अधिक भारतीय फंसे हैं। इनमें से आधे छात्र हैं। भारत सरकार ने पहले ही उन्हें स्थिति बिगड़ने से पहले देश छोड़ने की चेतावनी दी थी, लेकिन अब एयरस्पेस बंद होने के कारण वे निकल नहीं पा रहे हैं।

महत्वपूर्ण बात यह है कि आम नागरिकों और छात्रों के साथ-साथ कई भारतीय सेलिब्रिटी और दिग्गज भी इन देशों में फंसे हुए हैं। कई प्रसिद्ध लोगों ने सोशल मीडिया के जरिए प्रधानमंत्री मोदी से मदद की अपील की है।

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता और बैडमिंटन स्टार पी.वी. सिंधु ब्रिटेन में ओपल इंग्लैंड ओपन खेलने जा रही थीं। उनका ट्रांजिट दुबई में था, जहां एयरस्पेस बंद हो जाने से वे एयरपोर्ट पर फंस गईं। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि आसमान में मिसाइलों की टकराहट की आवाजें सुनाई दे रही हैं और स्थिति बेहद भयावह है।

बालीवुड अभिनेत्री सोनल चौहान भी दुबई में फंसी हैं। उन्होंने इंस्टाग्राम पर भारत सरकार से मदद की अपील की।

कोलीवुड सुपरस्टार और रेसर अजित कुमार रेसिंग के लिए अबू धाबी गए थे और एयरस्पेस बंद होने के कारण वहीं फंस गए हैं।

बंगाली अभिनेत्री शुभश्री गांगुली भी अपने बेटे के साथ दुबई में फंसी हैं। उनके पति और पश्चिम बंगाल के विधायक राज चक्रवर्ती ने चिंता जताई है।अभिनेत्री ईशा गुप्ता ने भी अबू धाबी से सोशल मीडिया पर लिखा कि स्थिति बेहद गंभीर है और सरकार को तत्काल मदद करनी चाहिए। भारत द्वारा सभी देशों से नागरिकों को निकालने के लिए रेस्क्यू आपरेशन चलाए जाने की संभावना जानकारों के अनुसार केंद्र सरकार इजराइल, ईरान, सऊदी अरब, यूएई, कुवैत, कतर और अन्य देशों के साथ बातचीत कर रही है। सूत्रों के मुताबिक लोगों को सुरक्षित निकालने की योजना बनाई जा रही है। पिछले वर्ष जून में चलाए गए आपरेशन सिंधु-2 की तरह इस बार भी रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया जा सकता है।सभी देशों में भारतीयों की सहायता के लिए हेल्पलाइन नंबर जारी किए गए हैं।

वीकेंड का आलस और बिस्तर का 'गुरुत्वाकर्षण'

डॉ. सुरेश कुमार

दुनिया में दो तरह की दूरियाँ होती हैं। एक वह, जिसे मील और किलोमीटर में मापा जाता है, और दूसरी वह, जो सोमवार की सुबह 'बिस्तर से दफ्तर' के बीच पैदा होती है। यह दूसरी वाली दूरी इतनी अनंत है कि प्रकाश की गति से चलने वाला आइंस्टीन भी इसे पार करने में हांफ जाए। हमारे मोहल्ले के 'आलस शिरोमणि' हैं-चतुर्भुज जी। चतुर्भुज जी के लिए शनिवार की शाम 'स्वतंत्रता संग्राम' की विजय जैसी होती है, और रविवार का दिन 'समाधि' का। रविवार को वे बिस्तर पर इस तरह पसरे होते हैं जैसे किसी पुरातात्विक खुदाई में निकला हुआ कोई विशाल जीवाश्म। श्रीलाल शुक्ल के शब्दों में कहें तो, चतुर्भुज जी का बिस्तर पर लेटना कोई शारीरिक क्रिया नहीं, बल्कि एक 'दार्शनिक शोध' है कि मनुष्य बिना हिले-डुले ब्रह्मांड को कैसे देख सकता है। संकट तब आता है जब रविवार की रात को घड़ी की सुइयां बारह पार करती हैं। जैसे ही 'सोमवार' का आगमन होता है, चतुर्भुज जी के कमरे का वातावरण किसी 'हॉरर फिल्म' के क्लाइमेक्स जैसा हो जाता है। सुबह का अलार्म बजता नहीं, बल्कि 'चीखता' है। वह अलार्म नहीं, बल्कि दफ्तर के उस 'बॉस' की दहाड़ होती है जो अपनी कुर्सी पर बैठकर फाइलें चबाने के लिए तैयार खड़ा है।

चतुर्भुज जी अलार्म को ऐसे देखते हैं जैसे वह कोई विदेशी आक्रमणकारी हो। वे उसे 'स्नूज़' करते हैं। स्नूज़ करना दरअसल इंसान की वह आखिरी उम्मीद है जो उसे लगता है कि अगले पाँच मिनट में वह अपनी अधूरी जिंदगी जी लेगा। पाँच मिनट बीतते हैं, और बिस्तर का 'गुरुत्वाकर्षण' अचानक दस गुना बढ़ जाता है। रजाई उन्हें ऐसे जकड़ लेती है जैसे कोई बिछड़ी हुई प्रेमिका अपने प्रेमी को जाने न दे रही हो। वे मन ही मन हिसाब लगाते हैं-अगर मैं ब्रश करने में दो मिनट बचाऊँ, नाश्ता दफ्तर के रास्ते में करूँ और नहाने की प्रक्रिया को 'सांकेतिक' (केवल चेहरा धोना) कर दूँ, तो मैं अभी पंद्रह मिनट और सो सकता हूँ। यह वह गणित है जो बड़े-बड़े इंजीनियरों को भी फेल कर दे।

दफ्तर की दूरी महज पाँच किलोमीटर है, पर सोमवार को वह 'कैलाश मानसरोवर' की यात्रा लगने लगती है। चतुर्भुज जी जब आखिरकार एक पैर जमीन पर रखते हैं, तो उनकी हड्डियों से वैसी ही आवाज आती है जैसी किसी पुराने ट्रक के गियर बदलने पर आती है। वे शीशे के सामने खड़े होकर खुद को पहचानते हैं और खुद से पूछते हैं-क्या यह वही चेहरा है जिसे दुनिया एक 'कर्मचारी' कहती है, या यह कोई थका हुआ युद्धबंदी है?चतुर्भुज जी किसी तरह लड़खड़ाते हुए, अधखुली आँखों से तैयार होकर दफ्तर की दहलीज पर पहुँच ही गए। उन्होंने रजिस्टर में हाजिरी लगाने के लिए पेन उठाया और बड़े गर्व से अपने बॉस की केबिन की ओर देखा कि देखो, मैं 'कर्तव्य' की बलवेदी पर हाजिर हूँ। तभी चपरासी ने उन्हें टोका- साहब, ये क्या कर रहे हैं? आज दफ्तर क्यों आए? चतुर्भुज जी झल्लाए-क्यों? आज सोमवार है, काम का दिन है! दफ्तर नहीं आऊँगा तो क्या घर पर रजाई के साथ सत्संग करूँ?चपरासी ने बड़ी मासूमियत से कहा-अरे साहब, शायद आप भूल गए। आज तो 'राष्ट्रीय अवकाश' है, कल रात ही ग्रुप पर मैसेज आया था कि आज दफ्तर बंद रहेगा! चतुर्भुज जी के हाथ से पेन गिर गया।

जिस 'बिस्तर से दफ्तर' की दूरी को उन्होंने हिमालय चढ़ने की तरह तय किया था, वह अब उन्हें 'पाप' जैसा लगने लगा। वे वहीं सीढ़ियों पर बैठ गए और फूट-फूट कर बोले-हे भगवान! ये दफ्तर की वफादारी भी क्या चीज है, कल रात अगर 'आलस' के चक्कर में फोन चेक कर लिया होता, तो आज मैं अपने बिस्तर के साथ 'मोक्ष' प्राप्त कर रहा होता! अब चतुर्भुज जी इस सदमे में हैं कि वे वापस घर जाने की 'दूरी' कैसे तय करें।

होली पर बच्चों को चाहिए एक्स्ट्रा केयर उनका खास ध्यान रखने के लिए टिप्स

आज से एक दिन बाद, यानी 04 मार्च 2026 को होली का त्योहार मनाया जाएगा। ऐसे में बतौर डॉक्टर मैं सभी पेरेंट्स से गुजारिश करता हूं कि बच्चों को रंग खेलने से पहले कुछ बातों का ध्यान जरूर रखें। उन्हें केमिकल युक्त रंगों से दूर रखें और खेलते समय उनके हाइड्रेशन का खास ख्याल रखें, ताकि वे सुरक्षित और हेल्दी तरीके से फेस्टिवल एन्जॉय कर सकें।

होली बच्चों के सबसे पसंदीदा त्योहारों में से एक है। लेकिन बतौर डॉक्टर मैं कहना चाहूंगा कि इस दौरान सिंथेटिक रंग, पानी के गुब्बारे और लंबे समय तक धूप में रहने से छोटे बच्चों की सेहत पर बुरा असर पड़ सकता है। इसलिए पेरेंट्स को कुछ जरूरी सावधानियां जरूर बरतनी चाहिए। बच्चों को केवल हर्बल रंगों से खेलने दें, रंग लगाने से पहले उनकी त्वचा और बालों पर पर हल्का तेल लगाएं। साथ ही, आंखों की सुरक्षा का खास ध्यान रखें, ताकि सभी मिलकर सुरक्षित तरीके से त्योहार का आनंद ले सकें।

बच्चों को इसीलिए होती है एक्स्ट्रा केयर की जरूरत

पेरेंट्स को यह समझना चाहिए कि बच्चों की त्वचा बेहद संवेदनशील होती है, उनकी आंखें नाजुक होती हैं और उनका इम्यून सिस्टम अभी पूरी तरह विकसित नहीं होता। ऐसे में केमिकल युक्त रंगों में मौजूद भारी धातुएं और जलन पैदा करने वाले तत्व निम्न समस्याओं का कारण बन सकते हैं:

त्वचा पर रैशेज, खुजली और एलर्जी

आंखों में जलन और लालिमा

सांस लेने में तकलीफ

गलती से निगल जाने पर पेट की समस्याएं

बढ़ जाता है इंफेक्शन का खतरा

छोटे बच्चे अक्सर अनजाने में

अपनी आंखों को रगड़ लेते हैं या रंग लगे हाथ मुंह में डाल लेते हैं। इससे आंखों में इंफेक्शन खतरा बढ़ सकता है।

1. हर्बल कलर का करें चुनाव

माता-पिता को हमेशा बच्चों के लिए नेचुरल, हर्बल और त्वचा के अनुकूल रंग ही चुनने चाहिए। ये रंग आमतौर पर फूलों के अर्क, हल्दी, चुकंदर और अन्य प्राकृतिक स्रोतों से तैयार किए जाते हैं। साथ ही, मेटालिक या ज्यादा चमकदार रंगों से बचना जरूरी है, क्योंकि इनमें अक्सर हानिकारक रसायन और भारी धातुएं मौजूद हो सकती हैं, जो बच्चों की त्वचा और आंखों के लिए नुकसानदायक साबित हो सकती हैं।

2. स्कनि पर तेल जरूर लगाएं

होली खेलने के लिए घर से बाहर नकिलने से पहले बच्चों की त्वचा और बालों पर नारियल तेल या सरसों का तेल जरूर लगाएं। इससे त्वचा और बालों पर एक सुरक्षात्मक परत बन जाती है, और बाद में उन्हें आसानी से धोने में मदद करती है।

3. सनग्लासेस पहनाएं

त्वचा और बालों को सुरक्षित रखने के साथ-साथ बच्चों की आंखों की सुरक्षा पर ध्यान देना भी बेहद जरूरी है। इसलिए होली खेलते समय उन्हें धूप का चश्मा पहनने के लिए जरूर कहें। अगर खेलते समय गलती से आंखों में रंग चला जाए, तो तुरंत साफ पानी से आंखों को अच्छी तरह धोएं और सुनिश्चित करें कि बच्चा आंखें न रगड़े।

4. हाईड्रेशन का रखें खास ध्यान

चूंकि रंगों का यह त्योहार आमतौर पर घर के बाहर, आंगन, मैदान या बालकनी में मनाया जाता है, इसलिए इस दौरान बच्चों को डिहाइड्रेशन से बचाना बेहद जरूरी है। होली खेलते समय उन्हें पर्याप्त मात्रा में पानी पिलाते रहें। साथ ही, माता-पिता उन्हें नारियल पानी या ताजे फलों का जूस भी दे सकते हैं, ताकि उनकी बॉडी हाइड्रेटेड रहें।

5.सही कपड़ों का चयन भी है जरूरी

इस त्योहार पर बच्चों के कपड़ों पर भी ध्यान देना जरूरी है। पेरेंट्स सुनश्चिति करें कि उन्हें पूरी बांह वाले कॉटन कपड़े पहनाएं, ताकि उनकी त्वचा धूप में कम से कम एक्सपोज हो। साथ ही, फिसलन से बचाने के लिए उन्हें आरामदायक जूते या सैंडल पहनाना जरूरी है, ताकि खेलते समय उनके गरिने का खतरा कम हो सके।

बच्चों पर रखें नजर

इन उपायों के साथ-साथ पेरेंट्स को छोटे बच्चों पर हमेशा नजर बनाए रखनी चाहिए, खासकर जब वे पानी के गुब्बारों से खेल रहे हों या भीड़-भाड़ वाली जगह पर हों। बच्चों को ऐसे खेल-कूद से दूर रखें, जिनसे उन्हें चोट लगने का खतरा हो, ताकि त्योहार सुरक्षित और खुशहाल तरीके से मनाया जा सके।

कनि बातों का रखना होगा ध्यान

तेज केमकिल वाले या अननैचुरल रंगों से बचें। इनसे त्वचा में जलन और एलर्जी हो सकती है।

बच्चे अनजाने में होली खेलते समय रंग निगल सकते हैं, खासकर अगर वे उसी दौरान कुछ खा रहे हों। इसलिए सुनिश्चित करें कि वे खाने से पहले अपने हाथ अच्छी तरह धो लें और खाने-पीने की चीजों के पास रंग खेलने से बचें।

बच्चों को यह सिखाएं कि वे दूसरों के चेहरे पर बिना जरबन रंग न लगाएं। इससे आंखों में चोट और भावनात्मक परेशानी का खतरा कम होता है।

पानी के गुब्बारों से आंखों में गंभीर चोटें और खरोंच हो सकती हैं। इसलिए बच्चों को समझाएं कि वे वॉटर बैलून के साथ न खेलें।

अगर आपके बच्चे को खुजली, सूजन, लालिमा, सांस लेने में कठिनाई या उल्टी जैसी कोई समस्या हो रही हो, तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।

पेरेंट्स होली खेलने के बाद बच्चों की इस तरह करें केयर

बच्चों को गुनगुने पानी और हल्के साबुन से नहलाएं।

उनकी त्वचा को जोर से न रगड़ें।

नहाने के बाद त्वचा को अच्छी तरह मॉइस्चराइज करें। कपड़ों को अलग से धोएं ताकि केमकिल्स पदार्थ एक-दूसरे में न चले जाएं।

कपड़ों से होली का पक्का रंग कैसे निकालें?

होली के बाद सबसे बड़ी मुसीबत कपड़ों पर लगे पक्के रंग को हटाना होती है। कई बार महंगे कपड़े सिर्फ इसलिए खराब हो जाते हैं क्योंकि उन पर होली का रंग चढ़ जाता है। हालांकि यूट्यूबर ने कपड़ों को धोने के लिए लांड्री वाली टिप्स दी हैं जो आपके काम आ सकती है।

होली के रंगों का उल्लास खत्म होने के बाद, कपड़ों पर लगे पक्के रंग को साफ करना एक बड़ी चुनौती बन जाता है। कई बार महंगे कपड़े सिर्फ इसलिए बेकार हो जाते हैं क्योंकि उन पर जिद्दी दाग रह जाते हैं। लेकिन अब आपको चिंता करने की जरूरत नहीं है। लांड्री एक्सपर्ट ने पक्के रंग को पूरी तरह से हटाने का एक बेहद आसान और कारगर तरीका बताया है।

इस खास तरीके से न केवल रंगीन कपड़ों से दाग हटेंगे, बल्कि सफेद कपड़ों की खोई हुई सफेदी और चमक भी वापस लौट आएगी। उन्होंने ब्लीचिंग पाउडर से लेकर ऑक्सालिक एसिड तक के इस्तेमाल का सही तरीका बताया है। जिससे आपके होली के कपड़े नए जैसे चमक उठेंगे।

सादे पानी में भिगोना

होली के रंग हटाने की शुरुआत सीधे डिटर्जेंट से नहीं करना है। बल्कि सबसे पहले एक टब में इतना पानी लें कि कपड़े उसमें पूरी तरह डूब जाएं। अब इन कपड़ों को 4-5 घंटे के लिए सादे पानी में भिगोकर छोड़ दें। अगर रंग बहुत ज्यादा पक्का है, तो आप रात भर के लिए भी भिगो सकते हैं। ऐसा करने से कपड़ों के रेशों में जमा रंग थोड़ा ढीला पड़ जाता है, जिससे बाद में उसे निकालना आसान होता है।

ब्लीचिंग और बेकिंग सोडा

अब कपड़ों को टब से निकालकर निचोड़ लें। एक अलग बाल्टी में साफ पानी लें। इसमें 2 से 3 चम्मच ब्लीचिंग पाउडर डालें और अच्छी तरह घोल लें। इसके साथ ही, 2 से 3 चम्मच बेकिंग सोडा और नियमित इस्तेमाल होने वाला डिटर्जेंट भी मिलाएं। यह मिश्रण रंग को काटने और दाग को हटाने का काम करेगा।

ब्लीच के घोल में भिगोना और धूप दिखाना

अब कपड़ों को इस तैयार घोल में अच्छी तरह डुबो दें। इन्हें 20 मिनट के लिए ऐसे ही

छोड़ दें। संगम शुक्ला के अनुसार, ब्लीचिंग पाउडर की शक्ति को बढ़ाने के लिए बाल्टी को धूप में रखना सबसे अच्छा तरीका है। धूप में ब्लीच ज्यादा तेज गति से काम करता है। 20 मिनट बाद कपड़ों को पानी में ही ऊपर-नीचे करें ताकि ब्लीच हर कोने तक पहुंच जाए।

ब्रश का उपयोग और सादे पानी से खंगालना

धूप में रखने के बाद, जहां-जहां दाग अभी भी दिख रहे हों, वहां एक कपड़े धोने वाले ब्रश से हल्के हाथों से रगड़ें। ब्रश करने के बाद कपड़ों को घोल से बाहर निकालें और निचोड़ लें। इसके तुरंत बाद, कपड़ों को सादे पानी में अच्छी तरह खंगालें ताकि ब्लीच और डिटर्जेंट का सारा असर निकल जाए।

रंगकाट का इस्तेमाल

ब्लीचिंग के कारण अक्सर कपड़ों पर हल्का पीलापन आ जाता है। इसे हटाने के लिए, एक नए टब में सादा पानी लें और उसमें थोड़ा सा रंगकाट डालकर मिलाएं। इस घोल में कपड़ों को उतनी ही देर भिगोकर रखें, जितनी देर आपने ब्लीच वाले पानी में रखा था। रंगकाट कपड़ों के पीलेपन को खत्म कर उन्हें वापस सफेद या मूल रंग में ला देता है।

कपड़ों से रंग निकालने का आसान तरीका ऑक्सालिक एसिड से क्लीनिंग

रंगकाट वाले पानी से कपड़ों को निकालकर एक बार फिर सादे पानी में खंगाल लें। आखिरी स्टेप में एक टब में पानी लेकर उसमें ऑक्सालिक दाना मिलाएं और घुलने के लिए छोड़ दें। अब कपड़ों को इस घोल में 5 से 7 मिनट के लिए डुबोकर रखें। ऑक्सालिक एसिड का उपयोग करते समय ध्यान रखें कि इसमें बदबू आती है और गैस निकलती है, इसलिए यह काम खुली जगह पर करें। आखिरी में कपड़ों को 2-3 बार सादे पानी से धोकर सुखा लें।

भांग या शराब का सेवन पड़ सकता है भारी होली के हुड़दंग में लिवर और हार्ट का रखें ख्याल

होली पर अक्सर ये देखने को मिलता है कि कुछ लोग त्योहार के मस्ती और हुड़दंग के बीच भांग और शराब का सेवन करते हैं। हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक भांग या शराब का सेवन आपको 'अस्थाई आनंद' तो दे सकता है लेकिन यह आपके शरीर के सबसे महत्वपूर्ण अंगों लिवर और हार्ट को गंभीर नुकसान पहुंचा सकता है।

अगर भांग की बात करें तो इसमें मौजूद 'टेट्राहाइड्रोकैनाबिनोल' अचानक दिल की धड़कन तेज कर देता है, जिससे ब्लड प्रेशर अनियंत्रित हो सकता है। कमजोर दिल वाले लोगों के लिए यह स्थिति कार्डियक अरेस्ट का जोखिम पैदा कर सकती है। वहीं शराब का सीधा असर लिवर पर पड़ता है, जिससे 'एक्यूट अल्कोहलिक हेपेटाइटिस' जैसी जानलेवा बीमारी का खतरा बढ़ जाता है। बता दें कि शराब में मौजूद अल्कोहॉल सीधे खून में मिलकर नर्वस सिस्टम (तंत्रिका तंत्र) को प्रभावित करता है। इसलिए होली की खुशी में की गई यह छोटी सी लापरवाही न सिर्फ आपकी सेहत बिगाड़ सकती है, बल्कि गंभीर दुर्घटनाओं का कारण भी बन सकती है।

लिवर पर शराब और भांग का दोहरा असर

शराब को प्रोसेस करने के लिए लिवर को अत्यधिक मेहनत करनी पड़ती है, जिससे शरीर में टॉक्सिन्स जमा होने लगते हैं।

अगर आप पहले से ही फैटी लिवर या डायबिटीज से जूझ रहे हैं, तो होली पर किया गया नशा लिवर फेलियर का कारण बन सकता है।

भांग और शराब का मिश्रण मेटाबॉलिज्म को धीमा कर देता है, जिससे डिहाइड्रेशन और शरीर में इलेक्ट्रोलाइट्स का संतुलन बिगड़ जाता है।

हृदय स्वास्थ्य पर पड़ता है बुरा असर

एक स्टडी के मुताबिक भांग का सेवन करने के कुछ ही मिनटों के भीतर दिल की धड़कनें तेज हो सकती हैं, जिसे टैकीकार्डिया कहा जाता है।

अधिक मात्रा में नशा करने से धमनियों में संकुचन हो सकता है, जिससे हार्ट अटैक का खतरा उन लोगों में भी बढ़ जाता है जो स्वस्थ दिखते हैं।

शराब के कारण शरीर में 'एरिथमिया' (अनियमित दिल की धड़कन) की समस्या शुरू हो सकती है।

होली के हुड़दंग में ऐसे रखें अपना ख्याल

नशे के बजाय नेचुरल पेय जैसे ठंडाई (बिना भांग वाली), नींबू पानी या ताजे फलों के रस को प्राथमिकता दें।

होली के दिन पकवान के साथ पर्याप्त मात्रा में पानी पीएं। इससे शरीर डिहाइड्रेट नहीं होता है।

होली खेलते समय किसी भी तरह की बेचैनी, सीने में दर्द या सांस फूलने जैसे लक्षण दिखने पर तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।

सेहतमंद होली ही है असली खुशी

होली को यादगार बनाने के लिए रंगों और लजीज पकवानों का सहारा लें, न कि नशे का। आपका लिवर और हार्ट आपकी पूरी जिंदगी का आधार हैं, इनकी सुरक्षा आपकी प्राथमिकता होनी चाहिए। नशे के प्रभाव में वाहन चलाना या किसी तरह के गहरे पानी में जाना भी जानलेवा हो सकता है। इसलिए इस वर्ष संकल्प लें कि आप अपनी और अपने परिवार की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं करेंगे।

सिजेरियन डिलीवरी के चांसेज कम करने में मदद कर सकते हैं ये उपाय

आमतौर पर बच्चे को जन्म देने के दो प्रमुख तरीके होते हैं- पहला नॉर्मल (वेजाइनल) डिलीवरी और दूसरा सिजेरियन (सी-सेक्शन)। कई महिलाएं सिजेरियन डिलीवरी से बचना चाहती हैं। ऐसी स्थिति में वे सप्ताह में कम से कम 5 दिन हल्की वॉक करना और लेबर के दौरान किसी भरोसेमंद व्यक्ति का साथ जैसे उपाय अपनाकर सी-सेक्शन की संभावना को कम करने की कोशिश कर सकती हैं। आइए इस लेख में इन उपायों के बारे में और विस्तार से समझते हैं। साथ ही यह भी जानते हैं कि सजिरियन सेक्शन आखिर क्या होता है और किन परिस्थितियों में यह वास्तव में जरूरी हो जाता है।

क्या होता है सिजेरियन सेक्शन ?

जॉन हॉपकिन्स मेडिसिन के अनुसार,सिजेरियन डिलीवरी या सी-सेक्शन एक सर्जरी है, जिसमें मां के पेट और गर्भाशय में चीरा लगाकर बच्चे को जन्म दिया जाता है। डॉक्टर यह प्रक्रिया तब करते हैं, जब उन्हें लगता है कि यह मां,बच्चे या फरि दोनों के लिए ज्यादा सुरक्षित विकल्प है।

सी-सेक्शन की आवश्यकता कब पड़ती है ?

अगर नॉर्मल डिलीवरी संभव न हो, तो सी-सेक्शन के जरिए सर्जरी करके बच्चे को बाहर निकाला जाता है। कुछ मामलों में सी-सेक्शन पहले से प्लान किया जा सकता है। वहीं, कई बार प्रसव के दौरान अचानक आई दिक्कतों की वजह से भी डॉक्टर्स को सर्जरी करनी पड़ती है।

क्लीवलैंड क्लीनिक के अनुसार, नीचे कुछ परिस्थितियों बताई गई हैं, जिनमें सिजेरियन सेक्शन की आवश्यकता पड़ सकती है-

जब कोख में एक से अधिक शिशु हों

प्लेसेंटा प्रीविया

ट्रांसवर्स लाई

ब्रीच पोजिशन

-डिलीवरी के वक्त भ्रूण पर संकट (लेबर के वक्त अगर बच्चे की हार्टबीट अनियमित हो रही है तब)

-प्लेसेंटल एब्रप्शन

-सेफेलोपेल्विक डिसप्रोपोर्शन

पहले भी हुई हो सी-सेक्शन डिलीवरी (हालांकि पहले सी-सेक्शन के बाद नॉर्मल डिलीवरी संभव हो सकती है, लेकिन यह हर महिला के लिए सुरक्षित नहीं होती। ऐसा इसलिए क्योंकि पिछले ऑपरेशन में गर्भाशय पर किस तरह का चीरा लगाया गया था, यह बहुत मायने

रखता है। कुछ प्रकार के चीरे में अगली डिलीवरी के दौरान टांके वाली जगह पर दबाव पड़ सकता है और गर्भाशय फटने का खतरा बढ़ सकता है।

सिजेरियन डिलीवरी से बचने के लिए अपना सकती हैं ये 5 तरीके

जर्नल ऑफ मिडवाइफरी एंड वूमेन्स हेल्थ के मुताबिक, प्रेग्नेंसी के दौरान एक्टिव रहें। हफ्ते में कम से कम 5 दिन,रोज करीब 30 मिनट हल्की एक्सरसाइज करने की कोशिश करें। जो महिलाएं नियमित रूप से एक्सरसाइज करती हैं, उनमें सिजेरियन डिलीवरी की संभावना कम हो सकती है, तुलना में उन महिलाओं के जो बिल्कुल व्यायाम नहीं करतीं।

अगर प्रेग्नेंसी के आखिरी महीने में बच्चा ब्रीच पोजीशन में हो (यानी उसका सिर नीचे की बजाय ऊपर की ओर हो), तो डॉक्टर सामान्य (वेजाइनल) डिलीवरी के लिए बच्चे को सही पोजीशन में लाने की कोशिश कर सकते हैं। इस प्रक्रिया को एक्सटर्नल वर्जन कहा जाता है।

जल्दी अस्पताल जाने की बजाय, तब जाएं जब कॉन्ट्रैक्शन तेज और नियमित हो जाएं। लेबर की शुरुआती अवस्था में अगर आप घर पर रहती हैं, तो संकुचनों के बीच आराम कर सकती हैं, थोड़ा टहल सकती हैं और अपनी इच्छा अनुसार हल्का खाना-पीना भी कर सकती हैं।

लेबर के दौरान अपने साथ किसी भरोसेमंद व्यक्ति को जरूर रखें। चाहें तो आप किसी विशेषज्ञ की मदद ले सकती हैं, जो डिलीवरी के समय आपको सही जानकारी देती है, दर्द को संभालने में मदद करती है और भावनात्मक सहारा भी देती है। वह आपको और आपके साथी, दोनों को सहयोग करती है। अगर कोई विशेषज्ञ उपलब्ध न हो, तो परिवार का कोई सदस्य या करीबी दोस्त भी इस समय आपका सहारा बन सकता है।

सजिरियन डिलीवरी से बचने में ये तरीके भी कर सकते हैं मदद

अमेरिकन प्रेग्नेंसी एसोसिएशन के मुताबिक, लेबर की शुरुआती अवस्था (हल्के कॉन्ट्रैक्शन) को नैचुरली रूप से आगे बढ़ने देना फायदेमंद हो सकता है

जब तक गर्भाशय ग्रीवा का फैलाव 6 सेंटीमीटर (4 सेंटीमीटर के बजाय) होने पर उसे ही एक्टिव लेबर (कॉन्ट्रैक्शन बहुत तेज और समय के साथ बढ़ते जाए) की शुरुआत माना जाए।

जिन महिलाओं ने पहले भी बच्चे को जन्म दिया है, उन्हें कम से कम दो घंटे तक पुश करने का समय दिया जाना चाहिए। वहीं, जिनकी यह पहली डिलीवरी है, उन्हें लगभग तीन घंटे तक पुश करने की अनुमति दी जा सकती है। कुछ खास परिस्थितियों में, खासकर एपिड्यूरल लेने पर, इससे भी अधिक समय दिया जा सकता है।

वर्ल्ड हेल्थ आर्गनाइजेशन जता चुका है सी-सेक्शन के बढ़ते मामलों पर चिंता

वर्ल्ड हेल्थ आर्गनाइजेशन (WHO) ने सी-सेक्शन के बढ़ते मामलों पर चिंता जताई है। अपनी एक रिपोर्ट में संगठन ने कहा है कि जिन परिस्थितियों में नॉर्मल डिलीवरी मां या शिशु के लिए जोखिम भरा हो सकता है, वहां जीवन बचाने के लिए सिजेरियन सेक्शन बेहद आवश्यक होता है। ऐसे मामलों में समय पर किया गया सी-सेक्शन मां और बच्चे दोनों की जान बचा सकता है। इसलिए सभी स्वास्थ्य प्रणालियों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि जरूरत पड़ने पर हर महिला को यह सुविधा समय पर उपलब्ध हो। हालांकि, वर्तमान में किए जा रहे सभी सिजेरियन सेक्शन मेडिकल कारणों से आवश्यक नहीं होते। अनावश्यक सर्जरी मां और शिशु दोनों के लिए स्वास्थ्य जोखिम बढ़ा सकती है।

काम की वजह से रहते हैं व्यस्त? घर की इन छोटी-छोटी चीजों में हाथ बंटाकर जता सकते हैं प्यार

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी के बढ़ते कल्चर के बीच, अक्सर कपल्स के पास एक-दूसरे के लिए पर्याप्त समय नहीं बचता। ऑफिस की डेडलाइन्स और मीटिंग्स के दबाव में अक्सर लोग अपने पार्टनर के लिए समय नहीं निकाल पाते हैं। ध्यान देने वाली बात यह है कि लोग अक्सर भूल जाते हैं कि एक मजबूत रिश्ते की बुनियाद सिर्फ महंगे गिफ्ट्स या वेकेशन नहीं, बल्कि रोजमर्रा के छोटे-छोटे मोमेंट्स होते हैं।

विशेषज्ञों के अनुसार, जब पार्टनर घर की जिम्मेदारियों में बराबर की भागीदारी निभाता है, तो इससे न सिर्फ मानसिक तनाव कम होता है, बल्कि भावनात्मक जुड़ाव भी गहरा होता है। व्यस्तता के बावजूद घर के कामों में मदद करना यह दर्शाता है कि आप अपने पार्टनर की मेहनत का सम्मान करते हैं। आइए जानते हैं कि कैसे घर की छोटी-छोटी चीजों में मदद करके आप अपने रिश्ते में नई ताजगी और मिठास घोल सकते हैं।

किचन की जिम्मेदारियों में भागीदारी

किचन का काम अक्सर एक व्यक्ति पर बोझ बन जाता है। व्यस्त शेड्यूल के बावजूद अगर आप रात के खाने के बाद बर्तन धोने या सुबह की चाय बनाने की जिम्मेदारी लेते हैं, तो यह पार्टनर के लिए बहुत बड़ा सपोर्ट होता है। साथ मिलकर सब्जियां काटना या डाइनिंग टेबल सेट करना न सिर्फ काम को आसान बनाता है, बल्कि आपको आपस में बातें करने का क्वालिटी टाइम भी देता है।

घर की साफ-सफाई और डस्टिंग

वीकेंड पर घर की पूरी सफाई का जिम्मा पार्टनर पर छोड़ने के बजाय, उसे आपस में बांटें। कपड़े तह करना, डस्टिंग करना या पौधों में पानी डालना जैसे काम बहुत छोटे लग सकते हैं, लेकिन ये पार्टनर को यह अहसास कराते हैं कि वे इस सफर में अकेले नहीं हैं। साझा जिम्मेदारी से थकान कम होती है और बचा हुआ समय आप दोनों साथ में एन्जॉय कर सकते हैं।

ग्रोसरी और शॉपिंग में मदद

हफ्ते भर की राशन की लिस्ट बनाना और उसे बाजार से लाना एक थकाऊ काम हो सकता है। आप ऑफिस से लौटते समय दूध, फल या जरूरी सामान लेकर आ सकते हैं। ऑनलाइन शॉपिंग करते समय पार्टनर की पसंद पूछना या घर के जरूरी पेमेंट समय पर कर देना भी केयर जताने का एक तरीका है। ये छोटे कदम बताते हैं कि आप घर के प्रति उतने ही सजग हैं जितने अपने काम के प्रति।

छोटे कदम, बड़ा बदलाव

रिश्ते में प्यार जताने के लिए हमेशा बड़े शब्दों या वादों की जरूरत नहीं होती। घर के कामों में हाथ बंटाना एक 'साइलेंट लव लैंग्वेज' है जो यह साबित करती है कि आप अपने पार्टनर के समय और ऊर्जा की कद्र करते हैं। आज के समय में सफल रिश्तों का राज यही है कि काम और घर के बीच एक सही संतुलन बनाया जाए। आज ही से शुरुआत करें और देखें कि कैसे ये छोटी-छोटी मदद आपके पार्टनर के चेहरे पर मुस्कान ले आती है।

'टॉक्सिक' के पहले गाने तबाही को देख मेकर्स से इस बात पर खफा हुए फैंस; बोले- अप्रैल फूल बना दिया

अभिनेता यश की आगामी फिल्म 'टॉक्सिक' का जबर्दस्त क्रेज देखा जा रहा है। बॉक्स ऑफिस पर यह इसी महीने रिलीज होने वाली है। इससे पहले होली के अवसर पर मेकर्स ने फिल्म का पहला गाना 'तबाही' रिलीज कर दिया है। जानिए गाने पर दर्शकों का कैसा रिएक्शन है?

क्यों नाराज हुए यश के फैंस?

फिल्म 'टॉक्सिक' का जब से एलान हुआ है, तभी से इसका क्रेज भी जबर्दस्त है। इसकी रिलीज को लेकर फैंस के बीच उत्साह है। आज मेकर्स ने फिल्म का पहला सिंगल रिलीज किया है। मगर, 'तबाही' गाने को सिर्फ ऑडियो ट्रैक के तौर पर रिलीज किया गया है। इसका कोई वीडियो नहीं है। इसे लेकर नेटिजन्स नाराज नजर आ रहे हैं।

यूजर ने लिखा, 'मार्च में अप्रैल फूल बना दिया'

पिछले महीने ही मेकर्स ने पहले सिंगल का पोस्टर रिलीज किया था। पोस्टर में यश और कियारा आडवाणी समुद्र के किनारे एक-दूसरे के पास खड़े दिख रहे थे। विजुअल में पैशन और इंटेंसिटी का हिंट था, जिससे फैंस को फिल्म के टोन की एक झलक मिली। मगर, अब जब गाना रिलीज किया है, तो इसे सिर्फ बतौर ऑडियो लाया गया है। नेटिजन्स लिख रहे हैं, '02 मार्च को पहली अप्रैल वाली फीलिंग आ रही है'। वहीं एक अन्य यूजर ने लिखा, 'वीडियो के लिए कृपया वोट करें'।

कई भाषाओं में रिलीज किया गया है गाना

इस गाने को देशभर के ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचाने के लिए इसे कई भाषाओं में लॉन्च किया गया है। कंपोजर विशाल मिश्रा ने इसका म्यूजिक बनाया है, जबकि हर भाषा के लिए लिरिक्स अलग-अलग लिखे गए हैं। राज शेखर ने हिंदी लिरिक्स लिखे हैं। वहीं, योगराज भट ने कन्नड़ भाषा में गाने के लिरिक्स लिखे। रामजोगय्या शास्त्री ने तेलुगु लिरिक्स लिखे। विग्नेश शिवन ने तमिल लिरिक्स लिखे हैं और रफीक अहमद ने मलयालम लिरिक्स लिखे।

कब रिलीज होगी फिल्म 'टॉक्सिक'?

बता दें कि 'टॉक्सिक' के अब तक दो टीजर रिलीज हो चुके हैं। पहले टीजर में एक डार्क और वायलेंट दुनिया दिखाई गई थी। वहीं, दूसरे टीजर में यश ने बिना दाढ़ी वाले लुक में फैंस को सरप्राइज कर दिया। फिल्म का ट्रेलर 8 मार्च, 2026 को रिलीज होने की उम्मीद है। बता दें कि यह फिल्म 19 मार्च को रिलीज होगी। बॉक्स ऑफिस पर यह रणवीर सिंह की 'धुरंधर 2' से टकराएगी।

विजय-रश्मिका के रिसेप्शन में बिना कार्ड नहीं होगी एंट्री
वेन्यू और पार्टी टाइम की डिटेल

बीती 26 फरवरी को उदयपुर में ग्रैंड शादी करने के बाद अब 'विरोश' यानी विजय देवरकोंडा और रश्मिका मंदाना अपने रिसेप्शन को लेकर चर्चाओं में हैं। यह रिसेप्शन 4 मार्च को हैदराबाद में होना है। हालांकि, शादी की तरह ही रिसेप्शन में भी कड़ी सुरक्षा रहेगी। साथ ही आने वाले अतिथियों के लिए इन्विटेशन कार्ड साथ में लाना अनिवार्य होगा।

सिर्फ इन्विटेशन कार्ड वाले गेस्ट को मिलेगी एंट्री

प्राप्त जानकारी के मुताबिक, इस रिसेप्शन में कड़ी सुरक्षा के इंतजाम रहेंगे। वहीं जारी हुए एक ऑफिशियल अनाउंसमेंट लेटर से पता चलता है कि वेडिंग रिसेप्शन सिर्फ इन्विटेशन वाला इवेंट रहेगा

इसमें तेलुगु, हिंदी, तमिल, मलयालम और कन्नड़ फिल्म इंडस्ट्री के सदस्यों के साथ-साथ पॉलिटिकल और एडमिनिस्ट्रेटिव सर्कल के कुछ खास मेहमानों का स्वागत किया जाएगा। गेस्ट लिस्ट को और सीमित कर दिया गया है और वेन्यू में एंट्री सिर्फ उन्हीं मेहमानों को मिलेगी, जिनके पास वैलिड ऑफिशियल इनविटेशन होगा। ताकि भीड़भाड़ न हो और व्यवस्था बनी रहे।

शाम सात बजे से शुरू होगा रिसेप्शन

एक रिपोर्ट के अनुसार, लीक हुए शादी के निमंत्रण पत्र के मुताबिक, रिसेप्शन शाम 7:00 बजे से ताज कृष्णा होटल में आयोजित किया जाएगा। रिसेप्शन के गेस्ट लिस्ट की बात करें तो इसमें साउथ सिनेमा के सेलिब्रिटीज के अलावा राजनीति जगत की कई हस्तियां भी पहुंचेंगी। विजय-रश्मिका ने पीएम मोदी और तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी को भी अपने रिसेप्शन में आमंत्रित किया है। इसके अलावा साउथ सुपरस्टार अल्लू अर्जुन भी इस ग्रैंड रिसेप्शन का हिस्सा बनेंगे। जबकि विजय-रश्मिका के कई करीबी दोस्त और तमाम अन्य सेलेब्स के साथ कुछ बॉलीवुड स्टार्स के भी विरोश के रिसेप्शन में शामिल होने की संभावनाएं हैं।

विजय-रश्मिका ने बीती 26 फरवरी को उदयपुर में ग्रैंड शादी की थी। इस शादी में सिर्फ कपल के करीबी दोस्त और परिवार के लोग ही शामिल हुए थे। शादी की तस्वीरें सामने आने के बाद फैंस ने दोनों पर जमकर प्यार लुटाया। तस्वीरों से पता चलता है कि विरोश ने अपनी शादी को काफी ग्रैंड तरीके से किया है।

ईरानी मूल की मंदाना करीमी ने किया भारत छोड़ने का ऐलान किस बात को लेकर निराश? बोलीं- मेरे लिए बहुत मुश्किल

अमेरिका और इस्राइल ने संयुक्त रूप से ईरान के खिलाफ मोर्चा खोल रखा है। जंग की स्थिति बनी हुई है। ईरान में हालात काफी खराब है लेकिन बॉलीवुड एक्ट्रेस मंदाना करीमी भारत छोड़कर वापस अपने वतन वापस जाने की बात कर रही हैं। तनाव की इस स्थिति वह वापस क्यों लौट रही हैं, जानिए?

क्यों वापस जा रही हैं मंदाना करीमी?

हाल ही में बॉलीवुड हंगामा से की गई बातचीत में ईरानी मूल की बॉलीवुड एक्ट्रेस मंदाना करीमी ने कहा, 'जैसे ही यह सिस्टम (ईरानी में तानाशाही) खत्म होगा, मैं वापस चली जाऊंगी। मैं अब जा रही हूं, मेरे बैग पैक हो चुके हैं। मैं वैसे भी इंडिया छोड़ रही हूं। मुझे लग रहा है कि मैं इंडिया से ब्रेकअप कर रही हूं। यह मेरे लिए बहुत मुश्किल है। मैं बहुत छोटी उम्र में इंडिया आई थी और यहां मुझे सब कुछ मिला। मेरा मॉडलिंग और एक्टिंग करियर, इंडिया से मिला प्यार और दोस्त बहुत खास हैं।'

इस बात से खफा हैं मंदाना करीमी

मंदाना करीमी ने आगे कहा, 'लेकिन मुझे लगता है कि इंडिया में मेरी कोई आवाज नहीं सुनी जाएगी। पिछले दो महीनों में मुझे कभी अपने घर की याद आई। बहुत अकेलापन महसूस हुआ।' बता दें कि अमेरिका, इस्राइल और ईरान टकराव के बीच मंदाना ने यूएस प्रेसिडेंट डोनाल्ड ट्रंप की तारीफ भी पिछले दिनों की थी। एक्ट्रेस ने ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की कथित मौत के बाद कहा था कि ट्रंप ईरान को आजादी दिलाने वाले शख्स हैं।

इन बॉलीवुड प्रोजेक्ट्स में काम कर चुकी हैं एक्ट्रेस

मंदाना करीमी भी ईरान से संबंध रखती हैं, उनका जन्म ईरान में हुआ। वह चर्चित मॉडल रही हैं। मंदाना करीमी भी बॉलीवुड फिल्मों में अभिनय कर चुकी हैं। 'भाग जॉनी' और 'क्या कूल हैं हम 3' जैसी फिल्मों में उन्होंने एक्टिंग की है।

पश्चिम एशिया संघर्ष के बीच सुरक्षित भारत लौटीं ईशा गुप्ता-हनी सिंह

इजरायली हमलों में ईरान के सुप्रीम लीडर खामेनेई की मौत के बाद पश्चिम एशिया में संघर्ष तेजी से फैल गया है। हालात इतने गंभीर हो चुके हैं कि इसे हाल के वर्षों की सबसे तीव्र सैन्य झड़पों में गिना जा रहा है। सब यही दुआ कर रहे हैं कि जल्द से जल्द इस संघर्ष पर विराम लगे। ऐसे में बॉलीवुड और म्यूजिक फैंस के लिए राहत की खबर सामने आई है।

हनी सिंह ने शेयर किया अपडेट

जब पश्चिम एशिया में तनाव और संघर्ष तेज हो रहा है, कई भारतीय सितारे भी दुबई में फंसे हुए थे। लेकिन अब कुछ अपडेट सामने आए हैं। सबसे पहले, सिंगर और रैपर हनी सिंह ने दुबई से एक वीडियो शेयर करते हुए अपने फैंस को भरोसा दिलाया कि वह पूरी तरह सुरक्षित हैं और काम कर रहे हैं। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा, 'हम सुरक्षित हैं, काम कर रहे हैं,' जिससे उनके चाहने वालों की चिंता थोड़ी कम हुई।

ईशा गुप्ता लौटीं भारत

दूसरी ओर, ईशा गुप्ता भी पहले तनाव भरे हालात में दुबई-अबू धाबी में थीं। ईशा ने सोशल मीडिया पर अपने फॉलोअर्स को बताया भी था कि वह अबू धाबी में सुरक्षित हैं, भले ही परिस्थितियाँ डरावनी और मुश्किल लग रही हों। उन्होंने यह भी कहा था कि उन्हें उम्मीद है कि जैसे ही हालात सामान्य होंगे, वह भारत वापस लौटेंगी।

अब ईशा भी सुरक्षित भारत पहुंच चुकी हैं और उन्होंने दिल्ली में लैंड कर फैंस का धन्यवाद किया है। उन्होंने खास तौर पर अपनी चिंता जताने वाले लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया और बताया कि भारत-यूएई सरकारों और स्थानीय स्टाफ की मदद से वह सुरक्षित वापस आ पाईं।

तृषा कृष्णन ने शादी क्यों नहीं की? 11 साल पहले टूटी थी सगाई, विजय से दूरी, राणा दुग्गबाती संग अफेयर!

तमिल सिनेमा की सुपरस्टार एक्ट्रेस तृषा कृष्णन लगातार सुर्खियों में हैं। 'साउथ इंडिया की क्वीन' कही जाने वाली तृषा ना सिर्फ तमिल और तेलुगू, बल्कि देश की सबसे महंगी एक्ट्रेसेस में शुमार हैं। अपने 20 साल से अधकि के करियर में दर्जनों हिट-सुपरहिट देने वाली इस एक्ट्रेस ने 1999 के 'मिस चेन्नई' का ताज जीता था। पांच फिल्मफेयर साउथ अवॉर्ड, तमिलनाडु राज्य फिल्म पुरस्कार और नंदी पुरस्कार जीत चुकीं तृषा 42 साल की हैं। लेकिन इस उम्र में भी सिंगल हैं। उन्होंने अब तक शादी नहीं की। बीते शुक्रवार को जैसे ही यह खबर आई कि थलपति विजय की पत्नी संगीता सोरनलिंगम ने तलाक के लिए अर्जी दी है, सोशल मीडिया पर तृषा के नाम की चर्चा बढ़ गई। दरअसल, विजय की पत्नी ने अपनी अर्जी में पति पर 'बेवफाई' का आरोप लगाया है। संगीता ने बिना नाम लिए दावा किया कि एक एक्ट्रेस के साथ उनके पति का एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर है। इसके बाद से ही अटकलें शुरू हो गईं। विजय के साथ एक बार फिर से तृषा कृष्णन का नाम जुड़ने लगा।

11 साल पहले हुई थी तृषा कृष्णन की सगाई

सिनेमा की दुनिया, खासकर हीरोइनों की पर्सनल लाइफ और शादी को लेकर कयासबाजी कोई नई बात नहीं है। गॉसिप के बाजार में टॉप एक्ट्रेसेस की उम्र जैसे-जैसे बढ़ती है, कभी सच तो कभी अफवाह, उनकी लव लाइफ को लेकर तमाम तरह की चर्चाएं शुरू हो जाती हैं। 'पोन्नियिन सेल्वन' फेम तृषा के साथ भी कुछ ऐसा ही है। उनका नाम पहले भी थलपति विजय से जुड़ा है। इतना ही नहीं, वह कभी राणा दग्गुबाती के साथ अफेयर को लेकर भी चर्चा में रही हैं। वैसे, जहां तक शादी की बात है, तो तृषा की करीब 11 साल पहले 2015 में एक बिजनसमैन के साथ सगाई भी हुई थी। लेकिन फिर यह रिश्ता टूट गया।

तृषा कृष्णन की नेट वर्थ, फीस, और ब्यूटी अवॉर्ड्स

'वर्षम', 'घिल्ली' और 'पोन्नियिन सेलवन: I' जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्में देने वालीं तृषा का जन्म 4 मई 1983 चेन्नई में हुआ है। उनके पिता कृष्णन अय्यर और मां का नाम उमा अय्यर है। बैचलर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन की पढ़ाई कर तृषा ने मॉडलिंग में की दुनिया में कदम रखा। साल 1999 में उन्होंने 'मिस सलेम' का ताज जीता। उसी साल 'मिस चेन्नई' भी बनीं। फिर 'मिस इंडिया 2001' में 'मिस ब्यूटीफुल स्माइल' का अवॉर्ड अपने नाम किया। आज तृषा एक फिल्म के लिए कथति तौर पर 3 करोड़ रुपये से अधकि की फीस लेती हैं। एक अनुमान के मुताबिक, हर साल 9 करोड़ रुपये से अधकि ब्रांड एंडोर्समेंट्स से कमाती हैं। उनके पास हैदराबाद में 6 करोड़ रुपये और चेन्नई में 10 करोड़ रुपये के आलीशान घर हैं। हाई-एंड लग्जरी कारें अलग। तृषा की नेट वर्थ करीब 85 करोड़ रुपये बताई जाती है।

साल 2015 में जब तृषा कृष्णन अपने करियर के टॉप पर थीं, उन्होंने चेन्नई के बिजनेसमैन वरुण मनियन से सगाई की थी। तब फैंस बहुत खुश थे, जल्द ही शादी की उम्मीद थी। लेकिन फिर पांच महीने बाद, अचानक एक्ट्रेस ने बिना वजह बताए सगाई तोड़ ली। करीब दो साल बाद 2017 के एक इंटरव्यू में, उन्होंने शादी को लेकर बात की। कहा, 'मेरा शादी में बहुत विश्वास है, लेकिन समाज के दबाव या उम्र के कारण शादी करने में नहीं। शादी तभी होनी चाहिए जब सच्चा प्यार और इमोशनल कम्पैटिबिलिटी दोनों हो।'

राणा दग्गुबाती और तृषा कृष्णन का अफेयर और ब्रेकअप

साल 2017 के इस इंटरव्यू के बाद तृषा ने इस मुद्दे पर फिर कभी खुलकर बात नहीं की। हालांकि, इसके एक साल बाद ही 2018 में एक्टर राणा दग्गुबाती के साथ उनका नाम जुड़ने लगा। चर्चा थी कि दोनों कई साल से रिलेशनशिप में थे। तृषा और राणा को अक्सर इवेंट्स और पार्टियों में एकसाथ देखा जाता था। लेकिन दोनों ने कभी इस रिश्ते की पुष्टि नहीं की। राणा ने 2018 में ही टॉक शो 'कॉफी विद करण' में बताया कि उन्होंने कुछ समय के लिए एक्ट्रेस को डेट किया था, लेकिन आखिरकार अलग हो गए। बाद में राणा दग्गुबाती ने साल 2020 में मिहिका बजाज से शादी कर ली।

थलपति विजय ने परिवार के दबाव में तृषा ने बनाई दूरी?

विजय ने परिवार के कारण 15 साल नहीं किया तृषा संग काम?

तृषा ने इसके बाद अपनी एक्टिंग और करियर पर ही फोकस किया। लेकिन फिर तमिल सिनेमा की इस बेइंतहा खूबसूरत हीरोइन का नाम थलपति विजय से जुड़ने लगा। इसकी एक वजह यह भी रही कि तृषा और विजय की जोड़ी ने लंबे समय तक तमिल सिनेमा की स्क्रीन पर राज किया है। 'घिल्ली' (2004), 'थिरुपाची' (2005), 'आथी' (2006) और 'कुरुवी' (2008) जैसी फल्मिों में उनकी केमिस्ट्री ने एक लॉयल फैन बेस बनाया। हालांकि, 2008 के बाद दोनों पर्दे पर लंबे समय तक साथ नजर नहीं आए।

जब विजय और तृषा का हुआ री-यूनियन, दुबई में तारीफ

अफवाहों और चर्चाओं के करीब पंद्रह साल बाद, साल 2023 में विजय और तृषा एक बार फिर फिल्म 'लियो' में साथ आए। उनके इस रीयूनियन ने पुरानी चर्चाओं को फिर से हवा दी। इस बीच, दोनों के कुछ पब्लिक मोमेंट वायरल हुए। बीते साल दुबई में SIIMA अवॉर्ड्स में तृषा ने अपनी स्पीच में विजय के लिए प्यार भरे शब्द कहे। उन्होंने कहा, 'मैं उन्हें उनके नए सफर (राजनीति) के लिए गुड लक कहना चाहूंगी। वह जो भी सपने देखते हैं, वे सच हों, क्योंकि वह इसके हकदार हैं।' इस बीच दोनों कई पब्लिक इवेंट्स में भी साथ नजर आए।

थलपति विजय के जन्मदिन पर तृषा का पोस्ट

अफेयर की आग को हवा देने का काम एक इंस्टाग्राम पोस्ट ने भी किया। तृषा ने बीते साल विजय के जन्मदिन एक फोटो शेयर की, जिसमें वह विजय के साथ काउच पर बैठे उन्हें निहार रही हैं और एक्टर पेट डॉगी के साथ खेल रहे हैं। तृषा ने कैप्शन में लिखा, 'हैप्पी बर्थडे बेस्टेस्ट।'

थलपति विजय की शादी, पत्नी से अलगाव, तलाक और विधानसभा चुनाव

थलपति विजय की तलाक की खबर और तृषा कृष्णन के साथ उनके अफेयर की यह चर्चा ऐसे समय में भी हो रही है, जब एक्टर अपनी राजनीतिक पारी शुरू कर रहे हैं। विजय ने 1999 में श्रीलंकाई मूल की संगीता सोरनलिंगम से शादी की थी। कपल के दो बच्चे- जेसन और दिव्या हैं। तलाक की अर्जी में खुद संगीता ने बताया है कि वह बीते 2 साल से पति से अलग रह रही हैं। उन्होंने मानसिक प्रताड़ना, अपमानित करने जैसे कई संगीन आरोप लगाए हैं। संगीता ने यह भी कहा कि वह उस वक्त बहुत 'असहाय' महसूस कर रही थीं, जब एक एक्ट्रेस उनके पति के साथ वेकेशन की तस्वीरें पोस्ट कर रही थीं।

वैसे, तमिलनाडु में विधानसभा चुनाव से ठीक पहले तलाक की यह अर्जी राजनीतिक महकमे में भी चर्चा का विषय बनी हुई है।

सुरभि चंदना ने पति संग स्विमिंग पूल में लगाई डुबकी होली से पहले एनिवर्सरी पर बरसा प्यार

टीवी की दुनिया की बेहद खूबसूरत और दमदार एक्ट्रेस सुरभि चंदना के लिए इस बार होली दोगुनी खुशी का मौका है। मंगलवार को जहां मुंबई में रंग-गुलाल के साथ त्योहार का जश्न मनाया जा रहा है, वहीं एक दिन पहले सोमवार को मौका था सुरभि की शादी की दूसरी सालगिरह का। 'इश्कबाज' और 'नागिन 5' फेम एक्ट्रेस ने इस खास मौके पर एक बेहद प्यारा वीडियो शेयर किया है। इसमें वह पति करण शर्मा के साथ स्विमिंग पूल में भरदम मस्ती करती दिख रही हैं। दोनों मियां-बीवी कभी एक-दूसरे के साथ पानी में खेलते दिख रहे हैं तो कभी एक-दूसरे पर प्यार बरसाते। 36 साल की एक्ट्रेस ने इस वीडियो के साथ एक बेहद खूबसूरत सा कैप्शन भी लिखा है।

सुरभि चंदना के इस इंस्टाग्राम पोस्ट को खबर लिखे जाने तक 50 हजा से अधिक लाइक्स मिल चुके हैं। शादी की दूसरी सालगिरह का जश्न इस कपल ने प्राइवेट पूल डेट के साथ मनाया है। शेयर की गई वीडियो क्लिप में, सुरभि और करण हंसते हुए, पानी के छींटे उड़ाते हुए, मस्ती में अजीब-अजीब चेहरे बनाते हुए और एक-दूसरे को चिढ़ाते हुए दिख रहे हैं।

सुरभि ने पति करण को बताया 'भगवान का तोहफा'

सुरभि और करण के इस कैंडिड मोमेंट्स को देखकर फैंस भी दीवाने हुए जा रहे हैं। कमेंट सेक्शन में हार्ट इमोजी की बाढ़ सी आई हुई है। वीडियो में एक पल वो भी आता है, जब करण बड़े प्यार से सुरभि को अपने पास खींचते हैं और उनके माथे और नाक पर किस करते हैं। वीडियो शेयर करते हुए सुरभि ने अपने पति के लिए एक दिल को छू लेने वाला मैसेज भी लिखा। उन्होंने करण को 'भगवान का तोहफा' बताया है।

सुरभि चंदना ने वीडियो शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा है, 'भगवान की ओर से मेरा तोहफा। हम दोनों को दो साल की बधाई। 16 साल तक जिंदगी में नाचते और खिलखिलाते हुए, उस समय के बॉयफ्रेंड के साथ जो अब हस्बैंड है। तुम्हारे साथ हर दिन एक जश्न है।'

सुरभि चंदना की 'साइको सैयां' और तेजस्वी प्रकाश से खटपट!

सुरभि चंदना जहां एक ओर अपने इस एनिवर्सरी पोस्ट से सुर्खियां बटोर रही हैं, वहीं एमजोन एमएक्स प्लेयर पर बीते हफ्ते रिलीज वेब सीरीज 'साइको सैयां' में फैंस का दिल जीत रही हैं। इस सीरीज में तेजस्वी प्रकाश, अनुद सिंह ढाका और रवि किशन भी हैं। हाल ही शो के प्रमोशन के दौरान कुछ ऐसा हुआ, जिसके बाद सुरभि और तेजस्वी प्रकाश के बीच खटपट की खबरों ने चर्चा बटोरी।

दरअसल, एक प्रमोशन इवेंट के दौरान, तेजस्वी ने सुरभि के साथ इंटरव्यू देने या फोटो खिंचवाने से मना कर दिया। रिपोर्ट के मुताबिक, इस घटना के बाद सुरभी को वहां से भावुक होकर बाहर जाते हुए भी देखा गया। हालांकि, बाद में सुरभि चंदना ने इस पर चुप्पी तोड़ी और कहा, 'यह एक अनफॉर्चुनेट सिचुएशन थी, लेकिन इस पर कमेंट करने के लिए कुछ नहीं है।'

सपनों के शहर में 'एनिमल' बनने की दास्तां, महेश मांजरेकर की रंगमंच पर वापसी

मशहूर अभिनेता और फिल्म निर्देशक महेश मांजरेकर काफी समय बाद रंगमंच पर वापसी करने जा रहे हैं। वे जल्द ही नाटक 'एनिमल' में मुख्य भूमिका निभाते नजर आएंगे। इस नाटक का निर्माण प्रसिद्ध थिएटर निर्माता अश्विन गिडवानी ने किया है। एनिमल एक गहरी और भावुक कहानी है, जो महत्वाकांक्षा के पीछे भागते हुए इंसान की भावनाओं के धीरे-धीरे होने वाले क्षरण को दिखाती है। नाटक का मुख्य किरदार है दत्तू, जिसे महेश ने बखूबी निभाया है। दत्तू महाराष्ट्र के पंढरपुर के पास एक छोटे से शहर का साधारण युवक है। वह स्टार बनने के बड़े सपने लेकर मुंबई आता है।

अपने किरदार को लेकर महेश मांजरेकर ने बताया, यह कहानी मैंने इंडस्ट्री में बहुत करीब से देखी है। दत्तू कोई हीरो नहीं है और न ही कोई खास शख्स। वह बस एक आम लड़का है, जो सपनों से भरा सूटकेस और पेट में भूख लेकर मुंबई पहुंचता है। मैंने ऐसे हजारों युवकों को देखा है। कुछ लोग स्टार बन जाते हैं, लेकिन ज्यादातर सिर्फ परछाई बनकर रह जाते हैं।उन्होंने आगे बताया, ₹जिस चीज ने मुझे इस नाटक की ओर खींचा, वह दत्तू की मासूमियत थी। शहर उसे रातोंरात नहीं बदलता, बल्कि धीरे-धीरे छीन लेता है। एक समझौता, एक अपमान, एक रिजेक्शन ऐसे ही छोटे-छोटे कदमों से वह 'जानवर' बनता जाता है।'एनिमल' नाटक करीब नौ साल की लंबी तैयारी और बातचीत के बाद मंच पर आ रहा है। इस प्रोडक्शन में महेश मांजरेकर ने डायरेक्टर और एक्टर दोनों की जिम्मेदारी संभाली है। यह फैसला नाटक को और भी असली और भावुक बनाता है।

महेश ने कहा, दत्तू मुंबई से एक प्रेमी की तरह बात करता है, लेकिन मुंबई उससे एक जज की तरह पेश आती है। महेश ने कहा कि उन्होंने स्टेज पर मरीन ड्राइव या चमकते स्काईलाइन जैसे सीन दिखाने के बजाय शहर को आवाजों से जीवंत किया है। उन्होंने कहा, इसमें लोकल ट्रेन के अनाउंसमेंट, ऑडिशन रूम की 'नेक्स्ट' पुकार, और बंद होते दरवाजों की आवाज है। स्टेज पर जानबूझकर खालीपन रखा गया है, क्योंकि मुंबई अक्सर यही देती है, बहुत सारी जगह, लेकिन अपनी जगह नहीं।₹

महेश मांजरेकर और अनुभवी निर्माता अश्विन गिडवानी ने एजीपी वर्ल्ड के बैनर तले इस नाटक को तैयार किया है। 'एनिमल' अपनी कहानी के जरिए मुंबई की चकाचौंध के पीछे छिपी कड़वी हकीकत को बयां करेगी।

हिमाचल में राज्यसभा प्रत्याशी पर सस्पेंस

सुप्रिया श्रीनेत का नया नाम चर्चा में, सीएम ने हाईकमान पर छोड़ा फैसला, 5 को विधायक दल की मीटिंग

शिमला, 3 मार्च (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश में राज्यसभा चुनाव के लिए संभावित दावेदारों की लिस्ट लंबी हो गई है। इसमें, कांग्रेस के 2 राष्ट्रीय प्रवक्ताओं के नाम जुड़ गए हैं। पार्टी सूत्र बताते हैं कि पहला- तेज तर्रार नेता एवं राष्ट्रीय प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत और दूसरा पार्टी के वरिष्ठ प्रवक्ता पवन खेड़ा का नाम हैं।

इनके अलावा हिमाचल कांग्रेस प्रभारी रजनी पाटिल का नाम पहले से ही चर्चा में रहा है। दो नए नाम आने के बाद अब 3 गैर हिमाचली दावेदार हो गए हैं। वहीं, हिमाचल प्रदेश के बड़े दावेदारों में पूर्व केंद्रीय मंत्री आनंद शर्मा और पूर्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष प्रतिभा सिंह के नाम प्रमुख हैं।

इनके अलावा स्वास्थ्य मंत्री धनीराम शांडिल, पूर्व मंत्री आशा कुमारी, सीएम के आईटी एडवाइजर गोकुल बुटेल और एडवोकेट जनरल अनूप रत्न का नाम भी चर्चा में है। इनमें से कौन राज्यसभा जाएगा, यह फैसला हाईकमान करेगा।

इस बीच संसदीय कार्य मंत्री

हर्षवर्धन चौहान ने 5 मार्च को कांग्रेस विधायक दल की मीटिंग बुलाई है। इसी दिन राज्यसभा सांसद प्रत्याशी को लेकर नामांकन भरा जाएगा।

सूत्र बताते हैं कि हिमाचल सीएम ने अंतिम निर्णय लेने का जिम्मा हाईकमान पर छोड़ दिया है। हालांकि, उन्होंने हाईकमान को हिमाचल कांग्रेस विधायक दल की राय से अवगत करवा दिया है। सूत्रों के अनुसार- प्रदेश कांग्रेस के अधिकांश विधायक चाहते हैं कि किसी हिमाचली नेता को ही राज्यसभा भेजा जाए।

यह बात सीएम ने हाईकमान को जरूर बताई है, क्योंकि फरवरी 2024 में भी बाहरी एवं सुप्रीम कोर्ट के सीनियर एडवोकेट अभिषेक मनु सिंघवी को प्रत्याशी बनाने की वजह से सत्तारूढ़ कांग्रेस पूर्ण बहुमत के बावजूद चुनाव हार गई थी।

विपक्षी पार्टी बीजेपी ने कांग्रेस द्वारा बाहरी व्यक्ति को प्रत्याशी बनाए जाने से पार्टी के भीतर पनपे असंतोष को भांपते हुए हर्ष महाजन को प्रत्याशी बनाया और राज्यसभा चुनाव जीत लिया। इससे सरकार पर भी संकट आ गया था।

दोबारा ऐसा न हो, इसी डर से सत्तारूढ़ कांग्रेस ने अब तक अपना प्रत्याशी अनाउंस नहीं किया। सूत्र बताते हैं कि कांग्रेस लास्ट मिनट स्ट्रैटजी के तहत नामांकन से कुछ घंटे पहले ही प्रत्याशी का ऐलान करेगी।

बता दें कि परसों यानी 5 मार्च को राज्यसभा के लिए नामांकन भरे जाने हैं। मगर प्रत्याशी पर अभी संशय बना हुआ है। 16 मार्च को राज्यसभा सांसद के लिए वोटिंग होनी है।

इसी दिन रिजल्ट आएगा। वहीं, मौजूदा सांसद इंदू गोस्वामी का छह साल का कार्यकाल 9 अप्रैल को पूरा हो रहा है।

चंद्र ग्रहण समाप्त

शुद्धिकरण के बाद मंदिर खुले

कोलकाता में आधा नजर आया चांद, उज्जैन के महाकालेश्वर मंदिर में भस्मारती के दौरान होली उत्सव

नई दिल्ली, 3 मार्च (एजेंसियां)। साल 2026 का पहला चंद्र ग्रहण समाप्त हो गया है। चंद्र ग्रहण मंगलवार (3 मार्च 2026) दोपहर 3.21 बजे शुरू हुआ और शाम 6.47 बजे तक रहा। भारत के पूर्वी हिस्से में चंद्र ग्रहण सबसे पहले दिखा। कोलकाता में पूर्णिमा का चांद ग्रहण के चलते आधा दिखाई दिया। ग्रहण समाप्त होने के बाद मंदिरों में भगवान को स्नान कराया गया। श्रृंगार और भोग आरती के बाद मंदिर खुल गए।

उज्जैन के श्री महाकालेश्वर मंदिर में मंगलवार सुबह भस्म आरती के दौरान होली उत्सव मनाया गया। महाकालेश्वर मंदिर में कपाट बंद नहीं किए जाएंगे।

भारत मौसम विज्ञान विभाग (IMD) के अनुसार, मंगलवार (3 मार्च 2026) को पूर्ण चंद्र ग्रहण था।भारत में चंद्रग्रहण सबसे अरुणाचल प्रदेश के तेजू नगर में दिखाई देगा, यहां चंद्रोदय शाम 5 बजकर 3 मिनट पर हुआ।

चंद्र ग्रहण पूरे एशिया, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, अंटार्कटिका, रूस, उत्तरी अमेरिका, दक्षिणी अमेरिका में दिखाई दिया।

इसके पहले ग्रहण का 'सूतक काल' सुबह शुरू हो गया था। देशभर के मंदिरों के पट सुबह मंगल आरती के बाद बंद कर दिए गए थे।

ईरान के सुप्रीम लीडर खामेनेई के प्रतिनिधि से मिले सहारनपुर सांसद इमरान मसूद

मोदी सरकार पर साधा निशाना

सहारनपुर, 3 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के सहारनपुर से कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान के मारे गए सुप्रीम लीडर अयातुल्ला सैय्यद अली खामेनेई के रिप्रेजेंटेटिव से मुलाकात की। डॉ. अब्दुल मजीद हकीम इलाही से मुलाकात के क्रम में सांसद ने ईरान के सुप्रीम लीडर के मारे जाने पर शोक संवेदना व्यक्त की। मुलाकात के बाद सांसद ने मोदी सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि ईरान को लेकर सरकार की ओर से एक शब्द नहीं कहा गया। ईरान ने किसी पर हमला नहीं किया। ईरान पर हमला हुआ है। ऐसे में भले ही हम निरपेक्ष दिखें, लेकिन पीड़ित पक्ष के संबंध में एक शब्द नहीं कहना आपको विश्वगुरु कैसे बनाएगा?

सांसद ने जताई संवेदना

कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने कहा कि किसी भी देश के हेड ऑफ़ स्टेट का जाना बहुत बुरा होता है। ईरान के साथ हमारे सदियों पुराने रिश्ते हैं। मैं अली खामेनेई की मौत, इस तरह से उनकी हत्या पर अपनी संवेदनाएं जाहिर करने आया था। मैं भारत में ईरानी सुप्रीम लीडर के प्रतिनिधि से मिला और अपनी संवेदनाएं जाहिर कीं। उन्होंने कहा कि अली खामेनई कहते थे, ईरान और हिंदुस्तान की दोस्ती 3000 साल पुरानी है।

अली खामेनेई से अपनी बातचीत का जिक्र करते हुए इमरान मसूद ने कहा कि उन्होंने पंडित जवाहरलाल नेहरू की किताब डिस्कवरी ऑफ इंडिया चार बार पढ़ी थी। वे कहते थे कि भारत को समझना है तो आप इस किताब को पढ़िए। उन्हें भारत के बारे में दूसरे कई पढ़े-लिखे और काबिल लोगों से ज्यादा जानकारी थी। इमरान मसूद ने कहा कि अली खामेनेई का गांधी जी और नेहरू से खास रिश्ता रहा। उनका उस आईडियोलॉजी के साथ विशेष रिश्ता रहा। ईरान का हमेशा यह रिश्ता इंसानियत के लिए रहा है। ईरान ने इस दिशा में काम भी किया। मोदी सरकार की ओर से ईरान हमले पर प्रतिक्रिया न आने को लेकर सांसद ने कहा कि यह बात हमें बहुत विचलित कर रही है। ईरान हमारा पारंपरिक मित्र रहा है। इस देश के साथ हमारी व्यापारिक साझेदारी बहुत ज्यादा है। हमारा तेल का लगभग 50 फीसदी आयात इस तरफ से ही होता है और इस रूट से होकर आता है। कांग्रेस सांसद ने कहा कि आज की स्थिति में जब आप यूएई से बात कर रहे हैं।

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन राज्यसभा जाएंगे

6 राज्यों से 9 उम्मीदवारों की पहली लिस्ट जारी, 37 सीटों पर 16 मार्च को चुनाव

नई दिल्ली, 3 मार्च (एजेंसियां)। भाजपा ने मंगलवार को राज्यसभा के लिए 9 उम्मीदवारों की पहली लिस्ट जारी की। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन बिहार से राज्यसभा जाएंगे। उनके अलावा लिस्ट में शिवेश कुमार का भी नाम है।

छत्तीसगढ़ से भाजपा ने लक्ष्मी वर्मा को उम्मीदवार बनाया है। असम से तेराश गोवाला, जोगेन मोहन, हरियाणा से संजय भाटिया, ओडिशा मनमोहन सामल, सुजीत कुमार और पश्चिम बंगाल से राहुल सिन्हा उम्मीदवार हैं।

10 राज्यों की 37 राज्यसभा सीटों पर 16 मार्च को चुनाव कराया जाएगा। 16 मार्च को सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे के बीच वोटिंग होगी और उसी दिन शाम 5 बजे वोटों की गिनती की जाएगी।

सदस्यों का कार्यकाल पूरा

ये सभी सीटें संबंधित सदस्यों के कार्यकाल पूरा होने के कारण रिक्त हो रही हैं।

राज्यसभा का कार्यकाल छह साल का होता है। जिन सदस्यों का कार्यकाल अप्रैल 2026 में समाप्त हो रहा है, उनकी सीटों पर ये चुनाव कराए जा रहे हैं। निर्वाचित सदस्यों का कार्यकाल उनके शपथ ग्रहण की तिथि से आगामी छह वर्षों, यानी 2032 तक रहेगा। संबंधित राज्यों की जिन सीटों पर मौजूदा सदस्यों का कार्यकाल समाप्त हो रहा है, वहीं ये सीटें रिक्त मानी जाएंगी।

37 सीटों के लिए 16 मार्च को चुनाव

चुनाव आयोग ने 18 फरवरी को 10 राज्यों की 37 राज्यसभा सीटों पर चुनाव की तारीखों का ऐलान किया था। 37 सीटों के लिए 16 मार्च को चुनाव होना है। जो सीटें खाली हो रही हैं, उनमें 12 एनडीए के पास हैं, 25 पर विपक्षका कब्जा है। सबसे ज्यादा महाराष्ट्र की 7, तमिलनाडु की 6 और पश्चिम बंगाल-बिहार की 5-5 सीटों पर चुनाव कराया जाना है। शरद पवार, रामदास अठावले, कणिमोझी, तिरुचि शिवा, राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश का कार्यकाल 2 अप्रैल को समाप्त हो रहा है।

16 मार्च को सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे के बीच वोटिंग होगी और उसी दिन शाम 5 बजे वोटों की गिनती की जाएगी।

ईरान में चल रहे तनाव के बीच

पैरेंट्स ने कहा– दुबई में रहने वाले बेटे को हर एक घंटे में वीडियो कॉल करते हैं

जमशेदपुर, 3 मार्च (एजेंसियां)। ईरान–इजरायल और अमेरिका के बीच जारी तनाव और युद्ध का असर अब जमशेदपुर तक महसूस किया जा रहा है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़ते संघर्ष के बीच शहर के उन परिवारों की चिंता बढ़ गई है, जिनके अपने लोग खाड़ी देशों में रहकर काम कर रहे हैं।

जमशेदपुर के कई परिवारों के सदस्य दुबई, कतर, सऊदी अरब जैसे देशों में रोजगार के सिलसिले में वर्षों से रह रहे हैं। इसी कड़ी में शहर के रहने वाले दिलीप दास का परिवार भी गहरी चिंता में है। उनके बेटे प्रतीक दास पिछले पांच वर्षों से दुबई में कार्यरत हैं।

दिलीप दास ने बताया कि जैसे ही ईरान, इज़रायल और अमेरिका के बीच तनाव बढ़ने और सैन्य कार्रवाई की खबरें सामने आईं, परिवार की चिंता और भी गहरा गई। दिलीप दास ने बताया कि

लगातार समाचार देखने और सोशल मीडिया पर आ रही सूचनाओं से घर के सभी सदस्य डरे और सहमे हुए हैं।

वे प्रतिदिन हर एक घंटे पर अपने बेटे से संपर्क कर उसकी कुशलक्षेम जान रहे हैं। हालांकि दुबई में फिलहाल स्थिति सामान्य बताई जा रही है, फिर भी क्षेत्रीय अस्थिरता के कारण लोगों में भय का माहौल बना हुआ है।

दिलीप दास ने बताया कि बेटा दुबई में वहां रहता है, जहां तीन दिनों पूर्व ब्लास्ट हुआ था। बेटा एक मल्टीनेशनल कंपनी में काम करता है और पांच साल से वहीं रह रहा है। हम लोगों को तो काफी डर लग रहा है। बच्चे की हमेशा चिंता लगी रहती है।

उन्होंने कहा- प्रतीक यहां आने के लिए फ्लाइट भी बुक कर चुका था पर सभी कैंसिल हो गई। जब माहौल सामान्य हो जाएगा तो वो फिर वापस आएगा। वीडियो कॉल पर हर एक घंटे में बात हो रही है। दिन भर टीवी पर हमलोगों वहां की स्थितियों को देखते हैं।

दिलीप दास कहते हैं इंडिया गवर्नमेंट से मांग करता हूं कि इंडिया के जितने लोग भी वहां फंसे हैं, सबको सकुशल वापस लाएं। वहीं, प्रतिक दास की मां प्रीति दास कहती हैं कि चिंता थोड़ा ज्यादा ही है। एक अच्छी बात है कि वहां इंटरनेट बंद नहीं हुआ। इससे बेटे से हर 1 घंटे में वीडियो कॉल पर बात हो जा रही है। फिलहाल बेटे के आने का इंतजार है।

सोने-चांदी के गहने ले उड़े चोर

घर में लगा था ताला, छत का दरवाजा तोड़ घुसे चोर, 2 .5 लाख के जेवरात किए गायब

कोडरमा, 3 मार्च (एजेंसियां)। कोडरमा जिले के तिलैया थाना क्षेत्र के आजाद मोहल्ला में बंद पड़े एक मकान को चोरों ने निशाना बनाते हुए लगभग ढाई लाख रुपए के सोने-चांदी के जेवरात चोरी कर लिए। घटना की जानकारी मिलते ही इलाके में हड़कंप मच गया।

मकान मालकिन सुशीला देवी 5 फरवरी को इलाज के लिए मुंबई गई हुई हैं। घर की चाबी उन्होंने पड़ोस में रहने वाली चंचला देवी को सौंप रखी थी, जो बीच-बीच में घर की देखरेख करती थीं।

घटना को लेकर चंचला देवी ने बताया कि वह 25 फरवरी को अंतिम बार घर देखने आई थीं। उस समय सभी कमरों में ताले लगे थे। जब वह दोबारा घर पहुंचीं और मुख्य दरवाजा खोलकर अंदर गईं तो छत पर बने कमरे के मुख्य दरवाजे का ताला टूटा हुआ मिला। कमरे के अंदर अलमारी खुली थी। सामान बिस्तर व जमीन पर बिखरा पड़ा था। स्थिति को देखते हुए उन्होंने तत्काल सुशीला देवी की बेटी सुनीता देवी को सूचना दी।

सूचना मिलते ही सुनीता देवी अपने पति के साथ झुमरी तिलैया स्थित घर पहुंचीं। जांच के दौरान अलमारी से सोने का एक हार और चांदी का एक हार गायब पाया गया। सुनीता देवी ने बताया कि चोरी हुए जेवरों की कुल कीमत करीब ढाई लाख रुपए आंकी गई है। उन्होंने कहा कि मां के घर लौटने के बाद ही अन्य सामान की कमी या नुकसान का सही आकलन हो सकेगा। घटना की लिखित सूचना तिलैया थाना में दे दी गई है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

इसी मोहल्ले में एक सप्ताह पहले भी चोरी की घटना हुई थी। उस समय मकान मालकिन सुमित्रा देवी अपने बेटे के पास औरंगाबाद (बिहार) गई हुई थीं। उनके घर से करीब पांच लाख रुपए के जेवरात चोरी हो गए थे।

उन्होंने बताया था कि चोर घर में लगे सीसीटीवी कैमरे और डीवीआर भी अपने साथ ले गए। मोबाइल में 15 फरवरी तक का आखिरी फुटेज दिख रहा है। उन्होंने भी तिलैया थाना में शिकायत दर्ज कराई है। लगातार हो रही चोरी की घटनाओं से मोहल्ले में दहशत का माहौल है।

किसी और से संबंध के शक में प्रेमिका की हत्या

प्रेमी ने खेत में बुलाकर साथियों संग किया गैंगरेप, हत्याकर शव फेंका, तीन आरोपी गिरफ्तार

पाकुड़, 3 मार्च (एजेंसियां)। पाकुड़ जिले के हिरणपुर थाना क्षेत्र में एक नाबालिग लड़की से गैंगरेप और हत्या के मामले में पुलिस ने कार्रवाई की है। पुलिस ने इस मामले में एक नाबालिग सहित तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

मुख्य आरोपी लड़की का प्रेमी है। उसे शक था कि लड़की का किसी और से भी संबंध है। इसी वजह से उसने अपने साथियों के साथ मिलकर लड़की के साथ गैंगरेप किया फिर उसकी हत्या कर दी।

थाना प्रभारी विनय कुमार ने बताया कि लड़की का शव 1 मार्च को हिरणपुर थाना क्षेत्र के मुर्गाडंगा से करीब 2 किलोमीटर दूर एक गेहूं के खेत से बरामद किया गया था। काफी छानबीन के बाद शव की पहचान हुई।

मृतका के भाई की लिखित शिकायत पर हिरणपुर थाना में कांड संख्या 12/26 दर्ज कर जांच शुरू की गई।

तकनीकी पहलुओं की जांच के बाद हत्या का मुख्य कारण प्रेम प्रसंग सामने आया।

पुलिस ने इस मामले में हिरणपुर थाना क्षेत्र के बिंझामार निवासी रफायल सोरेन, खजूरडंगा निवासी एल्गिन टुडू और एक नाबालिग को गिरफ्तार किया है। थाना प्रभारी विनय कुमार ने बताया कि आरोपी रफायल सोरेन का नाबालिग लड़की से पिछले एक साल से प्रेम प्रसंग चल रहा था। एक ही गोत्र के होने के कारण उनकी शादी संभव नहीं थी।

पानी टंकी में मिला ठेका कर्मी का शव

दो दिन पूर्व दोस्त के पिता के अंतिम संस्कार में गए थे वाराणसी, आक्रोशितों ने किया हाईवे जाम

बोकारो, 3 मार्च (एजेंसियां)। बोकारो के चास थाना क्षेत्र स्थित जोधामोड़ के पास मंगलवार को एक निर्माणाधीन अपार्टमेंट की पानी की टंकी से ठेका कर्मी संत कुमार का शव बरामद हुआ। संत कुमार पिछले दो दिनों से लापता थे। उनकी अचानक इस हालत में बरामदगी ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं और परिजनों में भारी आक्रोश है। परिजनों के अनुसार, संत कुमार अपने दोस्त मंतोष ठाकुर के पिता के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए वाराणसी गए थे। वहां पहुंचने के बाद उनका मोबाइल फोन बंद हो गया। जब परिवार ने उनके साथ गए लोगों से संपर्क करने की कोशिश की तो कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिला। अनहोनी की आशंका को लेकर परिजन थाने पहुंचे और गुमशुदगी की सूचना दी। इसी बीच मंगलवार को जोधामोड़ स्थित एक निर्माणाधीन अपार्टमेंट की पानी की टंकी से उनका शव मिलने की खबर आई, जिससे परिवार में कोहराम मच गया।

घटना की जानकारी मिलते ही आक्रोशित परिजनों और स्थानीय लोगों ने हत्या का आरोप लगाते हुए राष्ट्रीय राजमार्ग जाम कर दिया। प्रदर्शनकारियों ने दोषियों की गिरफ्तारी और निष्पक्ष जांच की मांग की।

जमशेदपुर के आदित्यपुर में हुआ गैंगवार

जेल विवाद की रंजिश सड़कों पर उतरी, 7 राउंड फायरिंग, एक गंभीर रूप से घायल

जमशेदपुर, 3 मार्च (एजेंसियां)। जमशेदपुर के आदित्यपुर मांझी टोला में वर्चस्व को लेकर सोमवार की रात गैंगवार हुआ। इसके बाद एक ग्रुप ने रांची होटवार जेल में बंद अपराधी कृष्णा गोप के शूटर आशीष दीप पर निशाना लगाते हुए सात राउंड फायरिंग की। बाइक से भागने के क्रम में एक गोली आशीष के दोस्त बाइक चालक राजवीर सिंह उर्फ लालू (22) को पीछे कमर के नीचे लगी।

घटना के बाद घायल राजवीर को उसके दोस्त बाइक से इलाज के लिए टीएमएच अस्पताल ले आए, जहां देर रात तक कमर के नीचे हिस्से में फंसी गोली को निकालने में डॉक्टरों की टीम जुटी हुई है।

फायरिंग करने का आरोप जेल

में बंद अपराधी संजय सरकार के बेटे शुभम सरकार और उसके साथियों पर लगाया है। सूचना के बाद आदित्यपुर थाना की पुलिस घटनास्थल पर पहुंची। घटनास्थल से तीन खोखा बरामद किया है।

पुलिस ने टीएमएच पहुंचकर राजवीर का बयान लिया। राजवीर सिंह आदित्यपुर सालडीह बस्ती में बाबू गोप हत्याकांड के आरोप में जेल गया था। राजवीर सोनारी में टिंकू साव हत्याकांड के आरोपी रोहित मिश्रा (अभी मृत) का साथी है।

रोहित मिश्रा की कुछ माह पूर्व सड़क दुर्घटना में चांडिल के पास मौत हो गई थी। वहीं आशीष दीप भी आदित्यपुर अशियाना में आकाश गोप हत्याकांड का आरोपी है। इसके अलावे आशीष पर अन्य कई मामले में भी दर्ज हैं।

जानकारी के मुताबिक आशीष और राजवीर अपने साथियों के साथ मांझी टोला में रोजान रात में अड्डाबाजी करता था। सोमवार की रात को आशीष राजवीर की बाइक के पीछे बैठकर घर की ओर जा रहा था। तभी दो-तीन बाइक व बोलेरो पर सवार होकर अलए युवकों ने सामने से घेर लिया।

इसके बाद ताबड़तोड़ फायरिंग की। जिसपर राजबीर बाइक मोड़कर भागने लगा। भागने के क्रम में राजवीर को पीछे कमर के नीचे गोली लग गई। वह फायरिंग की आवाज सुनकर बस्ती के लोगों के निकलने के बाद सर्भबदमाश वहां से भाग निकले।

होली से पहले अवैध विदेशी शराब फैक्ट्री का भंडाफोड़

मकान से 80 पेटी नकली शराब, स्पिरिट, बोतलें बरामद

जमशेदपुर, 3 मार्च (एजेंसियां)। होली के मद्देनजर उत्पाद विभाग की टीम ने सोमवार को एमजीएम थाना क्षेत्र में अवध डेंटल कॉलेज से सटे एक मकान पर छापेमारी कर अवैध विदेशी शराब की मिनी फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया। फैक्ट्री को छिपाने के लिए मकान की चहारदीवारी जानबूझकर ऊंची बनाई गई थी।

सहायक उत्पाद आयुक्त अरुण मिश्रा ने बताया कि मकान राजेश कुमार शर्मा का है। छापेमारी में स्पिरिट, तरल रंगयुक्त शराब, विभिन्न ब्रांडों की खाली बोतलें, भारी संख्या में ढक्कन, कार्क, लेबल, फ्लेवरिंग के लिए कैरामेल लीटर, प्लास्टिक ड्रम और 80 पेटी तैयार नकली विदेशी शराब मिली। मामले में संचालक की तलाश जारी है।

उत्पाद विभाग अवैध शराब के कारोबार का भंडाफोड़ कर रहा है, लेकिन संचालकों को गिरफ्तार करने में सफलता नहीं मिल पा रही।

अधिकांश मामलों में सामग्री तो बरामद हो जाती है, पर कारोबारी मौके से पहले ही फरार हो जाते हैं। छापेमारी की जानकारी पहले ही लीक हो जाती है, जिससे फैक्ट्री चलाने वाले सुरक्षित तरीके से निकल जाते हैं।

पिता का मर्डर कर बेटा बोला- 'बाय मिस्टेक' हो गया

सरगुजा, 3 मार्च (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के अंबिकापुर में बेटे ने कुल्हाड़ी से हमला कर पिता की हत्या कर दी। उसके बाद शव को पानी के टंकी में डाल दिया। 2 मार्च की रात मर्डर करने के बाद आरोपी घर पर बना बिरयानी खाया और कंबल ओढ़कर सो गया।

पड़ोसियों को भनक लगने पर पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने शव को टंकी से बाहर निकलवाया। आरोपी बेटे को गिरफ्तार कर लिया है। पूछताछ में उसने कहा कि, गुस्से में 'बाय मिस्टेक' हो गया। घटना मणिपुर थाना क्षेत्र की है। पुलिस के मुताबिक, पिता ने शराब पीने का विरोध किया था। गुस्से में आकर बेटे ने वारदात की।

जानकारी के मुताबिक, बहेरापारा निवासी पारस केरकेट्टा (50) अलग मकान में रहता था। उसके घर के पास ही किराए के मकान में उसका छोटा बेटा प्रभात केरकेट्टा उर्फ लेदा (25) रहता था। सोमवार (2 मार्च) रात प्रभात केरकेट्टा पिता के घर गया था। करीब 11 बजे प्रभात शराब के नशे में घर पहुंचा। इस पर पिता पारस केरकेट्टा ने उसे डांटते हुए नाराजगी जताई। दोनों के बीच विवाद बढ़ गया। भड़के प्रभात ने घर में रखी टांगी निकाल ली और पिता के सिर पर कई बार वार कर दिया। गंभीर चोट लगने से पारस की मौके पर ही मौत हो गई।

पिता की मौत के बाद आरोपी ने शव को घर के बगल में बनी छोटी पानी की टंकी में डाल दिया।

देश में कितने दिन का तेल बचा?

होर्मुज बंद होने के बाद कैसे चलेगा काम, अब तक क्या है

नई दिल्ली, 3 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिका और ईरान के बीच चल रहे ऑपरेशन एपिक फ्यूरी और मध्य पूर्व में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव ने वैश्विक ऊर्जा बाजार में अनिश्चितता पैदा कर दी है। दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा तेल आयातक भारत, अपनी कच्चे तेल की जरूरतों का लगभग 88% हिस्सा आयात करता है, जिसमें से 50% से अधिक की आपूर्ति मध्य पूर्व के देशों से होती है। ऐसे में यह सवाल उठना लाजमी है कि अगर इस युद्ध के कारण वैश्विक सप्लाई चेन बाधित होती है, तो भारत की अर्थव्यवस्था और आम जनता पर इसका क्या असर पड़ेगा। जानिए भारत की ऊर्जा सुरक्षा, कच्चे तेल के भंडार और सरकार की तैयारियों से जुड़े अहम सवालों के जवाब।

युद्ध की स्थिति में भारत के पास अभी कितने दिन का तेल और गैस भंडार मौजूद है?

ताजा सरकारी सूत्रों के अनुसार, भारत के पास इस समय कच्चे तेल और रिफाइंड उत्पादों (जैसे पेट्रोल-डीजल) का 25 से 45 दिनों का स्टॉक मौजूद है। इसके अलावा, देश में एलपीजी का भी 25 से 30 दिनों का सुरक्षित भंडार है। डेटा एनालिटिक्स फर्म 'केप्लर' के मुताबिक, अगर वाणिज्यिक इन्वेंट्री, अंडरग्राउंड स्ट्रैटेजिक पेट्रोलियम रिजर्व और समुद्र में भारत की ओर आ रहे जहाजों के तेल को मिला लें, तो भारत का स्टॉक करीब 100 मिलियन बैरल है, जो 40 से 45 दिनों की जरूरत पूरी कर सकता है। केप्लर में रिफाइनिंग और मॉडलिंग के प्रमुख अनुसंधान विश्लेषक सुमित रिटोलिया ने कहा कि यदि मध्य पूर्व से कच्चे तेल की आपूर्ति अस्थायी रूप से पूरी तरह से बंद हो जाती है, तो इसका तत्काल प्रभाव रसद और कीमतों पर पड़ेगा, और यदि होर्मुज जलडमरूमध्य से आवागमन लंबे समय तक बाधित रहता है तो आपूर्ति जोखिम और भी बढ़ जाएंगे। होर्मुज जलडमरूमध्य के बंद होने से शुरुआत में तत्काल माल ढुलाई प्रभावित होगी। रिटोलिया ने कहा, हालांकि, शोधक कंपनियां आमतौर पर वाणिज्यिक भंडार बनाए रखती हैं, और जलमार्ग पर मौजूद माल आता रहेगा, जिससे सिस्टम को कुछ समय के लिए राहत मिलेगी। उन्होंने आगे कहा कि लंबे समय तक व्यवधान की स्थिति में, आयात लागत में वृद्धि, माल ढुलाई के जोखिम और लंबी दूरी पर आपूर्ति को पुनर्निर्देशित करने की आवश्यकता के कारण मध्यम अवधि का दबाव बढ़ेगा। वहीं, पिछले महीने पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने जानकारी दी थी कि देश के पास मांग को पूरा करने के लिए कुल 74 दिनों का स्टॉक उपलब्ध है। सरकार ने जनता से अपील की है कि घबराने या तेल जमा करने की कोई आवश्यकता नहीं है।

'होर्मुज जलडमरूमध्य' बंद होने पर क्या होगा?

होर्मुज जलडमरूमध्य वैश्विक ऊर्जा का एक बेहद अहम मार्ग है; भारत का लगभग आधा कच्चा तेल और कतर से आने वाला मुख्य एलएनजी आयात इसी संकरे रास्ते से होता है। अगर यह मार्ग बंद होता है, तो तात्कालिक असर सप्लाई से ज्यादा कीमतों पर पड़ेगा, क्योंकि वैश्विक बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड पहले ही 80 डॉलर प्रति बैरल के पार जा चुका है। सरकारी सूत्रों ने स्पष्ट किया है कि भारत का 40% तेल इसी रास्ते से आता है, जबकि 60% अन्य मार्गों से आता है। आपात स्थिति में व्यापार के लिए 'केप ऑफ गुड होप' जैसे वैकल्पिक समुद्री मार्गों का इस्तेमाल किया जा सकता है।

तेल संकट के मामले में क्या चीन के मुकाबले भारत ज्यादा संवेदनशील है?

जी हां। विशेषज्ञों के अनुसार, चीन के पास कम से कम छह महीने का कच्चा तेल रिजर्व मौजूद है। चीन की तुलना में भारत की रणनीतिक और वाणिज्यिक तेल भंडारण क्षमता काफी कम है। इसका मतलब है कि अगर मध्य पूर्व में लंबे समय तक सप्लाई बाधित रहती है, तो भारत को चीन के मुकाबले कहीं अधिक आर्थिक और लॉजिस्टिक दबाव झेलना पड़ेगा।नए सप्लायर्स की तलाशः पेट्रोलियम मंत्रालय मध्य पूर्व में संभावित कमी को पूरा करने के लिए पश्चिम अफ्रीका, लैटिन अमेरिका और अमेरिका से आयात बढ़ाने के विकल्पों पर विचार कर रहा है।

एचएएल रूस के साथ करेगा 5083 करोड़ रुपये का करार

भारतीय समुद्री सुरक्षा को मिलेगी नई ताकत

नई दिल्ली, 3 मार्च (एजेंसियां)। भारतीय रक्षा क्षेत्र और स्वदेशी मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा देने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए, रक्षा मंत्रालय ने मंगलवार को 5,083 करोड़ रुपये के महत्वपूर्ण अनुबंधों पर मुहर लगा दी है। यह सौदा मुख्य रूप से छह उन्नत हल्के हेलीकॉप्टर और सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलों की खरीद से जुड़ा है। समुद्री सुरक्षा और सैन्य आधुनिकीकरण के लिहाज से यह कदम बेहद अहम माना जा रहा है।

एआई के साथ 2,901 करोड़ रुपये की डील और कॉरपोरेट इम्पैक्ट

भारतीय एयरोस्पेस क्षेत्र की प्रमुख सरकारी कंपनी हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड के लिए यह करार एक बड़ा बिजनेस बूस्ट है। रक्षा मंत्रालय ने एचएएल के साथ 2,901 करोड़ रुपये के अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं। इस बजट के तहत तटरक्षक बल के लिए समुद्री भूमिका वाले एएलएच एमके-III हेलीकॉप्टर खरीदे जा रहे हैं। इस डील में हेलीकॉप्टरों के साथ-साथ ऑपरेशनल उपकरण, एक इंजीनियरिंग सपोर्ट पैकेज और प्रदर्शन-आधारित लॉजिस्टिक्स सपोर्ट भी शामिल किया गया है।तटरक्षक बल के लिए खरीदे जा रहे ये एएलएच एमके-II और एमके-III ट्विन-इंजन हेलीकॉप्टर अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस हैं। यह वर्तमान में संचालित हवाई प्लेटफॉर्मों की तुलना में काफी बेहतर हैं और समुद्र के साथ-साथ तटीय हवाई पट्टियों से भी उड़ान भरने में पूरी तरह सक्षम हैं। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, इन हेलीकॉप्टरों के बेड़े में शामिल होने से कृत्रिम द्वीपों और अपतटीय प्रतिष्ठानों की सुरक्षा क्षमता में भारी इजाफा होगा। इसके अलावा, यह समुद्री पर्यावरण की रक्षा और मछुआरों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण समुद्री मिशनों को पूरा करने में भी कारगर साबित होंगे।

रूस के साथ 2,182 करोड़ रुपये का मिसाइल करार

इस रक्षा पैकेज का दूसरा बड़ा हिस्सा भारतीय नौसेना के युद्धपोतों की सुरक्षा से जुड़ा है। रक्षा मंत्रालय ने सतह से हवा में मार करने वाली 'शिटल' मिसाइलों और उनसे जुड़े मिसाइल होल्डिंग फ्रेम की खरीद के लिए रूस की कंपनी 'जेएससी रोसोबोरोनएक्सपोर्ट' के साथ 2,182 करोड़ रुपये का करार किया है। ये 'वर्टिकल लॉन्च' मिसाइलें भारतीय नौसेना के युद्धपोतों पर तैनात की जाएंगी। मंत्रालय के बयान के मुताबिक, इस खरीद का मुख्य उद्देश्य हवाई खतरों की एक विस्तृत श्रृंखला के खिलाफ युद्धपोतों की हवाई रक्षा क्षमताओं को काफी हद तक बढ़ाना है। यह प्रणाली तेजी से प्रतिक्रिया देने और हर मौसम में काम करने की क्षमता रखती है, जिससे तनावपूर्ण समुद्री वातावरण में युद्धपोतों की सुरक्षा और उत्तरजीविता मजबूत होगी। यह 5,083 करोड़ रुपये का रणनीतिक निवेश एक तरफ जहां एचएएल जैसी स्वदेशी कंपनियों को वित्तीय मजबूती दे रहा है, वहीं दूसरी ओर यह अंतरराष्ट्रीय रक्षा कूटनीति का भी एक अहम हिस्सा है।

खाड़ी देशों में फंसे हैं तो ट्रेवल इंश्योरेंस क्लेम कर सकते हैं? क्या कहते हैं एक्सपर्ट्स की राय

नई दिल्ली, 3मार्च(एजेंसियां)। अमेरिका/इजरायल और ईरान के बीच चल रही जंग के कारण कई खाड़ी देशों ने अपना एयरस्पेस बंद कर रखा है। इस कारण हजारों फ्लाइट्स कैंसिल हो चुकी हैं और यात्रियों को भारी परेशानी हो रही है। अभी यह साफ नहीं है कि हालात कब सामान्य होंगे। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का कहना है कि यह लड़ाई कम से कम चार हफ्ते चल सकती है। सवाल यह है कि क्या आपकी ट्रेवल इंश्योरेंस कंपनी इसके लिए भुगतान करेगी? हालांकि डोमेस्टिक ट्रेवल इंश्योरेंस अनिवार्य नहीं है लेकिन ज्यादातर इंटरनेशनल डेस्टिनेशंस के लिए ट्रेवलर्स के पास वेलिड इंश्योरेंस होना जरूरी है। इसलिए विदेश जाने वाले ज्यादातर लोगों के पास इंश्योरेंस होता है। लेकिन आप क्लेम कर सकते हैं या नहीं, यह दो चीजों पर निर्भर करता है। पहला है फ्लाइट बाधित होने का कारण और दूसरी पॉलिसी खरीदने का समय।Probus में हेल्थ एंड लाइफ इंश्योरेंस की हेड सरिता जोशी ने कहा, 'अधिकांश स्टैंडर्ड ट्रेवल इंश्योरेंस पॉलिसीज में कवरेज फ्लाइट बाधित होने के कारण पर निर्भर करता है। अगर कोई यात्री अचानक एयरस्पेस बंद होने के कारण दुबई, ईरान, कतर या पश्चिम एशिया के दूसरे देशों में फंसा है तो ट्रिप डिले, ट्रिप इंटररप्शन या मिस्ड कनेक्शन बेनेफिट्स के तहत क्लेम स्वीकार किया जा सकता है। लेकिन इसमें शर्त यह है कि पॉलिसी इवेंट से पहले खरीदी होनी चाहिए।

दो दिन में 11 लाख करोड़ स्वाहा!

आगे कैसी रहेगी बाजार की चाल, क्या कह रह एक्सपर्ट्स?

नई दिल्ली, 3 मार्च (एजेंसियां)। घरेलू शेयर बाजार में हाल में काफी गिरावट आई है। पिछले दो सेशन में सेंसेक्स और निफ्टी में 2.5 फीसदी से ज्यादा गिरावट आई। इस दौरान निवेशकों को करीब 11 लाख करोड़ रुपये की चपत लगी है। जानकारों का कहना है कि निकट भविष्य में शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव जारी रह सकता है। इसकी वजह यह है कि ईरान और अमेरिका/इजरायल के बीच युद्ध फिलहाल थमने की उम्मीद नहीं है। हालांकि लॉन्ग टर्म में भारतीय बाजार का आउटलुक स्ट्रॉन्ग बना हुआ है। सोमवार को सेंसेक्स में 1,000 अंक से अधिक गिरावट आई जबकि निफ्टी 300 अंक लुढ़क गया। आनंद राठी शेयर एंड स्टॉक ब्रोकर में एसोसिएट डायरेक्टर तन्वी कंचन का कहना है कि बाजार में शॉर्ट टर्म में काफी उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है। सोमवार को भारत वीआईएक्स इंडेक्स 25 फीसदी से ज्यादा उछलकर 17.13 पर पहुंच गया। यह शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव की संभावना दिखाता है। लेकिन ऐतिहासिक आंकड़े देखें तो बड़ी गिरावट से लॉन्ग टर्म में भारत को ज्यादा नुकसान नहीं हुआ है।तन्वी कंचन ने कहा कि भारत की डोमेस्टिक मैक्रो स्टोरी मजबूत बनी हुई है। जनवरी में नेट जीएसटी कलेक्शन 1.71 लाख करोड़ रुपये रहा और फाइनेंशियल ईयर 2027 में अर्निंग में रिकवरी की उम्मीद है। साथ ही सरकारी बैंकों और मेटल कंपनियों के तिमाही नतीजे मजबूत रहने का अनुमान है। पीएल कैपिटल में हेड एडवाइजरी विक्रम कसाट ने कहा कि नियर टर्म हेडविंड्स के बाजवूद घरेलू मैक्रो मजबूत बने हुए हैं। श्रीराम वेल्थ के सीओओ और हेड ऑफ प्रोडक्ट नवल कगलवाला ने कहा कि पश्चिम एशिया के इवेंट से बाजार में गिरावट आई है। पहले भी कई बार ऐसा हो चुका है लेकिन देखा गया है कि इस तरह की गिरावट शॉर्ट टर्म होती है और इसके बाद बाजार में स्थिरता आती है।

अगर और गिरावट आती है तो इससे वैल्यूएशन व्यावहारिक होगी। खास बात यह है कि इस इवेंट का भारत से कोई लेना-देना नहीं है। लेकिन तेल की कीमत और एक्सपोर्ट-इम्पोर्ट से जुड़े सेगमेंट्स में इसका असर दिख सकता है।कागलवाला ने कहा कि पश्चिम एशिया के संकट का भारतीय बाजार के लिए सकारात्मक प्रभाव हो सकता है।

दैनिक पंचांग

श्री सिद्धार्थी (विश्वावसु) नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2082
शक संवत् -1947, सूर्य उत्तरायणे /दक्षिण , ऋतु- बसंत
महावीर निर्वाण संवत् -2551 सूर्योदय 06-38
कलियुग अवधि - 432000 सूर्यास्त. 18 -19
भोग्य कलि वर्ष. - 426874
कलियुग संवत् - 5126 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - 1972949126
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् - 1955885126
दिशाशूल - उत्तर - धनिया खाकर घर से निकले
मास - चैत्र कृष्ण पक्ष बुधवार 04 March 2026
तिथि - प्रतिपदा 16-49 तक उपरान्त द्वितीया
नक्षत्र - पूर्वाफाल्गुनी 07-39 तक उप उ.फाल्गुनी
योग - धृति 08-52 तक उप. शूल
करण - कौलव 16-49 तक. तैतिल

गृह स्थिति		
सुर्य	कुंभ	मे
चंद्र	सिंह	मे
मंगल	कुंभ	मे
बुध	मीन	मे
गुरु	मिथुन	मे
शुक्र	कुंभ	मे
शनि	मीन	मे
राहु	कुंभ	मे
केतु	सिंह	मे

लग्नारंभ समय		
कुंभ....	05-32	बजे
मीन....	07-10	बजे
मेष.....	08-46	बजे
वृष....	10-31	बजे
मिथुन..	12-32	बजे
कर्क...	14-44	बजे
सिंह---	16-56	बजे
कन्या--	19-03	बजे
तुला----	21-08	बजे
वृश्चिक..	23-18	बजे
धनु.....	01-32	बजे
मकर...	03-37	बजे

विशेषः- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए।

राहुकाल 12-28 से 13-57 तक

पं. महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघड़िया		
लाभ	06-38 - 08-02	शुभ
अमृत	08-02 - 09-31	शुभ
काल	09-31 - 10-59	अशुभ
शुभ	10-59 - 12-28	शुभ
रोग	12-28 - 13-57	अशुभ
उत्पात	13-57 - 15-25	अशुभ
चंचल	15-25 - 16-54	शुभ
लाभ	16-54 - 18-19	शुभ

रात का चौघड़िया		
उत्पात	18-19 - 19-54	अशुभ
शुभ.	19-54 - 21-25	शुभ
अमृत	21-25 - 22-56	शुभ
चंचल	22-56 - 00-28	शुभ
रोग	00-28 - 01-59	अशुभ
काल	01-59 - 03-30	अशुभ
लाभ	03-30 - 05-02	शुभ
उत्पात	05-02 - 06-43	अशुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,
आपका आत्मविश्वास और रचनात्मकता काम में आपकी प्रगति में सहायक है। कार्यों को सुचारू रूप से पूरा करने के लिए अपने समय पर भरोसा रखें, लेकिन कम ऊर्जा या आत्म-संदेह पर नज़र रखें। अपने स्वास्थ्य को प्राथमिकता दें और चुनौतियों का सामना करने के तरीके के बारे में सावधान रहें।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
आप सफलतापूर्वक आगे बढ़ रहे हैं, लेकिन आपकी प्रगति रुक सकती है। अगर आपने किसी भी गैजेट या कुछ रचनात्मक वस्तु का उत्पादन किया है, तो उसे जल्द से जल्द उस पर क़ानूनी एकाधिकार करवा ले। लोग ये साबित करने की कोशिश कर सकते हैं की ये वस्तु उन्ही की है।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,
आज सितारे उन लोगों के पक्ष में है जो की अचल संपत्ति में या निर्माण व्यवसाय में हैं। यह संपत्ति खरीदने के लिए एक अच्छा समय है। आज एक लघु एवं अच्छे सौदे का अवसर आपको घर की खरीद में मिल सकता है। इस क्षेत्र में किया गया निवेश अब आपको फल देगा। अच्छे परिणाम के लिए आप आज अचल संपत्ति में निवेश शुरू कर सकते हैं।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
आपकी प्रेरणा प्रबल है, जो आपको पेशेवर रूप से अलग पहचान दिलाने में मदद करती है। सहयोग में संतुलन बनाए रखें और अपने व्यावहारिक निर्णय पर भरोसा रखें। कुछ उलझनें आपके ध्यान को भंग कर सकती हैं, लेकिन जागरूकता आपको स्थिर रखेगी। आप शक्तिशाली नेतृत्व करने में सक्षम हैं।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
आपका करियर चमकने वाला है, काम पर आपकी अंतर्ज्ञान और भावनात्मक बुद्धिमत्ता को बढ़ावा मिलेगा। आप आत्मविश्वास में वृद्धि का अनुभव करेंगे, जिससे आप साहसिक कदम उठा सकेंगे। मान्यता और उपलब्धि की अपेक्षा करें। लक्ष्यों पर ध्यान केंद्रित करें, सफल परिणाम सुनिश्चित करें। व्यावसायिक सफलता और शैक्षणिक प्रगति के लिए अपनी प्रवृत्ति पर भरोसा करें।

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
आप अपने परिवार के हित और अपने व्यावसायिक हित के बीच अपने आप को फंसा हुआ पाएंगे। अपने परिवार के कल्याण को चुने और थोड़ी देर के लिए अन्य बातों को बस्ते में डाल दे। आपका वित्तीय भाग्य बहुत मजबूत है। आप आज बोली भी लगा सकते हैं और उसमे जीतने की संभावना काफी प्रबल है।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
आज के दिन विधार्थियो , युवा बेरोजगारो और स्वनियोजित व्यवसायियों के लिए काफी करियर अवसर आयेंगे। आप एक ऐसी परियोजना के भागीदार बन सकते है जिससे आपके करियर की दिशा परिवर्तित हो सकती है और काफी समय से आपको इसकी तलाश भी थी। आपको इस अवसर का उपयोग काफी समझ के साथ करना है।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,
आपके करियर और पढ़ाई में भावनात्मक तीव्रता हो सकती है, जिससे आपके काम पर अधिक ध्यान और व्यक्तिगत निवेश होगा। आपकी कलात्मक प्रतिभा में निखार आएगा, जिससे आपकी परियोजनाओं में रचनात्मक बढ़त मिलेगी। आपके पास भावनात्मक संघर्षों पर काबू पाने का एक अनूठा अवसर भी होगा।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे
कुछ बड़ी चीजे आपके कार्य क्षेत्र में आपका इंतजार कर रही है। आपको कुछ समय से अपने कार्य के प्रति प्रशंसा नहीं मिल रही थी ,ये पूरी तरह से आज गायब हो जाएगा और आपको उच्च वेतन और अधिक भत्तों के साथ एक दूसरी जगह नौकरी मिल सकती है जो आपकी सोच से परे थी , हालांकि इस नौकरी के लिए आपका स्थानांतरण हो सकता है।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
शोध विधार्थियों को आज के दिन शुभ सन्देश मिल सकता है। जो विद्यार्थी आज के दिन प्रतियोगिता परीक्षा में भाग ले रहे है वे भी अपनी आशा से ज्यादा अछी परीक्षा देंगे परन्तु समय के अनुसार निर्णय और काम करना काफी महत्वपूर्ण होगा। इन घटनाओं से आपको जो अवसर मिल रहे है आपको शीघ्र अतिशीघ्र इनका उपयोग करना होगा अन्यथा अवसर हाथ से निकल सकता है।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,
आज नेतृत्व स्वाभाविक लगता है, लेकिन सटीकता सफलता की कुंजी है। कार्यस्थल पर सामंजस्य चुनौतियों का सामना कर सकता है, खासकर शैली या राय में मतभेदों के कारण। अनकही अंतर्दृष्टि आपके पेशेवर मार्ग का मार्गदर्शन कर सकती है, जो अप्रत्याशित दिशा प्रदान करती है।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
आज आप महत्वाकांक्षा और भावनाओं के बीच खींचतान महसूस कर सकते हैं। संघर्ष या टकराव आपके सामान्य दृष्टिकोण को चुनौती दे सकते हैं, लेकिन नए विचार सफलता दिला सकते हैं। आत्म-जागरूकता पर ध्यान केंद्रित करें और पेशेवर तनावों को विकास के अवसरों में बदलें।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

ईरान-इजरायल युद्ध की तपिश भारतीय बासमती चावल तक पहुंची, समंदर में ही अटके लाखों टन का कंशाइनमेंट

नई दिल्ली,3 मार्च(एजेंसियां)। ईरान-इजरायल युद्ध की वजह से पश्चिम एशियाई देश पूरी तरह से झुलस रहे हैं। होर्मुज जलडमरूमध्य के बंद होने से खाड़ी के अधिकतर देशों में पानी के जहाजों का आवागमन अवरूद्ध हो गया है। इस वजह से भारत समेत दुनिया के अधिकतर देशों में क्रूड ऑयल और नेचुरल गैस की आपूर्ति तो रुक ही गई है। खाड़ी देशों को भारत से होने वाला चावल का निर्यात भी ठहर गया है।

करीब छह लाख टन चावल समंदर में

ऑल इंडिया राइस एक्सपोर्टर्स एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष विजय सेतिया बताते हैं कि भारत से खाड़ी देशों को भेजा जाने वाला चावल का ट्रांजिट समय करीब 40 दिनों का है। इनमें भारतीय बंदरगाह पर लगने वाला समय, जहाजों पर रहने का समय और डेस्टिनेशन कंट्री के बंदरगाह पर लगने वाला समय शामिल है। अभी तो चावल

का एक्सपोर्ट रुक गया है, लेकिन इससे पहले भेजा गया करीब छह लाख बासमती चावल बंदरगाह में, समंदर में या डेस्टिनेशन कंट्री के बंदरगाहों पर अटके हैं।

निर्यातकों के फंसे हजारों करोड़ रुपये

सेतिया ने बताया कि इस समय विभिन्न बंदरगाहों और समंदर में जो भारतीय बासमती चावल के कंशाइनमेंट अटके हैं, उसका वैल्यू पांच से छह हजार करोड़ रुपये है। निर्यातकों का जब इतना ज्यादा माल अटक गया है तो उन्होंने नए कंशाइनमेंट भेजने के लिए बैगिंग या पैकिंग का काम पूरी तरह से रोक दिया है। जब हालात सुधरेंगे, तब यह काम फिर से शुरू होगा।

70% निर्यात खाड़ी देशों को

भारत से हर साल करीब 60 लाख टन बासमती चावल का निर्यात होता है। इसमें से करीब 70 फीसदी निर्यात खाड़ी देशों को होता है। मतलब कि साल में करीब 45 लाख टन बासमती चावल हम खाड़ी देशों को ही बेचते हैं। इसमें से छह से सात लाख टन बासमती चावल का निर्यात तो ईरान को होता रहा है। ईरान को बासमती निर्यात का रिकॉर्ड 14 लाख टन का है। अब जबकि वहां युद्ध छिड़ गया है तो खाड़ी देशों को होने वाला निर्यात का क्या होगा, आप समझ सकते हैं।

पिछले साल 60 लाख टन का निर्यात

ऑल इंडिया राइस एक्सपोर्टर्स एसोसिएशन के अनुसार वित्त वर्ष 2024-25 में भारत से कुल 60.65 लाख टन बासमती चावल का निर्यात किया गया। रुपये में इसकी वैल्यू 50,312 करोड़ रुपये और डॉलर में 5.94 अरब डॉलर थी। भारत में 2024-25 में कुल 15.01 करोड़ टन चावल का उत्पादन हुआ था। बासमती चावल का उत्पादन 70 से 75 लाख टन का था। चालू वित्त वर्ष के दौरान अप्रैल से दिसंबर तक ही खाड़ी देशों को 32 लाख टन से ज्यादा बासमती चावल का निर्यात किया जा चुका है।

घटेंगे चावल के दाम?

विजय सेतिया का कहना है कि यदि युद्ध लंबा खिंचता है उसका असर जल्दी ही भारत में बासमती चावल की कीमतों पर भी दिख सकता है। इसके दाम गिर सकते हैं। फिलहाल तो निर्यातकों ने पैकिंग को रोक दिया है। वे वेट एंड वॉच की स्थिति में हैं।

अदाणी ग्रुप की 100 अरब डॉलर की एआई डेटा सेंटर योजना भारत के लिए साबित हो सकती है गेमचेंजर

नई दिल्ली,3 मार्च(एजेंसियां)। अदाणी ग्रुप की 100 अरब डॉलर की महत्वाकांक्षी योजना, जिसके तहत 2035 तक नवीकरणीय ऊर्जा से संचालित और एआई-तैयार हाइपरस्केल डेटा सेंटर बनाए जाएंगे, वैश्विक एआई अर्थव्यवस्था में भारत की भूमिका को नया आकार दे सकती है। यह बात कार्बन क्रेडिट्स डॉट कॉम नामक न्यूज पोर्टल में प्रकाशित एक लेख में कही गई है। लेख में कहा गया है कि सबसे पहले इस निवेश का पैमाना ध्यान आकर्षित करता है। अदाणी का सीधा 100 अरब डॉलर का निवेश सर्वर मैन्युफैक्चरिंग, उन्नत विद्युत प्रणालियों, संप्रभु क्लाउड प्लेटफॉर्म और अन्य संबंधित उद्योगों में अतिरिक्त 150 अरब डॉलर के निवेश को प्रेरित कर सकता है। इससे अगले दशक में भारत में 250 अरब डॉलर का एआई इंफ्रास्ट्रक्चर इकोसिस्टम विकसित हो सकता है।अदाणी समूह अपनी मौजूदा 2 गीगावाट क्षमता को बढ़ाकर 5 गीगावाट तक ले जाने की योजना बना रहा है। इससे भारत दुनिया के सबसे बड़े एकीकृत नवीकरणीय ऊर्जा संचालित एआई डेटा सेंटर प्लेटफॉर्म में से एक बन सकता है।लेख में यह भी बताया गया है कि अदाणी ग्रुप ने कई रणनीतिक साझेदारियां की हैं। इसमें अमेरिकी टेक दिग्गज गूगल के साथ विशाखापट्टनम में गीगावाट स्तर का एआई डेटा सेंटर कैंपस बनाना शामिल है। साथ ही माइक्रोसॉफ्ट के साथ हैदराबाद और पुणे में बड़े कैंपस विकसित करने की योजना है। इसके अलावा कंपनी फ्लिपकार्ट के साथ उच्च प्रदर्शन वाले डिजिटल कॉमर्स और बड़े एआई वर्कलोड के लिए एक और एआई-केंद्रित सुविधा विकसित करने पर बातचीत कर रही है।लेख में कहा गया है कि पारंपरिक डेटा सेंटर परियोजनाओं के विपरीत, यह 5 गीगावाट परियोजना नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन, ट्रांसमिशन नेटवर्क, ऊर्जा भंडारण और हाइपरस्केल एआई कंप्यूटिंग को एक समन्वित ढांचे में जोड़ती है। इससे ऊर्जा बैकअप और कंप्यूटिंग क्षमता का विस्तार साथ-साथ होगा। लेख के अनुसार, यह इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि एआई वर्कलोड तेजी से अधिक ऊर्जा खपत करने लगे हैं।

चीनी उत्पादन 12.43 फीसदी बढ़ा

आईआईएम मुंबई का रुतबा बढ़ा, घरेलू पैकेज सालाना 71.4 लाख तक पहुंचा

नई दिल्ली, 3 मार्च (एजेंसियां)। चीनी उत्पादन अक्तूबर में शुरू हुए चालू विपणन सूत्र में फरवरी/तक 12.43 फीसदी बढ़कर 2.47 करोड़ पहुंच गया।

महाराष्ट्र और कर्नाटक से अधिक उत्पादन से बढ़ोतरी दर्ज की गई है। विपणन वर्ष 2024-25 की सेसान अवधि में यह 2.2 करोड़ टन रहा थोर ₹भारतीय चीनी एवं जैव-ईंधन विनिमौष्य संघ (इस्मा) ने कहा, देश के फ्रीर्ष चीनी उत्पादक राज्य महोष्ट्र में उत्पादन चालू विपण वर्ष में फरवरी तक 75 लाख टेम से बढ़कर 95.3 लाख टन हो गया। दूसरे सबसे बड़े उत्पादक राज्य उत्तर प्रदेश में उत्पादन 73 लाख टन से मामूली बढ़कर 74.8 लाख टन हो गया। कर्नाटक का उत्पादन 38.2 लाख टन से बढ़कर 44.5 लाख टन हो गया। मौजूदा समय में कुल 305 कारखाने चालू हैं, जबकि पिछले साल की समान अवधि में 330 मिलें चल रही थीं। इस्मा ने कहा, दक्षिण कर्नाटक में कुछ मिलों के जून/जुलाई से सितंबर, 2026 तक विशेष सत्र के दौरान परिचालन फिर से शुरू करने की उम्मीद है। उद्योग न्यूनतम बिक्री मूल्य में जल्द बढ़ोतरी का इंतजार कर रहा है। महाराष्ट्र में 15 फरवरी तक बकाया 4,601 करोड़ रुपये था, जो पिछले साल की समान अवधि के 2,744 करोड़ रुपये से अधिक है।

भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) मुंबई ने अपने 2024-2026 बैच के प्लेसमेंट के परिणामों की घोषणा कर दी है। इसमें अधिकतम घरेलू वेतन पैकेज सालाना 71.4 लाख रुपये तक पहुंच गया। वहीं, बीएफएसआई क्षेत्र में पिछले वर्ष की तुलना में नियुक्तियों में 33 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई, जो इस सत्र की सबसे अधिक क्षेत्रीय वृद्धि है। संस्थान के मुताबिक, बैच के शीर्ष 10 फीसदी छात्रों को औसतन 47.5 लाख रुपये सालाना का पैकेज मिला, जबकि शीर्ष 20 फीसदी के लिए यह औसत 41.4 लाख रुपये और शीर्ष 50% के लिए 34.5 लाख रुपये रहा। स्नातकों को बैंकिंग, वित्तीय सेवा और बीमा (बीएफएसआई), परामर्श, एफएमसीजी, सामान्य प्रबंधन, सूचना प्रौद्योगिकी, विनिर्माण, परिचालन, लॉजिस्टिक, दवा और स्वास्थ्य सेवा तथा उत्पाद प्रबंधन जैसे विविध क्षेत्रों में नियुक्तियां मिली हैं।

मेडिकल कॉलेज में अध्यक्ष ने ही कर दिया छात्रवृत्ति घोटाला, छात्रों की राशि में 33 करोड़ की हेराफेरी

कलबुर्गी , 3 मार्च (एजेंसियां)। कर्नाटक के महादेवप्पा रामपुरे मेडिकल कॉलेज, कलबुर्गी (एमआरएमसी) में छात्रवृत्ति घोटाला, किसी दूसरे व्यक्ति ने नहीं, बल्कि खुद संस्थान के अध्यक्ष ने ही अंजाम दिया था। बैंक में जमा छात्रों के वजीफे की राशि में से 33 करोड़ रुपये की हेराफेरी कर दी। बाद में अध्यक्ष ने अपने बेट राजकुमार बिलगुंडी और संतोष बिलगुंडी के नाम पर अचल संपत्तियां खरीद ली। अब इस मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), मंगलौर उप क्षेत्रीय कार्यालय ने विशेष न्यायालय में भीमाशंकर बिलगुंडी और मल्लाना एस मद्दारकी के खिलाफ धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के प्रावधानों के तहत अभियोग दायर किया है। यह अभियोग महादेवप्पा रामपुरे मेडिकल कॉलेज, कलबुर्गी (एमआरएमसी) में 2018 से 2024 के बीच आरोपियों द्वारा किए गए छात्रवृत्ति घोटाले से संबंधित है। ईडी ने कर्नाटक के कलबुर्गी शहर केंद्रीय अपराध पुलिस स्टेशन द्वारा आईपीसी की विभिन्न धाराओं 1860 के तहत डॉ. एस एम पाटिल, केनरा बैंक के प्रबंधक सुभाष और अन्य के खिलाफ दर्ज एफआईआर के आधार पर इस केस की जांच शुरू की है। मुख्य आरोपी भीमाशंकर बिलगुंडी (हैदराबाद एजुकेशन सोसाइटी के तत्कालीन अध्यक्ष, जो एमआरएमसी का प्रबंधन करती है, ने लेखा विभाग के कर्मचारियों और मल्लाना एस मद्दारकी (कार्यालय अधीक्षक) की सहायता से, 2018 और 2024 के बीच की अवधि में, एमआरएमसी के पीजी मेडिकल छात्रों के बैंक खातों में जमा छात्रवृत्ति राशि में से 33,34,78,691 रुपये की हेराफेरी की।

उन्होंने प्रवेश के समय छात्रों से खाली हस्ताक्षरित चेक एकत्र किए। उन चेकों में विवरण भरकर उन्हें भुना लिया। इसके चलते छात्रों को उनकी छात्रवृत्ति से वंचित कर दिया गया।

पंचायत चुनाव के लिए बीजेपी ने तैयार किया जीत का फॉर्मूला

दिग्गज नेताओं को सौंपी बड़ी जिम्मेदारी

जयपुर, 3 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान में 'गांव की सरकार' चुनने का काउंटडाउन शुरू हो चुका है। प्रदेश की 14 हजार से अधिक ग्राम पंचायतों में होने वाले चुनावों के लिए भारतीय जनता पार्टी ने अपनी बिसात बिछा दी है।

बता दें कि सत्ता और संगठन ने मिलकर एक ऐसी 'सीक्रेट रणनीति' तैयार की है, जिसका मकसद न केवल जीत हासिल करना है, बल्कि विपक्ष के किलों को भी ढहाना है। अब बस इंतजार है तो राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा चुनावी तारीखों के औपचारिक एलान का।

दिग्गजों के हाथ में कमान: राठौड़, चतुर्वेदी और तिवाड़ी संभालेंगे मोर्चा

बीजेपी ने इस बार पंचायत चुनावों की जिम्मेदारी अपने सबसे अनुभवी और रणनीतिकार नेताओं को सौंपी है। पार्टी ने जिला परिषद और पंचायत चुनाव समितियों के नाम फाइनल कर लिए हैं। सूत्रों के मुताबिक, इन प्रमुख नेताओं को बड़ी जिम्मेदारी दी गई है।

सीएम भजनलाल शर्मा का 'संभाग प्लान'

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा खुद इन चुनावों की मॉनिटरिंग कर रहे हैं। हाल ही में उन्होंने सभी संभागों के प्रमुख नेताओं के साथ अलग-अलग बैठकें कीं। इन बैठकों का एकमात्र एजेंडा पंचायत चुनाव 2026 था। मुख्यमंत्री का जोर इस बात पर है कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ सीधा मतदान केंद्र तक पहुंचे।

विस्तारकों ने टटोली जनता की नब्ज

रणनीति बनाने से पहले बीजेपी ने हर विधानसभा स्तर पर 'विस्तारक' तैनात किए थे। इन विस्तारकों का काम केवल पार्टी के कार्यक्रम चलाना नहीं था, बल्कि जमीन पर जनता की नाराजगी और उम्मीदों को समझना था। विस्तारकों की ग्राउंड रिपोर्ट के आधार पर ही प्रत्याशियों के चयन और प्रचार के मुद्दों का खाका खींचा गया है।

अगले महीने बज सकता है चुनावी बिगुल

राज्य निर्वाचन आयोग ने फाइनल वोटर लिस्ट जारी कर दी है। इस बार 4.02 करोड़ से ज्यादा मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। प्रदेश की 41 जिला परिषदों, 457 पंचायत समितियों और 14,403 ग्राम पंचायतों में अगले महीने चुनाव होने की पूरी संभावना है।

कार्यकाल का गणित: कब-कहां होंगे चुनाव ?

वर्तमान में 12 जिला परिषदों और 130 पंचायत समितियों का कार्यकाल अभी बाकी है, जो अलग-अलग चरणों में पूरा होगा। पार्टी ने स्पष्ट किया है कि जैसे ही चुनाव आयोग कार्यक्रम जारी करेगा, वैसे ही प्रभारी और उम्मीदवारों के नामों की घोषणा कर दी जाएगी।

10 मंजिला बिल्डिंग में लगी आग

छत पर फंसे 8 लोग, बुजुर्ग महिला का क्रेन से हुआ रेस्क्यू, फ्लैट्स में थे करीब 200 लोग

जयपुर, 3 मार्च (एजेंसियां)। राजधानी जयपुर के पॉश इलाके श्यामनगर में मंगलवार सुबह उस वक्त चीख-पुकार मच गई, जब 'अलौकिक स्वरूप रेजीडेंसी' नाम के 10 मंजिला अपार्टमेंट में अचानक आग लग गई। आग छठी मंजिल पर स्थित एक फ्लैट में लगी थी, जिसने देखते ही देखते विकराल रूप धारण कर लिया। अपार्टमेंट में उस समय करीब 200 लोग मौजूद थे, जिनकी जान पर बन आई।

हादसा सुबह करीब 6:30 बजे हुआ। छठी मंजिल पर रहने वाले कमल के फ्लैट में अचानक आग की लपटें उठीं। कमल और उनका परिवार तो फौरन बाहर निकल आया, लेकिन चंद मिनटों में ही पूरी बिल्डिंग काले धुएं के गुबार से भर गई। घबराए लोग अपने-अपने फ्लैट्स से निकलकर भागने लगे। सूचना मिलते ही श्यामनगर थाना पुलिस और फायर ब्रिगेड की दो गाड़ियां मौके पर पहुंचीं।

5वीं मंजिल तक कांच तोड़कर बनाया रास्ता

रेस्क्यू के दौरान अपार्टमेंट में धुआं इतना बढ़ गया था कि सांस लेना मुश्किल था। पुलिस कांस्टेबल अंकित और मुखराम ने जान जोखिम में डालकर पांचवीं मंजिल तक का सफर तय किया। उन्होंने खिड़कियों के शीशे तोड़े ताकि धुआं बाहर निकल सके और अंदर फंसे लोगों को ऑक्सीजन मिल सके। इस जांबाजी की वजह से अंदर फंसे परिवारों को सुरक्षित बाहर निकाला जा सका।

छत पर फंसे 8 लोग, हाइड्रोलिक क्रेन से हुआ रेस्क्यू

सबसे चुनौतीपूर्ण स्थिति तब बनी जब दो परिवारों के 8 सदस्य, जिनमें एक 80 वर्षीय बुजुर्ग महिला भी शामिल थीं, जान बचाने के लिए लिफ्ट से छत पर पहुंच गए। इसी बीच आग से बिजली की वायरिंग जल गई और लिफ्ट बंद हो गई। नीचे उतरने का रास्ता पूरी तरह बंद हो चुका था।

आग लगने के दौरान दो परिवारों के आठ सदस्य जान बचाने के लिए लिफ्ट से छत पर पहुंच गए। इसी दौरान आग की वजह से वायरिंग जल गई और लिफ्ट बंद हो गई। नीचे उतरने का रास्ता बंद होने से वे छत पर ही फंस गए। इनमें एक 80 वर्षीय बुजुर्ग महिला भी शामिल थीं, जो चलने-फिरने में असमर्थ थीं। स्थिति को देखते हुए पुलिस ने हाइड्रोलिक फायर ब्रिगेड को बुलाया। क्रेन की मदद से छत पर फंसे सभी लोगों को सुरक्षित नीचे उतारा गया। समय रहते रेस्क्यू होने से बड़ा हादसा टल गया।

सीएम भजनलाल देंगे कोटा-बूंदी ग्रीन फील्ड एयरपोर्ट की बड़ी सौगात

कोटा, 3 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान को जल्द ही एक और ग्रीन फील्ड एयरपोर्ट की सौगात मिलने जा रही है। प्रस्तावित कोटा-बूंदी ग्रीन फील्ड एयरपोर्ट का शिलान्यास 7 मार्च को किया जाएगा। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा इस परियोजना की आधारशिला रखेंगे। इसे क्षेत्र के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

कोटा बूंदी ग्रीन फील्ड एयरपोर्ट के शिलान्यास कार्यक्रम से पहले ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने शम्भुपुरा स्थित कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया। उन्होंने एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया और संबंधित विभागों के अधिकारियों से तैयारियों की विस्तृत जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए, ताकि आयोजन में किसी तरह की कमी न रहे।

मंत्री ने कार्यक्रम स्थल के समीप बनाए जा रहे हेलीपैड का भी अवलोकन किया। वीवीआईपी मूवमेंट को ध्यान में रखते हुए उन्होंने निर्धारित प्रोटोकॉल के तहत सभी तकनीकी और सुरक्षा इंतजाम समय रहते पूरे करने के निर्देश दिए।

ऊर्जा मंत्री ने कार्यक्रम में शामिल होने वाले लोगों की सुविधा को प्राथमिकता देने पर बल दिया। उन्होंने संपर्क सड़कों की स्थिति और बसों के निर्धारित रूट चार्ट की जानकारी ली। कार्यक्रम के दिन वाहनों की पार्किंग और यातायात व्यवस्था सुचारु रहे, इसके लिए भी आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए।

निरीक्षण के दौरान मुख्य मंच, विशाल डोम और आमजन के बैठने की व्यवस्थाओं की भी समीक्षा की गई। मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि आयोजन स्थल पर नियमित रूप से पानी का छिड़काव कराया जाए, ताकि धूल से किसी को परेशानी न हो। इसके अलावा पीने के पानी और चल शौचालय जैसी बुनियादी सुविधाओं की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए।

प्रभारी मंत्री ने कोटा और बूंदी दोनों जिलों के जिला कलक्टर, बूंदी पुलिस अधीक्षक और अन्य प्रशासनिक अधिकारियों के साथ सुरक्षा व्यवस्था पर चर्चा की। बैरिकेडिंग, पुलिस जाब्ते की तैनाती और अन्य सुरक्षा उपायों को लेकर स्पष्ट निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम स्थल पर सभी व्यवस्थाएं पूरी तरह चाक-चौबंद रखी जाएं। इस दौरान कोटा दक्षिण विधायक संदीप शर्मा, केशोरायपाटन की पूर्व विधायक चन्द्रकांता मेघवाल, शहर जिलाध्यक्ष राकेश जैन, संभागीय आयुक्त अनिल कुमार अग्रवाल, कोटा जिला कलक्टर पीयूष समारिया, बूंदी जिला कलक्टर अक्षय गोदारा और बूंदी जिला पुलिस अधीक्षक राजेन्द्र कुमार मीणा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। 7 मार्च को होने वाला यह शिलान्यास कार्यक्रम क्षेत्रीय विकास की दिशा में एक अहम पड़ाव साबित हो सकता है।

275 करोड़ की अफीम पकड़ी गई

एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स टीम की बड़ी कार्रवाई

उदयपुर, 3 मार्च (एजेंसियां)।राजस्थान में नशे के खिलाफ पुलिस एक्शन मोड में है। इसी क्रम में उदयपुर में अवैध कारोबार पर लगाम लगाने के प्रयासों से जुड़ी बड़ी कार्रवाई की है।राजस्थान एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) ने उदयपुर पुलिस के साथ मिलकर बड़े स्तर पर अभियान चलाया।ऑपरेशन 'अंतःस्फोट' के तहत एएनटीएफ, नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) और उदयपुर पुलिस की संयुक्त टीम ने कार्रवाई की।

170 एकड़ जमीन पर अफीम की खेती

यहां उदयपुर जिले के कोटड़ा क्षेत्र में कार्रवाई की। सामोली, खूणा और पीपली गांवों में लगभग 170 एकड़ जमीन पर अवैध रूप से अफीम की खेती की जा रही थी। संयुक्त कार्रवाई में उच्च गुणवत्ता वाली अफीम के करीब पांच लाख पौधे उखाड़कर नष्ट कर दिए गए। अधिकारियों के अनुसार, इन पौधों से तैयार होने वाली अफीम की अनुमानित बाजार कीमत लगभग 275 करोड़ रुपये आंकी गई है। टीम ने बताया कि कोटड़ा क्षेत्र में बड़े पैमाने पर अवैध खेती की सूचना मिली थी। एएनटीएफ की ओर से सूचना साझा किए जाने के बाद जांच की गई, जिसमें आरोप सही पाए गए। इसके बाद तीनों एजेंसियों ने समन्वित कार्रवाई करते हुए खेतों को चिन्हित किया और मौके पर ही पौधों को नष्ट किया गया। पूरी प्रक्रिया के दौरान पंचनामा तैयार किया गया। कार्रवाई के बाद उदयपुर पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। कुछ संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है, ताकि इस अवैध नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की पहचान की जा सके। प्रशासन का कहना है कि प्रदेश में नशे के कारोबार को जड़ से खत्म करने के लिए इस तरह की सख्त कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

होटल कारोबारी की हत्या : ताबड़तोड़ फायरिंग से मचा हड़कंप; सामने आया सीसीटीवी फुटेज

चूरू, 3 मार्च (एजेंसियां)। चूरू जिले के बीदासर कस्बे में देर रात उस समय अफरा-तफरी मच फैल गई, जब होटल के अंदर बदमाशों ने ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। ताबड़तोड़ फायरिंग की घटना में होटल मालिक सहित चार लोगों को गोली लगी। जिनमें से होटल मालिक की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, 3 लोगों की हालत गंभीर है। इस घटना के बाद होटल में अफरा-तफरी मच गई और लोग दहशत में आ गए। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को बीदासर के राजकीय बगड़िया अस्पताल पहुंचाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर घायलों को हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। घटना के बाद होटल परिसर में भारी पुलिस जाप्ता तैनात है। पुलिस ने मौके से साक्ष्य जुटाए और आरोपियों की तलाश जारी है।

होटल मालिक की मौके पर ही मौत

एसपी जय यादव ने बताया कि चूरू जिले के बीदासर में होटल द रॉयल ट्रीट में घटना हुई। तीन बदमाशों ने होटल में घुसकर करीब 5 मिनट तक ताड़तोड़ फायरिंग की। इसमे होटल मालिक मुनीराम मंडा की मौके पर ही मौत हो गई। फायरिंग में भीखाराम जाट, श्रवण जाट और प्रभुराम प्रजापत निवासी दडीबा भी घायल हुए हैं। घायलों को तुरंत सुजानगढ़ के बगड़िया अस्पताल ले जाया गया। जहां से तीनों घायलों को जयपुर रेफर कर दिया है।

सामने आया फायरिंग का सीसीटीवी फुटेज

फायरिंग की घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। जिसमें साफ दिख रहा है कि कुछ लोग होटल के अंदर थे, तभी बाहर से आए बदमाशों ने ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी है। बदमशों ने टेबल के आसपास खड़े लोगों पर भी गोलियां बरसाईं। अचानक हुई फायरिंग की घटना से होटल के अंदर अफरा-तफरी मच गई।

शुरूआती जांच में सामने आया है कि शराब के धंधे को लेकर आपस में विवाद था। क्योंकि मृतक मनीराम मंडा शराब और होटल कारोबार से जुड़े थे। होटल के पास भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है। फिलहाल, रंजिश के असली कारण का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है।

नीट की तैयारी कर रही छात्रा ने फांसी लगाकर आत्महत्या की

अजमेर, 3 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान के अजमेर जिले से एक बेहद दुखद और झकझोर देने वाली खबर सामने आई है। जहां पूरा देश होली के रंगों में डूबने की तैयारी कर रहा है। वहीं, अजमेर के एक परिवार में इस त्योहार से ठीक पहले अंधेरा छा गया।

बता दें कि यहां नीट (मेडिकल प्रवेश परीक्षा) की तैयारी कर रही 21 वर्षीय छात्रा निकिता ने फांसी लगाकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली। इस घटना के बाद से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया है।

मिली जानकारी के अनुसार, यह हृदयविदारक घटना अजमेर के नारेली गांव (अलवर गेट थाना क्षेत्र) की है। जब निकिता के कमरे का दरवाजा नहीं खुला, तो उसके छोटे भाई ने अंदर जाकर देखा। कमरे का दृश्य देख भाई के पैरों तले जमीन खिसक गई। निकिता का शव पंखे से लगे फंदे पर लटका हुआ था। भाई के शोर मचाने पर परिवार के अन्य सदस्य मौके पर पहुंचे और आनन-फानन में निकिता को फंदे से नीचे उतारा गया। परिजन निकिता को लेकर तुरंत जेएलएन अस्पताल पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। अस्पताल प्रशासन की सूचना पर अलवर गेट थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर मोर्चरी में रखवाया।

पुलिस की शुरुआती जांच में मामला प्रथम दृष्टया आत्महत्या का ही लग रहा है। हालांकि, मौके से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है, जिससे मौत के कारणों पर रहस्य बना हुआ है।

पुलिस का लॉरेंस और गोदारा गैंग के नेटवर्क पर प्रहार

होली पर 214 बदमाश दबोचे

जयपुर, 3 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान पुलिस ने प्रदेश को भयमुक्त बनाने और संगठित अपराध की कमर तोड़ने के लिए रविवार तड़के एक विशाल घेराबंदी की। इस बड़े ऑपरेशन के तहत 19 जिलों में एक साथ दबिश देकर लॉरेंस बिश्नोई और रोहित गोदारा गैंग सहित अन्य गिरोहों के 214 बदमाशों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने इन अपराधियों के कब्जे से अवैध हथियारों का जखीरा और भारी मात्रा में ड्रग्स बरामद की है।

ऑपरेशन का ब्लूप्रिंट और कमान

डीजीपी राजीव कुमार शर्मा ने बताया कि इस मिशन का मुख्य लक्ष्य रंगदारी और अवैध हथियार रखने वाले गिरोहों के नेटवर्क को जड़ से उखाड़ना था। इस पूरे मिशन की कमान डीजी आनंद श्रीवास्तव को सौंपी गई। एडीजी दिनेश एमएन और डीआईजी योगेश यादव के निर्देशन में एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स ने ऑपरेशन का ब्लूप्रिंट तैयार किया। ग्राउंड लेवल पर एसपी ज्ञान चंद यादव और उनकी अनुभवी टीम ने मोर्चा संभाला, जबकि सभी रेंज आईजी ने स्थानीय पुलिस के साथ मिलकर 'जीरो टॉलरेंस' नीति के तहत कार्रवाई की।

टारगेट पर थे 1276 अपराधी

पुलिस ने इस विशेष ऑपरेशन के लिए कुल 1276 अपराधियों की सूची तैयार की थी। रोहित गोदारा और लॉरेंस गैंग से संबंधित 383 अपराधी टारगेट पर थे।स्थानीय गैंग के 534 और अन्य श्रेणियों के 359 इनामी व वांछित अपराधी चिन्हित किए गए थे।

हथियारों और ड्रग्स का जखीरा बरामद

पुलिस की कार्रवाई में न केवल अपराधी पकड़े गए, बल्कि बड़ी मात्रा में अवैध सामान भी जब्त किया गया। आर्म्स एक्ट के तहत 30 मामले दर्ज कर 17 पिस्टल, 3 देशी कट्टे, 14 कारतूस और 12 चाकू-छुरे बरामद किए गए। विशेष रूप से पंजाब के बंबीहा गैंग से 11 पिस्टल और 12 मैगजीन मिली हैं। एनडीपीएस एक्ट के 34 मामलों में 1.166 किलो हेरोइन, स्मैक, एमडी, गांजा और डोडा पोस्त जब्त किया गया। झुंझुनूं जिले में पुलिस ने खेत पर छापेमारी कर 8,153 अफीम के पौधे बरामद कर बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया।

अपराधियों में खौफ, जनता में विश्वास

राजस्थान पुलिस की इस 'सर्जिकल स्ट्राइक' से संगठित गिरोहों के बीच हड़कंप मच गया है। रविवार तड़के हुई इस अचानक कार्रवाई ने अपराधियों के सुरक्षित ठिकानों और उनके सूचना तंत्र को ध्वस्त कर दिया है। डीजीपी के अनुसार, ऐसी कार्रवाइयां भविष्य में भी जारी रहेंगी ताकि राज्य में आम नागरिक सुरक्षित महसूस कर सकें।

तालाब किनारे तीन मासूमों का मिला शव, मां संगीता गायब

पुलिस मामले की जांच में जुटी

सवाई माधोपुर, 3 मार्च (एजेंसियां)। गंगापुर सिटी के नजदीकी वजीरपुर उपखंड क्षेत्र के मीणा बड़ौदा गांव में मंगलवार को सनसनीखेज मामला सामने आया। गांव के तालाब किनारे तीन मासूम बच्चों के शव संदिग्ध अवस्था में पड़े मिले, जबकि उनकी मां संगीता मीणा लापता है। सूचना मिलते ही वजीरपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और तीनों शवों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, वजीरपुर भिजवाया। पुलिस ने घटनास्थल का मुआयना कर जांच शुरू कर दी है। परिजनों के अनुसार संगीता मीणा (27) का पीहर आलमपुर, जिला करौली में है, जबकि उसकी शादी करीब सात वर्ष पहले मीणा बड़ौदा निवासी प्रवीण मीणा से हुई थी। मृत बच्चों में दिव्या (5 वर्ष), भारती (3 वर्ष) और डेढ़ वर्षीय दीपक शामिल हैं। परिवार का आरोप है कि संगीता को शादी के बाद से ही ससुराल पक्ष द्वारा प्रताड़ित किया जाता था। परिजनों का कहना है कि संगीता ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो जारी कर कुछ लोगों पर मारपीट और उत्पीड़न के आरोप लगाए थे। इसके बाद से वह लापता है। घटना के बाद अस्पताल में बच्चों के शव रखे हैं, लेकिन पिता और ससुराल पक्ष का कोई सदस्य वहां मौजूद नहीं मिला।

यमुना एक्सप्रेसवे पर भीषण हादसा, होली मनाने जा रहे 3 लोगों की मौत

धौलपुर, 3 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के हाथरस में मंगलवार को हुए भीषण सड़क हादसे में 6 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। मरने वालों में तीन लोग धौलपुर के राजाखेड़ा के रहने वाले थे, जो होली मनाने के लिए राजस्थान आ रहे थे। तीन लोगों की मौत की सूचना से होली की खुशियां मातम में बदल गई। हादसा यूपी के हाथरस में यमुना एक्सप्रेसवे पर 141 माइल स्टोन के पास सुबह करीब 4:15 बजे हुआ। दिल्ली से राजस्थान के धौलपुर आ रही वैन को नोएडा से गोरखपुर जा रही डबल डेकर बस ने पीछे से टक्कर मार दी। हादसे के वक्त वैन में 13 लोग सवार थे। जिनमें से 6 लोगों की मौत हो गई। मृतकों में तीन लोग धौलपुर के और तीन आगरा के रहने वाले थे। हादसे के बाद मौके पर चीख पुकार मच गई। हादसा इतना जबरदस्त था कि वैन का पीछे का हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। वैन 10 फीट उछलकर सड़क पलट गई और कई शव सड़क पर बिखर गए। दर्दनाक हादसे का मंजर देख हर किसी की आंखों से आंसू छलक पड़े। हादसे में मारे गए तीन लोग राजस्थान के धौलपुर जिले के रहने वाले थे। मृतकों की पहचान दिनेश पुत्र होतम सिंह, उनकी पत्नी सुनीता निवासी गंगोलियापुरा और लोकेश पुत्र भूरी सिंह निवासी सोमाली का घेर के रूप में हुई है। ये सभी लोग होली मनाने के लिए घर आ रहे थे, तभी हादसा हो गया। हादसे के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

धौलपुर के राजाखेड़ा स्थित गंगोलियापुरा निवासी दिनेश नोएडा में हलवाई का काम करते था। वह अपनी पत्नी और दो बेटों के साथ नोएडा के सेक्टर 41 में रहते थे। वे होली मनाने के लिए अपने पैतृक गांव आ रहे थे। लेकिन, इस हादसे के बाद होली की खुशियां मातम में बदल गई। हादसे के बाद परिजन यूपी के लिए रवाना हो गए है।

जिंदा जल गया ट्रक ड्राइवर

फट गया था डीजल से भरा टैंक

भरतपुर, 3 मार्च (एजेंसियां)। जयपुर-आगरा नेशनल हाइवे पर एक रोंगटे खड़े कर देने वाला हादसा सामने आया है। भरतपुर के मथुरा गेट थाना इलाके में स्थित सारस चौराहे के पास कोयले से भरा एक ट्रेलर अनियंत्रित होकर पलट गया। बता दें कि पलटने के बाद ट्रेलर करीब 100 मीटर तक सड़क पर घिसटता चला गया, जिससे टैंक फट गया और डीजल फैलने के कारण केबिन में भीषण आग लग गई। इस आग में ड्राइवर विरदी चंद गुर्जर (30) को संभलने का मौका तक नहीं मिला और वह केबिन में फंसकर जिंदा जल गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हादसा रात करीब 12 बजे हुआ। ट्रेलर जयपुर से आगरा की ओर जा रहा था। सारस मोड़ पर रफ्तार तेज होने के कारण चालक संतुलन खो बैठा और ट्रेलर डिवाइडर से टकराकर पलट गया। घर्षण और डीजल फैलने की वजह से चंद सेकंड में ही ट्रेलर ने आग पकड़ ली। स्थानीय निवासी मोनू जौहरी और लक्ष्य सिंघल ने बताया कि ट्रेलर पलटने के बाद काफी दूर तक घिसटा।

ईरान सुप्रीम लीडर की मौत पर जयपुर में शिया समुदाय का प्रदर्शन, काले वस्त्र पहनकर निकाला जुलूस

जयपुर, 3 मार्च (एजेंसियां)। जयपुर में ईरान के सुप्रीम लीडर सैयद अयातुल्लाह खामनेई के निधन की खबर के बाद पुराने शहर में लोगों की भावनाएँ सड़कों पर नजर आईं। पिंक सिटी के जामा मस्जिद इलाके से बड़ी संख्या में पुरुष और महिलाएं काले वस्त्र धारण कर हाथों में तख्तियां और बैनर लेकर जुलूस के रूप में निकले।

जुलूस जामा मस्जिद से रवाना होकर सुभाष चौक सर्किल तक पहुंचा, जहां प्रदर्शनकारियों ने अंतरराष्ट्रीय घटनाक्रम को लेकर अपनी नाराजगी जताई। प्रदर्शन के दौरान कुछ लोगों ने अमेरिका और इजराइल की नीतियों के विरोध में प्रतीकात्मक प्रदर्शन भी किया। भीड़ में शामिल महिलाओं ने भी अपनी भागीदारी दर्ज कराते हुए इसे वैश्विक मुस्लिम समुदाय से जुड़ा मुद्दा बताया।

स्थिति को देखते हुए इलाके में भारी पुलिस बल तैनात रहा। प्रशासन ने पूरे घटनाक्रम पर नजर बनाए रखी और शांति व्यवस्था बनाए रखने की अपील की। प्रदर्शन के चलते कुछ समय के लिए क्षेत्र में तनावपूर्ण माहौल बना रहा, हालांकि स्थिति नियंत्रण में रही।

'शाबाश महेश' : राहुल गांधी ने टीपीसीसी अध्यक्ष की सराहना की

हैदराबाद, 3 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। वरिष्ठ कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस समिति (टीपीसीसी) अध्यक्ष और एमएलसी महेश कुमार गौड़ की 10-दिवसीय जिला कांग्रेस समिति (डीसीसी) अध्यक्षों के प्रशिक्षण शिविर को सफलतापूर्वक संपन्न कराने के लिए सराहना की और उनके प्रयासों को उत्कृष्ट बताया। तीव्र प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन सत्र में राहुल गांधी ने महेश कुमार गौड़ के नेतृत्व और समर्पण की व्यक्तिगत रूप से प्रशंसा की। जब शिविर में उनके अथक योगदान की बातें सामने आईं, तो उन्होंने कहा, 'शाबाश महेश', जिस पर उपस्थित पार्टी नेताओं और प्रतिनिधियों ने जोरदार तालियां बजाईं। यह 10-दिवसीय प्रशिक्षण शिविर, पार्टी के संगठनात्मक सुदृढ़ीकरण पहल के तहत आयोजित किया गया, और महेश कुमार गौड़ की निगरानी में पूरी तरह से योजना बद्ध और कार्यान्वित हुआ। उन्होंने कार्यक्रम में पूरे समय सक्रिय भागीदारी की, दैनिक सत्रों का निरीक्षण किया, गतिविधियों का समन्वय किया और विचार से कार्यान्वयन तक सुनिश्चित किया। पार्टी सूत्रों के अनुसार, गौड़ की व्यावहारिक नेतृत्व शैली अनुशासन, रणनीतिक स्पष्टता और लगातार जुड़ाव के साथ ने पार्टी कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा का संचार किया।

शिविर में उनकी लगातार उपस्थिति को संगठनात्मक समर्पण के प्रतीक के रूप में देखा गया। इस अवसर पर 'संगठन सृजन' कार्यक्रम के अध्यक्ष सचिन राव ने गौड़ की निष्ठावान भागीदारी की सराहना की और बताया कि उन्होंने पूरे 10 दिन शिविर में उपस्थित रहकर हर सत्र को प्रभावी रूप से संपन्न कराया।

मेयरों और नगरपालिका अध्यक्षों को 99-दिन के कार्यक्रम में शामिल करें : रेवंत रेड्डी

हैदराबाद, 3 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने मंगलवार को कहा कि वार्ड सदस्य, सरपंच, कॉर्पोरेटर, अध्यक्ष और मेयरों को राज्य के 99-दिन के विकास कार्यक्रम में सक्रिय भागीदार बनाया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी वार्ड सदस्य, सरपंच, अध्यक्ष, कॉर्पोरेटर्स और मेयरों के लिए जिला मुख्यालय में एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जाए। उन्होंने कहा कि उनके कर्तव्यों और जिम्मेदारियों को समझाने वाले मुद्रित सामग्री का वितरण किया जाए, ताकि जागरूकता बढ़े और ग्राम स्तर पर शासन बेहतर हो सके। रेवंत रेड्डी ने राज्य में सौर ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा देने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि किसानों को पारंपरिक कृषि पंप सेट के बजाय सौर पंप सेट अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। किसानों को सौर मोटरों के लाभ स्पष्ट रूप से बताए जाने चाहिए, और विद्युत विभाग को गांवों में सौर ऊर्जा से जुड़े आय सृजन के तरीकों के बारे में जागरूकता फैलानी चाहिए। उन्होंने आगे निर्देश दिया कि नए जारी किए गए राशन कार्ड, फाइन ग्रेड चावल वितरण, इंदिरम्मा हाउस, 200 यूनिट तक मुफ्त बिजली, ऋण माफी, मुफ्त बस यात्रा और 500 रुपये में गैस सिलेंडर के लाभार्थियों का विवरण गांव और वार्ड सभाओं में साझा किया जाए। इन कल्याणकारी योजनाओं के लाभों को ग्राम, मंडल, विधानसभा क्षेत्र और जिला स्तर पर जनता तक प्रभावी ढंग से पहुंचाया जाना चाहिए। सार्वजनिक स्वास्थ्य को मजबूत करने की आवश्यकता को रेखांकित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के 35 सरकारी मेडिकल कॉलेजों की सेवाओं का पूरा उपयोग किया जाना चाहिए। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी), सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचजी) और अन्य स्थानीय चिकित्सा संस्थान मरीजों को उन सरकारी मेडिकल कॉलेजों में रेफ़र करें जहां उन्नत चिकित्सा उपकरण, डॉक्टर, प्रोफेसर और मेडिकल छात्र उपलब्ध हों। मुख्यमंत्री ने सभी सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों के लिए फ़ेसियल रिकग्निशन (चेहरे की पहचान) लागू करने पर भी जोर दिया, ताकि पारदर्शिता सुनिश्चित हो सके। उन्होंने बताया कि आशारा पेंशन में फ़ेसियल रिकग्निशन लागू करने से लगभग तीन लाख गैर-योग्य लाभार्थियों को हटाया गया, जो तकनीक के दुरूपयोग के कारण अनुचित लाभ ले रहे थे। योग्य लाभार्थियों को लाभ बिना किसी बाधा के मिले, जबकि गैर-योग्य व्यक्तियों को बाहर किया जाना चाहिए। परिवहन क्षेत्र में उन्होंने विभाग को निर्देश दिया कि स्कूल बसों और अन्य वाहनों के लिए डेटा डिजिटलीकरण पूरा किया जाए और उचित फिटनेस टेस्ट किए जाएं। आरटीसी बस ड्राइवरों तथा ट्रकों और माल ढुलाई वाहनों के ड्राइवरों के लिए नेत्र परीक्षण आयोजित किए जाएं। जहां ड्राइवर इकट्ठा होते हैं वहां विशेष कैंप आयोजित किए जाएं। परिवहन विभाग नागरिकों की शिकायतों के लिए बड़े गड्ढे और दुर्घटना-प्रवण स्थलों की रिपोर्ट करने हेतु व्हाट्सएप नंबर भी शुरू करे, ताकि तुरंत मरम्मत और सुरक्षा उपाय किए जा सकें। पर्यावरण संबंधी चिंताओं पर ध्यान देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि बाहरी रिंग रोड (ओआरआर) और इसके सेवा मार्गों के किनारे बड़ी मात्रा में कचरा और निर्माण अपशिष्ट फेंका जा रहा है। उन्होंने निर्देश दिया कि ऐसे अपशिष्ट ले जाने वाली वाहनों को जब्त कर जुर्माना लगाया जाए और उनके मालिकों के खिलाफ मामला दर्ज किया जाए। ओआरआर के प्रबंधन करने वाली एजेंसी को भी ऐसे उल्लंघनों को रोकने के लिए जिम्मेदार ठहराया जाए। उन्होंने आगे निर्देश दिया कि मिड-डे मील एजेंसियों के बिल हर महीने बिना किसी देरी के निस्तारित किए जाएं, ताकि स्कूल बच्चों के लिए पोषण की निरंतरता सुनिश्चित हो। इस कार्यक्रम को मजबूत बनाने के लिए एक व्यापक कार्य योजना तैयार की जाए।

सीरवी समाज का होली महोत्सव सम्पन्न

हैदराबाद, 3 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। पारसीगुट्टा स्थित श्री आईमाताजी मंदिर में होली महोत्सव पर आयोजित पूजा-अर्चना, रंगारंग गैर नृत्य, बच्चों की ढूंढ व भोजन प्रसादी कार्यक्रम में उपस्थित अध्यक्ष मोहनलाल हाम्बड़, उपाध्यक्ष मुलाराम सोयल, कोषाध्यक्ष खंगारसिंह लचेटा, सलाहकार चोलाराम हाम्बड़, सहसचिव हीराराम खंडाला, शिक्षा समिति अध्यक्ष लाबुराम पँवार, खेल मंत्री हिमताराम हाम्बड़, पदाधिकारी व समाज बन्धु।

मियापुर में 20 वर्षीय नर्स ने की आत्महत्या

हैदराबाद, 3 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। मियापुर क्षेत्र में मंगलवार को 20 वर्षीय एक नर्स ने कथित रूप से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतका की पहचान सोनी के रूप में हुई है, जो शहर के एक निजी अस्पताल में कार्यरत थी। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, वह अपने कमरे में छत के पंखे से लटकी हुई मिली। घटना की सूचना मिलते ही मियापुर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया। पुलिस ने उसके भाई की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया है। अधिकारियों के अनुसार आत्महत्या के कारणों की जांच की जा रही है।

नकली चाय पाउडर व सर्फ पाउडर बेचने वाला गिरफ्तार

हैदराबाद, 3 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। सीसीएस, हैदराबाद डिवीजन की विशेष अपराध शाखा ने तीन व्यक्तियों को गिरफ्तार किया, जिनके पास नकली चाय पाउडर, नकली सर्फ पाउडर और गुड नाइट रिफिल मिले है। गिरफ्तार व्यक्तियों में जय राम निवासी, जिन्सी चौराहा, बेगमबाजार, हैदराबाद, कच्छावा सुरेंद्र निवासी डुल्लापल्ली गांव, कुतुबुल्लापुर, हैदराबाद निवासी संजता गांव, बाड़मेर जिला, राजस्थान शामिल है। इन लोगों के पास से भारी मात्रा में नकली सामाग्री है। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार किए गए आरोपी हैदराबाद के रिटेल और होलसेल दुकानों को सामान्य घरेलू सामान सप्लाई कर रहे थे। ये आरोपी गुजरात के डीलरों से नकली पैकिंग कवर और निम्न गुणवत्ता वाली सामग्री उच्च छूट पर खरीदते और उसे गोशामहल, अफ़ज़लगंज, बेगमबाजार और अन्य क्षेत्रों की स्थानीय दुकानों को असली ब्रांड आइटम के रूप में बेचते थे। यह गिरफ्तारी डी. बिक्षापति, इंस्पेक्टर ऑफ पुलिस, विशेष अपराध टीम और उनके स्टाफ द्वारा, जी. वेंकटेश्वर रेड्डी, एसीपी, विशेष अपराध टीम, सीसीएस, हैदराबाद की देखरेख में की गई। गिरफ्तार आरोपियों को आगे की कार्रवाई हेतु गोशामहल और अफ़ज़लगंज पुलिस स्टेशन को सौंप दिया गया।

विश्वविद्यालय में एआई पर पांच दिवसीय एफडीपी शुरू

हैदराबाद, 3 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद विश्वविद्यालय (यूओएच) ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस विषय पर पांच दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी) का उद्घाटन किया है। यह कार्यक्रम आंध्र प्रदेश के स्नातक और व्यावसायिक कॉलेजों के संकाय सदस्यों को शिक्षण एवं अनुसंधान में एआई के उपयोग के लिए प्रशिक्षित करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया है। 2 से 6 मार्च तक चलने वाला यह कार्यक्रम आंध्र विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज के कार्यकारी शिक्षा प्रकोष्ठ के तत्वावधान में आयोजित किया जा रहा है। इसे एपीएससीएचई, आंध्र विश्वविद्यालय और कॉलेज शिक्षा निदेशालय के सहयोग से संचालित किया जा रहा है।

कार्यक्रम का उद्देश्य विभिन्न शैक्षणिक विषयों में एआई के विषय-विशिष्ट अनुप्रयोगों का प्रशिक्षण देना है। पहले बैच में 80 संकाय सदस्य भाग ले रहे हैं, जिनमें 40 वाणिज्य एवं प्रबंधन और 40 जीवन विज्ञान विभाग से हैं। प्रतिभागियों को यूओएच के प्रोफेसरों और संबंधित क्षेत्रों के विशेषज्ञों द्वारा व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाएगा, ताकि वे एआई को अपने पाठ्यक्रम और अकादमिक कार्यों में प्रभावी ढंग से शामिल कर सकें।

नारसिंगी स्थित श्री कष्णा गौशाला में श्री माताजी नवयुवक मंडल द्वारा आयोजित होली महोत्सव पर रंगारंग गैर नृत्य, बच्चों की ढूंढ व महिलाओं द्वारा आयोजित लूर नृत्य कार्यक्रम में उपस्थित जसवन्त देवड़ा, रमेश हाम्बड़, सुशीला देवड़ा, नीलू लचेटा, गवरीदेवी सोयल, समाज बन्धु व महिलाएं।

दम्मईगुड़ा स्थित भवानी फन्कशन हॉल में श्री राजस्थानी मित्र मंडल द्वारा आयोजित होली महोत्सव पर रंगारंग गैर नृत्य व ढूंढोत्सव कार्यक्रम में उपस्थित अध्यक्ष सोहनसिंह राजपुरोहित, पदाधिकारी व समाज बन्धु।

अखिल भारतीय बिश्नोई युवा संगठन द्वारा होली स्नेह मिलन समाराहे हवन पाहल एवं महाप्रसादी का आयोजन हयातनगर, हैदराबाद में किया गया।

पोचमपल्ली में होली महोत्सव

हैदराबाद, 3 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। मेड़चल के पोचमपल्ली में होली महोत्सव के तहत आयोजित रंगारंग गेर नृत्य कार्यक्रम किया गया। इसमें मुख्य अतिथि सीरवी समाज जीडिमेटला बडेर के संरक्षक मांगीलाल काग, उपाध्यक्ष सोहनलाल परिहार, उपाध्यक्ष दुर्गाराम मुलेवा, कोषाध्यक्ष भंवरलाल काग, सचिव प्रेम पंवार, सह सचिव मंगलराम पंवार, मोहनलाल काग, भुडाराम बर्फा, उदाराम काग ,चुदाराम चोयल, मुलाराम पंवार, गैर के अध्यक्ष पुराराम सैणचा, उपाध्यक्ष भानाराम सैणचा, सचिव मांगीलाल गेहलोत, कोषाध्यक्ष मुकेश हाम्बड़, सह कोषाध्यक्ष अशोक पंवार, ताराराम काग, जगदीश सीरवी व महिला भजन मंडली व समाज बन्धु उपस्थित रहे।

कोरोमुला में श्री आईमाता जी बडेर में होली महोत्सव सम्पन्न

हैदराबाद, 3 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। कोरेमुला स्थित श्री आईमाता जी बडेर में सोमवार को होली की पूजा-अर्चना कर शाम 8.15 बजे होली दहन किया। मंगलवार को सुबह 9.15 से बच्चों की ढूंढ कार्यक्रम शुरू किया।

होली फूलों से खेली गई है रंगारंग गैर चंग की थाप पर रंगारंग गैर नृत्य कार्यक्रम आयोजित किया।

बडेर संरक्षक प्रभुराम परिहारिया, अध्यक्ष कालुराम काग, सचिव डायाराम लचेटा, सह सचिव राजाराम गेहलोत, उपाध्यक्ष राजाराम पंवार, कोषाध्यक्ष पोकरराम पंवार, सलाहकार पुनाराम हाम्बड़, रमेश हाम्बड़, खेल मंत्री ओमप्रकाश हाम्बड़, तेजाराम परिहार, प्रकाश खण्डाला, छोगाराम गेहलोत, कमेलश आगलेचा, देवाराम परिहार, तेजाराम काग, रताराम सोलंकी, बाबूलाल परिहार, नेमाराम परिहार, ओगड़राम सैणचा, ताराराम भायल, रतनलाल सेपटा, व सीरवी समाज बन्धुओं उपस्थित रहे।

पावरग्रिड के राजभाषा नोडल अधिकारी की दो-दिवसीय राजभाषा कार्यशाला सम्पन्न

कोप्पल, 3 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। 2026 के दौरान पावरग्रिड दक्षिण क्षेत्र-I के अधीनस्थ उपकेंद्रों के राजभाषा नोडल अधिकारी की दो-दिवसीय कार्यशाला सह बैठक कार्यक्रम का आयोजन कोप्पल (कर्नाटक) में किया गया। उक्त कार्यक्रम का उदघाटन मुख्य अतिथि जी. श्रीनिवास राव, व. उप महाप्रबंधक (मुनिराबाद उपकेंद्र-कोप्पल) द्वारा वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में किया गया।

इस कार्यक्रम में संकाय सदस्य के रूप में प्रथम दिन के दौरान डॉ. प्रेम सिंह, संयुक्त निदेशक(राजभाषा)-से.नि., गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा राजभाषा नीति, अधिनियम एवं नियम, वर्तनी की अशुद्धियां, संशोधित वार्षिक कार्यक्रम एवं तिमाही रिपोर्ट के मुख्य बिंदुओं पर चर्चा पर सत्र का आयोजन किया गया।

दूसरे दिवास के दौरान डॉ. सौरव कुमार, राजभाषा प्रभारी, भारतीय रासायनिक प्रौद्योगिकी संस्थान, सिकंदराबाद द्वारा भारती-बहुभाषी अनुवाद सारथी एवं संसदीय राजभाषा समिति की संशोधित निरीक्षण प्रश्नावली भरने हेतु ध्यान देने योग्य बातें एवं सम्बंधित विभिन्न दस्तावेजों का रखरखाव आदि विषयों पर सत्रों का संचालन किया गया।

सीरवी समाज बडेर, जीडिमेट्ला द्वारा आयोजित होली महोत्सव में उपस्थित संरक्षक मांगीलाल काग, उपाध्यक्ष सोहनलाल परिहार, उपाध्यक्ष दुर्गाराम मुलेवा, सचिव प्रेम पंवार, कोषाध्यक्ष भंवरलाल काग, समस्त कार्यकारिणी सदस्य व समाज बन्धु।

महिला ने दो बच्चों की हत्या के बाद की आत्महत्या

नलगोंडा, 3 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। बीबीनगर मंडल के गोल्लिगुडेम गांव में एक महिला ने कथित रूप से अपने दो मासूम बच्चों की हत्या करने के बाद आत्महत्या कर ली। मृत बच्चों में एक 10 माह का शिशु और दो वर्ष का बालक शामिल है। पुलिस के अनुसार मेकाला महेश यादव की पत्नी ऐश्वर्या के साथ पारिवारिक विवाद चल रहा था। बताया जाता है कि विभिन्न मुद्दों को लेकर दोनों के बीच अक्सर झगड़े होते थे और पिछले छह महीनों में मतभेद बढ़ गए थे। इसी कारण ऐश्वर्या कुछ समय के लिए अपने मायके चली गई थी। परिवार के समझाने पर सोमवार को वह वापस ससुराल लौटी थी।

दुंडीगल क्षेत्र में साइबराबाद पुलिस की पैदल गश्त तेज

हैदराबाद, 3 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद पुलिस ने गहन गश्त अभियान के तहत दुंडीगल पुलिस स्टेशन क्षेत्र में पैदल गश्त बढ़ा दी है। मंगलवार को दुंडीगल थाने से जुड़े गश्ती वाहनों और ब्लू कॉल्ट कर्मियों को व्यस्त सार्वजनिक स्थलों और यातायात चौराहों पर तैनात किया गया। पुलिसकर्मियों ने भीड़भाड़ वाले इलाकों में पैदल गश्त कर लोगों से बातचीत की और संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखी। कमिश्नरेट के वरिष्ठ अधिकारियों ने बताया कि इस पहल का उद्देश्य आम नागरिकों में सुरक्षा की भावना को मजबूत करना और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तुरंत पहचान करना है।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग

हमारी दिशा और ...

तब अर्थव्यवस्था की तेज प्रगति विकसित भारत का भी बहुत बड़ा आधार है।

इस वेबिनार का विषय देश की आर्थिक वृद्धि को सुदृढ़ करना है। भारत अपनी मजबूत अर्थव्यवस्था के कारण विश्व के लिए आशा की किरण बनकर उभर रहा है, और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में परिवर्तन हो रहा है, ऐसे में तीव्र आर्थिक विकास विकसित भारत की परिकल्पना को साकार करने का आधार बन गया है।

उन्होंने कहा कि हमारी दिशा स्पष्ट है, हमारा संकल्प स्पष्ट है। अधिक निर्माण करें, अधिक उत्पादन करें, और अब अधिक निर्यात की आवश्यकता है। हमारी दिशा स्पष्ट है। हमारा संकल्प स्पष्ट है। अधिक निर्माण करें, अधिक उत्पादन करें, अधिक संपर्क स्थापित करें, और अब अधिक निर्यात की आवश्यकता है।

पीएम मोदी ने कहा कि आज दुनिया विश्वसनीय और लचीले विनिर्माण भागीदारों की तलाश में है।

भारत के पास यह अवसर है कि वह इसमें भूमिका निभाए। आज दुनिया विश्वसनीय और टिकाऊ विनिर्माण साझेदारों की तलाश में है। भारत के पास इस भूमिका को निभाने का एक मजबूत अवसर है।

पीएम ने ओमान ...

इससे पहले, सोमवार को प्रधानमंत्री मोदी ने जॉर्डन के किंग अब्दुल्ला द्वितीय से भी फोन पर बातचीत की थी। उन्होंने क्षेत्र में फैले तनाव के मुद्दे पर चर्चा की। बातची के बाद प्रधानमंत्री ने एक्स पर एक पोस्ट में बताया, मैंने जॉर्डन के राजा किंग अब्दुल्ला द्वितीय से बातचीत की। क्षेत्र में तेजी से बदले हालात पर अपनी गहरी चिंता व्यक्त की। हमने शांति, सुरक्षा और जॉर्डन की जनता के कल्याण के प्रति अपने समर्थन की फिर से पुष्टि की। इस कठिन समय में जॉर्डन में भारतीय समुदाय का ध्यान रखने के लिए मैंने उनका आभार भी जताया।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

पीवी सिंधु सुरक्षित भारत लौटीं : ईरान के हमले के दौरान दुबई में फंसी थीं, ऑल इंग्लैंड ओपन खेलने बर्मिंघम जा रही थीं

बेंगलुरु, 3 मार्च (एजेंसियां)। भारतीय बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधु सुरक्षित भारत लौट आई हैं। सिंधु ईरान के ड्रोन अटैक के बीच दो दिन पहले दुबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर फंस गई थीं। वे ऑल इंग्लैंड ओपन खेलने के लिए बर्मिंघम जा रही थीं। दुबई से सिंधु की कनेक्टिंग फ्लाइट थी।

30 साल की सिंधु ने शनिवार को सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर वीडियो पोस्ट कर वहां के हालत बताए थे। उन्होंने दिखाया कि कैसे बड़ी संख्या में यात्री एयरपोर्ट पर फंसे हुए हैं। उनमें डर का माहौल है।

यह स्थिति मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव और संघर्ष के कारण उत्पन्न हुई थी, जिससे दुबई के

हवाई मार्ग पर व्यापक फ्लाइट रद्द किए गए थे और यात्रियों की यात्रा में भारी रुकावटें आई थीं।

सिंधु ने लौटने की जानकारी दी

सिंधु ने ट्वीट किया कि पिछले कुछ दिन उनके लिए बेहद तनावपूर्ण और अनिश्चित रहे, लेकिन अब वे बेंगलुरु में सुरक्षित हैं और भारत लौटने पर उन्हें बड़ी राहत महसूस हो रही है। उन्होंने दुबई एयरपोर्ट अधिकारियों, भारतीय उच्चायोग तथा स्थानीय सहायता कर्मियों का धन्यवाद किया, जिन्होंने इस कठिन समय में उनकी मदद की।

सिंधु ने ऑल इंग्लैंड ओपन से नाम वापस लिया

ऑल इंग्लैंड ओपन आज से शुरू होना है। सिंधु ऑल इंग्लैंड ओपन में हिस्सा नहीं ले पाएंगी। वे दुबई से भारत लौट आई हैं। बैडमिंटन एसोसिएशन ऑफ इंडिया के सेक्रेटरी संजय मिश्रा ने इस बात की पुष्टि की है कि पीवी सिंधु ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप में नहीं खेलेंगी। उन्होंने बताया कि सिंधु अगले हफ्ते होने वाले स्विस ओपन सुपर-300 टूर्नामेंट में हिस्सा लेंगी।

भारत को 2001 से खिताब का इंतजार

सिंधु अब तक ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप का खिताब नहीं जीत सकी हैं।

2021 में इस टूर्नामेंट में अपना बेस्ट प्रदर्शन करते हुए वह सेमीफाइनल तक पहुंची थीं। पिछले साल पहली ही राउंड में उनका सफर समाप्त हो गया था। अभी तक सिर्फ दो ही भारतीय खिलाड़ी प्रकाश पादुकोण (1980) और पुलेला गोपीचंद (2001) इस टूर्नामेंट को जीत पाए हैं। प्रकाश नाथ (1947), प्रकाश पादुकोण (1981), साइना नेहवाल (2015) और लक्ष्य सेन (2022) ने फाइनल तक का सफर तय किया है।

स्मृति मंधाना दुनिया की नंबर-1 वनडे बैटर बनीं

हरमनप्रीत कौर की टॉप-10 में वापसी

मुंबई, 3 मार्च (एजेंसियां)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की ओपनर स्मृति मंधाना एक बार फिर दुनिया की नंबर-1 वनडे बल्लेबाज बन गई हैं। आईसीसी की ओर से मंगलवार को जारी ताजा महिला वनडे रैंकिंग में मंधाना ने साउथ अफ्रीका की लौरा वोल्वार्ट को पीछे छोड़ दिया। वहीं, गेंदबाजी रैंकिंग में चार साल से टॉप पर बरकरार सोफी एकलस्टन को पीछे छोड़कर अलाना किंग टॉप पर पहुंच गई है।

मंधाना की रेटिंग पॉइंट्स 790 हो गई है, जबकि लौरा वोल्वार्ट का रेटिंग पॉइंट्स 782 है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज में मंधाना ने 58 और 31 रनों की महत्वपूर्ण पारियां खेली थीं। हालांकि, वोल्वार्ड्ट के पास मार्च और अप्रैल में न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाली सीरीज में दोबारा नंबर-1 बनने का मौका होगा।

भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज में बेहतर खेलने का फायदा मिला है। वह टॉप-10 में पहुंच गई हैं। उन्होंने सीरीज में 53, 54 और 25 रनों की पारियां खेलीं, जिसकी बदौलत वह चार पायदान की छलांग लगाकर 9वें स्थान पर पहुंच गई हैं। वहीं, जेमिमा रोड्रिग्स बल्लेबाजी रैंकिंग में 12वें स्थान पर मौजूद हैं।

ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज एलिसा हीली ने अपने आखिरी वनडे मैच में शतक जड़कर शानदार विदाई ली। वह 744 पॉइंट्स के साथ चौथे स्थान पर रहीं। बल्लेबाजी रैंकिंग में बेथ मूनी 749 पॉइंट्स के साथ तीसरे और एशले गार्डनर 724 पॉइंट्स के साथ पांचवें स्थान पर हैं। ऑस्ट्रेलिया की ही जॉर्जिया वोल ने सीरीज में 54 की औसत से रन बनाए, जिससे उन्हें 23 अंकों का फायदा हुआ और वह 34वें स्थान पर पहुंच गईं।

आईसीसी टूर्नामेंट में पांचवीं बार होगा भारत-इंग्लैंड सेमीफाइनल

अब तक मुकाबला 2-2 से बराबर; 1983 और 2024 में अंग्रेजों को हराया, चैंपियन भी बने

मुंबई, 3 मार्च (एजेंसियां)। भारत और इंग्लैंड आईसीसी टूर्नामेंट में पांचवीं बार सेमीफाइनल में आमने-सामने होंगे। अब तक खेले गए 4 मुकाबलों में दोनों टीमें 2-2 जीत के साथ बराबरी पर हैं। दिलचस्प बात यह है कि भारत ने इंग्लैंड को जब भी सेमीफाइनल में हराया, देश तब खिताब जीतने में भी कामयाब रहा।

भारत-इंग्लैंड पहला सेमीफाइनल 1983 वनडे वर्ल्ड कप में हुआ था। तब भारत ने अंग्रेजों को हराया और फिर फाइनल में वेस्टइंडीज को मात देकर टीम चैंपियन बनी। दोनों टीमें सेमीफाइनल में आखिरी बार 2024 टी-20 वर्ल्ड कप में भिड़ीं। तब भी भारत ने इंग्लैंड को हराया और फिर फाइनल में साउथ अफ्रीका को हराकर खिताब जीता। 1987 वनडे वर्ल्ड कप और 2022 टी-20 वर्ल्ड कप में भी भारत-इंग्लैंड सेमीफाइनल हुआ था। इन दो मौकों पर इंग्लैंड ने जीत हासिल की।

आगे पढ़िए चारों भारत-इंग्लैंड सेमीफाइनल की ब्रीफ स्टोरी। उससे पहले देखिए ICC टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में भारत का किस टीम के खिलाफ कैसा रिकॉर्ड है।

1983: जब 'अंडरडॉग' भारत ने इंग्लैंड का घमंड तोड़ा

1983 के सेमीफाइनल में भारत ने मेजबान इंग्लैंड को 6 विकेट से हराकर पहली बार फाइनल में जगह बनाई। मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड में मुकाबले से पहले इंग्लिश मीडिया और एक्सपर्ट्स ने भारत की हार लगभग तय मान ली थी। टॉस हारने के बावजूद कप्तान कपिल देव ने धीमी पिच को भांप लिया। इंग्लैंड की पूरी टीम 60 ओवर में 213 रन पर सिमट गई। कपिल देव ने 3 विकेट लिए, जबकि मोहिंदर अमरनाथ ने 12 ओवर में सिर्फ 27 रन देकर 2 विकेट चटकाए। 214 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत की शुरुआत खराब रही। 50 रन पर 2 विकेट गिर चुके थे। इसके बाद अमरनाथ (46 रन) और यशपाल शर्मा (61 रन) ने 92 रन की साझेदारी कर पारी को स्थिरता दी। यशपाल का बॉब विलिस पर जड़ा गया लेग-साइड छक्का आज भी मशहूर है। जब भारत जीत के करीब था, तब संदीप पाटिल ने मुकाबले को यादगार बना दिया। उन्होंने बॉब विलिस के एक ओवर में 4 चौके जड़ते हुए इंग्लैंड की उम्मीदें तोड़ दीं। पाटिल ने 32 गेंदों में नाबाद 51 रन की तेज पारी खेली। इस जीत ने भारत को वह आत्मविश्वास दिया, जिसके दम पर टीम ने लॉर्ड्स में फाइनल खेला और आगे चलकर दो बार की चैंपियन वेस्टइंडीज को हराकर पहली बार वर्ल्ड कप भी अपने नाम किया।

1987: गूच की 'स्वीप' मास्टरक्लास ने 83 का बदला लिया

1987 में मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में इंग्लैंड ने भारत को 35 रन से हराकर 1983 की हार का हिसाब बराबर कर दिया। घरेलू मैदान पर खिताब जीतने का भारतीय सपना यहीं टूट गया। इस मैच की सबसे बड़ी कहानी थे ग्राहम गूच। स्पिन के लिए मशहूर पिच पर उन्होंने भारतीय स्पिनर्स मनिंदर सिंह और रवि शास्त्री के खिलाफ स्वीप शॉट की बौछार कर दी। गूच ने अपनी पारी में 11 चौके लगाए और 136 गेंदों पर 115 रन बनाए। तीसरे विकेट के लिए उन्होंने माइक गेटिंग के साथ 117 रन की अहम साझेदारी की। इंग्लैंड ने 50 ओवर में 6 विकेट पर 254 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया। यह मुकाबला सुनील गावस्कर के वनडे करियर का आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच साबित हुआ। वे सिर्फ 4 रन बनाकर आउट हो गए। 255 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए मोहम्मद अजहरुद्दीन ने 64 रन की जुझारू पारी खेली, लेकिन उनके आउट होते ही भारतीय पारी लड़खड़ा गई। भारत ने आखिरी 5 विकेट महज 15 रन के भीतर गंवा दिए और 45.3 ओवर में 219 रन पर सिमट गया। दिलचस्प संयोग यह रहा कि 1983 में भारत ने इंग्लैंड को उसके घर में हराया था। 4 साल बाद इंग्लैंड ने भारत को भारत में हराकर बदला पूरा किया।

2022: बटलर-हेल्स में 170 रन की मैच विनिंग पार्टनरशिप

ऑस्ट्रेलिया के एडिलेड ओवल में इंग्लैंड ने भारत को 10 विकेट से हरा दिया। 169 रन के लक्ष्य को इंग्लैंड ने सिर्फ 16 ओवर में हासिल कर लिया। इंग्लैंड के कप्तान जोस बटलर (80* रन, 49 गेंद) और एलेक्स हेल्स (86* रन, 47 गेंद) ने 170 रन की नाबाद ओपनिंग साझेदारी की। यह उस समय टी-20 वर्ल्ड कप इतिहास की सबसे बड़ी ओपनिंग साझेदारी थी। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 168/6 बनाए। विराट कोहली ने 50 (40 गेंद) की पारी खेली। इस मैच में वे टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 4000 रन पूरे करने वाले दुनिया के पहले बल्लेबाज बने। हार्दिक पंड्या ने 63 (33 गेंद, 4 चौके और 5 छक्के) बनाए, लेकिन पावरप्ले में मैच का रुख तय हो गया। भारत ने पहले 6 ओवर में 38 रन बनाए, जबकि इंग्लैंड ने 63 रन बना डाले। नई गेंद से भुवनेश्वर कुमार और अर्शदीप सिंह प्रभाव नहीं छोड़ पाए। इसके बाद हेल्स को 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया। उनकी पारी में 7 छक्के और 4 चौके शामिल थे।

2024: कप्तान रोहित ने चुकता किया हिसाब

27 जून 2024, गयाना का प्रोविडेंस स्टेडियम। 2 साल पहले एडिलेड में मिली 10 विकेट की चोट अभी ताजा थी। भारत ने इंग्लैंड को 68 रन से हराकर न सिर्फ फाइनल का टिकट कटाया, बल्कि 2022 की हार का हिसाब भी बराबर कर दिया। भारत की शुरुआत अच्छी नहीं रही। विराट कोहली (9) और ऋषभ पंत (4) जल्दी पवेलियन लौट गए। ऐसे में कप्तान रोहित शर्मा ने जिम्मेदारी ली। उन्होंने 39 गेंदों में 57 रन बनाए और सूर्यकुमार यादव (47 रन) के साथ 73 रन की अहम साझेदारी की। बारिश की रुकावटों के बीच भारत ने 20 ओवर में 171/7 का चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया। इंग्लैंड ने 3 ओवर में 26 रन बना लिए थे और लय में दिख रही थी। तभी अक्षर पटेल ने अपनी पहली ही गेंद पर कप्तान जोस बटलर को आउट कर दिया। उन्होंने 4 ओवर में 23 रन देकर 3 विकेट लिए और प्लेयर ऑफ द मैच बने। उनके बाद कुलदीप यादव ने भी 3 विकेट निकाले और इंग्लैंड का मिडिल ऑर्डर टिक ही नहीं पाया। 172 रन के लक्ष्य के जवाब में इंग्लैंड 16.4 ओवर में सिर्फ 103 रन पर सिमट गया।

सेमीफाइनल में लगातार तीसरी बार होगा सामना

टी-20 वर्ल्ड कप में भारत और इंग्लैंड लगातार तीसरी बार आमने-सामने होंगे। 2022 में इंग्लैंड ने जीत हासिल की थी, वहीं 2024 में भारत विजयी रहा। अब 5 मार्च को मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में दोनों के बीच दूसरा सेमीफाइनल शाम 7 बजे से शुरू होगा।

रोहित-विराट का प्लान-2027

करेंगे कमबैक, खेलेंगे वनडे मैच

खेल डेस्क, 3 मार्च (एजेंसियां)। टी20 वर्ल्ड कप 2026 के बाद भारतीय क्रिकेट टीम का ध्यान पूरी तरह 50 ओवर के फॉर्मेट पर शिफ्ट होने वाला है. भारतीय क्रिकेट के दो बड़े सितारे रोहित शर्मा और विराट कोहली ने टी20 इंटरनेशनल और टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया है, लेकिन वह 2027 वनडे वर्ल्ड कप को देखते हुए अभी भी वनडे फॉर्मेट में हिस्सा बने हुए हैं. आईपीएल 2026 के बाद टीम इंडिया वनडे वर्ल्ड कप की रणनीति पर काम शुरू करेगी, जिसकी शुरुआत अफगानिस्तान के खिलाफ खेली जाने वाली वनडे सीरीज के साथ होगी. अफगानिस्तान के भारत दौरे पर एक टेस्ट मैच के साथ तीन वनडे मैच खेले जाएंगे. वनडे सीरीज से रोहित और विराट एक बार फिर टीम इंडिया की जर्सी में नजर आएंगे. यह सीरीज उनके लिए काफी होगी, क्योंकि यह 2027 वर्ल्ड कप की तैयारी का पहला बड़ा कदम है. सीरीज का पहला मैच 14 जून को धर्मशाला में खेला जाएगा. फिर 17 जून को लखनऊ और 20 जून को चेन्नई में दोनों टीमें आमने-सामने होंगी. ये इन दोनों देशों के बीच पहली वनडे सीरीज भी होगी.

इस सीरीज के बाद रोहित शर्मा और विराट कोहली के पास 2026 में कुल 12 वनडे मैच और खेलने का मौका रहेगा. जुलाई में टीम इंडिया को इंग्लैंड का दौरा करना है, जहां 3 वनडे मैच खेले जाएंगे. ये मैच 14 से 19 जुलाई के बीच होंगे. फिर टीम इंडिया को अक्टूबर 2026 में वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू सीरीज खेलनी है. दोनों टीमों के बीच इस दौरान 3 वनडे मैच खेले जाएंगे. वहीं, अक्टूबर-नवंबर में टीम इंडिया न्यूजीलैंड का दौरा करेगी, इस दौरान भी 3 वनडे मैच खेले जाएंगे. फिर साल के अंत में भारतीय टीम श्रीलंका के खिलाफ घरेलू सीरीज खेलेगी. इस दौरान भी 3 वनडे मैच होंगे. यानी ये कुल 15 मैच रोहित शर्मा और विराट कोहली का फ्यूचर तय करने वाले भी रहने वाले हैं. ये दोनों खिलाड़ी वनडे वर्ल्ड कप खेलेंगे या नहीं इस पर बीसीसीआई ने एक बार भी खुलकर अपनी बात नहीं रखी है. ऐसे में इन दिग्गजों के पास खुद की फिटनेस और फॉर्म को साबित करने का बड़ा मौका होगा.

भारत में अटके वेस्टइंडीज और जिम्बाब्वे के क्रिकेटर्स

एयरस्पेस बंद होने से बढ़ी समस्या; वर्ल्डकप से बाहर होने के बावजूद होटलों में रुके

कोलकाता, 3 मार्च (एजेंसियां)। टी-20 वर्ल्ड कप में भारत से हार के बाद जिम्बाब्वे और वेस्टइंडीज की टीमें सेमीफाइनल की रेस से बाहर हो गईं। दोनों टीमों के प्लेयर्स इसके बावजूद अपने देश नहीं लौट पा रहे हैं।

ईरान-इजरायल के बीच जंग के कारण वेस्ट एशिया का एयरस्पेस बंद है। जिम्बाब्वे और वेस्टइंडीज के प्लेयर्स को अपने देश इसी रूट से जाना है, लेकिन दोनों टीमों के खिलाड़ी फिलहाल भारत के होटलों में ही रुके हुए हैं।

क्रिकेट वेस्टइंडीज ने ऑफिशियल स्टेटमेंट रिलीज कर इस बात की जानकारी दी। बोर्ड ने कहा कि मिडिल ईस्ट देशों में सैन्य गतिविधियों और सुरक्षा खतरों के कारण इंटरनेशनल फ्लाइट रूट्स को डायवर्ट और रद्द करना पड़ा। प्लेयर्स और कोचिंग स्टाफ की सुरक्षा को देखते हुए उनकी यात्रा को टाल दिया गया है। बोर्ड अब आईसीसी और सरकार से मिलकर सुरक्षित वापसी के रास्ते ढूंढ रहा है।

जिम्बाब्वे ने रविवार को अपना आखिरी मैच साउथ अफ्रीका के खिलाफ खेला। टीम के प्लेयर्स रवाना होने वाले थे। टीम की फ्लाइट दिल्ली से दुबई और दुबई से हरारे के लिए बुक थी, लेकिन दुबई में एयरस्पेस बंद होने के कारण प्लेयर्स को भारत में ही रुकना पड़ा।

फिलहाल पूरी वेस्टइंडीज टीम कोलकाता के होटल में रुकी हुई है। वहीं जिम्बाब्वे की टीम 4 मार्च तक दिल्ली के होटल में ही रहेगी। आईसीसी दोनों देशों के बोर्ड के साथ मिलकर प्लेयर्स को सुरक्षित घर लौटाने के बारे में प्लान कर रहा है।

दूसरी ओर शनिवार को सुपर-8 स्टेज से बाहर होने वाली पाकिस्तान टीम लाहौर लौट चुकी है। टीम श्रीलंका एयरलाइंस की फ्लाइट में बैठकर कोलंबो से लाहौर पहुंची। आईसीसी ने कहा है कि कई प्लेयर्स और सपोर्ट स्टाफ की कनेक्टिंग फ्लाइट्स दुबई से हैं। एयरस्पेस बंद होने के कारण उन्हें घर भेजने में परेशानी हो रही है। इसके लिए अलग से ट्रैवल सपोर्ट डेस्क भी एक्टिव कर ली है, ताकि टीमों की परेशानी कम की जा सके। मिडल-ईस्ट (खाड़ी देशों) में बढ़ते युद्ध के हालात के चलते फ्लाइट्स पर मिसाइल हमले या अन्य सुरक्षा खतरों का अंदेशा रहता है। ऐसे में एयरलाइंस कंपनियां सुरक्षित रूट चुनती हैं, जिससे यात्रा का समय और दूरी दोनों बढ़ जाती है।

वेस्टइंडीज और जिम्बाब्वे जाने वाली फ्लाइट्स अक्सर इन एरिया से ही गुजरती हैं, इसीलिए टीम की घर वापसी में देरी हो रही है।

लियोनल मेसी के 2 गोल से जीता इंटर मियामी

पिछड़ने के बाद कमबैक किया; ओरलैंडो सिटी को पहली बार उन्हीं के घर में हराया

ऑरलैंडो, 3 मार्च (एजेंसियां)। दिग्गज फुटबॉलर लियोनल मेसी के शानदार 2 गोल की बदौलत इंटर मियामी ने ओरलैंडो सिटी को 4-2 से हरा दिया। रविवार रात इंटर एंड कंपनी स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में मियामी ने 2 गोल से पिछड़ने के बाद जबरदस्त वापसी की और मैच जीता।

खास बात यह रही कि इंटर मियामी ने अपने इतिहास में पहली बार ओरलैंडो के घरेलू मैदान पर जीत दर्ज की, इससे पहले खेले गए 9 मैचों में टीम को यहां कभी जीत नहीं मिली थी।

मैच की शुरुआत इंटर मियामी के लिए किसी बुरे सपने जैसी रही। ओरलैंडो सिटी ने होम कंडीशन का फायदा उठाते हुए शुरुआती 25 मिनट में ही मियामी को बैकफुट पर धकेल दिया था। 18वां मिनटः मार्को पासालिक ने इवान एंगुलो के पास पर गोल कर ओरलैंडो को 1-0 की बढ़त दिलाई। पासालिक का मियामी के खिलाफ यह लगातार चौथा गोल रहा। 24वां

मिनटः डिफेंडर ग्रिफिन डोर्सी की मदद से मार्टिन ओजेडा ने दूसरा गोल दागकर स्कोर 2-0 कर दिया। हाफ टाइम तक मियामी की टीम परेशानी में नजर आई। दूसरे हाफ में कहानी पूरी तरह बदल गई। मियामी के खिलाड़ियों ने अटैकिंग फुटबॉल खेलना शुरू कर दिया। 49वां मिनटः 20 साल के युवा फॉरवर्ड माटेओ सिल्वेटी ने अपने करियर का पहला गोल कर स्कोर 2-1 किया। 57वां मिनटः लियोनल मेसी ने सेगोविया के पास पर सटीक गोल दागते हुए स्कोर 2-2 की बराबरी पर ला खड़ा किया।

85वां मिनटः पूरे मैच में छाए रहे टेलैस्को सेगोविया ने बिना किसी मदद के सोलो गोल कर मियामी को पहली बार मैच में 3-2 की बढ़त दिला दी। 90वां मिनटः मैच के आखिरी पलों में मेसी ने अपने ट्रेडमार्क 'फ्री किक' पर गोल दागकर मियामी की 4-2 से जीत पक्की कर दी।

मौजूदा एमवीपी लियोनल मेसी ने इस सीजन के अपने पहले 2 गोल दागे। मेसी के अब एमएलएस के शुरुआती 55 मैचों में 52 गोल हो गए हैं।

रेड कार्ड की मारः ओरलैंडो के 19 साल के कॉलिन गुसके को मैच के 88वें मिनट में दूसरा यलो कार्ड मिला, जिससे उन्हें मैदान छोड़ना पड़ा। शानदार गोलकीपिंगः मियामी के गोलकीपर डेन सेंट क्लेयर ने दूसरे हाफ में 3 इम्पॉर्टेंट सेव किए, जिससे ओरलैंडो सिटी की टीम वापसी नहीं कर सकी।

भारत-इंग्लैंड सेमीफाइल मैच में गैफनी और पालेकर होंगे फील्ड अंपायर, मुंबई में होगा मुकाबला

मुंबई, 3 मार्च (एजेंसियां)। भारत और इंग्लैंड के बीच टी-20 वर्ल्ड कप का दूसरा सेमीफाइनल 5 मार्च को वानखेड़े स्टेडियम में खेला जाएगा। आईसीसी ने दोनों सेमीफाइनल के लिए मैच अंपायर और ऑफिशियल्स की घोषणा कर दी है। भारत के मुकाबले में ऑन-फील्ड अंपायर क्रिस गैफनी और अल्लाहुद्दीन पालेकर होंगे।

टी-20 वर्ल्ड कप 2026 का पहला सेमीफाइनल 4 मार्च को कोलकाता में खेला जाएगा, जहां साउथ अफ्रीका और न्यूजीलैंड की टीमें आमने-सामने होंगी। इस मुकाबले में ऑन-फील्ड अंपायर की जिम्मेदारी रिचर्ड इलिंगवर्थ और एलेक्स व्हार्फ संभालेंगे, जबकि थर्ड अंपायर नितिन मेनन होंगे। फोर्थ अंपायर के रूप में रॉड टकर मौजूद रहेंगे और मैच रेफरी की भूमिका जवागल श्रीनाथ निभाएंगे।

दूसरा सेमीफाइनल भारत और इंग्लैंड के बीच 5 मार्च को मुंबई में खेला जाएगा। इस हाई-वोल्टेज मुकाबले में ऑन-फील्ड अंपायर क्रिस गैफनी और अल्लाहुद्दीन पालेकर होंगे, जबकि थर्ड अंपायर की जिम्मेदारी एड्रियन होल्डस्टॉक संभालेंगे। चौथे अंपायर के रूप में पॉल राइफल मौजूद रहेंगे और मैच रेफरी एंडी पाइक्रॉफ्ट होंगे।

दोनों टीमें 2024 में भी सेमीफाइनल में आमने-सामने हुई थीं, जहां भारत ने 68 रन से शानदार जीत दर्ज की थी। उस मुकाबले में भी क्रिस गैफनी अंपायर की भूमिका में मौजूद थे। मौजूदा टूर्नामेंट में अब तक गैफनी भारत के साउथ अफ्रीका और वेस्टइंडीज के खिलाफ मुकाबलों में भी ऑन-फील्ड अंपायर रह चुके हैं।

पश्चिम एशिया में तनाव के कारण दुबई में फंसे डेनिल मेदवेदेव

पोस्ट कर बताया हाल

दुबई, 3 मार्च (एजेंसियां)। यूएस ओपन के पूर्व चैंपियन डेनिल मेदवेदेव ने बताया कि वह उन कुछ खिलाड़ियों और टीम सदस्यों में शामिल है जिन्हें एटीपी टूर दुबई से सुरक्षित बाहर निकालने की कोशिश कर रहा है। पश्चिम एशिया में तनाव के कारण व्यापक स्तर पर उड़ानें रद्द हो गई हैं और यात्रा व्यवस्था प्रभावित हुई है। मेदवेदेव के इंस्टाग्राम अकाउंट से रूसी भाषा के टेनिस पोर्टल बोल्शे की एक रिपोर्ट रीपोस्ट की गई, जिसमें कहा गया कि वह सुरक्षित हैं और दुबई में एक मित्र के अपार्टमेंट में ठहरे हुए हैं। उन्होंने पिछले सप्ताह दुबई में एटीपी टूर्नामेंट जीता था, जिसके बाद उड़ान रद्द होने से वे वहीं रुकना पड़ा।

एटीपी टूर ने बताया, हमारे खिलाड़ियों, स्टाफ और टूर्नामेंट कर्मियों का स्वास्थ्य और सुरक्षा हमारी प्राथमिकता है। हालिया एटीपी 500 इवेंट के समापन के बाद कुछ खिलाड़ी और टीम सदस्य अब भी दुबई में हैं। खिलाड़ियों और उनकी टीमों को टूर्नामेंट के आधिकारिक होटलों में ठहराया गया है, जहां उनकी तत्काल जरूरतों का पूरा ध्यान रखा जा रहा है।

मेदवेदेव और अन्य खिलाड़ियों को कैलिफोर्निया के इंडियन वेल्स में होने वाले बीएनपी परिबास ओपन में हिस्सा लेना है, जहां मुख्य ड्रॉ के मुकाबले बुधवार से शुरू होंगे। एटीपी ने कहा, हम प्रभावित खिलाड़ियों,

टूर्नामेंट आयोजकों और सुरक्षा सलाहकारों के साथ सीधे संपर्क में हैं। फिलहाल यात्रा संबंधी आकलन एयरलाइन संचालन और आधिकारिक दिशा-निर्देशों के अनुरूप जारी है। परिस्थितियां अनुकूल होते ही खिलाड़ियों और उनकी टीमों की सुरक्षित रवानगी सुनिश्चित करने के लिए हम आवश्यक सहयोग जारी रखेंगे।

तनाव का खेलों पर पड़ रहा असर

टेनिस खिलाड़ियों के अलावा इंग्लैंड (इंग्लैंड लायंस) और पाकिस्तान (पाकिस्तान शाहिन्स) की ए टीमें भी यूएई में मौजूद थीं। दोनों के बीच प्रस्तावित मुकाबला रविवार को रद्द कर दिया गया। युवा बास्केटबॉल खिलाड़ियों को भी यात्रा संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ा, जब वहां आयोजित यूरोलीग टूर्नामेंट सप्ताहांत में रद्द कर दिया गया। क्षेत्र में कई खेल आयोजनों पर असर पड़ा है। एशियाई चैंपियंस लीग फुटबॉल मुकाबले और कतर लीग को स्थगित कर दिया गया है। वहीं फॉर्मूला वन की संचालन संस्था ने कहा कि वह क्षेत्र में होने वाली आगामी रेसों पर विचार करते समय सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देगी।

11 मई से राज्यभर में प्रारंभ होगी जनगणना : रामकृष्ण राव

भारत की पहली पूर्णतः डिजिटल जनगणना होगी ऐतिहासिक

हैदराबाद, 3 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्य सचिव के. रामकृष्ण राव ने आज तेलंगाना की जनगणना संचालन निदेशक भारती होलिकेरी के साथ जिला कलेक्टरों को आगामी जनगणना की विस्तृत कार्यप्रणाली एवं तैयारियों के संबंध में जानकारी दी। बैठक में जनगणना के प्रथम चरण पर विशेष चर्चा की गई, जो 11 मई से राज्यभर में प्रारंभ होगा। मुख्य सचिव ने कहा कि जनगणना 2027 ऐतिहासिक होगी, क्योंकि यह भारत की पहली पूर्णतः डिजिटल जनगणना होगी।

संपूर्ण प्रक्रिया एक विशेष मोबाइल अनुप्रयोग के माध्यम से संचालित की जाएगी। इससे वास्तविक समय में आंकड़ों का संकलन, अधिक शुद्धता, पारदर्शिता तथा त्वरित प्रसंस्करण सुनिश्चित होगा। उन्होंने बताया कि राज्य में 11 मई से गृह सूचीकरण कार्य प्रारंभ होगा। डिजिटल पहल के अंतर्गत गृह सूचीकरण शुरू होने से 15 दिन पूर्व स्व-गणना की प्रक्रिया आरंभ की जाएगी, जिससे नागरिक निर्धारित मंच के माध्यम से स्वेच्छा से अपने विवरण ऑनलाइन दर्ज कर सकेंगे। मुख्य सचिव ने निर्देश दिया कि जनगणना के दौरान किसी भी घर, बस्ती, दूरस्थ क्षेत्र, आदिवासी टोले अथवा शहरी झुग्गी को शामिल करने से वंचित न रखा जाए।

उन्होंने विशेष रूप से दुर्गम एवं संवेदनशील क्षेत्रों में समुचित कवरेज सुनिश्चित करने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि पूर्णतः डिजिटल जनगणना की सफलता क्षेत्रीय स्तर पर कार्यरत गणनाकारों एवं पर्यवेक्षकों की तकनीकी दक्षता और तैयारी पर निर्भर करेगी। इसके लिए उच्च गुणवत्ता वाला सुव्यवस्थित प्रशिक्षण आवश्यक है। मुख्य सचिव ने समयसीमा का कड़ाई से पालन, आंकड़ों की गुणवत्ता बनाए रखने, कार्यप्रणाली में पारदर्शिता तथा प्रत्येक चरण में तकनीकी समन्वय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने जिला कलेक्टरों से तैयारियों की निरंतर समीक्षा करने और किसी भी प्रशासनिक या तकनीकी बाधा का पूर्व में समाधान करने को कहा। जनगणना संचालन निदेशक भारती होलिकेरी ने संचालन ढांचे की विस्तृत प्रस्तुति दी। उन्होंने राज्य स्तर से लेकर क्षेत्रीय स्तर तक चरणबद्ध प्रशिक्षण प्रणाली की जानकारी दी तथा मोबाइल आधारित अनुप्रयोग और पृष्ठभूमि निगरानी तंत्र सहित उन्नत डिजिटल प्रणालियों के उपयोग पर प्रकाश डाला। उन्होंने गणना खंडों के अंतिम निर्धारण, क्षेत्रीय सीमाओं के सत्यापन, उपकरणों की उपलब्धता तथा स्थानीय प्राधिकरणों के साथ समन्वय जैसे क्षेत्रीय स्तर की तैयारियों की भी जानकारी दी। बैठक में विशेष मुख्य सचिव (नगर प्रशासन एवं शहरी विकास) जयेश रंजन, प्रधान सचिव (सामान्य प्रशासन) राहुल बोज्जा, प्रधान सचिव (वित्त) संदीप कुमार सुल्तानिया, सीआईपीआर प्रियंका सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

हर महिला स्व-सहायता समूह की सदस्य को 10 लाख रुपये का बीमा : सीतक्का

हैदराबाद, 3 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। पंचायत राज, ग्रामीण विकास और महिला एवं बाल कल्याण मंत्री सीतक्का ने बताया कि दुर्घटना बीमा योजना के तहत हर स्व-सहायता समूह (एसएचजी) की महिला सदस्य को आकस्मिक मृत्यु के मामले में 10 लाख रुपये का बीमा कवरेज मिलता है। मंत्री ने कहा कि 2024 में इस योजना की शुरूआत के बाद अब तक 231 दावों का निपटान किया गया है और 23.1 करोड़ रुपये लाभार्थी परिवारों को दिए गए हैं।

उन्होंने यह भी बताया कि ऋण बीमा योजना के तहत महिला सदस्यों द्वारा बैंक से लिए गए ऋणों के लिए 2 लाख रुपये तक का बीमा कवरेज उपलब्ध है। अब तक 2,993 दावे निपटाए जा चुके हैं, जिसके लिए सरकार ने कुल 223.7 करोड़ रुपये का भुगतान किया है। सीतक्का ने कहा कि इन दोनों योजनाओं के लागू होने के बाद कई महिला समूह पुनः सक्रिय हुए हैं और नई सदस्याएं जुड़ रही हैं। उन्होंने महिलाओं के सशक्तिकरण को राज्य के विकास की आधारशिला बताया और इस दिशा में सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई।

राज्य सरकार की सोच और आकांक्षाओं के अनुरूप कार्य करें कलेक्टर : पोंगुलेटी

कलेक्टरों ने मंत्री से शिष्टाचार भेंट की

हैदराबाद, 3 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के राजस्व मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने कहा कि जिला कलेक्टरों को रेवंत रेड्डी के नेतृत्व वाली राज्य सरकार की सोच और आकांक्षाओं के अनुरूप कार्य करना चाहिए।

उन्होंने अधिकारियों से आम जनता के हितों को ध्यान में रखते हुए मानवीय दृष्टिकोण से निर्णय लेने का आह्वान किया। मंगलवार को सचिवालय में हाल ही में नियुक्त जोगुलंबा गदवाल, करीमनगर, राजन्ना सिरिसिल्ला, विकाराबाद, मेडक, भद्राद्री कोठागुडेम और हनमकोंडा जिलों के कलेक्टरों ने मंत्री से शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर मंत्री ने कहा कि पिछले दो वर्षों में मुख्यमंत्री के नेतृत्व में राज्य सरकार ने गरीबों के कल्याण और विकास के लिए अनेक योजनाएं और कार्यक्रम शुरू किए हैं। इन योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक पहुंचाना जिला कलेक्टरों की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि कल्याण और विकास के बीच संतुलन बनाते हुए प्रशासन को आगे बढ़ाना आवश्यक है। कलेक्टरों को सरकार की प्राथमिकताओं के साथ-साथ जनता की जरूरतों को समझकर कार्य करना चाहिए।

मंत्री ने कहा कि आईएएस अधिकारियों के करियर में जिला कलेक्टर के रूप में कार्य करना एक महत्वपूर्ण अवसर होता है। इससे जमीनी स्तर पर प्रशासनिक अनुभव प्राप्त होता है, जो भविष्य में अत्यंत उपयोगी साबित होता है। उन्होंने अधिकारियों से जनता के साथ सीधा संवाद बनाए रखने और जनकेंद्रित प्रशासन सुनिश्चित करने का आग्रह किया। मंत्री ने जोर देकर कहा कि राज्य के विकास और जनता के कल्याण के लिए सरकार द्वारा तैयार की गई योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू कर प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक लाभ पहुंचाना प्रशासन की सामूहिक जिम्मेदारी है। अधिकारियों को एक टीम के रूप में कार्य करते हुए सुशासन सुनिश्चित करना चाहिए।

स्टील ब्रिज स्थल पर सुरक्षा चूक, कार्रवाई की मांग

हैदराबाद, 3 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। के.टी. रामाराव ने मंगलवार को संतोष नगर-चंचलगुडा स्टील ब्रिज निर्माण स्थल पर सुरक्षा में कथित बड़ी चूक पर चिंता जताई और संबंधित अधिकारियों तथा निर्माण एजेंसी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। मीडिया रिपोर्टों पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा कि निर्माण स्थल के नीचे यातायात जारी रहने के बावजूद भारी लोहे के गर्डर क्रेनों से उठाए जा रहे थे।

उन्होंने सवाल उठाया कि मजदूर बिना बुनियादी सुरक्षा उपकरण जैसे हार्नेस और हेलमेट के काम कर रहे थे। उन्होंने कहा, अगर गर्डर फिसलकर गिर गए तो क्या होगा?

स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि सुरक्षा नियमों का उल्लंघन हो रहा है। उनके अनुसार मजदूर लोहे के गर्डरों पर संतुलन बनाकर काम कर रहे थे, जबकि नीचे सड़क पर वाहन और राहगीर गुजर रहे थे। निवासियों ने किसी भी संभावित हादसे से पहले तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष ने कहा कि ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम की इंजीनियरिंग टीम को श्रमिकों और आम जनता के जीवन को खतरे में डालने के लिए जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। उन्होंने परियोजना से जुड़ी निर्माण एजेंसी को ब्लैकलिस्ट करने की भी मांग की।

राज्यपाल ने बच्चों के साथ होली मनाई

हैदराबाद, 3 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने आज हैदराबाद स्थित लोक भवन परिसर में राजभवन कर्मचारियों के बच्चों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ रंगों के उत्सव होली हर्षोल्लास के साथ मनाई। इस अवसर पर राज्यपाल ने सभी को होली की हार्दिक शुभकामनाएं दीं तथा तेलंगाना की जनता के लिए सुख, सौहार्द और आपसी भाईचारे से परिपूर्ण जीवन की कामना की। उन्होंने कहा कि होली का त्योहार समाज में प्रेम, एकता और सद्भाव को सुदृढ़ करने का संदेश देता है।

सांसद ने दमरे महाप्रबंधक से मुलाकात की

हैदराबाद, 3 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। मेदक (तेलंगाना) के सांसद माधवनेनी रघुनंदन राव ने आज दक्षिण मध्य रेलवे मुख्यालय, रेल निलयम, सिकंदराबाद में दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक संजय कुमार श्रीवास्तव से शिष्टाचार भेंट की। बैठक के दौरान मेदक संसदीय क्षेत्र से संबंधित विभिन्न रेल विकास योजनाओं एवं प्रस्तावों पर विस्तृत चर्चा की गई। सांसद ने क्षेत्र में बुनियादी रेल सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण, नई परियोजनाओं की प्रगति तथा यात्रियों की सुविधा बढ़ाने से जुड़े विषयों को प्रमुखता से उठाया। महाप्रबंधक ने संबंधित प्रस्तावों पर सकारात्मक विचार करने का आश्वासन दिया तथा क्षेत्र में रेल अवसंरचना के विकास के लिए आवश्यक कदम उठाने की बात कही।

राहुल गांधी को निर्दोष होने के बावजूद अनुचित रूप से निशाना बनाया गया : गौड़

हैदराबाद, 3 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टीपीसीसी) के अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ ने कहा कि राहुल गांधी को निर्दोष होने के बावजूद अनुचित रूप से निशाना बनाया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि तथाकथित एपस्टीन फाइल्स प्रकरण में नरेंद्र मोदी घिरे हुए हैं और इस विषय पर भारतीय जनता पार्टी तथा आरएसएस को जवाब देना चाहिए। गांधी भवन, हैदराबाद में टीपीसीसी अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ ने पत्रकारों से अनौपचारिक बातचीत करते हुए कहा कि कल हवाई अड्डे पर राहुल गांधी से राज्यसभा उम्मीदवारों के चयन पर चर्चा हुई और 16 इच्छुक अभ्यर्थियों की सूची सौंपी गई। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी कल राज्यसभा उम्मीदवारों की घोषणा करेगी। यह भी स्पष्ट हो जाएगा कि राज्य से एक या दो उम्मीदवारों को अवसर मिलेगा। चार योग्य पिछड़ा वर्ग (बीसी) नेताओं ने भी राज्यसभा के लिए दावेदारी की है। उन्होंने स्पष्ट किया कि न्यायमूर्ति सुदर्शन रेड्डी ने राज्यसभा नामांकन की कोई मांग नहीं की है। महेश कुमार गौड़ ने कहा कि राहुल गांधी ने जिला कांग्रेस कमेटी (डीसीसी) नेताओं को पार्टी की संरचना और संगठनात्मक सुदृढ़ीकरण पर मार्गदर्शन दिया। दस दिवसीय प्रशिक्षण शिविर सख्ती से आयोजित किए गए। आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के आठ डीसीसी अध्यक्ष, जो दस दिवसीय प्रशिक्षण में एक दिन से अधिक अनुपस्थित रहे, उन्हें प्रशिक्षण प्रमाणपत्र प्रदान नहीं किए गए। उन्होंने आरोप लगाया कि के. चंद्रशेखर राव ने पूर्व में तीसरे मोर्चे का समर्थन करने वाली पार्टियों को आर्थिक सहायता देने की बात कही थी, लेकिन उस धन के स्रोत पर आज भी प्रश्नचिह्न बना हुआ है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री की इस टिप्पणी—यदि प्रत्येक कार्यकर्ता एक रुपया दे तो एक हजार करोड़ रुपये जुट सकते हैं, को बीआरएस के नेता तोड़-मरोड़ कर पेश कर रहे हैं। उन्होंने सवाल किया कि क्या बीआरएस ने तेलंगाना के लिए संघर्ष करने वालों को एक भी राज्यसभा सीट दी है, जबकि उसने कॉरपोरेट समर्थित उम्मीदवारों को अवसर दिया। उन्होंने बताया कि कुछ निगमों के पद मार्च माह में भरे जाएंगे और इस संबंध में प्रक्रिया जारी है। केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन की टिप्पणियों पर संबंधित मंत्री पहले ही प्रतिक्रिया दे चुके हैं। उन्होंने कहा कि विजयन केवल राजनीतिक कारणों से बयान दे रहे हैं और कांग्रेस पार्टी केरल में सरकार बनाएगी। कुछ डीसीसी अध्यक्षों ने विधायकों के असहयोग की शिकायत की है। आठ निर्वाचन क्षेत्रों के डीसीसी अध्यक्षों ने समर्थन न मिलने की बात रखी। इस पर राहुल गांधी ने तुरंत ध्यान देने का निर्देश दिया और संबंधित विधायकों के साथ तत्काल चर्चा की गई। माओवादी मुद्दे पर उन्होंने कहा कि माओवादियों ने दशकों तक अपनी विचारधारा के लिए कार्य किया है। कांग्रेस ने ऑपरेशन कगार का विरोध किया था। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी पाकिस्तान से वार्ता के लिए तैयार हैं, लेकिन माओवादियों से बातचीत नहीं करते। वैचारिक मतभेदों के बावजूद जनता के लिए संघर्ष करने वालों के प्रति सम्मान होना चाहिए। चाहे कांग्रेस हो या माओवादी, दोनों ने गरीबों के हित में संघर्ष करने का दावा किया है। जो माओवादी आत्मसमर्पण कर कांग्रेस में शामिल होना चाहते हैं, उनका स्वागत है। हमने किसी को आमंत्रित नहीं किया है; यदि कोई स्वयं आना चाहता है तो वह पार्टी से संपर्क कर सकता है।

'प्रधानमंत्री की कुर्सी 2047 तक खाली नहीं' : सुभाष

राहुल पिच पर बीजेपी ने सीएम पर किया हमला

हैदराबाद, 3 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने मंगलवार को मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी पर निशाना साधा, जिन्होंने राहुल गांधी को देश का अगला प्रधानमंत्री घोषित करने का इशारा किया था। बीजेपी के राज्य प्रवक्ता और मीडिया प्रभारी एन.वी. सुभाष ने प्रेस विज्ञप्ति में मुख्यमंत्री के बयान के आधार पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री की कुर्सी कहां खाली है? उन्होंने जोर देकर कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जनता का मजबूत समर्थन प्राप्त है और यह पद अगले दो दशकों तक, यानी 2047 तक खाली नहीं रहेगा। सुभाष ने आरोप लगाया कि कांग्रेस तेलंगाना में अपने चुनावी वादों को पूरा न करने से ध्यान भटकाने के लिए 'अतिशयोक्तिपूर्ण राजनीतिक दावे' कर रही है। केवल 17 लोकसभा सीटों वाले राज्य में ऐसे बयानों को उन्होंने 'राजनीतिक कल्पना' बताया, न कि वास्तविकता। बीजेपी नेता ने कांग्रेस के आंतरिक मतभेदों की ओर इशारा करते हुए कर्नाटक की राजनीति से तुलना की और राहुल गांधी की नेतृत्व क्षमता पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि शीर्ष पद के लिए उनका प्रचार अभी समयपूर्व है। सिविल मामलों में, बीजेपी ने कथित रूप से ग्रेटर हैदराबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन (जीएचएमसी) को पुनर्गठित करने के प्रस्ताव का विरोध किया। पार्टी का आरोप है कि इससे संपत्ति पंजीकरण, कर भुगतान और नागरिक सेवाओं में प्रशासनिक भ्रम उत्पन्न होगा। पार्टी ने केंद्रीय निधियों के उपयोग में पारदर्शिता की मांग की, जो कथित रूप से नगर निकायों के लिए 650 करोड़ रुपये हैं, और कांग्रेस द्वारा प्रति म्युनिसिपल डिविजन 2 करोड़ रुपये देने के वादे की स्पष्टता मांगी। बीजेपी नेता ने जीएचएमसी चुनाव और 2028 विधानसभा चुनाव से पहले पार्टी की मजबूत सफलता की संभावना जताई।

हरीश राव ने 'व्हाइट कोट क्रांति' को दिया समर्थन

122 एमबीबीएस छात्रों को सहायता

हैदराबाद, 3 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री और वरिष्ठ बीआरएस नेता टी. हरीश राव ने मंगलवार को अपने आवास पर आर्थिक रूप से पिछड़े एमबीबीएस छात्रों को नौ चेक वितरित किए, जो बीएलआर चैरिटेबल ट्रस्ट के माध्यम से वित्तीय सहायता के रूप में दिए गए। चेक पार्टी के विधायक बी. लक्ष्मा रेड्डी की उपस्थिति में वितरित किए गए। हरीश राव ने कहा कि केवल इस शैक्षणिक वर्ष में ही 122 मेडिकल छात्रों को उनके शिक्षा खर्च में सहायता प्रदान की गई। उन्होंने इस पहल को केवल दान नहीं बल्कि भविष्य की स्वास्थ्य प्रणाली में निवेश बताया, जिसका उद्देश्य पिछड़े समुदायों के प्रतिभाशाली युवाओं को सशक्त बनाना है। उन्होंने तेलंगाना में मेडिकल शिक्षा के विस्तार पर प्रकाश डालते हुए पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव को व्हाइट कोट क्रांति लाने का श्रेय दिया, जिन्होंने हर जिले में मेडिकल कॉलेज स्थापित किए और सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत किया।

इस कार्यक्रम में पूर्व कॉर्पोरेटर्स देवेन्दर रेड्डी और प्रभुदास, बीआरएस पार्टी नेता प्रवीन मुदिराज, महेश गौड़, वंजारि प्रवीन करिपे पिली नगराजू, बोसानी पवन कुमार, दयाकर रेड्डी, श्रवण, रघुवरन, नानी, राजेश गौड़, कडिगे शेखर सहित कई कार्यकर्ता शामिल हुए।

अमीनपुर झील पर फिर दिखा दुर्लभ रेड-ब्रेस्टेड फ्लाईकैचर

हैदराबाद, 3 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। पक्षियों के अनुकूल वातावरण में कमी के बावजूद शहर की अमीनपुर झील पर एक बार फिर दुर्लभ रेड-ब्रेस्टेड फ्लाईकैचर दिखाई दिया है। कुछ दिन पहले इस प्रवासी पक्षी की वापसी से पक्षी प्रेमियों में उत्साह है। पक्षी प्रेमी श्याम सुंदर पोट्टुरी ने बताया कि यूरोप के जंगलों से आने वाला यह प्रवासी पक्षी शीतकालीन प्रवास के लिए लौट आया है। उनके अनुसार पिछले वर्ष भी इसकी मौजूदगी ने स्थानीय बर्डवॉचर्स का ध्यान खींचा था। इस साल मार्च में इसकी वापसी शहरीकरण और पारिस्थितिक संरक्षण के बीच संतुलन की याद दिलाती है। उन्होंने कहा कि कई लोग इस पक्षी की उपस्थिति को स्थानीय संरक्षण प्रयासों की सफलता के रूप में देख रहे हैं। हाल में शहर के जल निकायों की निगरानी और अतिक्रमण पर रोक लगाने के कदमों से कुछ सकारात्मक असर पड़ा है। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि फ्लाईकैचर की वापसी अमीनपुर झील के पहले जैसे समृद्ध पारिस्थितिकी तंत्र में आई गिरावट को भी दर्शाती है। कुछ वर्ष पहले तक यह झील ग्रेटर फ्लेमिंगो सहित कई प्रवासी पक्षियों का ठिकाना थी, लेकिन अब उनकी संख्या कम हो गई है। श्याम सुंदर ने कहा कि सच्चा संरक्षण निर्माण कार्यों से अधिक प्राकृतिक आवास को सुरक्षित रखने में है। उनके अनुसार पक्षियों को पक्के रास्तों या संरचनाओं की नहीं, बल्कि सुरक्षित और अबाधित हरित क्षेत्र की आवश्यकता है।

खाड़ी देशों से हैदराबाद के लिए आंशिक उड़ान सेवाएं फिर शुरू

हैदराबाद, 3 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। खाड़ी देशों और हैदराबाद के बीच आंशिक व सीमित उड़ान सेवाएं मंगलवार से फिर शुरू हो गईं। हाल ही में हवाई क्षेत्र में आई बाधाओं के बाद कुछ एयरलाइनों ने फंसे यात्रियों को निकालने के लिए विशेष सेवाएं शुरू की हैं।

जानकारी के अनुसार, खाड़ी क्षेत्र के कुछ हिस्सों में हवाई क्षेत्र पर प्रतिबंध लगने से कई दिनों तक उड़ान संचालन प्रभावित रहा। अब एयरलाइंस ने राहत स्वरूप आंशिक परिचालन बहाल किया है। इंडिगो ने जेद्दा से हैदराबाद सहित कई भारतीय शहरों के लिए विशेष निकासी उड़ानें संचालित कीं, ताकि रद्द उड़ानों के कारण फंसे यात्रियों को वापस लाया जा सके। वहीं यूएई की एयरलाइंस एमिरेट्स और एतिहाद एयरवेज ने भी सीमित सेवाएं दोबारा शुरू की हैं, हालांकि पूर्ण संचालन अभी बहाल नहीं हुआ है। बताया गया है कि कई नियमित उड़ानें अब भी निलंबित हैं और राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उड़ान कार्यक्रम स्थिति के अनुसार बदल रहे हैं। यात्रियों को सलाह दी गई है कि हवाई अड्डे जाने से पहले संबंधित एयरलाइन से अपनी उड़ान की स्थिति की पुष्टि कर लें, ताकि किसी असुविधा से बचा जा सके।

सब्जियों की कीमतों में गिरावट से आलू-टमाटर किसानों को भारी नुकसान

संगारेड्डी, 3 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। सब्जियों की कीमतों में आई भारी गिरावट के कारण जिले के आलू और टमाटर किसानों को गंभीर आर्थिक नुकसान का सामना करना पड़ रहा है। थोक बाजार में किसानों को मुश्किल से 5 रुपये प्रति किलो का भाव मिल रहा है, जिससे कटाई और परिवहन लागत निकालना भी कठिन हो गया है। जिले के जहीराबाद क्षेत्र में आलू की खेती प्रमुख रूप से की जाती है, जबकि पूर्व मेडक क्षेत्र के गजवेल और दुब्बक इलाकों में टमाटर की खेती बड़े पैमाने पर होती है। सिद्दिपेट जिले में लगभग 1,000 एकड़ में टमाटर की फसल उगाई जाती है।

किसानों के अनुसार, टमाटर और आलू की खेती पर प्रति एकड़ 80,000 से 90,000 रुपये तक खर्च आता है। मौजूदा दामों में निवेश की वसूली संभव नहीं है। कोहिर के आलू किसान स्वरूप रेड्डी ने बताया कि उन्हें जहीराबाद मंडी में 550 रुपये प्रति क्विंटल का भाव मिला। वहीं सिद्दिपेट जिले के किसान टी. येल्लेशम ने कहा कि टमाटर के लिए उन्हें केवल 4 रुपये प्रति किलो का मूल्य मिला। लाभ न होने के कारण कई किसान फसल की कटाई ही नहीं कर रहे हैं। उनका आरोप है कि बागवानी विभाग द्वारा सब्जी उत्पादन के नियमन में उचित योजना की कमी से उन्हें बार-बार नुकसान उठाना पड़ रहा है। किसानों ने सरकार से भंडारण इकाइयों और प्रसंस्करण उद्योगों की स्थापना की मांग की है, ताकि भविष्य में ऐसे संकट से बचा जा सके। उधर खुदरा बाजार में टमाटर और आलू 10 से 20 रुपये प्रति किलो के भाव से बिक रहे हैं।

आईआईएमसी और आईपीई में प्रोजेक्ट वर्क पर जागरूकता सेमिनार 5 मार्च को

हैदराबाद, 3 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड कॉमर्स डिग्री एंड पीजी कॉलेज (स्वायत्त) और इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक एंटरप्राइजेज संयुक्त रूप से 5 मार्च को दोपहर 1:30 बजे आईआईएमसी कॉलेज परिसर, लकड़ीकापुल में डिग्री और पीजी के अंतिम वर्ष के छात्रों के लिए 'प्रोजेक्ट वर्क पर जागरूकता सेमिनार' का आयोजन करेंगे। कॉलेज प्रशासन के अनुसार, सम्मेलन की जानकारी छात्र परिषद सदस्यों के माध्यम से शहर के विभिन्न कॉलेजों को भेज दी गई है। संगोष्ठी का उद्देश्य डिग्री और स्नातकोत्तर छात्रों को उस्मानिया विश्वविद्यालय और आईपीई के 15 प्रतिष्ठित संकाय सदस्यों द्वारा किए जाने वाले प्रोजेक्ट कार्यों की जानकारी देना है। सेमिनार के लिए पंजीकरण शुरू हो चुका है और यह निःशुल्क है। प्रतिभागियों को आईआईएमसी और आईपीई की किट, एक पॉकेट प्रोजेक्ट वर्क मार्गदर्शिका तथा प्रशंसा पत्र प्रदान किया जाएगा। भागीदारी 'पहले आओ, पहले पाओ' के आधार पर होगी। अधिक जानकारी के लिए 9346978530, 9492863583, 9493976082 और 9703476767 पर संपर्क किया जा सकता है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.